

PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**0 5]

मई बिल्ली, शनिबार, जनवरी 31, 1981 (माध 11, 1902)

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 31, 1981 (MAGHA 11, 1902) No. 51

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

## भाग 111-वन्द्र 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

32014/1/80-प्रणा० II---मध्यक्ष, संघ लोक सेवा भावीय द्वारा स्थाई मधीक्षक (हाल) श्री एम० एख० धवन को संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में 1-12-80 से 28-2-81 तक की भवधि के लिये भथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप नियंसक (स॰ सं०) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 जनवरी 1981

सं o ए० 12019/1/80-प्रशाo II---सचिव, संघ स्रोक सेवा श्रायोग द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० सें० के स्थाई सहायक श्री ब्रह्मानन्द को 26-12-1980 (श्रपराह्म) से तीन वर्ष की श्रवधि के लिये अथवा श्रागामी ब्रादेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (हिन्दी) के सवर्गवाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति भाषार पर नियुक्त क्षिया जाता है।

फनिष्ठ ग्रन्सन्धान (अधिकारी हिन्दी) के पद पर उनकी नियुक्ति के दौरान श्री ब्रह्मानन्द का बेतन समय समय पर यथा संगोधित बित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० ज्ञा० स० एफ० 10 (24)/६० 111/60 विनांक 4-5-1961 के उपबन्धों की गर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

> पी० एस० राणा. अनुभाग अधिकारी कृते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० ए० 19021/11/80-प्रमा०5---राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से श्री तिलक काक, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश 1971) को दिनांक 22-12-1980 (पूर्वाह्म) से अनले आदेश तक के लिये प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस

(1121)

1-436GI/80

प्रधोक्षक, विशेष पुलिस् स्थापना, केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरी, देहरादून शाखा के रूप में नियुक्त करते हैं।

> होरो ए० शहननी, प्रणासन ग्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

## नई दिल्ली, विनांक 13 जनवरी 1981

सं० एस० 9/70-प्रशा० 5 (खण्ड-111):—श्री एस० के० दत्ता भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1959) ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1980 के ग्रपराह्न में पुलिस उप-गहानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सींप दी गई।

की० ला० ग्रोवर, प्रशासन ग्रिधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

## महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पृलिस (बल)

#### नई दिल्ली दिनांक 3 जनवरी 1981

सं० भ्रो० दो 1429/78-स्थापना--श्री एस० पी० श्रीवास्तव, उप पुलिस भ्रधीक्षक, प्रथम सिगनल, बाहिनी, के० रि० पु० बल की सेवाएं उनके निवारक परि-चालन निदेशालय में प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप उपयक्त निदेशालय को 16-12-80 (भ्रप०) से निवर्तित की जाती है।

#### दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० अो० दो० 1444/79-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफ्तेखारूनिसा बेगम को दिनांक 27-12-1980 के पूर्वाह्न से केबल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर सदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सुरी, सहायक निवेशक (स्थापना)

## महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक

## बंगलौर, दिनांक 2 जनवरी 1981

सं० स्था० I/ए-4/80-81/1019:—-महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक, बंगलौर के निम्न लिखित स्थापक लेखा ग्राधिकारियों को, (Officiating A. Or.) उसी कार्यालय में लेखा ग्राधिकारी के श्रेणी में उनके नाम के सामने सुचित

किये	गये	दिनांक	कें	मनुसार	मौलिक	क्प	मे
(Subs	tantive	capacity	() पद	क्षित किया	गया है	<b>;</b> (	

ऋम सख्या श्रधिकारी के नाम	पुष्टिकी गई
	विनां क
	(Confirmation Date)
सर्वेथी	
1. वि० कण्णव	1-2-1980
2. के० नारायणन (1)	1-2-1980
3. डी० तिरूवेंकटस्वामी	1-5-1980
4. पी० एस० शंकर सुब्बरामन	1-7-1980
5. श्रोय० के० श्रीनियासन	2-10-1980
<ol><li>क्यार० गोपालकृष्णमाचार</li></ol>	1-11-1980
<ol> <li>हेच० एस० रामस्वामी</li> </ol>	1-11-1980
8. एस० रामचन्द्रन	1-1-1981

श्रार० के० चन्द्रशेखरन,

महालेखाकार

# महालेखाकार का कार्यालय, केरल

ितिश्वनन्तपुरम, दिनांक 3 जनवरी 1981

सं० स्था०/प्र०/9/86/खण्ड 2/96—नीचे बताये ध्रनुभाग प्रधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) की प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से धगले भादेशों तक लेखा ग्रधिकारियों के पद में स्थानापक्ष होने हेतु नियुक्त करने के लिये महालेखाकार केरल सन्तुष्ट हुए हैं:—

 1. श्री पी० पी० चुम्मार
 1-1-1981

 (प्रोफोर्मा)
 (पूर्वाह)

 2. ए० जे० जोसफ
 1-1-1981

 (पूर्वाह्न)
 (पूर्वाह्न)

्ंडी० शिवरामकृष्णन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

भारती लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग श्रीनगर, दिनांक 7 जनवरी 1981

सं० प्रणा० 1/60 (Gen.) 80-81/4510— महालेखाकार जम्मू व काश्मीर श्रीनगर ने, श्रगले श्रीवेश दिये जाने तक इस कार्यालय के श्री बद्री नाथ बट्ट स्थाई श्रनुभाग श्रधिकारी को 7-1-81 पूर्वाह्म से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में प्रोन्नति किया है।

हर प्रसाद दास, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र० एवं अधि०)

निदेशक लेखा डाक का कार्यालय, कपूरथला कपूरथला, दिनांक 18 दिसम्बर 1980 विषय:—कार्यालय निदेशक लेखा (डाक) श्रिधसूचना कार्यालय आदेश सं० प्रणासन/ए-6/ग्रनुशासनात्मक/गेहना राम/ 447—श्री मेहाना राम ग्र०लेखाकार सुपुत्र श्री दीवान चन्द जो इस कार्यालय में श्रवर लेखाकार कर्मचारी के पद पर था। 22-6-80

से श्रधिकृत गैर हाजरी पर था तथा इस कायलिय द्वारा भेजे गये ज्ञापन जोकि उसके विये हुए पत्ते पर भेजे गये थे में से किसी को भी प्राप्ति स्वीकृति उसने नहीं दी। विभागीय नियमों के मधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के उपरान्त उसे 1-12-80 पूर्वाह्म से नौकरी से निकाले जाने का आदेश उसके दिये हुए पत्ते पर भेजा गया था। चुंकि वह रजिटर्ड लिफाफा जिसमें उक्त कर्मचारी के नौकरी से निकाले जाने का आर्देश था। और जो उसके दिये हुए पत्ते पर भेजा गया था बिना वितरण के वापिस स्ना गया है। इसलिये पद अधिसुचित किया जाता है कि श्री गेहना राम सुपुन्न श्री दीवान चन्द्र को 1-12-80 (एफ० एन०) पूर्वाञ्च से नौकरी से हटाया गया है।

> एस० म्रार० हिरेमट, निवेशक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग निवेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, मध्य रेलवे

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० ए० यू०/म्रडमन/मिस/कॉन/205-श्री म्र० रा० निकते, स्थाई लेखा परीक्षा श्रधिकारी, दिनांक 31-12-1980 अपराह्म से सरकारी सेवा से प्रधिवार्षिकी पर निवृत्त हो गये ।

> स० य० गोविन्दराजन, निदेशक लेखा परीक्षा

#### रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा श्रार्धनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० 1/81/ए०/ई-1-वार्धक्य निवृत्ति भ्राय प्राप्त कर श्री मोहित कुमार सेन गुप्ता मौलिक एवं स्थाई सहायक/स्थाना-पन्न सहायक स्टाफ अफसर दिनांक 31-12-1980 (अपराह्म) ∙से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० श्रो० एफ० प्रशासन, कृते महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

## भारतीय ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा भ्रार्हनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० 80/जी/80--तीन महीनों की सूचना को समाप्ति पर, श्री जे० बी० सबसेना, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेष्ठ) स्तर-1 मीलिक एवं स्थाई महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड-II) दिनांक 18 सितम्बर, 1980 (ग्रपराह्न) से स्वेच्छा से सेवामुक्त हुए।

सं० 81/जी/80-वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्तकर निम्न-लिखित श्रिधकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवानिवृत्त हुए---

क्रम सं० नाम एवं पदनाम	सेवा निवृत्ति की तारीख
<ol> <li>श्री श्रार० सी० गुप्ता, स्थानापन्न वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० (मौलिक एवं स्थाई डी० ए० डी० जी०</li> </ol>	31 <b>वीं जुलाई</b> , 1980 (ग्रपराह्न)
<ol> <li>श्री डी० झार० कलोटा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)</li> </ol>	31वीं भ्रगस्त, 1980 (अपराह्म)

वी० के० मेहता; सहायक महानिदेशक

#### कलकत्ता-700069, दिनांक 26 दिसम्बर 1980

सं० 7/80/ए०/एम०--वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु (58 वर्ष) प्राप्तकर, निम्नलिखित स्थाई सहायक सर्जन ग्रेड-1 (सहायक चिकित्सा ग्रधिकारियों के पद पर पुनः पदनामित) प्रयेक के सामने दर्शाई गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए:---

ऋम सं० नाम एवं पद	फैक्टरी	दिनांक
<ol> <li>डा० पी० सी० सैन, सहायक चिकित्सा श्रिधकारी</li> </ol>	श्रलोटिङ ग फैक्टरी गाहजहांपुर	30-6-80 (ग्रपराह्न)
<ol> <li>डा० एम० एस० राय, स्थानापन्न वरिष्ठ चिकित्सा ग्रिक्षकारी</li> </ol>	श्रार्डनेन्स फैक्टरी अम्बा- झारी	31-10-80 (भ्रपराह्न)
		्रपी० बहल,

सदस्य कामिक

#### उद्योग मंत्रालय

#### भौषोगिक विकास विभाग

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

## नई दिल्ली दिनांक 8 जनवरी 1981

सं 12/273/61-प्रशासन (राजपन्नित) -- राष्ट्रपनि लघु उद्योग सेवा, संस्थान, नई विल्ली में उपनिदेशक (घातु कर्म) श्री एस० सी० ग्रबरोल को निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 सितम्बर, 1980 (प्रपराह्न)मे सरकारी सेवा से निव्त होने की अनुमति प्रदान करते है।

> महेन्द्र पाल गुप्त, उप निदेशक (प्रणा०)

# पूर्ति तथा निषटाने मिहानिदेशांलयं (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० प्र0-1/42(32)—राष्ट्रपति, एतब्ह्वारा श्री आर० के० सिंहल को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में अपर महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) (भारतीय पूर्ति सेवा, श्रेणी-1 का श्रिष्ठसमय वेतन मान पव) के स्थाई पद पर दिनांक 1-4-1977 से स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं। पी० डी० सेठ, उप निदेशक (प्रशासन)

## इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 जनवरी 1981

संव 104 बीव एव-19012 (3-बीव एनव एसव पी केव) / 80-19 बी- श्री बीव एनव एसव पीव किवशा को सहायक एसायनक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ६० 650 प्रतिमाह के त्यमतम बेतन पर ६० 650-30-740-35-810 वव- रोव-35-880-40-1000-दव रोव-40-1200 के बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ध्रागामी आदेश होने तक 16-10-1980 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० क्रुडणस्वामी, महानिदेशक

## भारतीय खान ब्यूरो भागपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

सं० ए०-19012/102/78-स्था० ए० — विभागीय पंदीभति समिति की सिफारिश पर श्री ए० एस० भल्ला खिनिज अधिकारी (सा०) तवर्थ श्राधार पर को दिनांक 16-12-80 के भपराह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरों में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप में खिनिज श्रिधकारी (सा०) के पद पर पदीन्निति श्रदान की की जाती है।

एस० वी० ग्राली, कॉर्योलय श्रध्यक्ष

## भारतीय सर्वेक्षण का विभाग

महासर्वेक्षक की कीयलिय

देहरादून, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० स्था 1-5680/1117-एल० पी० श्रार०—भारत के महासनक्षक, श्री एम० पी० जैन, स्थापना एवं लेखाधिकारी स्थाई ग्रुप बी मानचित्र श्रीभलेख एवं निर्गम कार्यालय (मान चिंत्र प्रकांशन निर्देशालय) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, की सेवाकाल की समाप्ति पर विनांक 31 प्रक्तूबर, 1980 (ग्रपराञ्च) से सरकारी सेवा से सहषे सेवा निकृत करले हैं। इकबाल सिद्दिकी, मेंजर इंजीनियसै, सहायक महासर्वेक्षक

### भाकाशवाणी महानिदेशालय

मई विल्ली, दिमांक 8 जनवरी 1981

सं० 4(37)/80-एस० एक०--महानिधेशक, धाकाशवाणी एतद्वारा श्री एच० एन० नवरंग को धाकाशवाणी गौहाटी में 27-11-1980 से धगले धादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के वह पर अस्थाई रूप में नियक्त करते हैं।

> हरीश चन्त्र जयाल, प्रशासन उपिनदेशक हते महानिदेशक

## सुवना भ्रौर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन भ्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई विल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० ए०-12025/4/80-स्था०--- ऋधिविधिता की झायु पर पहुंचने के फलस्वरूप इस निदेशालय के सहायक त्रोडक्सन मैनेजर (बाह्य प्रचार), श्री यू० एन० गुप्ता, 31 दिसम्बर, 1980 के घपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये। ग्राई० राममोहन राव, संयुक्त निदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1981

सं० ए० 19011/3/80-भण्डार-I—राष्ट्रपति ने डा० सी० गोपालकृष्णन को अविविद्यान प्रयोगशाला एवं पशुगृह, सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्वास में 23 अक्तूबर, 1980 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक सहायक निदेशक (भौषधविज्ञान) के पद पर पूर्णतः श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल, उप निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1981

सं० 19020/3/79-प्रशासन-1--डा० (श्रीमती) किरण तनेजा का त्यागपत स्वीकार हो जाने के फलस्यरूप उन्होंने 19 सितम्बर, 1980 के ग्रंपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, लखनऊ से दन्त शस्य निकत्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निषेशक प्रशासन

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 9 जनवरी 1981

सं० प ख प्र-1/31/78-प्रशासन:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतद्द्वारा श्री पी० प्रसाद राव को परमाणु खनिज प्रभाग में 27 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर ध्रगले ध्रादेश होने तक ग्रस्थाई रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा प्रधिकारी

## तारापुर परमाणु बिजलीघर बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

सं० ता० प० बि० घ०/1/18/(2)/77-आर०:—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एस० त्रयंबकनाथ, स्थानापक सहायक कार्मिक प्रधिकारी को तवर्थ श्राधार पर विनांक 27 श्रगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से 25 श्रक्तूबर' 1980 (श्रपराह्न) तक के लिये तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रणासनिक श्रधिकारी-II नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त श्री एस० कृष्णन, प्रणासनिक श्रधिकारी-II के स्थान पर की जा रही है जिन्हें तदर्थ श्राधार पर प्रणासनिक श्रधिकारी- के रूप में प्रोक्त किया गया है।

सं० ता० प० बि० घ०/1/18(3)/77-प्रार०:— मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री पी० गणपति, रूथाई वैयिक्तक सहायक को तदर्थ श्राधार पर दिनांक 27 अगस्त, 1980 (पूर्वाक्ष) से 25 श्रक्तूबर, 1980 (श्रपराह्म) तक के लिये तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक कार्मिक श्रधकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० त्रयंबकनाथ, सहायक कार्मिक श्रधकारी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें तदर्थ श्राधार पर प्रशासनिक श्रधिकारी भि के रूप में प्रोझत किया गया है।

द० वि० मरकले, प्रशासनिक श्रधिकारी-III

#### भ्रन्तरिक्ष विभाग

#### सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० 10/2(2)/79-सी० ई० डी० (एच०):—चीफ इंजीनियर सिविल इंजीनियरी प्रभाग, ग्रन्तरिक्ष विभाग, बंगलौर, निम्नलिखित व्यक्तियों को ग्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर "एस बी०", के पद पर श्रस्थाई रूप में उनके नामों के आगे दी गई तारीखों से श्रागामी श्रादेण तक नियुक्त करसे हैं:--

क्रम सं० नाम	इंजीनियर एस बी के पद पर नियुक्ति की तारीख
	(पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्री एम० एच० बालाकृष्णैय्या</li> </ol>	20-8-79
2. श्री एम० वी० राजगोपाल	20-8-79
<ol> <li>श्री स्रार० षणमुगावेल</li> </ol>	24-8-79
4. श्री गणेण श्रदिगा	26-6-79
<ol> <li>श्री मुहम्मद तफसीरूद्दीन</li> </ol>	4-7-80
6. कु० एम० एम० गंगापुता	22-9-80
<ol> <li>श्री सी० एल० अंजना मूर्ति</li> </ol>	24-12-80

एम० पी० श्राप् पाणिकर, प्रणासनिक ग्रधिकारी-II इतो चीफ इंजीनियर

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1980

मं० ए० 32013/8/79/ई० सी० (पार्ट):—-राष्ट्रपित ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी ग्रधिकारियों की तकनीकी ग्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीखों के बाद ग्रागे 31-12-80 तक की ग्रवधि के लिये ग्रीर दिये गये स्टेमन पर जारी रखने की मंजूरी दी है।

क्रमसं० नाम तैन	ाती स्टेशन	तवर्थं नियुक्ति की सारीख
सर्वश्री		
1. एस० डी० बंसल	रेडियो निर्माण ग्रौर विकास एकक, नई दिल	30-9-80 त्री।
<ol> <li>के०एस० नारायण- स्वामी</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ।	30-9-80
3. एच० एस० मी० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ।	30-9-80
4. ए.स० पी साहनी	रेडियो निर्माण ग्रौर विकास एकक, नई दिल्ली।	30-9-80

क्रम संख्या नाम	तैनासी स्टेशन	तवर्थं नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री		
5. एच० एस० गाहले	वैमानिक संवार स्टेशन, लखनऊ।	30-9-80
6. डी० एस० गिल	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ल	30-9-80 री
7. एस० के० दास	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	30-9-80
8. पी० वी० सुक्रह्मण्यम	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	2-8-80
9. ग्रार० एस० सन्धु	रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ल	
10. एस० राजारमन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	30-6-80
11. सी० डी० गुप्ता	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	30-6-80 f
12. एम० वी० दरभे	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	30-6-80
13. एन० एस० सिन्धु	केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली	30-6-80
14. एस० भ्रार० पदम- नाभन	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	30-6-80
15. जी० बी. क्रह्मो	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	30-6-80
16. एस० रामास्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, पोर्टबेल्यर	30-9-80
17. पी० ए० शास्त्री	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	30-9-80
18. के०बी० नन्दा	वैमानिक संचार स्टेशन, श्रीनगर	30-9-80
19. एल० आर० गोयल	रेडियो निर्माण धौर विकास एकक, नई दिल्ली	30-9-80
20. एक० एस० बाजवा	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर	30-9-80
21. एच. एस ग्रेवाल	रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ली	
	श्रार० सहायक निदेश	एन० दास, क, प्रशासन

## वन ग्रमुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरादून, दिनांक 1 जनवरी, 1981

सं० 16/265/77-स्थापना-1: -- प्राष्ट्रयक्ष, वन प्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री एम० पद्मनाभन, रेड्डी, श्रनुसन्धान श्रधिकारी (तवर्ष) डैनिङा/भारत वृक्ष सुधार परियोजना, हैदराबाद की सेवायें दिनांक 1 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाक्ष से पुनः राज्य सरकार (भ्रान्ध्र प्रदेश) को सौंप दी है।

सं० 16/365/80-स्थापना-1:—श्रध्यक्ष, वन श्रनुसन्धाम संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, तामिलनाडु वन विभाग के निम्नलिखित राज्य वन सेवा श्रधिकारियों को उनके श्रागे शंकित तारीख से दक्षिणी वन राजिक महाविद्यालय, कोयम्बट्टर में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर श्रगले श्रादेशों तक सहायक शिक्षक नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री यडविन जयाराज-दिनांक 21-10-80 के अपराह्म से
- (2) श्री एस० विश्वनाथन-दिनांक 22-10-80 के भ्रपराह्न से

र०न० महन्ती, कुल सचिव,

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्सालय

कानपुर, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० 2/81:—-प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" में निम्नलिखित प्रधिकारी प्रधिवर्षता की प्रायु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गये।

क्रम संख्या भ्रधिकारी का नाम व पद	दिनांक
<del></del>	श्रपराह्म
<ol> <li>एस० डी० सक्सेना, श्रधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीतापुर मंडल</li> </ol>	30-6-80
<ol> <li>ए० ए० किदवई, प्रधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीतापुर मण्डल।</li> </ol>	30-6 <b>-8</b> 0
<ol> <li>चौधरी हरदयाल बख्ण, श्रधीक्षक वर्ग "ख", केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, सीतापुर</li> </ol>	
मण्डल ।	31-7-80
<ol> <li>सुन्दर लाल श्रधीक्षक वर्ग "ख" मुख्या- लय, कानपुर</li> </ol>	31-8-80
<ol> <li>प्० एस० अग्रवाल, अधीक्षक वर्ग ''ख''</li> </ol>	
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बरेली मण्डल।	31-8-80

6. बी० बी० नाग, प्रधीक्षक वर्ग 'ख'	ग्रपराह्न
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर- $\Pi$ मण्डल	31-8-80
7. एस० ए० ए० रिजवी, श्रश्वीक्षक वर्ग "क्ष" केस्त्रीय जन्मान प्राप्तक कालाव	

"ख" केन्द्रीय उत्पाद शुस्क, कानपुर II, मण्डल। 31-8-80

8. के० सी० शर्मा, श्रद्धीक्षक, वर्ग "ख" केन्द्रीय उस्पाद शुल्क, बरेली मण्डल।

31-10-80

निम्नलिखित श्रधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उनके नाम के सामने दी गई तारीख को स्वर्गवासी हो गये।

 श्री एन० के० खन्ना, श्रधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुरूक मुख्याल्य, कानपुर।

20-2-80

2. श्री एन० बी० श्रीवास्तव, अधीक्षक वर्ग "ख" मुख्यालय, कानपुर

28-11-80

3. श्री पी० एस० तिवारी, श्रधीक्षक वर्ग "ख" फर्रखाबाद मण्डल।

28-11-80

जे० रामकृष्णन, समाहर्ता

## नौबहन भौर परिवहन मंझालय नौबहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० 11-टी भ्रार (2)/79:—-राष्ट्रपति श्री रमेश श्रान्त होत्री, इंजीनियर भ्राप्तसर, मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निवेशालय कलकत्ता का त्यागपन्न तारीख 9 अप्रैल, 1980 (भ्रापराह्न) से स्वीकार करते हैं।

> के० एस० सिंधु नौबहुन उप महानिदेशक

#### उत्तर रेलवे

नई विस्ली, दिनांक 2 जनवरी, 1981

सं० 5:--श्री जे० एल० खोसला, वरिष्ठ कार्मिक प्रधि-कारी (दर्जा ) II रेलवे सेवा से 31-11-80 (श्रपराह्म) से श्रन्तिम रूप से सेवानिवृत्ति हो गये हैं।

> श्रार० के० नदेसन, महाप्रबन्धक

(पुनर्बास विभाग)
पूर्ति एवं पुनर्वास यंद्रालय
मुख्य यांत्रिक श्रभियन्ता का कार्यालय
पूनर्वास भूमि उद्धार संगठन

माना कैंग्प-492015, रायपुर विनोक 9 जनवरी, 1981

सं० पी० एफ०/जी/47-800:—भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड, धनबाद में ई-2 वर्ग में इंजीनियर (इक्यूवेशन) के पद पर नियुक्ति पाने के फलस्वरूप श्री पी० सी० जिलोहा ने सहायक अभियन्ता, एफ० एम० यू०-14, पु० भू० उ० सं०, मुगमा, जिला धनबाद (बिहार) के पद का कार्य-भार दिनांक 1-1-1981 को श्रपराक्ष से छोड़ दिया।

> त्र० प्र० सक्सेना, प्रशासन श्रधिकारी वास्ते मुख्य यांक्रिक श्रभियन्ता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कर्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स भारत बैल्थ सरक्यूलेटिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नागपुर, दिनांक 5 जनवरी, 1981

सं० सांख्यिकी/8671:—कम्पनी श्रीधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स भारत वैरुथ सरक्यूलेटिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट विया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० सी० गुप्ता, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कस्पनी भ्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स पैरामाऊन्ट बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी, 1981

सं० 14470/560(5):— कम्पनी श्रधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्वारासूचना दी जाती है कि मैसर्स पैरामाऊन्ट बिजनेस सिवसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> श्रोम प्रकाश जैन, कम्पनियों का श्रतिरिक्स रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर दि श्रसोका ट्राँ-स्पोर्ट कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मन्नास, दिनांक 7 जनवरी, 1981

सं० 147/560(5)/80:—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि दि श्रसोका ट्रांस्पोर्ट कम्पनी लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> के० पञ्चापकेशन, कम्पवियों का रजिस्ट्रार

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराजाद, दिनांक 28 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 320/80-81--यत: मुझे, एस० गोविन्व राजन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिस की सं जमीन बिगमपेट में है, तथा जो हैवराबाद में 5-3-1200 घर में स्थित है (भीर इससे उपाह्मद्ध अन सुची में और पूर्णरूप से गणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराह्माव में भारतीय रजिस्ट्र करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मंत्रील 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दश्यमान प्रतिक्षत्र के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्त से अधिक है भीर चन्तरक (धन्तरकों) भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मसिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आम की बाबत, उक्त श्रक्षिनियम भे अधीन भर देने के शन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर बर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत मिलियम, या जन-कर घरिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था थाकियाजाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मृत: मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाबीन, विस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थावु :---

(1) श्रीमती फिलाबाई कोराटकर पिता वितलराव कोटातकर 5-4-446 नामपल्ली स्टेशन रोड हैदराबाद-500001

(भ्रम्लरक)

(2) (1) श्री टी॰ एफ॰ प्रसाद पिता राजगोपाल (2) टी॰ नीटमला पति टी॰ एफ॰ प्रसाद मकान नं ० 16 प्रवनतीनगर अशिद्धाग हैचराबाद 6-3-1200 बेगमपेट हैवराबाद 500016

(श्रतिरिती)

को यहस्वनाजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हं।

उन्त सम्पति के अर्घन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की सवसि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतप पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीवर चक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-नक किसी धन्य व्यक्ति क्रारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त मर्विनियम, के मध्याय 20-क में परिवादित है, वही अर्थ होगा जो उस घटनाय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जैसे कि विस्तीर्न 682 जतुरगज सात घर में पारशन नं० 6-3-1200 बेगमपेट हैदराबाद जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेखनं० 3167/80 रिजस्ट्रीकर्ता भिवकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम अधिकारी सहायक भायकर भाय्कत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैवराबाद।

नारीच : 28-11-80

प्र**कप भाई॰** टी० एन० एस०——— कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 नवम्बर, 1980

निदेश सं० खार० ये० सी० नं० 321/8 0-8 1--- नः मुझे, एस० गोजिन्द राजन

पायकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिविनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बनित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से धिक है

श्रीर जिसकी सं० 6-3-1200 हैं, जो बेगमपेट हैंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्र-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रति-फल के लिए अम्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत घिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अम्तरण लिखित में वास्त-विक क्ष्य मे कथित नहीं किया यथा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रशीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी भाष या किसी अन या अन्य पास्तियों को, जिम्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग या पा किया जाना वाहिए था, खिणाों में पृतिशा के लिए :

अतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविक्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 2-436GI/80

(1) श्रीमती फिकानाई कोराटकार पति वितफराव कोराटकर 5-4-446 नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद-500001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ जै॰ रमेश पिता सितारामय्या 56वी॰ संजिबरेडडी नगर, हैदराबाद-500038।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के शिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धर्वाघ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्वाध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो का व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थळीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिषित्रयम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घवं होगा जो उस धड़्याव में विया गया है।

## प्रनुसूची

जमीन जैसे कि विस्तीर्न 658 चतुरगज सत घट नं० 6-3-1200 बेगमपेट हैपराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3168/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैपराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 28-11-1980

### **इक्त सहर्द**≉ सीम एन० इस्<del>० -----</del>

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सुबना

#### मारत सरकार

## कार्यासव, सहायक भागकर भागुक्त (जिसीक्षाक) धर्णन रेंग, हैवक्रकार

हैदराबाद,दिनांक 28 नवम्बर 1980

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 322/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति जिल्ला उधिक बाजार बूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 6-3-1191/1 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबस प्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूभ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यकान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिष्ठत बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया क्वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-रिपम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बनने में पृथिषा के जिए; अभिर/ए।
- (ख) ऐनो किसी भाष का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रिधितियम या धनकर प्रधिन्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः धव, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त धिंपियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री नर्रासगराय गामजी पिता रंगाराव 4-5-443 गामजी बिल्डिंग सुलतान बाजार, हैदराबाद

(घन्तरक)

(2) (1) श्री टी॰ ए॰ प्रशाद पिता राजगोपाल राव (2) दी॰ निरमला पति टी॰ एफ॰ प्रसाद ब्लाक नं॰ 16 अवंतिनगर वशीरबाग हैदराबाद-29 16-3-1200 बेननपैट हैदराबाद-500016 (ग्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के प्रार्थित के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के पाजपन में जनाशन की तारीन से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना ती तानीत से 30 किंग की सन्ति।, यो भी सर्वाध कार में समान्त होती हों, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी कारित कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीखर उक्त रूपायर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंसे।

स्पन्नकोश्वर्यः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्यों जा, जो उक्त स्वधि-तियम हे अस्त्राय 20- ह में परिवाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस प्रकृषाय में विका गया है।

## अन् सूची

घर नं० 6-3-1191/1 जैसे कि विस्तीने 580 चतुरगज वामन मायक लेन बेगमपेट हैदराबाद जसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3933/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, **है**दराबाद

तारीख: 28-11-80-

प्रकल् आहे. टी. एम्. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराखाद, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निवेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 323/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्स राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6-3-1191/2 है, जो बेगमपेट हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रीस 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अस्टित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल हैं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं सुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तिय। कार्रे, जिक्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री भिमसेन शंभजानि पिता नरसिंहां राव मिनति 4-5-443 मानजी बिल्डिंग साफतान बाजार हैवराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ जे॰ रमेश पिता सीतारामय्या 56 बी॰ संजिव रेड्डी नगर, हैदराबाद-500038

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं। की भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पेक्टिकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दाें आरि पदाें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिस्तियत हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नेवा हैं।

#### अनुसुद्धी

घर 6-3-1191/2 विस्तीन 890 चतुराज वामन नायक फेन वेगमपेट हैदराबाद जैसे कि रिजस्ट्री इन विलेख नं० 4237/ 80 रिजस्टीकर्ता ग्रिक्षकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारः सहामक भायकर श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारंख: 28-11-1980

मोहरः

प्ररूप बार्ड दी. एन., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 324/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15-3-96 है, जो मोलिगृहा हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैद हैरूक ह्मली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रील 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिश्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, जिस्नीलिखत स्यक्तित्यों नृभृतिुं≅— (1) श्री मूरफीकर फोया पिता मूलफायद 15-8-317 फिककाना हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला श्रगरवाल पति किशन श्रगरवाल 15-3-87 मीफिगूजा हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर पेलका और दूसरी मंजिल के सात नं० 15-3-80 विस्तीर्न 168 जतुरगज मौफिगू हैदराबाद में जसे कि रिजस्ट्री- का नित्र में अब कि उड़ 4/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी दाकबौकी में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 8-11-1980

प्ररूप आइ<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 325/8 0-8 1---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15-3-87 है, जो मौलिगुन्डा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करोलबौकी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भ्राप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मुरलीधर कोया पिता फूलचन्द 15-8-317 फिलखाना हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला ग्रगरवाल पति श्री कृणन ग्रगरवाल 15-3-87 मौलिग्डा हैवराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्ची

घर पहला और दूसरा मंजिल नं 15-3-87 विस्तीनं 128 चतुरगज मौलिगुडा हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 583/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी गूदकंकीमें में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 28-11-1980

प्रकप आहु". टी. एन. एस.-----

बजाकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैशराबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० घार० ये० सी. नं० 326/80-81—यतः मुझे एस० गोब्बन्द राजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन कक्षम प्राधिकारी को, यह निक्ष्मा करने का बारक है कि सकाकर सम्मत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 25,800 - रा. से काधिक है

कीर जिल्ली संब 6-2-655 है, जो चिन्तलबस्ती खैरताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में बौर पूर्ण एक से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल

सामें पूर्वोक्त सम्मिश्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कड़ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह मिलात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बील रहे अन्तरण के लिए तय पाया गया मिलाक , जिल्हा लिखा उक्ते स्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सालिया के लिए;

 श्रीमती (1) विलिक्स जहान बेगम पत्नी मेजर सैयद मयूद्दीन अहमद 10-1-123/ए सब्जाजार मसाब टैंक हैदराबाद श्रीमती नाजुमुनीसा बेगम 1-8-321 बेगमपेट सिकन्दराबाद (3) श्रीमति सहरियार जहान बेगम पत्नी श्री हबीबअली अलअदिक्ल मसाब टैंक हैदराबाद जी० पी० ए० श्री वासुद्दीन बाक्खां पुत्र ए० के० बाब्खां 6-3-1111 सोमाजियूडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निफस फितमा ग्राली पिता खाजा ग्रसद श्रली, 22-3-78/2 माता कि खिड़की हैंदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियमं, के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुपृ**ची

जमीन और जिल्डिंग मकान नं० 2 घर नं० 6-2-655 जितल बस्ती कैरताबाद हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3165/80 रजिस्ट्रीकर्ता घिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (t) के बधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

दिनांक 28-11-1980 मोहर

## प्रकप बाहै. ही. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अभीन् सूचना

#### भारत सरकार

## काय्क्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 29 नवम्बर 1980

निवेश सं क्यार विकसी को तं 327/80-81--- यतः मुझे, एस को निन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट 806 दकका टवरस है, जो वशीर बाग, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यासय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्राधीन ग्राप्रैल 1980

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निज्ञित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आव वा किसी भन या अन्य महिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या छक्त विभिन्यम, या धन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 59 बगीर बाग, हैदराबाद-500001

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनसूर फतिमा, पति महमद शब्दुल बारी 3-2-367 काचिगुडा हैदराबाद

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सबधि पा तरसम्बन्धी क्यक्तियों चर स्वना की तामील से 30 दिन की वस्ति, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्न- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिएकत में किए जा सकते।

स्मष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पद्यों क्या, जा शक्क अभिनियम के सध्याय 20-क की परिवाहित हैं, वहीं सर्थ होंगा जो उस सध्याय में विश्व गया है।

## मन्त्रची

ण्लाट नं० 806 मिनार स्रपार्टमेंट, बगीरबाग में हैदराबाद, 8 मंजिल विस्तीर्न 1020 चतूर फिट, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3565/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सम्बन्ध अधिकारी सहायक भ्रायकर **भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 29-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० प्रार० ये० सी० नं० 328/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 102 मिनार श्रपार्टमेंट है, जो वशीरवाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

काँ पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार भूल्य, असके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्वेषय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्रय से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) मैंसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 59 वशीरबाग, हैदराबाद । 500001

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्राफिया सुलताना, 102 मिनार श्रपार्टमेंट, देक्कान टवरस, बशीरबाग, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (कं) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पष्टीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### मन्त्रची ।

प्लाट नं० 102 मिनार श्रपार्टमेंट, बशीरबाग, हैदराबाद, 1ली मंजिल विस्तीर्न 1284 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3566/80 रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29-11-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश मं० ग्रार० ये० सी० नं० 329/80-81---यतः मुझे एम० गोविन्द राजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्र के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० व्लाट नं० 101 मीनार श्रपार्टमेंट्स बशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वागिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिद्वती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ॣ्रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुशिधा के लिए।

अतः, अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित आक्तियों श्रथीत :--3—436G1/80

- (1) मै॰ हैदराबाद बिल्ड में 59, वर्णारवाग हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री महमूद श्रबदुल मुस्ताम 101 मीनार श्रपार्टमेंटस दक्कन टावर्म वशीरवाग, हैदराबाद । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबग्र किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विमा गया है।

#### ग्रन्स्ची

प्लाट नं ० 101 मीनार श्रपार्टमेंटम बशीरबाग हैवराबाद पहली मंजिल विस्तीर्ण 1284 म्बें ० फीट जैसाकि रजिस्ट्रीशत जिलेच नं ० 3507/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रीधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, **है**दराबाद

नारीख: :29-11-1980

प्रकृष आइ<sup>र</sup>.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 330/80-81---यतः मृझे एस० गीविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उनित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लाट नं 307 है, जो मीनार श्रपार्टमेंट्स वश्रीरवाग हैदराबाद में स्थित है (श्रोर इसमे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैंल 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दीयित्व में कभी करने या उसमें अधने में मुखिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 59 बशीरबाग हैदराबाद-500001।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती फातिमा वलीयुल्ता 23-1-291 कोटला श्रफिजा हैटराबाद ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 307 मीनार श्रपार्टमेंट्स बशीरबाग हैदराबाद तीमरी मंजिल विस्तीर्ण 1020 स्को० फीट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3568/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रोज, हैदराबाद

**नारीख: 27-11-80** 

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

थर्जन रेंज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 331/80-81—यत: मुझे एस० गोबिन्द राजन

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसको मं० प्लाट नं० 306 मीनार अपार्टमेंट्स है, जो वर्जारबाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रेपेल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिष्ठ-नियम के अधीन कर यो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसरा बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब, उक्त घिंदियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, प्रयात्:→

(1) मैसर्स हेदराबाद विरुड्स, 59, ब्र**णीरवाग** हेदराबाद।

(यन्तरक)

(2) कुमारी नजिमा यक्तियस्ला पुली महमूद विलयुल्ला 22-1-291 कोटला स्रोकिजा हेवराबाद।

(अन्तरिसी)

को यह मूचना जारो करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में प्रकार द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त भिन्न-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

्लाट न० 306 मीनार श्रपार्टमेंट्स वर्शीरबाग हैदराबाद पहली मीजल विस्तीर्ण 1020 स्क्वे० फीट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3569/80 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 27-11-1980

## प्ररूप बाई • टी • एन • एस • -----

## आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की मारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भःरत सरकार

## कार्यालय, सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 332/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 305 मीनार श्रपार्टमेंट्स है, जो बगीरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रशिक्त के लिए घन्तरित को गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकात घिक है और धन्तरक (घन्तरकों) और धन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिये तय पासा गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य रें। उचन घम्नरण निक्कित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्त, उक्त धांधिनियम के धांधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसन बचने में सृविधा के लिए; धीर/या
  - (ख) ऐसी किसी आप या जिसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रक्षिनियम, या धन-कर प्रक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्षिका के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपघारा (1) के बधीन, निम्निखिति व्यक्तियों अर्थात !--- (1) मैसर्स हैदरााबाद बिल्डर्स 59, बशीरधाग हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी वलीयुल्ला पिता महमूद वलीयल्ला 23-1-291 कोटला प्रलीमा हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारो करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां गुरू करता हूं।

#### जनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी गार्थोंप ३--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की भवधि या तरमंदंशी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का करेंगे।

स्पद्धी आहरण :---इसमें प्रपृत्त मन्दीं भीर पर्धी का, जो जनत छीन नियम ने प्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन सहयान में दिना गया है।

### भ्रनु सूची

प्लाट नं० 305 मीनार श्रपार्टमेंट्स बग्रीरबाग हैदराबाद पहली मंजिल विस्तीर्ण 1520 स्क्बे० फीट जैसा कि रजिरट्र बृत विलेख नं० 3570/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, ईंदराबाद

तारीख: 27-11-1980

प्रारूप आर्थ • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) क ग्रधीन मुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराधाद

हैदराबाद,दिनाक 27 नवम्बर 1980

निदेश गं० आर० ये० सी० नं० 333/80-81--यत: मुझे एस० गांविन्द राजन

भावकर प्रधितिथम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके गरवात् 'उरत अभिविधन' कहा गया है), की बारा 269-ख के अबीत पजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का जारण है कि स्थावर तस्यति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्या से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्याद नं व 400 मीनार श्रपाटंगेन्टस वर्णारवाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अवीन अप्रैल 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पून्य उपके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल किमनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तरिक क्यां के किया गया है:—

- (क) अशाश्या स लुई किसी अध्य को बावन, छक्त करिन्द्रम क प्रशेत कर होने क तस्तरक के गायिक्य में कमी करत वा समये अबने में सुविज्ञा के लिए और/या;
- (ख) एती किसा बाज म जिसी धन या अन्य आस्तियों
  जा, जिन्हें भारतीय श्रापकर अजिनियम, 1923
  (1922 का 11) या उन्त अजिनियम, या
  धन-भर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के श्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा श्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  सुविधा के लिए;

भतः, अतं, उल्त अधिनियन की धारा 269-र के अनुगरण में, में, खक्त पश्चिनियम को भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित्र काक्ष्तियों, अर्वात् : -- (1) वैसर्व हैइराबाद बित्डमं 59 **बणी**च्याम हैइराबाद।

(भ्रन्तरकः)

(2) महमूद नूबद्धला 23-1-291 कोटला श्राफिणा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

ा। यह पूजना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति । प्रजेन के रित्रण कार्यवाहियां करता हूं।

प्रकृत सम्पति क ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :--

- (क) इन स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है में 45 दिन की अवधि या तटसम्बन्धी स्थिकतयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोकत ज्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (२३) इस पुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा में 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिमबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्यित में किए जा सकेंगे।

साब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदीं का, जो सबत प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन घट्याय में दिया गंया है।

### अनुसूष्री

प्लाट गं० 406 मोनार अपार्टमेंट्रा वशीरकार हैदराबाद चाथी मौजल विस्तीण 1020स्कवे जीट जैसे कि राजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 3571/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रेज, ईदराबाद

तारी**ख**: 27-11-1980

प्रक्रम आह<sup>र</sup>ि टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, हेदराबाद

हेपराबाद, दिगांक 27 नवम्बर 1980

निदेश मं० ग्राए० ये० सी० नं० 334/8 0-8 1---यतः, मुझे एस० गाविन्द राजन

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रीर सिजकी सं० प्लाट नं० 407 है, जो मीनार श्रपार्टमेन्टस वर्णीरवाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल 1980

करे पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की साबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उगसे बचने में सृत्रिशा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 59 बणीरवाग हैदराबाद 500001

(भ्रन्सरक)

(2) श्री महमूद श्रजिसूरला 23-1-291 कोटला श्राफिजा हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त राम्पन्ति कं अर्जन कं राम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रमुस्ची

ण्लाट नं० 407 मिनार स्रपार्टमेंटम बशीरवाग हैवराबाद बौथी मंजिल विस्तीर्ण 1020 स्को० फीट जैसा कि रजिस्ट्रीवृत विलेख नं० 3572/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदरावाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तिया अर्थास्:---

नारीख: 27-11-1980

### प्रकप चाई• टी• एन• एस•-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 335/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 804 मिनार ग्रपार्टमेंट्स है, जो विगीरवाग हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकार्ता श्रिविकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रकरण श्रीधिनियम. 1908 (1908 का 16)के श्रधीन ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह थिण्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाउड़ प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया पतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- क) स्रत्यरण से हुई किसी अप्य की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रमारक के दायित्व मे कमी करने या उपि बचने में सुविधा के लिए; श्रीप/पा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रम्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसमं हैदराबाद विल्डमं बक्षीरवाग हैदराबाद-500001।

(अन्तर्क)

(2) श्री मिर मियादात श्रफि 208/ए, मी० ग्राई० वी० क्याटर्ग मलकपेट, हैदराबाद।

(श्रन्तिरती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वीयत</mark> संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की धवधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धवधि, को भी धवछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के शीतर छक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताकारी के पाम लिखित में किए जा सकेगें।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, भी उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अधंहोगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रन् भूची

प्लाट नं ० 804 मीनार अपार्टमटस वशीरवाग हैदराबाद आठवीं मंजिल विस्तीर्ण 1020 स्कवे० फीट जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेखनं ० 3573/80 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

नारीख: 29-11-1980

मोहरः

प्ररूप आइ. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश मं० स्रार्० ये० सी० नं० 336/80-81--यनः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 801 है, जो मीगल श्रपार्टमेंटस बजीरबाग हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिजित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित गिस्मिलिखत उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेंसर्स हैदराबाद विल्डसं 59 बशीरबाग हैदराबाद-500001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माजाहर म्रलि खान 2-6-106 सुवेदान हनभकोंडा जिला बारंगल

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

## अमुसुची

ण्लाट तं० 801 मोगल ग्रपार्टमेंटस वशीरलाग हैदराबाद श्राठवीं गंजिल विस्तीर्ण 1410 स्को० फीट जैसे कि रिजस्ट्रीकृत जिलेख नं० 3574/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंग, हैदराबाद

दिनांक: 29-11-1980

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 337/80-81---यतः मुझे एस० गोबिन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 503 है जो मोगल ग्रापर्टमेंटस बगीरबाग हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--4—436GI/80 (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 59 बगीरबाग हैदराबाद-500001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० वेंकटराज् 503 मोगल श्रपार्टमेंटस दक्कन टावर्स वशीरबाग हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्लिस्सिक् अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

प्लाट नं० 503 मोगल ग्रपार्टमेंट्स बग्नीरबाग हैदराबाद पांचवी मंजिल विस्तीर्ण 1340 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3575/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-हैदराबाद

तारीख: 29-11-1980

मोहरः

प्ररूप खाई• टी॰ एन॰ एस॰

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 338/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-२० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 702 है, जो मोगल श्रापर्टमेंटस वशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधीनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को प्रांक्त सम्पति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तविक रूप से किथ्तु नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिछ; और्र∕या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा को लिए;

जतः अथ, उक्त विधिनियम की वारा 269-म को, जनुसरण को मी, उक्त अधिनियम का धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिसिंक व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैसर्ज हैदराबाद बिल्डर्ज 59 बशीरजाग हैदराबाद 500001

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बाकर बान् 702 मोगल श्रपार्टमेंटस देक्कन टबर्स बशीरबाग हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण्:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त अधिनियम्', के अध्याय 20-क में पुरिभाषितु हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

प्लाट नं० 702 मोगल भ्रपार्टमेंटस बशीरबाग हैदराबाद नौथी मंजिल विस्तजर्न 1980 sq.ft. जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०3607/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक: 29-11-1980

प्रस्प काई, टी, एन, एस,---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैक्सराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1980

निदेश सं० भार० ऐ० सी० नं० 339/80-81---यतः मुझे/ एस० गोविन्द राजन

अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 702 है, जो मोगल श्रपार्टमेंटस बशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्र सेवणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी केकार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सूविधा भी लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गु के अनुसूरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्ज हैदराबाद बिल्डर्स 59 बगीरवाग हैदराबाद 500001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० वेंकटस्वर राव 6-3-595/13 पदमावती नगर कैरताबाद हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

प्लाट नं० 402 मोगल अपारटमटस बिशरबाग हैदराबाद चौरी मंजिल विस्तीन 1980 sq. ft. जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3607/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैपराबाद ।

दिनांक: 26 नवम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० भ्रार० ऐ० सी० नं० 340/80-81—यतः मुझे, एस० गोबिन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 20 है, जो बशीरबाग हैदराबाद स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल दिनांक 1980

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सूर्यात् :-- (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स59 बशीरबाग हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती तूरब बानू मोगल ग्रपार्टमेंटस प्लाट नं० 204 दक्कन टावरस बणीरबाग हैवराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 204 मोगल ग्रपार्टमेंटस दक्कन टावरस बशीरबाग हैदराबाद दुसरी मंजिल विस्तीर्न 1410 स्क्यू० फुट० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3609/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 29-11-1980

## प्रकृत साई॰ डी॰एग॰ एत॰--

## आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 341/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 201 है, जो दक्कन टायरस बशीर-बाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैंन 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीउ/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त आधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण जें, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिकत व्यक्तियों अधितः— (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 59 बशीरजाग हैदराबाद हैदराजाद-500001

(ग्रन्तरक)

(2) श्री (1) सूर्यनारायनम्मा पित सुन्दरमदाता (2) बी० बी० एस० एन० बी० बंगारराजू पित सुन्दरमदाता (3) बी० बी० एस० के० डी० एन० सोमराजू पित सुन्दरमदाता घर नं० 302/टैंप 3 बी० एच० ई० एफ० टाउनिशिप रामचन्द्रपुरम हैदराबाद-32 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### भ्रनुसूची

प्लाट नं० 201 मोगल श्रापर्टमेंटस दक्कन टावरस बगीरबाग हैदराबाद विस्तीर्न 1410 स्वयु० फुट० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3610/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैवराबाव

तारीख: 29-11-1980

प्रस्य आई. टी. एन. एस.----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवस्बर 1980

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 342/80-81—यतः मुक्षे, एस० गोविन्द राजन

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्स जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 203 है, दक्कन टावरस बगीरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रप्रैल 1980

को पृत्रांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयु की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्√या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों अधीत् ध-- (1) मैसर्स हैवराबाद बिल्डर्स 59 वशीरबाग हैदराबाव-500001

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती शामा भ्राफि नं० 5 पहली मेन रोड गांधीनगर, मद्रास-600020।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

## मगुस्ची

प्लाट नं० 203 मोगल भ्रपार्टमेंटस दक्कन टावरस बशीर-बाग हैदराबाद दुसरी मंजिल विस्तीने 1340 स्क्यु० फुट० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3611/80 रजिस्ट्रीकृत श्रॉधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29-11-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 343/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 702 है, दक्कन टावरस बशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ग्रुपेल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स बशीरवाग हैदराबाद-500001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मौशिया फारूकी 22-1-919 सुलतानपुर हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अमृस्**ची

प्लाट नं० 702 दक्कन टावरस बशीरबाग हैदराबाद सासवीं मंजिल विस्तीर्ने 1284 स्क्यु० फुट० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3612/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी हैंदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजनं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 29-11-1980

प्रकृष माई• टी• एत• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 29 नथम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 334/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

बायकर बिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उनित बाजार मूख्य 25,000/- व से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० व्लाटनं० 1103 है जो दक्कन टायरस बशीर-बाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिकृत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के किए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अश्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अबट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के सिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 26 किया के अनुवारच में, में, उन्त अधिनियम की धारा 26 9-च की उपजारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यन्तियों, धर्माव्ः— (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 59 बमीरबाग हैदराबाद-500001

(ग्रन्तरक)

(2) श्री (1) बी०एम० सूपानी (2) मोहिनी बी० सूपानी 3-6-361/18 हिमायतनगर हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धी तरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ण्लाट नं० 1103 मिनार श्रपार्टमेंटस दक्कन टावरस बग्नीर-बाग हैदराबाद 11वीं मंजिल विस्तीनं 1020 स्क्यु० फुट० जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3613/80 रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी हैवराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 29-11-1980

# श्रक्षण भाई • टी० एण • एस • — — अगयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ(1) के घंधीन सूचना

#### मारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 345/8 0-8 1---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपये से श्रीक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1005 है, जो दक्कन टावरस बगीरबाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजार मूक्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करते का कारण है कि सम्बापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तदिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घषि-नियम के घषीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धांग या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, का धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, बाब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन मिन्निलिखित व्यक्तियों, अर्चीत् ।——5—436GI80

(1) मैसर्स हैदराबाद विल्डर्स 59 बशीरबाग हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राफापाती रामचन्द्राराव 1005 मीनार श्रपार्टमेंटस दक्कन टावरस बशीरबाग, हैपरावाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, को छन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होना, जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

### श्रनु**सूची**

प्लाटनं 1005 मीनार प्रपार्टमेंटस दक्कन टावरस धशीर-बाग हैशराबाद 10वीं मंजिल विस्तीनं 1020स्क्यु फुट जैसे कि कृत विलेखनं 3614/80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदर बाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29-11-1980

मोहरः

पखप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज हैवराबाद

हैदराबाद,दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 346/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रचान 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संज्ञम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगति जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० व्लाट नं० 703 है, जो दक्कन टावरस वशीरवाग हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक का ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान:-- (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स59 बशीरबाग हैदराबाद-500001

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नूह्द्दीन श्रहमद फस्की 22-1-919 सुलतानपुर हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उत्तत श्रीघितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जी उस अध्याय में विषा गया है।

## ग्रनुसूची

प्लाट नं० 703 दक्कन टायरस बशीरबाग **हैदराबाद 7वीं** मंजिल विस्तीन 1020 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 3615/ 80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29-11-1980

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की आरा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज हैवराझाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 347/8 0-8 1—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी प्लाट नं । 1102 मीनार स्रपार्टमटस है, जो बशीर-बाग हैदराबाद स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूणरूप से बणित ई), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सर्में ल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिक मियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत :---

(1) मैससं हैवराबाद बिल्डर्स 59 बणीरबाग हैदराबाद-500001

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री (1) सावरी जी० सूपानी
  - (2) मनमम्मल फेखराज सूपानी
  - (3) नई मंगम्मल सूपानी 3-6-361/8 हिमयतनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**एन**त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उन्त प्रधि-नियम, के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्लाट नं० 1102 मीनार श्रापटंमेंटस दक्कन टावरस बशीरबाग हैवराबाद 11वीं मंजिल विस्तीनं 1020 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3616/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 29-11-1980

#### बारत सरकार

फार्याजय, सहायक भायकर भावूक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 348/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

जीयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मूख 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 203 है, जो दक्कन टावर्स बर्शार-बाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चः में झाँर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबद में भारताय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन श्रप्रस् 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पण्यह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तर्फ (मन्तरकों) भीर भन्ति रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; प्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी श्वन या अग्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का,11)या उन्त अधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती श्वारा, प्रमट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, श्विपान में सुविधा के सिए।

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269 म के धनुसरण में, में, उनत धिधिनियम की धारा 269 म की उपचारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तितयों अर्थात्:-- (1) मससे हैवराबाद किल्डर्स 59 बशीरबाग हैदराबाद-500001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महमकबदरुद्दीन श्रहमद 16-2-708/4 श्रकजरबाग डाकखाना मंगलकोट हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सुनमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीं के से 45 विन की प्रवित्त या तस्तंत्रं की व्यक्तियों पर चूचना की तामीं से 30 दिन की प्रवित्त को भी प्रवित्त वाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवन्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरहीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही नये होगा, जो उस मध्याय में विया गया है

## ग्रनुसूषी

ज्लट नं 203 दक्कन टावरस बर्गारबाग हैवराबाद दुसरो मंजिल विस्तीनं 1020 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3617/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीखा: 29-11-1980

## प्ररूप भाई०टी० एन० एस० ------

बायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रीवीन सूचमा

#### मारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निदेश स० ये० सी० नं० 349/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीविन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीविक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 507 है, जो मीनार श्रपार्टमेन्ट बगोवाग हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसून, में श्रीर पूर्णक्ष संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैरराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रवल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरितों (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैसर्स हैइराबाव बिल्डर्स 59 बक्षारबाग हैदराबाद-500001

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डाक्टर एम० शेणगिरीराव प्लाटनं० 507 मीनार अपार्टमेन्टम बणोरबाग हैदराबाद-500001

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 507 मोनार ग्रपार्टमेंटस दक्कन टावरस वशारबाग हैदराबाद पांजवीं मंजिल विस्तीर्न 1020 जसं कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3618/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रिधिकारी (महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नारीब: 29-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयक्र विश्विम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अशीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्याजय, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाय, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

निदेश सं० घ्रार० ये० सी० न० 350/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

धायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घश्चीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छचित वाजार मूल्य 25,000/-द के अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1-4-938/6 है, जो बकाराम हैदराबाद म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिल्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है सीच मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रतित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत छक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या म्रस्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर म्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रितः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिश्वित क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी गङ्गाम चाया देवी पिता गङ्डाम रामलू 1-5-518 गकाराम हैवराबाव

(मन्तरक)

(2) श्री मानणी पटेल पिता हाटणी पटेल 1-4-938/6 बकाराम हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को मह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवित्र, जो भी सवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में
  दितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और घर जैसाकि विस्तीर्न 1000 चतुर गज 1-4-938/6 बकाराम हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3046/80 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम भ्रविकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 1-12-1980

प्रक्ष बार्धः टी. एषः एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन सूचना

### भारत परकार

काय्लिय, सहायक मायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, हैवराकाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1980

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 351/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क निर्मा सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1-2-524/3 शाप में है, जो रोमलगूडा हैदराबाट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तिरती (भन्तिरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन भन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (बा) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व के अनुसूरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तृतिवृत् अपुनित्यों, स्पृत्रिः

(1) मैं मर्स स्वस्तीक विफडरम 1-2-524/3 रोमलगूडा हैदराबाद (श्रन्तरक)

(2) श्री स्देशाचन्द्रा मालिक 1-2-8/3 रोमलगूडा रदराबाद-500029।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रविनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### भनुसूची

शाप नं 3 सागर विया 1-2-524/3 रोमलगूडा हैदराबाद विस्तीर्न 378 स्केयर फुट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3625/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रीधकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 29-11-1980

प्रकृति प्राई० टी० एत० एस-----

म्रायक्तर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)
श्रजन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 1-1-79

निदेश मं० ग्रार० ये० सी० नं० 352/80-81--यतः मुझे, एम० गोविन्द राजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिमकी सं० 1-1-79 है, जो मुर्गादाबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण घर से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रियत करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रेल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त माँध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीजनार्थ श्रन्तियी द्वारा श्रकट नहीं किया स्था या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्वतः प्राव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता-

- (1) श्रां (1) किन्मुश्लीमा बेगम पति मूमताज बेग खान (2) ईफतकार बेग खान पिता मुमताज बेग खान
  - (3) ग्रन्जूम जहान पिता मुमताज बेग खान जी०पी० ए० सबद गानू ग्राली पिता लेत सब्यद गा ग्रामी 1-1-79 मुशीराबाद हैदराबाद

(मन्तरक)

(2) मसर्भ भागयनगर स्टूडियो प्रा० लिमिटेड रोड नं० 14 बंजारा हिल्म हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **श्रनुसू**ची

घर नं० 1-1-79 मुर्गादाबाद हैदराबाद में विस्तीर्न 3' 554 चतुर मीटर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3883/ 80 रजिस्ट्रोकर्ना ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

> ास० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नारीख : 1-1-1980

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

थायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) ं। वारा 269-घ (1) के स्रधीन सुबना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्रार्थित सं० नं० 353/60-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- स्थए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 6-2-13/1 है, जो लकडिकापल्क हैदराबाह में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भ्रूष्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रस्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसो आय को त्रावत. उक्त अग्रिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने गाउग्ये जवा में पृतिधा के लिए, और 'या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी धन या प्रत्य आस्तियों की जिन्हें भारताय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्धिनियम, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, जक्त अधिनियम को प्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

- (1) श्रीमती स्ररणिया कवादरी पति सैयद मोहियुद्दीन भ्रहमद 10-1128/2 गयाब टॉक हैदराबाद-500028 (स्रत्तरक)
- (2) श्रोमतो दाखदा गाहिद पति गाहिद ग्रालिखान 6-2-13 खेरताबाद लकडिकापूल हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

अस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **ग्राक्षेप** :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा मर्कों।

स्पन्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होना, जो उम अध्याय में विया गया है।

## अनुसुधी

जिमन जैसे कि विस्तीर्न 432.66 चतुरगज नं० 6-2-1311 फकडिकापाफू हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3175/80 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, हैदराबाद नई दिल्ली

नारीख : 5-12-80

मोहर :

6-436 GI/80

# प्रकृप धाई • ही • एन • एस •---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के धधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० स ०  $57/\overline{\mathfrak{d}}^{\,\beta}$ - 4/198 0-8 1—-यत:, मृझे के० सिहा

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है और और जिसका संव 137/135 है तथा जो ग्रामानसोल में स्थित है (ग्रीर इससे ज्याबड शन्सूचीमें और पूर्णस्य से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारा के कार्यालय ग्रामानसोल में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7-4-1980

को पूर्वित्व सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिकत के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐमे बृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रम्तरक (प्रन्तरकों) भीर शन्तरिती (शन्तरितयों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण निश्चित में वास्तिविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के सभीन कर देने के सम्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिवितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या भन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उक्शारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान ;--- (1) श्रा निरंअन काननगु

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रोगन लाल श्रेथि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भन्य स्थवित द्वारा भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो जनत धिवियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन् सूची

करीब 405 का० जमोन का साथ मकान का सबकुछ जो भारत्र्रपारा, एम० एन० माहा रोड, श्रामनसोल स्थित है श्रौर जैसे कि 1980 का दिलल स० 1760 में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, 54, रफी श्रहमद किंदबई रोड कलकत्ता।

तारीखाः 11-11-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० सी० 58/रेंज-4/कलकत्ता/1980-81--यतः, मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26 है तथा जो एन० एस० रोड ग्रामनमील स्थित है (श्रीर उससे उपावड श्रनुमूकी म श्रीर पूर्णक्ष से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रामनसील में, रिजरट्रीकरश्र ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 11-4-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रांमती सुकदो देवा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कान्हैया प्रसाद पांडे

(श्रन्तरित्तेः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

26 एन० एस० रोड ग्रामनसोल में 1 काळा 5 ½ छटांक नमोन का साथ मकान का सब कुछ जैसे सं० 1980 का दलील सं० 1952 ग्रीर पूर्णस्प संविणित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

तार्खः : 15-11-198 O

# प्रकृष प्रार्ड• टी• एन• एस•---

# स्थायकर श्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदंश सं० ए० सी० 59/रज-4/कलकत्ता/1980-81~~ यतः, मुझे, के० मिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जियका संघ 26 है तथा जो एन एएस प्रोड श्रामनसील में स्थित हूँ (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर, पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्राकर्ती श्रिधकारों के कार्यालय श्रामनमील में, रिस्ट्रिकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-4-80

को पूर्वोपत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं घीर मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्लरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घंकारक के सायित्व में धंमी करने या उसमें वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर श्रीयनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धनकर श्रीधिनयम, या धनकर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्था (:-- (1) श्रामती मुकदी देवा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामतो तारा देखी, कॉसला देखी, कमला देखी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध्य था तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की धविध्य, जो भी धविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्वे प्रपृक्त गब्दों और पदी का, जी जनन अधितियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहो धर्ष होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

26 एन० एम० रांड श्रामनसील में काठा 5 1/2 छटांक जमान का साथ महान का सब कुछ जैसे 1980 का दलीज में० 1938 में थ्रोरपूर्ण रूप सर्वाणित हैं।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेच-54, रफी **अहमद किदवई रोड,** कलकत्ता ।

नाराख: 15-11-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-४, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० मी० 75 रेंज-4, कलकत्ता-1980-81----यतः, मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव दाग 310 है तथा जो राजारहाट, दाषद्वान 24-पर्गना स्थित है (श्रौर इससे उपावद्व अनुसूची में श्रौर, पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय काणीपुर में, रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 25-4-1980

को पूर्वा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वारा करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूर्तिशा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री इसमाइल मठाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप मेहता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>7</sup>।

### अनुसूची

दाग सं० 310 ग्रार० एस० मं० 150 तैनी सं० 2998 दासदीन, पी० एस० राजारहाट में 17 1/2 डे० मी० जमीन का सब कुछ जैसे सं० 1980 का दलील सं० 3054 ग्रीर पूर्ण व्य से वर्णित है।

> कें० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-54, रफी अहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 4-12-1980

प्ररूप आहर्ि टी॰ एन॰ एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 809/एक्यु०/रेंज-3/80-81----यतः, मुझे, स्राई० वी०एस० ज्नेजा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 51 है तथा जो विवेकानन्द रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तार्र रूप 18-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठन, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिचिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुंइं किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने फे अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शान्ति देवी काजोरिया

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उमेश कुमार जयपुरिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

51, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता। (1/3वां हिस्सा)

ग्रार्ड० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख**ँ** <sup>‡</sup>4-12-1980 मोहर : प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ग्रर्जन रंज-4, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनाक 4 दिसबर 1980

निर्देश सं० 810/एक्यु० ग्रारव-3/80-81---यतः, मुझे, श्राई०वी०एस० ज्नेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षेत्र वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 51, है तथा जो विवेकानन्द रोड, कलकत्ता स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणिल है), र जिल्हें वर्ता अधिकारी के कार्यात्य बलवत्ता में, रोजर करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीट्री 18-4-1980

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्रीमती मन्तिदेवी काजीरिया

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोश देवी जयपुरिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

51, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 811/ए० सी०/फ्रार-3/80-81—यनः, मुझे, म्राई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से दिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० 51 है तथा जो विवेकानन्द रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-4-1980

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान एतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या जिया में मिश्री के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रोमती णान्ति देवी कजोरिया

(अतरक)

(2) शीमती सन्तीम देवी अवपुरिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन वें सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की बामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निष्यत में िए जा सक्षेत्रे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

51. विवेकानन्द रोड, कलकत्ता । (1/32वां हिस्सा)

> श्राई० वी० एम० जुनेजा यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकता-16

नारीख: 4-12-1980

प्रस्तप अरहरै. टी. एन . एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 8:12/ए० सी० क्यु०/धार-3/80-8:1---यत:, मुझे, आई० वी० एस० ज्नेज्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहासरनी कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम तारीख 29-4-1980

को पूर्वों करा संपरित के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6—436GI/80

- (1) ग्रीनब्यू कोग्रापरेटिकः हार्डीसंग सोसायटी लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती भारतीः मुख्या

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भारते :--

- (क)। इन्ह्य सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारी कर से 4.5 दिन, की अविधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष्.). इस. सूचता, के राज्यातः मों प्रकाशनः की तारीन्न, सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यस्त्रीक्रयमः -- इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पर्यो का, जो उक्त व्यक्तियम, के अध्याय 20 का में परिभासित हैं, बही अर्थः होगा जो; उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० ६ एम० ६०, 119, डा० मेघनाद साहासरनी।

श्राई० वो० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, 54, रफी अहमद किदवाई रोज, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1980

प्रकप बाई॰ ही॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 813/ए० सी०/ब्रार-3/80-81—यतः, मुझे, श्राई० वी०एस० जुनेजा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु० ने प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद साहासरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबढ़ श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-4-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के तृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिकत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रम्तरकों) और प्रन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय गया यया प्रतिफल, निस्नतिवित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निक्ति में बास्तिक क्ष्म मे क्षित नहीं किया वया है :--

- (क) प्रस्तरण स तृई किसी भाग की बाबत, उक्त भवितिवम के प्रशीन कर देने के भन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविकः के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें नारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त ग्रिधिनियम, एत श्रम-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, हिसाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखा व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) ग्रीनब्यु कोपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लि॰
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती फनी गुहा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सच्चेंगे ।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को जकत भिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, प्रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाटसं० 14 एन० डब्ल्यू० 119, डा० मेघनाद साहासरनी कलकत्ता।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, रफी अहमद किदवई रोड 54, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 8-12-1980

मोहरः

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III," कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 814/एक्यु०/धार-JII/80-81—यतः मुझे श्राई०वो०एस० जनेजा

आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो छा० मेघनाद साहा सरनी कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या श्रन्थ थास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिवित्यम की द्वारा 269-ग के ब्रनुसरण में, में, उक्त धिवित्यम, की द्वारा 269-व की उपधारा (1) के धिबत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) ग्रीनिमिक कोग्रापरेटिक हार्कीसंग सोसाइटें लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रदिति खान ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त सब्दों श्रीर पदों का, को उक्त श्रिक्षित्यम, के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी श्रर्थ दोगा, नो उन प्रध्यान में दिया गया है।

धनुष्चा

प्लाट सं० 13 एन० डब्ल्यू० 119, डा० भेघनाद साह्यसरन:, कलकत्ता

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-III, वाकत्ता-16 ।

तारीख: 8-12-1980

# প্রকণ কার্থিত প্রাত কাষ্ট্রত আছে ০০০০০০০০০০

अध्यक्षं समितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269क (1) के सभीन स्थाना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकता-16, विनोक 8 दिसम्बर 1980

8 1 5/एक्यु ०/म्नार-III/8 0-8 1---यतः, मुझे, निर्देश सं० भ्राई० वो० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उप्पत सिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मृष्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेथ नाव साहा सरतं., कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाधक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिक्त बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं भीर मुंझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिक्त बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत एक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय, या किसी धन या अग्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या धनकर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत्ः—

- (1) ग्रीनिमिक कोग्रापरेटिय हाक्रींसग सोसाइटी लि॰। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्राली बानार्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंपकें पूर्वोक्त'संस्पत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियाँ कपता हूं।

उन्त सन्पत्ति के अर्थन के सन्धन्ध में कोई भी ग्रांकेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्विधि दारा;
- (ख) इस भूवना के राजपन्ने में प्रकाशन की तारीख से 45 विशे के भीतर उन्नेत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा, अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इनमें प्रयुक्त गर्कों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भन्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

ण्लाट सं० 14 एम० उब्ल्यू० 119, डा० मेघ नाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> श्राई० वी ० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

प्रकृप चोद्दि टी । एन । एस ---

क्षंयकर घिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

#### मारव सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 8 16/ए० सी०/श्रार-3/8 0-8 1---यतः मुझे, श्राई०वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्वावर संस्पत्ति, जिसका उचित साजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं 119 है तथा जो डा मेघनाद साहासरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे छनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान तारीख 29-4-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है पोर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य,
छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृह
प्रशिशत से प्रधिक है भोर अन्तरक (प्रस्तरकों) और बन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ते प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उन्त भिविषम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, क्यत अधिनिषम, की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) ग्रीनंषिऊ कोब्रापंरैटिय हाउसिंग सोसाईटो लि० (श्रन्तरक)
- (2) रिवी ग्रंसटोइव बिटईटिक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचेना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के पर्जन के लिए कार्यगाहियां करेशा हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पेर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवंधि, जी भी
  ध्रवंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अस्य व्यक्ति दारी, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण 1--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उन्त अधिनियम के प्रक्रियाय 20-क में पेरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनु**सूची

प्याट सं० 3 एम० ई० 119, डा० मेघनाद साहा सरनी कलकत्ता ।

> आई० वी० एम० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीखा: 8-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16,दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 8 1 7/ए० सो० म्रार०-III/8 0-8 1——यत:, मुझे, म्राई० वो० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाव सावासरनो कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर, पूर्णकप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) ग्रोनविउ कोम्रापरेटिव हाऊर्सिग सोसाईटी लि॰ (ग्रन्सरक)
- (2) रामीन्द्रा नारायन चौधरं। । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अरे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाटसं० 1 एम० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद सादा सरनी कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेस-III, कलकत्ता-16

नारीख: 8-12-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 8 18/ए० सी०/ग्रार-3/8 0-8 1—यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जनेजा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 119 है तथा जो छा० मेघनाद सादा सरनी कलकत्ता में स्थित है) स्रोर इमसे उपाबद स्नुसूची में स्रोर, पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय वलवत्ता में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 29-4-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) ग्रानविक कोम्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटं: लि॰ (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमता इन्दिरा सेन।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

'लाटमं० 1एन० डब्ल्यू०, 119, डा०मेघनाद सा**हा**सरनी कलकत्ता ।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-III, कलकसा-16

तारीख: 8-12-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 819/ए० सी० वयु/ग्रार-III/80-81---यतः मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया,है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादासरनी कलकता में स्थितहै (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-4-1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) ग्रीनिवयु कोश्रापरेटिस हाऊभिंग सोसाईटी लि॰। (भ्रन्सरक)
- (2) श्री सेवक राम घौला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की लगरील से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि का भी
  अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गथा हैं।

### वन्स्ची

प्लाट सं० 10 एस० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद सादा सरनी कलकत्ता।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

सारीख: 8-12-1980

## प्ररूप आई० टी० एन• एस०--

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनाक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 820/ए०सी०क्यू०/म्रार०-III/80-81/कलकत्ता— यतः मुझे म्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादासरनी, कलकत्ता में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिखत में वास्तिवक रूप से किथत मही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों मो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 .(१९22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण् में. मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के सधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों सुर्थात् :— 8—436GI/80

- (1) ग्रीनिमक कोआपरेटिय हार्कीसगमोसाईटी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रनजिव बैनर्जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं भ

# **प्रनुसू**ची

प्लाट सं० 1 एस० डब्ल्यू०, 119, डा० मेघनाद सादा सरनी कलकत्ता ।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1980

प्ररूप आर्दः टी. एन्. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रोज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 821/ए० सो०क्यू०/म्रार-III/80-81-कलकत्ता---यतः, मुझे, म्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादा सरनी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) ग्रीनिमक कोथ्रापरेटिव हार्जिसगसोसाईटी लि०। (ग्रन्तरक)

(2) श्री संगीता चक्रवर्ती।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसूची

प्लाट सं० 2 एम० ई० 119, डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> श्चाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:——

तारीख: 8-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 विसम्बर 1980

निदेश सं० 822/ए० निविष्यू /०म्रार-III/80-81——यतः, मुझे, स्राई० वी० एस० जुनेजा

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से श्रीधिक है

भौर जिसकी सं 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादा सरनी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में भौर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत : अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, एक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ग्रीनमिक कोग्रापरेटिव हार्जीसग सोसाई्टी लि॰ । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीग्रमोककुमार दासगुप्ता । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्दोत्त रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 2 एम० डब्स्यू० 119, डा० मेचनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1980

प्ररूप आहूरे टी. एन् एस.----

जास्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# काय्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 823/ए० सी० स्यू०/आर-III/80-81---यतः मुझे श्राई० थी० एस० ज्नेजा,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो छा० मेघनाद सावा सरनी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथान नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्यांगे में सुविधा को सिए; बीक्ट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन् या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित उपित्रस्यों, अधीत् ह—

(1) ग्रीनमिऊ कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि॰।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निर्मल चन्द चटर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के निय कार्यगिहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

प्लाटसं० 5एस० डब्स्यू० 119 डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1980

प्रकप भाई• टी• एन• एस०----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुम्ला

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, विनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश स० 824/ए० सी०क्यू० आर-III/80-81---ण्तः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- इ० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के धधोन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसके बचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी बन या धण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिमियम, या घन-कर भिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के समीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) ग्रोनमिक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईर्टः लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री फिनिन्द्रनाथ नन्दी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.8 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की टामीज से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतरछक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 13 एन० ई० 119, डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारोख: 8-12-1980

प्ररूप धाई ० टी० एन० एस०---

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-111, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 825/ए० सी०क्यू०म्रार०-3/80-81——यतः मुझे श्राई० वो० एम० जुनेजाः

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादा सरमी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिविनियम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों अर्थात्:--

- (1) ग्रोनिमऊ कोआपरैटिव हाउसिंग सोसाईटा लि० (प्रन्तरक)
- (2) श्री जै० श्रार० के० मूर्थी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उमत भिष्ठितियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाटसं० 1 एस० ई० 119, डा॰ मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-111, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 826/ए० सी० क्यू० श्रार- /80-81- -- यत: मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 119 हैं तथा जो डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर, पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) ग्रीनिमं कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नृपेन्द्र मोहन राय (श्रन्तरिती)

न्त्रे वह तृथना जारी करके पूर्वा नत् तम्पृतितं के जुर्जन् के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु व्यारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्पी

ण्लाट सं० 5 एस० ई०, 119, खा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

नारोख: 8-12-1980

मोहर:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- प्ररूप थ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनोक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 827/ए० सो०क्ष्यू० श्रार-III/80-81---यतः मुझे स्नाई० वी० एस० जनेजः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द्रपये से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 119 है तथा जो डा० मेघनाद सादा सर्ता, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य एसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत घाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या **उ**ससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की जिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम वा धनकर ग्रिधिनियम वा धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-त के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिखत व्यक्तियों, भ्रथीत:—

- (1) ग्रीनिमिज कोआपरेटिव हाउमिंग सोमाईटी लि० (श्रन्तरक)
- (2) श्रां प्रदीप कुमार बासु (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भ्रवधि जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकर गः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधि नियम के श्रष्टवाय 20-रु में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट सं० 8 एन० ई० 119, डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीखः: 8-12-1980

## प्रकृप झाई • टी • एत • एस •----

आयकर धिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसग्बर 1980

निवेण सं० 828/ए० सी० न्यू० म्रार-III/80-81---यतः मुझे माई० का० एस० चुनेजा

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'स्वत अधितियम' काहा बया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- ए० से अधिक है

मौर जिसको सं० 119 है तथा जो डा० मेमनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कनकता में, रिनस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 28-4-1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफात को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उतक दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

सतः ग्रन, इतत प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
9—436GI/80

- (1) ग्रोनिमिं कोम्प्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्रं। जोतिक चन्द्र घोष (श्रन्तरितं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

छत्त्व वस्पति हे अर्जुत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की प्रवित्त या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित्त, को भी भवित्र वाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तहरी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी भन्य क्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्डटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पनों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं असे होया, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

प्लाट स० 11 एस० डब्ल्यू० 119, डा० मेघनाद सादा मरनी, कलकत्ता।

> ग्राई० बो॰ एम॰ जुनेजा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ब्रिधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 829/ए० सी०वयू०श्रार०-3/80-81——यतः मुझे, श्राई० वी० एम० जुनेजा

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से मिधिक है,

स्रोर जिसको सं० 119, है तथा जो डा० मेघना स सादा सरनी, कलकत्ता म स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण सं दुई किसी आय की बाबत, छक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रिष्ठिनियम की श्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रिष्ठीत:—

- (1) ग्रीनिमिक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० (अन्तरक)
- (2) श्री मार० निलामबल ग्रमल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
  भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 12 एन० ई० 119, डा० मेघनाव सादा सरनी, कसकत्ता।

> भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

तारीख: 8-12-1980

प्रकप आई० टी० एन० एस०-------

स्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 8दिसम्बर 1980

निदेश सं० 830/ए० सी० क्यू० ग्रार०-III/80-81---यतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- इपये से अधिक है और जिसकी सं । 19 है तथा जो डा॰ मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिंचत बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में भ्रुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अबं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण म, म, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों. ग्रणीत्:—

- (1) ग्रीनमिक कोग्रापरेटिव हार्कीसंग सोसाईटी लि० (ग्रन्सरक)
- (2) श्री जोतसनामय दत्त श्रौर दूसरी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

4 J J 4 C

प्लाट सं० 12 एस० डब्ल्यू० 119, डा० मेघनाद साक्षा सरनी, कलकता।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारोखा: 8-12-1980

प्रकथ बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

श्रीयकरं प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 831/ए० सी० क्यू श्रार०-III/80-81--- यसः मुझे, शाई० वी० एस० जुनेजा, आयकर श्रिष्टानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्टानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर प्रमासि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- चपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो डा० मेंधनाद सादा सरनी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची है श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्टाकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टानियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिष्टीन तारीख 15-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिंसा बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रितंफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान

प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रश्निक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के श्रीष ऐसे अन्तरक के निष्तय गाम गया प्रतिकल, निमालिखित

उद्देश्य में उत्तर अन्तर गलि जित्त में बास्तविक रूप में कथित नहीं

किया गया है:---

- (क: अन्तरण से दूई किया पाय की बाबत, उक्य आधि-तियम, के असीय कर देने के सम्बर्क के दायित्व भ कमो करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या भग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर 'अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया जाना काहिए चा कियाने में मुनिशा के लिए;

भेतः कींबः एक्त अधिनियम की आरा 269 म के भागुसरण में, में, बक्त पश्चितियम की घारा 269 म की उपबारा (1) के अभीतः निम्तलिखित व्यक्तियों, अथीतः :--

- (1) लेक एचार्डनेन्ट कोग्रायपरेक्टिंग हार्टीसंग सोसाईटी लि० (धन्तरक)
- (2) श्री ग्रमिट कुमार बोस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंप्के पूर्विभित सँग्पौति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ते सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी शाक्षिप।---

- (क) इस धूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घंबधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमिल से 30 दिन की घंबधि, की भी घंबधि बाद मैं समादन होती हो, के भीगर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकासन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पंति में हिंतवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अविश्वस्तान रो के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पव्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो जनते श्रीक्षित्यम के कंड्याय 20क में परिचाबित है, वही प्रश्ने होगा जो उस ध्रव्याय में दिया गया है।

### विमुस्त्री

ंप्लाट सं० 10 एम० ई० 102, डा॰ मैधनाद सादा सरनी. कलकत्ता।

> भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण) कर्जन रेंज-मार्ड, कलक्ला-गु%।

सारीख: 9-1/2-19/80

प्ररूप कार्यः दी. एन. एस. ------वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीप सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, विनांक 10 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 832/ए० सी० श्रार०3/80-81—-यतः मुझे, श्रार्ह० वी० एस० ज्नेजा,

श्रीयकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर लक्पलि, जिसका छिन्त वाजार मूल्य 25,000/-४० से श्रीविक है

श्रौर जिसकी सं० 102 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह अतिशंश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, १७५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत, उनत असिनियंभ की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयाद :---

- (1) लेक एपार्टमेण्ट कोश्रापरेस्टिव हाउसिंग सोसाईटो लि० (श्रन्सरक)
- (2) श्री धनिमेश चन्द्र दासगुप्ता (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की भवधि या तस्यम्बन्धी क्यक्तियों कर सूचवा की जामील से 30 दिन की भवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (च.) इस श्रूचका के राजपत्त में प्रकाशन की तहरीचा में 45 विस के भीकर उक्त स्थाचार सम्पत्ति में हितबद किसी चन्य व्यक्ति झान्य ऋषोहस्ताचारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त करों भीर पर्वो का, जो श्वन्त अधिनिमम, के मक्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस मन्याय में विशा गया है।

## अनुसूची

्लाट सं ० ४ एस० डब्ल्यू० 102, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 10-12-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 9 विसम्बर 1980

निवेण सं० 833/एक्बो० ग्रार-3/80-81--- पतः मुझे, ग्राई० वी० एस० ज्नेजा,

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मूस्य 25,000/— ६पये से प्रधिक है और जिसकी सं ० 102 है तथा जो डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 15-4-1980

को पूर्बोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिगत से श्रीधक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- (1) लेक एपार्टमेंटस कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि॰ (म्रन्सरक)
- (2) श्री सुरजीत कुमार वक्रवर्ती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओर:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट सं० 7 एम० ई०, 102, डा० मेघनाद साहा सरती, कलकता।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकता-16

तारीख : 9-12-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज I, कलकत्ता-16

कनकता-16, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 561/टी०घार०-244/सी-170/कल०-1/80-81 ——यनः, मुझे, शाई०वी०एस० जुनेजा,

सायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सद्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी सं० 5ए (Front Portion) है तथा जो मिरजा गालिय स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुभूषी में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 9-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सदृष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित महीं क्विया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) एसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

- (1) श्री जनमेनजय बसाक
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हामिदा खातून

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधि-नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5ए मिरजा गालिब स्ट्रीट में भ्रवस्थित 2 कट्ठा 5 छट।क जमीन पर भ्रोसिक देतल्ला भ्रोर श्रोसिक तिन तल्ला मकान का सन्मुख भाग जो 9-4-80 तारीख में डीड नं०: 2222 श्रनुसार रजिस्टर भ्राफ एस्टेट्स के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> माई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज I, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड कलकत्ता-16 ।

दिनांक: 12-12-1980

प्रकप बाई० टी० एन० एस०--

काम्युक्तर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) प्रार्थकरेंज-1 कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निवेश सं० टी व आर०-243/कल-1/80-81- - यहः, मृह्में, साई० वी व एसर जुनेजाः

जायकर विधिनम्म, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकार 'उनत अधिनसम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० 5ए हैं तथा जो मिरजा गालिच स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाक्षद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-4-80

को पूर्वाक्त संपरित के खीवत बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का दिवत बाबार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, डक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ौर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धवः, उन्त प्रविनियम नी बारा 269-व के अनुसरण में, में, खन्त प्रविनियम की धारा 269-व की उन्धारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री हरिदास बसाक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोलाम रसूल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वांक्त सम्प्रतिक के कर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि धा तत्क्रस्वन्धी व्यक्तियां कर स्वना की तामील से 30 विन की सविध, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की वारीस से 45 बिन को भीतर उसत स्थावर संपरित में द्वित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाद्द्वराकारी के पास लिखित में किए जा स्कामे।

स्पन्धीकरणः - न्ह्समें प्रयुक्त सन्दों जरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

## नपुत्रुची

5ए मिरजा गालिस स्ट्रीट कलकत्ता में 2 कट्ठा 10 छटाक 10 वर्ग फीट जमीन पर पिछला पौरसन का तिनतल्ला मकान जो 9-4-80 तारीख में रजिस्ट्रार भ्राफ एस्योरेंन्स का दपतर में डीड तं० 2247 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज <sup>I</sup> 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16।

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रदीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-1 कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9दिसम्बर 1980

निर्देण सं० ए० मी०/रेंज-4/कल०/80-81—यतः मुझे श्राई०वी०एस० जुनेजा,

आयकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जन्त प्रधितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9/1/4 है तथा जो ताल बागान लेन कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकृत के लिए अस्तरित को गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्दह् प्रतिगा से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय त्राया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथा नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त प्रक्षि नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करते या उसने बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान के स्विधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, छक्त ग्रविनियम को धारा 269-य को उपधारा (1) अधीन पिम्नलिखित नामितयों अर्थात .---10---436G1/80 (1) श्रीमती कल्पना पाव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद हसैन एण्ड खैसणीबा

(भ्रन्तरिती)

हो बहु सूत्रता वारो करके पुर्वोक्त सम्पति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रजेन क सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इन पूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर भूवना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इन तुवता के राज्यत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर तम्मति में हितबढ़ें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा मर्कों।

स्यब्होक्तरण:--इमर्ने प्रयुक्त सक्दों और पदों का, जो उत्तः श्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## श्र<mark>नुसुची</mark>

9/1/4 (पहले 9/1 और 9/2 था) ताच बागान लेन कलकला में अबस्थित लगभग 3 कट्ठा जमीन पर मकान जो िजःद्रार श्राफ एन्सुरेंस कलकला का दफ्तर में 9-4-80 तारीख में डीड बंठ 2223 अनुसार रिजिस्ट्री हुआ।

> ग्रार्षं० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-1, कलकत्ता-16

ता**रीख**: 9-12-1980

प्रस्य याई० टो० एत० एत०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रॅज-IJI, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्हेग पं० 838/ए० सी०≆यू०प्रार-3/80-81——यन:, मुझे, ग्राई० बी०एस० ज्नेजा,

आयकर बिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

स्रोरिजिसकी मं० 1/1/2 है तथा जो गरियादाटरोड (साउथ) करकता में स्थित है (स्रोरिइसमे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजिस्ट्रीकर्का स्रधिकारी के कार्यालय स्रालिएर में रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 30-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचिन बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के तीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिन में वास्तविक क्य के जिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण के दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1981 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और या
- (ख) ऐपी किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, 1961 या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती बारा प्रकट नहीं दिया ग्या था या किया जाना चाहिए या दियाने में खिद्या के लिए;

णतः अत्र, एकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की एपघारा (1) के के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:-- (1) भी एम० एल० उत्त सौर दूसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निरंजनदत्त

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन को अविधिया तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सुचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी पन्य वर्गिन हारण, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकश्य - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा, जा उन प्रकाष में दिया गया है।

प्र<del>मुख्</del>या

1/1/2 गरियादाट रोड (साउथ), कलकत्ता, पर पाकाकुडी

श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-IVI, कलकत्ता-16

नारीख : 24-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16
कलकत्ता, विनांक 27 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी० 77/रेंज-IV/कल०/80-81---यतः, मुझे, के० सिंहा

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० मे प्रधिक है

भीर जिसकी सं० दाग सं० 3166 है तथा जो बोलपुर बीरभूम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोलपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिविनयम, के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ग्रन्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिकतयों, प्रथीत :---

(1) श्री तमाल कृष्ण घोस

(ध्रन्तरक)

(2) श्री श्रावत मुखीपाध्याय

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दाग सं० 1707 बोलपुर बीरभूम में 5 श्रतक जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दलील सं० 3166 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 27-12-1980

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के प्रधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1980

निदश सं० ए० सी०-78/रेंज-IV/61/80-81—यतः, मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जिस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मौजा खानद्वा उखरा, वर्धवान, स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय राणीगंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उक्ति बाजार नृत्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय एत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरम लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय. की बाबत उक्त ग्रिविनियम के ग्रिवीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जावा काहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त अधिनियम की धार। 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की कारा 249-भ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसियत व्यक्तियों, अर्थीन :---

(1) श्रीमती सवीता गौरी श्रोजा

(अन्तरक)

(2) श्री सीताराम सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरकं पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किलो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की ताशिक से 45 दिन के धीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो 'खका ब्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मौजा खानदरा भ्रनष्ठाल, बर्धवान में 0.63 एकर जमीन का साथ मकानका सब कुछ जैसे 1980का दलील सं० 1902 में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 27-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-**ा्V, कलक**त्ता-16

कलकत्ता, विनांक 27 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०-79/रेंज-IV/कल०/80-81—-यतः मुझे, के० सिहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार महत्त 25,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी संव दाग संव 265 है तथा जो खतिमान संव 87 पीव एसव दालिगंज, स्थित है (भीर इससे उपाबस्न श्रनुसूची में भीर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी के कार्यालय मालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करते का कारण ही कि यथाप्यांका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कारल ही और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिक्ति के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनी जिली आय या किसो धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>5</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री सुबिमल राय, सुचीर दत्त, सतीन्द्र लाल बोस (अन्तरक)
- (2) श्री सुविमल राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सभ्यत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त मों हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### जन्स्की

दाग सं० 265, खतियान सं० 87, पी० एस० वालिगंज 24 परगना में 8 कट्ठा जमीन का सबकुछ जैसे 1980 का दलील सं० 2597 में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 27-12-1980

## प्ररूप भाई० टी० एत∙ एस•----

# ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 विसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4/कल०/1980---यतः मुझे, के० सिंहा

धायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिविनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घरए से श्रिविक है

का कारण है कि स्थापर सम्यात, जिसका उपनित बाजार मूल्य 25,000/- रूए से प्रिष्ठिक हैं श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, है तथा जो चौपाटी रोड, कलकत्ता-10, पी० एस० बिलयाघाट में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरित प्रिष्ठिकारी के कार्यालय एस० भार० सीलदाह में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और शत्तरिक (अन्तरिक्त) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '-- (1) श्रीमती प्रायशा नीवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देबाला रानी घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस न्वा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसा ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसुची

प्रेमिसेस नं० 9 चौपाटी रोड, पी० एस० बेलियाघाट, कलकत्ता।

> के० सिहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता ।

ता**रीख**: 29-12-1980

-------

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०----

मायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

निर्देण सं० ए० सी०/रेंज-4/कल०/1980---यत: मझे. के० सिंहा

भ्रायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है।

ग्रीर जिसकी मं० 113, है तथा जो सरकुलर गारडनरीच रोड. वाटगंज, कलकत्ता-23 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिवारी के कार्यारूय भ्रार० डी० श्रलीपुर, 24 परगना में, रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-4-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरुप उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विखिन में वास्तविह रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रतारण से हुई किसो न्नाय की बाबत, उक्त प्रिवितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाविस्त्र हैं हमी हरत वालसमें बचने में सुविधा के लिए; फ्रीर/या
- (ख) ऐसी किमो पार या किसी बन या प्रन्य स्नास्तियों को जिल्ह नारतीर भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त ग्रधिनियम, धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा ह लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की श्रारा 269ना के पनुसरण में, मैं, उस्त प्रधितिसम की नारा 269-म की जाणारा(1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थाहः --

(1) श्रीमती चन्द्रज्योति देवी

(अन्तरक)

(2) श्रीनन्द कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उबत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई मी भाक्षेप---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचमा की तामील ये 30 दिन की श्रविध, जो भी ध्रवधि बाद में सप्ताप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

113, सरकूलर गार्डन रीच रोष्ठ, भ्रपाट गंज, कलकत्ता।

के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकसा।

ना**रीख**: 30-12-1980

प्रकार आहिं० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 ) हं । धारा 269व (1) के मधीन सूचना

- ------- -- -- ಕೀಡ್ ಬ್ರಾಡ್ ಮಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಹೊಡೆ ಸಿನಿಸ್

#### भारत यरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4/कल०/1980—-यतः मुझे, के० सिंहा

अध्यकर ग्रिकिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भग्नात् 'उक्त श्रिकिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उत्तित्र वा बार मूल्य 25,000/-र• से श्रिष्ठक है

स्रौर जिसकी सं० 28, सी० स्राई० टी० शेड० नं० 10 पी० एस० है तथा जो बिलयाघाट, कलकत्ता-10 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुभूची में स्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० सीलदाह में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 11-4-1980

पो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, यसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से धिषक है पीर अन्तरक (धन्तरको) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखत छहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत मुझे किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देते के उन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किथी धन या अन्य आस्तिमों की, जिन्हें भारतीय मत्यकर यशिनियम, 1920 (1920 का 11) या कि अधिनियम, या धन कर अधिनियम, अवन्य (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हारा अपन नहीं किया गया था या किया ना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) भीमती सुप्रभा राय नौधरी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी ग्रग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताशिष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त तोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों लसे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

हर्यक्टो करण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अमुसूची

28, सी॰ ग्राई० टी॰, स्कीम नं० 20, पी॰ एस॰ बिलयाघाट, कलकत्ता-10

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-10

नारीख: 30-12-1980

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०  $80/\hat{\mathsf{c}}$ ज-IV/कल/1980-81—यतः मुझे के० सिंहा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो लिलुया जिला हावरा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय हावरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रलप्रै 1980

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप ने किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री प्रिय नाथ शुक्ला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र नारायन सरकार

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में फिए जा सक<sup>1</sup>गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनस्त्री

मौजा चकपारा, पी० एस० लिलुया, जिला हाबरा में 10 कनाल 9 छ० 21 स्कायर फुट जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलोल सं० 685 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

> कें० सिंहा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता-16

क्तः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिख व्यक्तियों, अधीत्:--

मोहर:

नारोख: 30-12-80

11-436GI/80

प्ररूप झाई० टी ० एन ० एस •----

क्षायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सं:० 8 1/रेज-IV/कल/ 198 0-8 1—म्यतः मुझे के० सिन्हा

धायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचिन बाजार मूस्य 25,000/- क्पये से ग्रीधक है, ग्रीर जिस सं० 41 है तथा जो किडे रोड हावरा स्थित है (ग्रीर इससे जगबद्ध श्रनुसूच में ग्रीर, पूर्णस्प से विणित है), रिष्ट्रिं-कर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय हावरा में, रिष्ट्रिंनकरण ग्रीधित्यम,

1908 (1908 का 16) के प्रधोत, तारीख 11-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाथा गया प्रतिकृत निम्नितिवित बहेंग्य से उक्त ध्रम्तरण निष्तिवित में गस्तिवित हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रग्नरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्क प्रक्षितियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवते में सुविधा के िये. और।या
- (ख) ऐसी विसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

(1) कमला कामटिम इंजानियक वर्कम

(ग्रन्तरक)

(2) श्राः नापसा, निहार मल्लिक

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  विक्षित में किये जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रमुक्त अब्दों और पदो का, जो खक्त अधिनियम के अब्धाय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

41 किड़े रोड जिला हावरा में 5 कनाल-11 स्कायर फीट जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलल मं० 581 में और पूर्णरूप ने विश्वित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहासक प्रायकर प्रायुक्त ( निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 30-12-1980

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०---

श्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी० 82/रेंज-4/1980-81--यतः मुझे के०सिन्हा

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव 41 है तथा जो किडे रोड जिला हावरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय हावरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्रख 11-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है ध्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ध्रन्तरिक (अन्तरिकों) और ध्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रक्षि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

अंत:, मब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:→→

- (1) श्रामतो कमला कासटिन्स और इंजीनियर वर्कस (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्ररुन कुमार मल्लिक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्थ व्यक्ति ब्रारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिक् नियम के स्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस स्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अ**गुसूखी**

41, किं रोड, जिला हावराम 5के-2 कनाल 10 छटांक जमीन का सब कुछ औसे 1980 का दलील सं० 582 में और पूर्णरूप से विणित है।

> के० सिन्हा सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रजीन रेंज-4, कलकत्ता ।

तारीख: 30-12-1980

प्रारूप आई० ठी० एन० एस०-----

क्शायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# घारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर बायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकसा, विनांक 30 विसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी० 83/रेंज-4/कल/1980-81—यतः मुझे के० सिन्हा

श्रायकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप्ये से ग्रिधिक हैं श्रीर जिसकी मं० 4 हैं तथा जो किर्ड रोड हावरा में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में ग्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हावरा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच देसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से तुर्द किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या जिसी धन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः, प्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के पनु-सरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिक्ति अ्यक्तियों, भ्रयीतः --

- (1) कमला कासित और इंजीनियर वर्कस
- (भ्रन्तरक)

(2) ग्राभा रानि दे

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के ध्रष्ट्याय 20-रु में परिभाषितहैं, वहीं ध्रष्ट होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## पनुसूची

41, किर्ड रोड, जिला हावरा में 5के-14 स्कोयर फीट जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलील सं॰ 583 में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता ।

तारीखा: 30-12-80

मोहरः

## मध्य साई • ही • एन • एक •---

आयक्र चित्रियम, 1961 (1961 का 43) की ¦हारा 268-घ (1) के चंधीन सुचनां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) श्रर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 198 0

निर्देश सं० ए० सी० 8 4/रेंज-4/कल/ 198 0-8 1--- यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिविनयम' इस्त या है), की धारा 269-ख के धिविन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० 41 है तथा जो किई रोड हावरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर, पूर्णरूप संवर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हावरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख 11-4-1980 को पूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निल्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः सबः, वन्त समिनियम की बारा 269-न के समुखरक में, में, उन्त समिनियम की घारा 269-व की क्यजारा (1) के अक्षीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मेंसर्स कमला कास्टिंग श्रीर इर्जानियरिंग वर्कस (श्रन्सरक)
- (2) हिरन्मथ मस्लिक।

(ग्रन्तर्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रजंग के लिए क्रावंबाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी धर्विध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितब द किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वहीं मधें होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

41, कि**डें रोड** जिला हावरा में 5के-11<sub>|</sub>स्कोबेर फीट जमीन का सबकुछ जैसे 1980 का दलील सं० 584 में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता ।

तारीख: 30-12-1980

मोहरः

प्रक्षय धाईं# दी • एत० गस०-----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-IV, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 30 विसम्बर 1980

निर्देश मं० ए० सी०  $85/\overline{t}$ ज-IV/कल०/1980-81—यतः मुझे के० सिंहा

प्रायक्तर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्वान् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० 4.1 है तथा जो किई रोड हावड़ा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-4-80 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर यन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्गय से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वासत उक्त श्रीध-नियम, के श्रीधान कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रंब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-करण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :--

- (1) श्रीमती कमला कास्टिग्ज एण्ड इंजीनियरिंग वर्कस (अन्तरक)
- (2) श्री वरुन कुमार मल्लिक

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोनरण: --दसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रिक्षि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिचाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

41, किर्ड रोड, जिला हायड़ा में 5-क०—16 स्कवेयर फीट जमीन सब कुछ जैसे 1980 का दलील सं० 585 में ग्रीरपूर्ण रूप से विपत है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुम्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV,54 रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

ता**रीख**: 30-12-1980

भोहर :

प्ररूप आह<sup>र</sup> टी. एन. एस. -----

अरपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निर्देण सं० टी० ग्रार० 249/80-81/ए० सी० क्यू०ग्रार०-1/559—यतः मुझे ग्राई० वी० एस० जुनेजा आगकर ग्राधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- वपये से अधिक है ग्रार जिसकी सं० 81 है तथा जो सुरेन्द्र बनर्जी एण्ड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि नियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 30-4-1980

को पृथितिस सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मंक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और सम्तरिती (अन्तरितिमां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर घिष्ठानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर स्विध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का या किया जाना जाहिए था, छिषाने में नहिंदा के लिए;

अतः, अब, उष्ट अधिनियम की धारा 269•ग के अनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269•व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पनितयों, अर्थातः !——

- (1) श्रीमती प्रभावती पास अफ 81, सुरेन्द्र नाथ बनार्जी एण्ड आवारी (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रहण कुमार पाल 81, एस० एन० बनार्जी रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीय:---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकालन को तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर संपत्ति में हिनकद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रकोड्स्ताशरी के पान निखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

81, सुरेन्द्र नाथ बनार्जी रोड कलकत्ता झवस्थित 189.48 वर्ग मीटर का मकान का 1/4 विभक्त हिस्सा जो नगभग 47 वर्ग मीटर होगा, झौर जो 30-4-80 तारीख में डीड नं ० - 1-2642 अनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेंन्स का वक्तर में रिजस्टर हुआ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कजकसी-16

तारीख: 24-11-80

प्ररूप धाई०टी० एनः एख०----

ग्रायकर विधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अजुनरेंज 1 कलकत्ता

कलकता, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

निर्देश मं० ए० सी ०/रेंज-II/कल०/1980-81 यतः मुझे, के० सिंहा

आयकर प्रिजित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रिक्षित्यम' कहा बया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

भीर जिसकी सं० 5/46/2, दम दम रोड पी० एस० कुसीपुर 24 परगना स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय एस० भ्राप कुनीपुर दम दम में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 9-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए प्रश्तिति की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और प्रश्तिक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरग से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम; के अधीन कर देने के प्रस्तर के दायित्व में कमी करने या जसमें जबने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता भिष्ठितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चादिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः यव, उक्त प्रक्षितियमं की घारा 269 न्य के जबसरण में; में, उक्त विधितियमं की घारा 269 मं की उपधारा (1) के अधीम, निकालिका व्यक्तिमों, अर्थात् !--- (1) श्रीमती स्नगीय बगु।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रबीन्द्र नाथ साहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अविधास तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---हसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्वो का, को उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस घटवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

एरिया: 1 कोटाह् 13 छटाक 5/46/2, दम दम रोड, पी०एस० कासीपुर 24 परगना

के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 31-12-1980

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रज्न रेंज-ा़ा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 विसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-II/कल०/1980-81---यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० मौजा जोका है तथा जो पी० एस० बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जी० एस० म्रार० भलीपुर बेहाला में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 30-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रष्ठि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रब, उक्त ग्राधिनयम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनयम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—— 12—436GI/80 (1) श्री शुधाकर मिल्ल

(ग्रन्तरक)

(2) मि० सिमन मेनुयेल बैला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ता स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### भनुसूची

एरिया: 7 के ॰ डाग नं ॰ 2569 मौजा जोका पी ॰ एस ॰ बेहाला, कलकत्ता।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 54, रफी सहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 31-12-1980

त्रकप आई•ठी•एन•एस•--

जायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की घार 269-व (1) के ग्रधीन सुवना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जल रेंज-∏, कलक<del>ता</del>

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन संक्षम प्राजिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7N-8B है तथा जो Mahesh Chandra Datta Lane, New Alipore, Calcutta-27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय D. R. Alipore, 24 pgs. में राजस्ट्रीकरण ग्रधिमियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21 ग्रप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूस्य से कम के दूष्यमान प्रतिक्षण के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्वत से, ऐसे वृष्यमान प्रतिक्वल का पन्द्रह प्रतिवत धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तय पाया यथा प्रतिक्वल, निम्नलिक्ति उक्षम्य से उक्त धन्तरम निक्ति में वास्तविक क्य से कविश्व नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविद्या के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रिप्तियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-न की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखिश न्यक्तिकों, अर्थीतः— (1) श्री सुरेश चन्द्र यादव ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोबिन्द लाल दे धौर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप !--

- (क) इस त्रूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख है 46 दिन की भवति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सर्वोर्धे ।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्बों का, जो 'सक्त प्रसिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्चे होगा जो उस धान्याय में दिया क्या है।

# **अनुसूची**

7 एन/1 बी, महेश चन्द्र दल लेन, पी० एस० नया श्रलीपुर, कलकत्ता-27

एरिया: 1के० 8 छटांक 12 स्क्यायर फीट।

के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायक्तर **ध्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्र**र्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,** कलकता-16।

तारीख: 31-12-80।

मोहरः

## प्रकप शाहि की । स्त• स्स• ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की झारा 269-व(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यावय, सहायक सामकर शामुक्त (क्रिफेनक) धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, विनांक 5 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० सी० 88/रेंज-IV/कल०/80-81-श्वतः मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की पह विकास करने का कारण है कि स्थान र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- च॰ से प्रधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 221/4 है तथा जो जी० टी० रोड, हावरा में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिल्द्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, हावरा में, रजिल्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख 24 अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहू प्रतिष्ठात सं अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिय के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेच्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घछि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सूबिधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐकी किसी कात का किसी क्षत का क्षत्र चारितयों को, जिन्हें बारतीय कावनार क्षत्रिमियक, 1928 (1922 का 11) या उक्त घिषितियम, या सक-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुक्तिया के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की बारा 269-म के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269म की उपवारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, प्रयात् !—— (1) भी मशोक कुमार गोयल।

(ग्रस्तरक)

(2) श्रीलक्ष्मी द्रेडिंग कं०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूजना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

## धनुसूची

231/4, जी० ट्री० रोड, जिला हासरा में 2 की० 3 के० जमीन का सब क्रुक्क जैसे 1980 का बजील सं० 1309 में और पूर्णक्रम से विणित है।

के० सिहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राबुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-IV,54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलक-त्ता16

तारी**ख**: 5-1-1981

# प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंअ-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० सी० 86/रेंज-IV/कल०/1980-81—यतः मुझे के० सिहा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसको सं० 107 है तथा जो जया विवि लेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हावडा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-4-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिन नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, की द्वारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के सम्बीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथील:— (1) निडं सेन्ट्रल जुट मिल को० लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रुख देवी शर्मा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

107, जया बिबि लेन, जिला हावड़ा में 6 कं० जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलील सं० 876 में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -IV 54, रफीग्रहमद किदवई रोड,

> > कलकत्ता-16

तारीखा: 2-1-1981

प्रारूप आई• टी• एन० एस•------

क्षायकर बिधानियम, 1961 (1961का 43) की बारा

289-व (1) के ब्रधीन सूचना

### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० सो० 87/रेंज-IV/कल०/1980-81---यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु॰ से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है तथा जो जया बीबी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हावडा में, रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में

वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त ग्रीश्वियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) निर्फ सेन्ट्रल जुट मिल्स को० लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामानन्द गिरि

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
  प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक किसी सम्य व्यक्ति हारा, सक्षीहस्ताकारी के पास जिखित में किए जासकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रमुक्त कन्दों सीर पर्दो का, जी उक्त सित्यम के सध्याय 20क में परिचाधित है, नहीं सर्वे होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

40, जयाबीबी लेन, जिला हावड़ा में 6क 07 छटाक जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का वलील सं० 1037 में भीर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV 54, रफीअहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 2-1-1981

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

# (1) भो महाबीर प्रसाद प्रववाल

(भन्तरक)

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के धधीन सूचना भारत सरकार

(2) श्री प्रहलाद राई गौरिवाला

(ब्रन्तरिती)

कार्यालय, सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश मं० ए० सी० 90/रेंज-IV, फल०/1980-81---यतः मुझे के० सिंहा

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सनम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसको सं० — है तथा जो थानाडो मजुर जिलाहावड़ा में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है,) रिजस्द्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 28-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफला से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किषत नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के **लिए; भीर/**या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारिसभों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रि**धिनयम, 192**2 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविका ने लिए;

अतः विक, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुतरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा की 269-म की छपमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 विन ने भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अम्रोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अष्ट्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भड़याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

मौजा पुकुरिया, थाना डोमजुर जिला हावड़ा में 2.37 एकर जमीन कासब कुछ जैसे 1980 का दलील सं० 1153 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-IV, 54 रफी अहमद किदवई रोड, क्रकला-16

तारीख: 7-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269- थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1981

निवेश सं० ए० सी० 89/रेंज-1V/80-81---यतः मुझे के० सिंहा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5/2 है तथा जो गंगा बाधुरी स्ट्रीट बाली हावड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबक भनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठी तारीख 18-4-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-स के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३-- (1) श्रो नीलरतन सरकार, उमा सरकार, इरा सरकार सुत्रता सरकार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती किरनबाला चक्रवर्ती

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्र 🕟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित- सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5/2, गंगा बाधुरि स्ट्रीट, बाली हाबड़ा में 2 कट्ठा 15 छटाक 22 स्कोबार फुट जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलील सं० 629 में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 7-1-81

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 श्रवतुबर, 1980

निदेश सं० इन्द्री/3/80-81---यतः मुझे गो० सि० गोपाल आयकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपए से बाजार 25,000/-ग्रौर जिसकी संभूमि रक्षा 71 कनाल 19 मरले है तथा जो ग्राम सामौरा तहसील करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय इन्द्री में, रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के आधीन मई, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीस्त सम्पत्ति का खचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्निजिति व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्रो ग्रमरनाथ दक्तक पुत्र श्रीमती किशनी देवी निवासी मालरोड, करनाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप सिंह इत्यादि पुक्रान श्री सन्तोख सिंह निवासी ग्राम गोरगढ़ तहसील करनाल (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रामैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्बा 71 कनाल 19 मरले जोकि ग्राम समोरा तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता इन्द्री के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 164 दिनांक 15-5-1980 म दर्ज है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 3-10-1980

# प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-----!

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रंधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रा<mark>यकर धायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/31/80-81---यतः मुझे गो० सि० गोपाल

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रजात (उका प्रतितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के उमेर सका प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-ई-4 टाउन शिप है तथा जो फरोदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई. 1980

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफन के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐ। अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकत्त्र, निस्तिलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उपले बचने में मुविधा के निष्; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीर अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुख्या के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उथत श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्रमतो कान्ता गुप्ता पत्नी श्रो राजीव गुप्ता निवासो ा पार्क ग्रवन्यु, महारानी वाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रोमती जीवनो देवी पत्नी श्री रामधन गुप्ता निवासी 3-हो-99, न्यू टाउन शिप फरीदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>प्रार्थन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आ नकींगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति एक प्लाट नं० 3-ई-4 न्यू टाउनिशिप फरीदाबाद (रक्तबा 1200 वर्गगज) में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रागे विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्नवगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक 1358 दिनांक 12-5-80 में किया गया है।

> गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख**: 3-10-80

प्ररूप बाईं टो॰ एन॰ एस॰----

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 प्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० जे० डी० श्राप् 10/80-81—-श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि रक्बा 5 बीघा 1 बिस्वा है तथा जो गढ़ी मुंडो (जगाधरी) में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जुन, 1980

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थत नहीं किया गया है:——

- (क) घन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उनत ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रम्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: सब, उन्त प्रविनियम की बारा 269-म ने धनुसरण में, मैं, उन्त प्रविनियम की बारा 269-च की अपधारा (1) के प्रश्लीन निम्निकति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गेन्दा पुत्रश्री श्रासा जाति कम्बोज निवासी ग्राम गोबिन्दपुरा तहसील जगाधरी (ग्रन्तरक)
- (2) 1. ईश्वर दयाल
  - (2) चमन लाल
  - (3) শ্বজলাল
  - (4) मदन लाल पुतान श्री सेवाराम निवासी देवीभवन बाजार
  - (5) बनारसी दास पुत्र श्री केवल राम निवासी देवी भवन बाज़ार, जगाधरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो अक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिकाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **भ्रनुसूची**

सम्पत्ति भूमि रकवा 5 बिस्मा 1 वोघा जोकि ग्राम गदी मुंडो (जगाधरो) में स्थित है तथा जिसका ग्रौर प्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता जगाधरों के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 1011 दिनांक 21-6-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 3-10-1980

प्ररूप साइं० टी० एन० एस०

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 प्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० ए० पी० टी० 5/80-81—श्रातः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि रक्बा 17 कनाल 7 मरले है तथा जो ग्राम कुंडली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायिलय सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों अर्चातः— (1) श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र श्री घासी राम निवासी मकान नं० एच० 1/3, माडल टाउन देहली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० हरियाणा पलाईबुड इन्डस्ट्रीज 33 के० सी० स्टोन, जी०टी० रोड, कुंडली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### वन्त्वी

सम्यक्ति भिम रकबा 17 कनाल 7 मरले जोकि ग्राम कुंडली जो० टो० रोड पर स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रिजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री क्रमांक 55 विनांक 16-5-80 ई वर्ज किया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 3∹10-1980

प्ररूप भाई० टो० एन० एस०---

अप्यंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० एस० पी० टी०/1/8 0-8 1----यतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छश्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० भूमि रक्बा 16 कनाल 13 मरले है तथा जो ग्राम कुंड नी तहसील सोनीयत में स्थित है (ग्रीर इससे उपबाड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सोनीयत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख श्रग्रेल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है मोर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्या बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नानिक्षेत्रत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिबन क्ष्प से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अग्तरण ते हुई िक तो आय को बाबत, उक्त अधिनियम के खोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िन्सी आप या किसी धन राजन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अयः उनतः अधिनियमं की घारा 269-गं के सनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं को घारा 269-यं की उपधारः (1) के अधील, निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थाद :— (1) श्री ध्रणोक कुमारपुत्र श्री ब्रहम दत्त निवासी 16/34 गारक्टन काटेज, सिवल लाईनस, कान्तपुर

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सिगमां रबर प्राईवेट लि० ऐ-63/3, जी०टी० रोड, करनाल रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया, देहली

(भ्रन्तरितं))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन क सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्तः सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य व में प्रकाशन की तारी क से 45 विन की अवधि या तत्सक वर्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिक की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वो स्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रशायन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्की भारणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 30-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोगा हो उम अध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकवा 16 कनाल 13 मरले जोकि ग्राम कुँडली तहसील सोनीपत में स्थित है तथा जिसका श्रीर ग्रधिक विवरण रजिल्ट्रीकर्ना मोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 96 विनांक 10-4-80 में किया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 3-10-1980

# प्रकृषः धाई• टी० एन• एस० --- ----

# मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 अक्तूबर 1980

निदेश सं० डी० बी० डब्ल्यू / 2/8 0-81---- म्रातः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 अ ख के धारीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 591/2 है तथा जो मंडी डबवाली में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप के विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, डबवाली में निर्द् करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उत्पित बाजार मूल्य में कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कररण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उविश्व बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिक्कित में वास्तविक कर ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरग से हुई किसो माय की बावत उपत अधि-नियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे व्यक्ते में सुविधा के किए; धीर,या
- (ख) ऐसी किसी अप्तय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साथ-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए वा, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-म के अनु-मरण में, में, उका अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् ।--- (1) श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी श्री श्रमत पाल निवासी मौड मंडी, जिला भटिंडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमेश्वरा देवी पत्नी श्री रामधन दास मार्फत मैं० रामधन दास चन्द्र शेखर डबवाली। (धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या नस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रायएथ में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यम्पत्ति दुकान नं० 591/2 मंडी डबवाली तथा जिसका ग्रिविक विवरण रजिस्द्रीकर्ता डबवाली के कार्यालय में रजिस्ट्री कार्माक 70दिनांक 9-4-1980 में दियागया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 3-10-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० एएस बी/9/8 0-8 1----ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० मकान नं० 71 कांशी नगर है तथा जो भ्रम्बाला ग्रहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी में कार्यालय ग्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात:--

- (1) श्री फकीर चन्द श्रगनीहूत्री पुत्नश्री राम चन्द, निवासी कच्चा बाजार, श्रम्बाला छावनी। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भ्रंजु माथुर पर्ता डा० ब्रुजेश कुमार माथुर, निवासी 89, कैलाश नगर, हाल-71, कौशी नगर, भ्रम्बाला शहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मनूत्र्यो**

सम्पत्ति मकान नं० 71, कांशी नगर, श्रम्बाला शहर तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के काय लिय में रजिस्ट्री ऋमांक 543 दिनांक 30-4-1980 में दिया गया है।

> गी० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

तारीख: 28-11-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन०एस०--

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-গ (1) के प्रधीन यूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० वी० जी० स्नार०/4/80-81—स्नतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित जाजार मूख्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 372, सैक्टर 7-ए है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में झौरपूर्ण- क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बल्लवगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न प्रन्तरण लिखित में बास्तिक लग से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या धन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, वा धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पत्तरियों जारा यकर हो किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से सनिधा के लिए;

अतः ध्रब, उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के घ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री देश बन्धु पुत्र श्री रोंची राम, निवासी जगदीश कालोनी, बल्लबगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) डा० (मिसिज) सुदेश वधवा निवासी मकान नं० 373,सैंक्टर 7-ए,फरीदाबाद। (श्रन्तरिती)
- (3) डा० ग्रानन्द, 373/7-ए,फरीदाबाद, (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)। को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन की ग्रंबिंघ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रंबिंघ, जो भी ग्रंबिंघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्रष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्राध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उप ग्रध्याय में दिया गया है।

# **प्र**नुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 372 सैक्टर 7-ए, फरीदाबाद तथा जिमका ग्रीर अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1256 दिनांक 7-5-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीखा: 28-11-1980

मोहरः

पारूप प्रार्ड हो एक एस-

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की या । 269 व(1) के प्रधीन मुचना भारत संरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर आयुक्त (निरंक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 28 नवम्बर 1980

विदेश सं०एस पी टी०/10/80-81—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका छिंचत बाजार मूल्य 25,000/-स्पर्म अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग तथा भूमि है तथा जो कि प्लाट नं० बी-2,-बी-3 जी० टी० करनाल रोड कुंडली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुल्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ना श्रीधकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख जून 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृग्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत पृथ्यमान श्रीतफल के बीर श्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐंग अन्तरण के लिए राम पारा गरा गरिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखार में अम्तरिक कि सिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखार में अम्तरिक कम से कि तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखार में अम्तरिक कम से कि तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखार में अम्तरिक कम से कि तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उथन श्रीक्षतियम के प्राप्तीत कर देने के मन्दरक के शाधरूल में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिस्हें भारतीय ध्रायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिथिनियम, या अन-अप भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: घय, उथत धिवियम की घारा 269-य के समुसरण में, में, उबत धिवियम की घारा 269-य की उपवारा (1) के अधीन, निस्तिविधत व्यक्तियों, अर्थात् (---

- (1) 1. श्री ग्रार० एक० केवलरामानी पूछ श्री एक० डी० केवलरामानी, निवासी 4-बी/31, श्रीत्ड राजिस्टर नगर, नई विस्ली।
  - श्री एल०पी० अडवानी पुत्र श्रीपी० डी० श्रडवानी, निवासी 41/60 रामजस रोड, करोल धाग, नई दिल्ली।
- (3) बी॰ पी॰ सजनानी पुत्र श्री पी॰ डी॰ सजनानी श्री निवासी ७-ए, न्यू दैवरूप, लिकिंग रोड; एक्सटेंशन सान्ताकुज बम्बई।

(ग्रन्तरकः)

- (2) 1. श्री मांगबीर जग्गी पुत्र श्री बीर चन्द जग्गी, निवासी 10/6, पंजाबी बाग ईस्ट, नई दिल्ली।
  2. श्री एस०एल० मेहरा पूत्र लेट डा० टी० ग्रार०
  - मेहरा, निवासी 21, हाउसिंग कालोनी, सोनीपत (हरियाणा) (म्रन्तरिती)
- को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन का ता अब से 45 विन की धविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 43 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पद्यों का, जी उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, बही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति फैंक्टरी बिल्डिंग तथा भूमि जोिक प्लाट नं० बी-2-त्री, 3, जी० टी० करनाल रोम ग्राम कुंडली में स्थित है तथा जिसका ग्रीर श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋगांक 964 दिनांक 6-6-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारी**ख**: 28-11-1980

प्र**क्ष** भाई • टी • एन • एस •—

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुनना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजनरेंज,रोहतक

रोहतक दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निदेण सं० श्रार० टी० के०/1/80-81—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार पूरव 25,000/-६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान न ० ७४७/वार्ड नं ० १४ (नया नं ० ७०३/वार्ड २० है तथा जो डी० एन० एफ० कालोनी रोहतक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन श्रील 1980 प्रवेक्ति सम्पत्ति ने उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयं, उनतं घिवित्यमं, की धारा 269-गं के सनुसरण में, मैं, उक्त घिवित्यमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन. निस्निलिखित स्पन्तियों, प्रचौतः—— 14—436GI/80 (1) श्री दीवान सिंह पुत्र श्री सरदार सिंह मकान नं० 249/1 वार्ड नं० 14 डी० एल० एफ० कालोनी, रोहतक।

(भन्तरक)

(2) श्री प्रभाती प्रकाश पुत्र श्री राम नाथ मैडीकल सुपरिन्टेन्डेन्ट गवर्नमेन्ट ग्रायुर्वेधिक कालेज, पटियाला

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. स्टेट विजीलैन्स ब्यूरो, हरियाणा

> 2. डा॰ धर्मी मकान नं॰ 747/14, डी॰ एन॰एफ॰ कालोनी, रोहसक।

> > (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पति ।के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकर्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणे 1--- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बचं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 747 वार्ड नं० 14 (नया नं० 703/ वार्ड नं० 20) डी० एल० एफ० कालोनी रोहतक तथा जिसका और अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री ऋमांक 45 दिनांक 2-4-1980 में वियागया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 20-12-1980

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयक्त (निस्क्षिण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० टी० के०/8/80-81—-म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 708 से 710 वार्ड नं० 18, है तथा जो रेलवे रोड, रोहतक में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री रुतीं अधिकारी के कार्यालय रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख जुलाई 1980

कां पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्स्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नौलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसर्गं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 सर्वश्री राज कुमार गोयल, और कृष्ण कुमार, शिव कुमार पुद्धान श्री कन्हैंया लाल निवासी बी-14/8893, सिदीपुरा करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती ग्रंगुरी देवी पत्नी श्री राम भज
  - (2) सर्वश्री णिवचरन दास, राम श्रवतार, कृष्ण श्रवतार, सतीण कुमार पुद्धान श्री राम भज निवासी रेलवे रोड, रोहतक ।

(अन्तरिती)

- 3 (1) मैं० प्रकाश काकरी हाउस
  - (2) राम चन्द्र कलाथ हाउस
  - (3) मै० वरयाम सिंह हरबन्स सिंह
- (4) पं० सूरज भान (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ए से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पाक्टीकरण:----ध्समें प्रयास्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 708-710/18, रेलवे रोड, रोहतक तथा जिसका और ऋधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 1883 दिनांक 9-7-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 20-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

प्रायतर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रोधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निदेश स० डॉ॰ एस॰ ग्राई॰/१/80-81—ग्रतः, मुझे गो॰ सि॰ गोपाल,

स्रायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उकन श्रिपिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो 16/6 माईल स्टोन, करनाल जी० टो० रोड, कुंडली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिष्ठकारी के कार्यालय देहली में, रिजस्ट्रीकरण प्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है ग्रीर अन्तरका (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्तिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण तहुई किसो प्राय की बाबत उक्त भाषि-नियम हप्रदीन हर देते हथन्तर के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय हर श्रिधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उना अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः, प्रवा, उका प्रधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :---

- (1) मैं० डो०एल०एफ० यूनीवर्सल इलैक्ट्रिक लि० 21-22, नरिन्द्रा प्लेस. नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० कुंडलो कोल्ड स्टोरेज तथा आईस फैक्टरी, कुंडलो (सोनोपत)। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थित के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन को ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की सारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीहरूताक्षरी के
  पास लिखान में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः --इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित दै, वही प्रथं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति एक फैक्टरी बिल्डिंग तथा भूमि जोकि 16/6 माईलस्टोन जी० टी० रोड कुंडली में स्थित है तथा जिसका और विवरण रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 346 दिनांक 11-7-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 20-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निदेश सं० बी० जी० भ्रार०/8/80-81—भ्रतः, मुझे-गी०सि० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो प्लाट नं० 64 सैक्टर 6, फरोदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधोन तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जबत भ्राधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः जब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-य की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) मैं ॰ कवालोटोसटैंक मशोनरी प्रा० लि ०, नई दिल्लो,

(भ्रन्तरकः)

(2) मैं॰ भ्राटो गलाईड प्रा०लि॰, 64, सैक्टर 5, फरीदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्यत्ति में हित-बढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी छक्त भ्रषिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### **ग्रनुसूची**

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग जोकि प्लाट नं० 64 सैक्टर 6 फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका ग्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2288 दिनांक 21-5-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, रोहनक ।

तारीख: 20-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 ा 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

# भारत [सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० गुड़गांव/1/80-81~ग्नतः मुझे गो० सि० गोपाल

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि 57 कनाल 3 मरला जोकि गांव सिवाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भन, उनत प्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उनत अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों प्रथित :— (1) सर्वश्रो मुर्रिन्दर, नरिन्दर मिह पुत्रान श्री देवी दास पुत्र श्रो परस राम नियासी 19 रिंग रोष्ड, लाजपत नगर, नई दिल्लो

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कमलजीत सिंह कालसी पुत्र श्री मनमोहन सिंह कालसी, 1 निवासी 82 डी० मालया नगर डिल-लोमेन्ट इन्केलव, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आधीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, को उक्त प्रित्तियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसुची**

भूमि 57 कनाल 3 मरला जो गांव सिवाना में स्थित है तथा जिसका भ्रौर विवरण रजिस्ट्रोकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्रो संख्या 179 दिनांक 10-4-80 में दिया गया है।

> गौ० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1981

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेण सं० गुड़गांव/2/80-81—-ग्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

मायकर प्रधितिषम, 1961 (1961 का 43) (जिन इतमें इतके पश्चात् 'छक्त अधितिषम' कहा गया है), को धारा 269-ब के प्रधीन सभय मिश्रकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० भूमि 140 कनाल 16 मरला है तथा जो सिवाना में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची श्रोश पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारोख श्रश्रैंस 1980

को। बेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत सं, ऐते दृश्यमान रितिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित ) और अन्तरिती (अन्तरित वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड़ेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : ...

- (क) अन्तरण से हुई किसो आप की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसो प्राय या किसी घन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मुबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्- (1) सर्वश्री मृश्तिदर च नरिन्दर सिंह पुत्रान श्रो देवो दास पुत्र श्रो परस राम 19, रिग रोड लाज्यत नगर न्यु देहली।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रो जयपाल सिंह कालसी पुत्र श्री मान सिंह कालसी निवासी 82-डो० मालया नगर, डिपलोमेटिक एनक्लेब न्यु देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नमात्ति के मार्जन के अम्बन्ध में कोई भी माक्षेप: 🕶

- (त) इत मूचना के राजपत्र में प्रतायन की तारीख से 45 किन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से िस्सी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्वर्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त जन्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त अधि -नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथे होगा. जी उस अध्याप में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 140 कनाल 16 मरला जोकि गांव सिवाना में स्थित है तथा जिसका और विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 180 दिनांक 16-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम - प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक ।

नारोख: 2-1-1981

# प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ----

# आयकर बिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज रोहतक

रोहतक दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेण सं० गुड़गांव/6/80-81--- श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन मज्जम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 37 एल० न्यू कालोनी गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भ्रत्रैल 1980

को पूर्बोक्त सम्पत्तिकं उचित बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्षम के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यंषापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्ष्य से ऐसे वृष्यमान प्रतिक्षा के पन्द्रम् प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-जिक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिश्व में क्यी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिविनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1 के अधीन कि। खत व्यक्तियों, अथीत :- (1) श्री अमीर चन्द पुत्र श्री मेधराज 37 एल० न्यू कालोनी गुड़गांव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नेभ राजपुत्र श्री केवल राम श्राहूजा 25-26/11 सुभाष नगरगुड़गांव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीका संपत्ति के प्रजंत के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आ**खोप** स्नर-

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रथिष्ठ पा तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की शबिष्ठ, जो भी धबिष्ठ बाद में समाध्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के शामन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्तामारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्बोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिव्यास के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस प्रद्याय में दिया गया है

# अनुसूची

सम्पत्ति सकान नं० 37 एल० न्यू कालोनी गुड़गांव तथा जिसका स्रोर स्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋगांक 226 दिनांक 15-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जेन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1981

प्ररूप आर्द्द . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० भ्रम्बाला/4/80-80-81—भ्रतः मुझे, गो०सि० गोपाल,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 124-125 हास्पिटल रोड तथा जो ग्रम्बाला णहर में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल 1980 को

पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रम्सरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा या विया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) डा॰ हरिकशन लाल पुत्रश्री नरिसह दास 28 भारत हाउसिंग कालोनी रांची (बिहार) मार्फत कर्नेल जगदीश चन्द्र पुत्रश्री हरिकशन लाल। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री सिरी कांत जैन (2) श्री सूर्य कांत जैन पुत्रश्री एस० के० जैन चौक दर्जियान श्रम्बाला ग्रहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भंग प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

हपब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पर्वो का, ओ उन्त धिवियम के झब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही झर्य होगा, जो उस झब्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मन्ति मकान नं० 124-125 जो हास्पिटल रोड ग्रम्बाला गहर में स्थित है तथा जिसका और श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 203 दिनांक 15-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1981

# प्रकप आई • टी • एन • एत •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनृांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० श्रम्बाला/2/80-81---ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रशिमियम' कहा नया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, असका उचित बाजार मुख्य 25,000/- चपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 124-125 ज्लाक 4 हास्पीटल श्रम्बाला शहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रामुमी में श्रौरपूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या रिप सम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुशामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बलके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्द्रह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निश्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से क्षिष्ठ नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से दुई किसी भाग की बायत उन्त प्रधिनियम, के प्रधीत कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

- (1) डा० हरिकिशन लाल पुत्र श्री नरसिंह दारा एम० 28 भारत हा उसिंग कालीनी रान्धी (बिहार) मार्फन कर्नल जगदीश चन्द्र पुत्र श्री हरिकिशन लाल (श्रानिरक)
- (2) श्रीमती बिमला कुमारी जैन पत्नी श्री ए० के० जैन मौहल्ला स्वामियान, श्रम्बाला शहर (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ता-श्वरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो उनत आधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### भनुसूची

सम्पत्ति मकान नं ः 124-125 ब्लाक नं ० 4 हास्पीटल रोड अम्बाला सहर में स्थित है तथा जिसका और अधिक विषरण रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में रिजिस्ट्री ऋमांक 90 दिनांक 9-4-198 0 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण**)** ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1981

प्ररूप आर्धः ही.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण)

श्रजेंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेण मं० थानेमर/1/80-81—श्रतः मुझे गो०सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी मं० मकान नं० 109 बी० व सी० वार्ड नं० 7 है तथा जो मुभाष मन्डी थानेसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, थानेसर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रश्रैल 1980

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री कांगी राम पुत्र श्री मनसा राम थानेसर (ग्रन्तरक)

(2) श्री शाम लाल पुत्र श्री छज्जू राम निवासी भागथला तहसील थानेसर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर,
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 109 बी० व सी० वार्ड नं० 7 सुभाष मन्डी थानेसर में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ना थानेसरके कार्यालय में रिजिस्टी ऋमांक 23 दिनांक 2-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेंन रेंज, रोहतक ।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थातः--

न(रीख: 2-1-1981

# प्रकृष माई० टी० एन० एस०---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 241-व(1) के सबीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निवेश सं० बी० जी० श्रार०/12/80-81—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 218 सेक्टर 16 फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कायिलिय बल्लबगढ़ में, रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अश्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अंतरकों) खौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कावत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उबत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; खोर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की छणधारा (1) के क्ष्मीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- (1) श्रोमको कमलेग धवन पुत्री श्री अर्जुन दास धानन्द 17/19 पंजाबी बाग न्यू वेहली (ग्रांतरक)
- (2) श्री ज़िल्सन तारा चन्द पुत्रश्री निवयाल मेसी 5 एम/109 एन० श्राई० टी० फरीदाबाद (श्रातिरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, को भी भविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यब्दोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 218 सेक्टर 16 फरीदाबाद में स्थित है। तथा जिसका ग्रौर ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक 566 दिनांक 15-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1981

# प्रकृप भाई • टी • एन • एस •-----

# आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० फतेहबाद/1/80-81—-ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए॰ से मिनिक है

श्रौरजिसकी सं० भूमि 96 कनाल जो भूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौरपूर्णरूप से वर्णित∤

है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय फतेहबाद में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रिप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिका कि तिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उकत प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के मस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्तमम, या धन-कर भिष्ठित्तयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रम, एक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-थ की करकारा (1) के सम्रीत, निक्नलिखन व्यक्तियों, अर्थोत्:-- (1) श्री तीर्थ सिंहपुत श्री भाग सिंह मकान नं० 21 ब्लाक नं० 5 पटेल नगर हिसार

(भ्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री रमेश सुरेश देवी लाल सुभाष पुतानश्री मांगे राम
  - (2) श्री राम निवास दिलबाग पुतान श्री जगदीश गांव व डाकखाना जोधी खुर्द तहसील फतेहबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीनत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी ग्रम्य क्यवित हारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पाडीकरक: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्राह्मियम के भश्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 96 कनाल जो भूना में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रिधिक विवरण फतेहबाद के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 127 दिनांक 15-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक।

तारीख: 2-1-1981

# प्रकप चाई। टी। एन। एम।----

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### . भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश मं० वी० जी० ग्रार०/13/80-81—श्रतः मुझे गो०सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 ई० ब्लाक नं० 1 इन्ड ट्रियल है तथा जो इस्टेट नं० 1 फरीदाबाद में स्थित है (स्रोर इस उपाबढ़ स्रतुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्टीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख समैल 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन निम्निलिखित व्यक्तियों स्थित्:--

- (2) श्रीमती कौणल्या वन्ती पत्नीश्री पी० एन० जारथ निवासी ए, 330 डिफोन्स कालोनी न्यू देहली (श्रन्तरक)
- (2) मिसेज गुष्ता कन्सट्रकणन कम्पनी जी-3/92 दीपाली नेहरू प्लेस न्यू देहली माफेंत सुरिन्दर कुमारगुष्ता हिस्सार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## श्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 9 इ० ब्लाक-1 इन्डस्ट्रियल इस्टेट फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका और ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक 625 दिनांक 11-4-1980 में दिया गया है।

> मौ० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/14/80-81—श्रतः मृझे गां०सि० गोपाल

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाटनं० 51 ब्लाक सी० सेन्टर 11 फरीदाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भाषेल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्बह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्व नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) ऐसी किसी ध्राय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रतुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजर हरी प्रकाश पुत्र श्री कृपा राम जोगी निवासी एन० सी० सी० मधाऊ इन्जीनियरिंग कालेज ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

(भन्तरक)

(2) श्रीमती हरिन्द्र कौर साहनी पहिन श्री रघुबीर सिंह साहनी निवासी ई-10 ग्रीन पार्क नई दिल्ली-16 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति प्लाटनं० 51 ब्लाक सी० सेक्टर 11 फरीवाधाव में स्थित है तथा जिसका श्रीर अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता बल्लब-गई के कार्यात्य में रिजस्ट्री क्रमांक 607 दिनांक 16-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज रोहतक

तारीख: 2-1-1981

प्ररूप आईं० टी० एन० एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के समीन सुचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 58 पी० नं० 2391---यतः मुझे भ्रार० गिरधर

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी की, बह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो नजर्द क पुखराज सिनेमा भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैंल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत धांधक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है उच्त धम्तरण लिखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चित्यम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घण्य आस्तियों को जिन्हें बारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनाम की घारा 269-म के धनुतरण में, में, उस्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थीत्:--

- (1) श्रो लखमन दास पुत्र रला राम गांथ रामपूरा फूल (श्रन्तरक)
- (2) श्रो रमेश चन्द पुत्र हुकम चन्द पुत्र परस राम वासं भटिंडा

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (कं) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत ग्राणितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यनित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कोक्करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्व होगा जो उस शब्दाय में दिया गया हैं।

# भनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैंसा कि विलेख नं० 659 दिनांक 1980 को रजिस्ट्रांकरण श्रिधिकारो भटिंडा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर् सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-12-1980

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेण सं० ए०पो० नं० 2392—स्तः मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रः. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुखराज मिनेमा भटिंडा में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैंल 1980

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से ऐसे रूपमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित बहेय से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा का लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, बनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६-- (1) श्री वेद प्रकाण पुत्र चरंजी लाल पुत्र राला राम वासी रामपुरा फूल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो चेत सिंह पुत्र बख्तर सिंह वासी भटिंडा

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके द्रीधभोग में सम्पक्ति है)।
- (4) जो व्यवित सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बृव्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसू ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 661 दिनांक भ्रप्नैल 1980 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख: 24-2-80

प्ररूप आर्ड. टी. एत. एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-व (1) कें अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाग्रकर भाग्रकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज जालन्थर जालन्थर, विनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2393—यतः मुझे श्रार० गिरधर सायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसुची में लिखा है तथा जो नजदीक पुखेराज मिनेमा भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कायलिय भटिंडा में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रील 1980

को प्रास्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टांकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कण में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात् :---16--436GI/80 (.1). श्रो हरी राम पुतःश्री बनारसी दास वासा मन्डी फूल मुखत्यार गारगी देवी पुत्री बनारसी दास

(ग्रंतरक)

(2) श्री मनिन्दर सिंह पुत्र हजूरा सिंह पुत्र बख्तार सिंह वासी भटिंडा

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्तः सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विमा की अधिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीक से 30 विम की अवधि, जो भी अवधि बाद में संभाषत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्ञारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासा लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ः 662 दिनांक 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारो भटिंडा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

्रें<mark>ग्रर्जन रेंज, जालन्धर</mark> जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

िष्टेश सं० ए०पी० नं० 2394—यतः मुझे आर० गिरघर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैना कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुरखराज सिनेमा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कायलिय मर्टिडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये फन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत छक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की इपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात्:---

- (1) श्रो हरो राम पुत्र बनारसी दास बासी मन्डी फूल मुख तियारे श्राम श्रामती माया देवी पत्नी श्री बनारसी दास (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सतीश कुमार पुत्र कशतूरी लील
  पुत्र तिलक राम, भटिंडा
  (2) जनक राज पुत्र हंस राज वामी भटिंडा
  (ग्रान्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं०2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की धविधिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो छक्त प्रधिनियम के धन्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस धन्माम में दिण गया है।

## **शनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 663 दिनांक भ्रप्नैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिंडा में लिखा है।

> भ्रार० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहामक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर ।

तारीखा: 24-12-1980

## प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए०पो०नं० 2395—यतः मुझे ग्रार० गिरणर नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० जैसा कि धनुसूचो में लिखा है तथा जो नजदोक चरखराज सिनेमा में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, में 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, तारोख ग्रप्रैल 1980

को प्रांक्त सम्मित के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथित्:—

- (1) श्री हरी राम पुत्र बनारसी वास वासी मन्डी फूल मुख्तवार प्रसन्ती देवी उर्फ द्वारका देवी (श्रन्तरक)
- (2) श्रो पोखर गरग पुत्र रमेश गरग पुत्र हुकम चन्द वासी भटिंडा (अन्तरिती)
- (3) जैंसाकि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्वध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 664 दिनांक अप्रैंल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिंडा में लिखा है।

> श्चार० गिरधर सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्, जालन्धर ।

तारोख: 29-12-80

## प्रकप साई० ठी० एन० एस०---

# धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 विसम्बर 1980

निवेश सं० ए० पो० नं० 2396—यतः मुझे घार० गिरधर प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसुचो में लिखा है तथा जो नजदाक पुखराज सिनेमा भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकार के कार्याजय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख श्रप्रैल 1980

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रिष्ठक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, खक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त श्रांश्वनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचार् :--  (1) श्रो हरो राम पुत्र बनारसो दास वासा मन्द्री फूल मुखतियारे आम श्रीमती प्रमारमा देवो पुत्रो बनारसो दास

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रो सतीम कुमार पुत्र कसतुरो लाल पुत्र तिलक राज वासी भटिंडा
  - (2) जनक राजपुत्र हंस राजवासी भटिंडा (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसाकि ऊपर नं० 2 में है। (बहु व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह श्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  थें हिस्सद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही भ्रषं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## ध्रनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 665 दिनांक ग्राप्तेल 1980 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भटिङा में लिखा है।

> श्रार० गिरघर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-12-1980

# प्रस्प आई० टी॰ एन॰ एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 24 विसम्बर 1980

निदेश सं० ए०पो० 2397—यतः मुझे ग्रार० गिरधर अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैमा कि अनुसुन। में लिखा है तथा जो नजदीक पुखराज सिनेमा भटिडामें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधका री के कायलिय भटिडा में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिपेस 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रसिक्षण को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित काजार मूल्य, उसके पर्यमान प्रतिकार में, एते इसकान प्रतिकास का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया रया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात ः--

- (1) श्री हरो राम पुत्र बनारसा दास वासी मन्डो फूल मुख्तयारे आम श्रामता कैलाण देवा पुत्री बनारसी दास (श्रन्तरक)
- (2) श्रो सतोश कुमार पुत्र कस्तुरी लाल वासी भटिंखा
  - (2) जनक राजपुत्र हंस राजपुत्र भोला मलवासी भटिंडा (ग्रन्सरिती)
- (3) जैंमा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वां के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशांकर व्यक्तियों में मं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआवित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 666 दिनांक भ्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी भटिसा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ताराख: 24-12-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एव॰ एस॰----

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीकण) प्रजीन रेंज लालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 24 दिसम्बर् 1980

निदेश सं० ए० पो० नं० 2398—यतः मुझे ग्रार० गिरधर पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसुन्ते में है तथा जो नजदोक पुख-राज सिनेमा भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध में अनुसून्ति) में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, ताराख अप्रल 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभा करने या उससे बचने में मुविशा के जिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य धास्तकों की जिन्हें भारतीय ग्राम-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धम-कर प्रधिनियम, या धम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्स्रिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उनत भिवित्यम की घारा 269-ग के अनुसरक में, में, उनत भिवित्यम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निक्नसिखित व्यक्तियों अर्थातः --- (1) श्रं। मल सिंह पुत्र नरेण सिंह वासो राम पुरा फूल

(भ्रन्तरक)

- (2) विनोद कुमारो पुत्रा मनसाराम पुत्र सुख दियाल वासी भटिंडा
  - (2) प्रेम कुमार पुत्र चरन दास वासी भटिशा (म्रन्तरिती)
- (3) जैंसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में र्जाच रखता है। (यह व्यक्ति, जिसके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबव्ध हैं)

को यह तूबना जारो हरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

न्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, बही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसू**ची**

यमानि नथा व्यक्ति जैपाकि विलेख नं०: 667 दिनांक अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिष्टा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर मक्षम ग्रधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंक जालन्धर

तारीख: 24-12-1980

# प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2399—यतः मुझे श्रार० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुखराज सिनेमा, भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री नरसीराम पुत्र मल सिंह मुख्तयारे श्राम श्रीमती णान्ती देवी पुत्रीं मल सिंह बासी रामपुरा फ्ल,

(प्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जगदीण राये पृत्र मागी राम पुत्र प्रभु वियास वासी भटिंडा ।
  - (2) निरमला देवी पत्नी कृश्न चन्द पुत्र चानन राम वासी भटिंडा ।
  - (3) विनोद कुमारी पुत्नी मनसाराम पुत्न सुद्धा वियास वासी भटिंडा ।
  - (4) प्रेम कुमार प्त्र धरन दास वासी भटिंडा (भन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमोग में सम्पिक्त है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके **बारे में ग्रधोह**स्ता-

क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 668 दिनांक प्रप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मर्टिडा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 24-12-1980 मोहर: प्ररूप आर्हा० टी० एन० एस० -

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर् 1980

निदेश सं० ए०पी० नं० 2400—यतः मुझे श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुखराज सिनेमा भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन भटिंडा तारीख श्रप्रैल, 1980

को पृत्रों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उद्देश दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्त्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप सं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में अभी करने या उससे यचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या सम्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री नारसी राम पुक्त मल सिंह मुख्तयारे ग्राम श्रीमती देवकी देवी पुत्री मल सिंह वासी रामपुरा फूल। (ग्रन्तरक)
- 2: (1) सतीण कुमार पुत्र कम्सूरी लाल पुत्र तिलक राम वासी भटिंडा ।
  - (2) जनकराज पुत्र हंसराज पुत्र भोलामल वासी भटिका ।
  - (3) विनोद कुमारी पुत्नी मनसाराम वासी भटिंडा।
  - (4) प्रेम कुमार दुपुत्र चरन दास वासी भटिंडा । (श्रम्सरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

भ. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता हैंकि कह सम्पत्ति में हितकक है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्परित के अर्थन के सिए कार्यकाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सक<sup>7</sup>गे।

स्वव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अधं हागा जो उस अध्याय में विया पदा है।

### श्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख में लिखा है नं० 669 दिनांक 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

ग्रार० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० पी० ए० नं० 2401—न्यतः मुझे ग्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुष्कराज सिनेमा, भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिनांक श्रश्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियमों अर्थात् :--- 17—436GI/80

 नरसी राम पुत्र मल सिंह् वासी रामपुरा फ्ला।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) जगदीश राये पुत्र मांगी राम पुत्र प्रभु दियाल वासी भटिङा ।
  - (2) श्रीमती निरमला देवी पत्नी श्री कृष्ण चन्द पुत्र चानन राम बासी भटिंडा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में किन रखता है। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्बीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 670 दिनांक प्रप्रैल, 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिक के कायलिय में सिखा है।

> धार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 24-12-80

प्ररूप धाई। टी। एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1991 का 43) की घारा 2न9-व (1) के प्रश्नीत नृचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2402—यतः मुझे ग्रार० गिरधर आयक्द पित्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंध, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुखराज सिनेमा, भिंदडा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीन विनांक धरीन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तिन काजार मूल्य से क्य के बृश्यमान प्रशिक्त के लिए धन्तरित की गई नै और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिति (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के किए तय पाया समा प्रतिकृत, निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त धन्तरक निजित में बास्तरिक स्वय से कृत्वर प्राप्त के किए तो मी

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त याद्यानि एक अधिन कर हैने के धानतरक के दायित्व में कभी करने या स्ससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, धिनाने में सुविधा के लिए:

स्तः, अद, उन्त अधिनियम की जारा 269-य के धनुसरण में, में, उन्त धिर्धानयम की बारा 269-य की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----  श्री नरसी राम पुत्र मल सिंह मुख्तयारे श्राम: निरमला देवी पुत्री मल सिंह वासी राम पुरा फल।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती विनोद कुमारी पुत्नी मनसाराम भटिंडा।
 श्री प्रेम कुमार पुत्न चरन दास वासी भटिंडा।
 (श्रन्तरिती)

जैता कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें हिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

सी यह सूचमा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आसीप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.8 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी व्यवधि बाद में समान्त होती हो, के बीतर पूर्वोंवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्त हरण -- - इनमें प्रकृषत मन्द्री नीर पद्यों का, भी उनत अधि-नियम के अध्याय 20- ह में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 671 दिनांक भन्नैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

तारी**व** 24-12-1980 मोहर: प्ररूप जाइं ट्री. एन. एस.----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, विनांक 24 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2403—यतः मुझे आर० गिरधर शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नजदीक पुखराज सिनेमा, भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्य अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अर्जेल, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण ही कि यथाप्यांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसल अध्यक्ष प्राध्य के. ए.स. व्हण्यमान प्राध्यक का पन्त्रह प्रतिचात सं अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बंध एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अथितः—  श्री मल सिंह पुत्र नरेंण सिंह पुत्र सुलतान सिंह बासी रामपुरा फुल ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हंसराज पुत्र राम लाल वासी भटिंडा

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क्ष) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन करि नारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

## अमूस्जी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 673 दिनांक म्रप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंगा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्सर

**सारीख: 24-12-80** 

प्ररूप धाई० टो० एन०एस०-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० ए०पी० 2337—यतः मुझे भ्रार० गिरधर जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा० से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में [लिखा है तथा जो गांव मंगुवाल त ० नवांगहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है) रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय नवांगहर में रजिस्ट्रीकरण घिधिनियम 1908 (1908 का 16) के घधीन अप्रैल, 1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में भ<sup>5</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-- 1' श्री हरमंदर सिंह पुत्र ईशर सिंह गांव मंगुवाल, तह० नवां शहर।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरबचन सिंह पुत्र मतबना भगवान सिंह पुत्र निहाला वासी मंगुवाल तह० नवां शहर।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

# वन्स्वीं

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जिसाकि विलेखनं० 58 दिनांक प्राप्रैल, 1980 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवाशहर में लिखा है।

> ग्नार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**च** 15 -12-80 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

निवेश सं० ए० पी० नं० 2338—यतः मुझे श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गुरापुर में स्थित है (भौर इससे उपायद भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भ्रप्रैल, 1980

को पूर्वो क्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिषित व्यक्तिरों अर्थात्:--  श्री मेहरसिंह पुत्र सुन्दर सिंह गांव गुरपुर, तह० नवां शहर।

(भन्तरक)

 श्रीमती ज्ञानकौर पुत्री सन्ता सिंह गांव नंगल परतल तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पृवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्**ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 85, ग्राप्रैल, 1980 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नवां ग्रहर में लिखा है।

> श्रार० गिरगर सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-12-80 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2339—यतः मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव करियाम तह० नवां शहर में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ध्रमैल, 1980

करे पूर्वाक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्तित् व्यक्तियों, व्यक्ति हिन्न

1. श्रीमती ग्रमृतकीर पत्नी प्रीतम शाह सिंह वासी कालिज कालोनी, नवां शहर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कवरजीत कौर पत्नी इकबाल सिंह चीमा पुत बरकत सिंह वासी कालिज कालोनी राहो रोड, नवांशहर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्त में हितबद्ध है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुस्**ची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 256 दिनांक अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

ग्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर

तारी**च** : 15-12-80

प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2340—यत:, मुझे, श्रार० गिरधर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बेगमपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर जो पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के गार्यालय नवागहर में रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन तारीख धर्मैंल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालेचित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसा आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे अवभे म सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धनकर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उपत प्रधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की खन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचीत्।——  श्री धन्ना सिंह पुत्र किरपा सिंह हीरा जल, नवां गहर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री बलजीत कुमार पुत्र श्रोम प्रकाश रेलवे रोड, नवां गहर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर ग्रनुसूची नं० 2 में पलिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो 'उक्त अधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाति हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## घनृसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 279, दिनांक प्रप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवांशहर में लिखा है।

भ्रार० गिरधर सक्षम प्राधिनारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-80

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ध्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ए०पी० नं० 2341---यतः, मुझे, झार० गिरधर मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं जिस कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नवांशहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नवांशर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीवक है और अन्तरक (घन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उसत ग्रिंघिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिस्त म्यक्तियों, भर्यात्:—  श्री खुशीराम पुत्र हरबन्स राय, केवल कृष्ण, मुलक राय सब सुपुत्र बरनजी लाल नवां शहर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री कृष्ण कुमार पुत्र जै देव, श्रीमती भ्रनीता रानी पत्नी गुरबक्स राय, श्रीमती सुषमा पत्नी ब्रिज भूषण, श्रीमती प्रमीला कन्ता पत्नी यण पाल, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

[वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जग्नता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं]

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 65 दिनांक भन्नैल, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी नवांशहर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-80

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए०पी० नं० 2342—यतः, मुझे, आर० गिरधर आयकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जियका उवित बाजार मूल्य 25,000/-चपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो बेगमपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रिपेस, 1980

को पूर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रम्तरकों) और अन्तरिती (अश्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय-की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के-भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत. निम्निलिश्चतृ व्यक्तियों, अधित् :--18---436GI-80  श्री धन्ना सिंह पुत्र क्रुपा सिंह मुहल्ला हीरा जटा, नवां गहर।

(ग्रन्तरक)

 श्री वेद भूषन पुत्र स्रोम प्रकाश, रेलवे रोड, नवां शहर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में क्षिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सस्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 202 दिनांक भन्नैल, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी नवां ग्रहर में लिखा है।

ग्रार० गिरधर .सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख : 15-12080

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० ए०पी० नं० 2343—यत:, मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव तलवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जासन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक श्रील, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निमनलिसित व्यक्तिया अर्थात्:--  श्री प्रताप सिंह पुक्ष ज्ञान सिंह गाँव तलवाड़ा, तह० जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री वियन्त सिंह, प्रीतम सिंह, रणजीत सिंह, हरभजन सिंह, सुपुत्र श्री सरदुल सिंह गांव तलवाड़ा, तह० जालन्धर ।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में धिक रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 46, विनांक श्रप्रैल, 1980 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर अःग्रङ्ग्ट (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निवेश नं ए पी नं 2344—यतः, मुझे, भ्रार गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रानुसूची में लिखा है तथा जो गांव तलबड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक भ्रप्रैल, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उन्ति बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उजित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित् ६——

- 1. श्री प्रताप सिंह पुत्र ज्ञान सिंह गांव तलवाड़ा । (भन्तरक)
- 2. श्री जसा सिंह, बलबीर सिंह, महेन्द्र सिंह, मक्खन सिंह, सरजिन्द्र सिंह सुपुत्र साधु सिंह गांव तलवाड़ा। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
   (बहु क्यमित जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सुचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास, लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त ग्रव्यों आहेर पद्यों का, जो सक्त, विभिन्नयम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 206 दिनांक भग्नेल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2345—यतः, मुझे श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सोडल रोड, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहू प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्री राम नाथ खन्ना, पुक्र नरसिंह दास सिविल लाइन्स, जालन्धर ।

(अन्सरक)

 श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी गुरंदयाल सिंह वासी डोली के सुन्दरपुर, तह० जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्तिं, जिसकें श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 627 दिनांक भ्रम्नैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख**ं 15-12-80

मोहर 🖫

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश मं० ए० पी० नं० 2346—यत:, मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है गया है तथा जो गांव गील, तहसील जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण न्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैंल, 1980

को पूर्वाक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्री चनन सिंह पुत्र मिलखा सिंह गांव गिल, तहसील जालम्धर

(ग्रन्तरक

2. श्री सोहन सिंह, गुरवचन सिंह सुपुत्र कावल सिंह पुत्र गुरकील सिंह ग्रजीत सिंह सुपुत्र नराजन सिंह गांव चिमरदारा, तहसील जालन्ध है।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिमके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाक्ष या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 265 दिनांक ग्रप्नैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है

ग्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-80

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के भ्रधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी०-2347—यतः, मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपये से ग्रिधिक है गौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भोगल रोड जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रत्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिएवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भवं, उन्त प्रधिनियमं की धारा 269-मं के मनु-सरण्ं में, में, उन्त प्रधिनियमं की बारा 269-मं की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---  श्री रामनाथ खन्ना पुत्र गुरमीत सिंह भोगल सिविल लाइन्स, जालन्धर।

(मन्तरक)

 श्री जसपाल सिंह भोगल पुत्र गुरमीत सिंह भोगल गांव डोली के सुन्दरपुर तहसील जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्तित है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यध्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के अध्याथ 20-क में परिभाषित है, बही प्रयो होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 654 दिनांक भ्रप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरखर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्वर

तारीख: 15-12-80

प्ररूप आई.टी.एन.एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जानन्धर जासन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० 2348:— यतः मुझे म्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जी कुरसन रोड, फगवाड़ा में स्थित है (धाँग इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्राप्रैल, 1980

को पूर्भांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴--

 मेजर पोखर सिंह (जी० सी० ए०)
 श्रीमती बन्त कौर पितन हुकम सिंह माडल ग्राम, लुधियाना ।

(अन्तरक)

श्री विजेन्द्र सिन्धवानी,
 गऊशाला, रोड, फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वि रखता है । (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्'स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 137 दिनांक अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्री श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है। आर० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-80

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टो. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिसांक 15 दिसम्बर 1980

निवेण सं० ए० पी० नं० 2349—यतः मुझे ग्रार० गिरधर अभ्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्भित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

अगैर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लोहा मन्डी फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विंगत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अपिकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्रीमती हरकत्त कौर धर्मपत्नी ग्रमर नाथ निवासी कपूरथला, नजदीक जैतो खत्तन

(ग्रन्तरक)

 श्री सतीश कुमार पुत्र महाराज चङ्का, निवासी लोहा मन्डी फगवाड़ा ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में धिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलसप्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 229 दिनांक अप्रैल, 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-12-80

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-II, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2350—यतः मुझे, प्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में निखा है तथा जो फगवाड़ा नजदीक थापर कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का किनिलिस्ति उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-19—436GI/80

 श्री श्ररुण कुमार पुत्र हुरधन्स लाल थापर कालोनी, फगवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री कुलिबन्द्र सिंह पुत्र श्रजैंब सिंह वासी नकदी पुर, तह० गड़शंकर जिला हुशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 75, दिनांक अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> भार० गिरक्षर सक्षम प्राधिकारी साहयक भ्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 15-12-80

प्रकप झाई० टी० एन० एस०-----

मायकर धिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 विसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2351--यतः मुझे, ब्रार० गिरधर भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपये से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा नजदीक थापर कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भन्सूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक प्रप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छवित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रदेश्य से खन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत छक्त ग्रिष्ठ-नियम के श्रमीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या घन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनयम, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः; प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:---  श्री रोशन लाल पुत्र हंसराज थापर कालोनी , फगवाड़ा ।

(ग्रन्तरक)

- श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्रजैव सिंह वासी नकवीपुर तह. गढ़शंकर, जिला हृशियारपुर। (धन्द्ररिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्थम के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक् नियम के श्रष्टवाय 20-क में यथा परि ाचित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 76, दिनांक स्रप्रेल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> न्नार० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 15-12-1980 मोहर: प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निधेश सं० ए० पी० 2352—यतः मुझे, आर० गिरधर जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो थापर कालोनी, फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रशैल, 1980

को पूर्वोक्त संपित् के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से, एसे स्वयमान प्रितिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा, नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित् :--  श्री लेखा राज पुत्र श्री लणा राम थापर कालोनी, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

- 2. श्री श्रजैव सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी नकदीपुर, तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिध रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पुरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तितृ द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

## मनुपुची

सम्पत्ति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 77, दिनांक ग्रप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

**सारीख: 15-12-80** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980 निवेश सं० ए० पी० नं० 2353—यतः मुझे ग्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो थापर कालोनी, फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनोक श्रील, 1980

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास स्पर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः--  श्री ललोक चन्द पुत्र कुन्दन लाल थापर कालोनी फगवाड़ा

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती भ्रवतार कौर पत्नी भ्रजैय सिंह निवासी नकदीपुर, तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके घिष्णोग में सम्पत्ति है)
   जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है।

व्यक्त सम्पत्तिम राच रखता हा (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रम्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ितत्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

सम्पत्ति ग्रीर व्यक्ति जैसार्ढेकि विलेख नं० 78, दिनांक भग्नैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा गया है।

> भ्रार० गिरघार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर।

तारीख: 15-12-80

प्ररूप आइ°.टी , एन . एस . ------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2354—यतः मुझे, श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खूतरां रोड़ फगवाड़ा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दितांक श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधित् :---

(1) मेजर पोटवर सिंह जी०ए०, बन्त कौर पत्नी हुकम सिंह वासी फगवाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) हरबन्स लाल, हंस राज, मोहन लाल, सुरिन्द्र कुमार सपुत्र मलौक चन्द वासी चक गुरु तहसील नवांशहर

(धन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 246 श्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> स्नार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, जालन्त्रर

दिनांक 15 दिसम्बर, 1980। मोहर: प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंण जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

तिदेश सं० ए० पी० नं० 2355—यतः मुझे घार० गिरघर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो खूतरा रोड़ फगवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद में भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाहै। में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजर पारवर सिंह जी० ए०, रजिन्द्र सिंह पुत हुकम सिंह, फगवाड़ा।

(भन्तरक)

(2) गुरनाम चन्द पुत्र बखशी राम, श्रोम प्रकाश, श्रशोक कुमार सुशील कुमार सपुत्र गुरनाम चन्द, चक गुरु तहसील, मधांशहर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 245, अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> म्रार० गिरम्रर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 15 दिसम्बर, 1980 ।

मोहर ः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० 2356—यतः मुझे, श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव डूडीयां वाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, दिनांक श्रत्रैल 1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ट्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन ६—

- (1) मुरिन्द्र सिंह पुन्न जगीर सिंह वासी दुडियांवाला डामखाना भूलाना जिला कपूरवला।
  - (ग्रन्तरक)
- श्री साहिब सिंह पुत्र करतार सिंह वासी इडीयां घाला ।

(भन्तरिती)

- (3) जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्णिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमृस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 905 जून, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> भार० गिरधर, सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) भ्रिजन रेंज, जालन्घर।

दिनांक: 5 दिसम्बर, 1980।

# प्रकप भाई• टो॰ एत• एस•----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भवीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेण न० ए० पी० न० 2357----यतः मुझे, श्रार० गिरधर भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो करतार-श्रुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करतारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, प्योर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या घन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत:—

- (1) गुरदयाल सिंह पुत्र प्रजैब सिंह मुख्तयार-ए-प्राम दर्शन सिंह पुत्र ग्रौर श्रमर कौर पत्नी ग्रातमा सिंह करतारपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री सरवन सिंह पुत्र नरेण सिंह करतारपुर जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उरत सम्पत्ति के ग्रजंग के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अमित्रमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्मान्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरावडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख न० 98, ग्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी करतारपुर ने लिखा है।

> आर० गिरधर, सक्षम ग्रक्षकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, जालन्धर

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980 ।

मोहरः

प्ररूप आई.दी.एन.एस. -----

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सृषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, विनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए०पी०/2358— ग्रतः मुझे, आर० शिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मलसीयां में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नतिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- 20—436GI/80

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र नरंण सिंह गांव मलसीयां, तहसील नकोदर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री नशत्तर सिंह, चैपल सिंह, बिकर सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह पुत्र बतन सिंह, मोहिन्द्र सिंह पुत्र बतन सिंह गांव मलसीयां तहसील नकोदर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके भिधिभोग में सम्पत्ती है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ठिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी हैं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्यक्ष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 166 प्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी शाहकोट ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 15 दिसम्बर, 1980 ।

प्ररूप आहें. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सृष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं ० ए० पी० न० 2359—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिस की संव जैंसा कि श्रानुभूची में लिखा है तथा जो सांव खोजपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रानुस्वी में श्रौर पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोगपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपस्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण हो कि सथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा पमा प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

(1) श्रीमती नेज कीर विश्ववा पीर मल गांव खोजपुर तहसील जालन्धर ।

(बन्तरक)

- (2) श्री दलीप सिंह, लखबिन्दर सिंह, गुरमीत सिंह बिनतर सिंह, दर्णन सिंह मनजीत सिंह पुत्र और परमजीत पुत्री बहाबुर सिंह, ग्रतर कौर पत्नी बहाबुर सिंह बारिस बहाबुर सिंह गांव खोजपुर (भोगपुर) तहसील जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिश्रोग में सम्पत्ति है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूजि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर्ी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### असमची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4, प्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी भोगपुर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर, मक्षम मधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्रकप आई. टी. एन. एस . ------

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2360—यतः मुझे श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। है तथा जो गांव बहुराम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवांशहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विलांक श्रीक 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किनिनिलित उद्देश्य में उकत अन्तरण निम्बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से सुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निमनिलिखत व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री रनवीर सिंह श्रीर बलविर सिंह, जसवीर सिंह मोहन सिंह जसवंत कौर, सुरजीत कौर द्वारा रनवीर सिंह पुत्र उजागर सिंह गांव बहराम (बंगा) (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरदीप कौर विधवा गुरबक्श सिंह गांव बहुराम सहसील बंगा (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं) (धहु अपकित जिसकें अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो ज्यक्ति सम्पत्ति में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिम की अविधि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबिस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाखिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुको

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं ० 191 श्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रोकस्ति प्रधिकारी नवांगहर में लिखा है।

> न्नार० गिरधर् सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज, जालन्धर

विनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालम्बर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2361——यतः मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर मन्यति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क्षण से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो रेलवे रोड न्रमहल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय न्रमहल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत विनांक अभैल 1980

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप ने किया नहीं किया गया है:—
  - (क) धन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त भिष्ठ नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में मुविधा के लिए, और/या
  - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनयम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए।

श्रवः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत:--- (1) श्री विकर सिंह पुत्र रखा सिंह वासी चीमा खुरद तहसील फिल्लौर जिला जासन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रमरीक सिंह पुत्र बसंत सिंह गांव ग्रधेकाली तहसील फिल्लौर जिला जासन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में दिव रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त धर्धि-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि चिलेख नं० 85 प्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी नुरमहल में लिखा है।

> आर० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्ध्रर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2362—यतः मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृष्ट 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो रेलवे रोड़ न्रमहल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्रमहल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अभैल 1980

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यभान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है भीर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्त्रय मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्रयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए ; भ्रौर/या
- (क) ऐसी किसी धायया किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: धव, उस्त अधिनियम की बादा 26% व के धनुसरण में, में, धनत प्रक्षिनियम की धारा 26% की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री विकर सिंह पुत्र रखा सिंह गांव चीमा खुरद तहसील फिल्लौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरबंग कौर पत्नी श्रमरीक सिंह गांव श्रम्बेकाली तहसील फिल्लौर जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितकद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीरपदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं ० 119 अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी नूरमहल में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज, जालन्धर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप आर्ष्ट.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीप सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 15 विसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2363—यतः मुझे भ्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इंके अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित आजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है औं अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियमों अधीदः--

(1) श्री सुरिना कुमार पुत्रा मंगत राय वासीम्बससर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाश पुत शादी राम वासी मृक्तसर।

(झम्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिकोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति जिनके बारे में घषोहस्ता क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितसद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्लासम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाखोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहिसत में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्रिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं ० 123 अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है ।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोंज, जालन्धर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जासन्धर

जालन्धर दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2364—यतः मुझे स्रार० शिरघर अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसािक अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (भीर इससे उपावद में अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अभील 1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 मन्त्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती पारवली विधवा मंगत राय वासी बैंक रोड़ मुक्तसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती णशी बाला पत्नी राजकुमार वासी मुक्तसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैंसा कि ऊपरतं० 2 में लिखा है। (वह ब्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्राहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेग।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 124 प्रप्रैल 198 0 को रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

> ग्नार० गिरधर सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2365—यतः मुझे भ्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो सरकी फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणा है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रभैल 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन निम्नुलि जित व्यक्तियों अधित्:--

(1) श्री रत्तन सिंह पुत्र करतार सिंह मेहली गेट पंज मन्दरी फगवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी हरभजन सिंह सुरिन्द्र कौर पत्नी लम्बर सिंह केवल सिंह पुत्र बख्शीण सिंह जगपालपुर फगबाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपरनं ० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी श्र्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 81 दिनांक भन्नैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० 2366—यतः मुझे स्नार० गिरधर अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है। तथा जो सरकी फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणान है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक स्रप्रैंस 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- 21—436GI/80

(1) श्री रतन सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी मेहली ग्रेट पंत्र मन्दरी फगवाड़ा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरभजन कार पत्नी हरभजन सिंह सुरिन्द्र कौर पत्नी लम्बर सिंह पुत्र वनशीश सिंह गांव जगपालपुर फगवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैंसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृत्सि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>6</sup>।

# अनुसूची

मम्मात्त तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं ० 8 9 दिनांक 198 0 को रजिल्झीकर्ना ग्रिधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> स्रारः गिरधर सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन ज, जालन्धर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० री० 2367—यतः मुझे त्रार० शिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सरकी फगबाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची भौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फर्यान, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक श्रिप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्हें यह विद्याम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपतित का उचित बाजार मृत्य उमके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः-- (1) भी रत्तन सिंह पुत करनार सिंह निवासी गेटली गेट एंग सन्दरी फरायाड़ा

(ग्रन्तर्क)

(2) श्रीमती हरभजन कीर पत्नी हरभजन सिंह श्रीमती सुरिन्दर कीर पत्नी लम्बर सिंह केवल सिंह पुत बख्शीण सिंह निवासी जगपालपुर फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घवि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रंधीहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>0</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>1</sup>।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 103 दिनांक अप्रैल 1980 को रिजर्स्ट्रीकर्नी अधिकारी फगवाडा में लिखा है

> ग्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जालन्धर

दिनांक: 15 विसम्बर 1980

प्ररूप आह . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० 2368—यतः मुझे श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सरकी फगवाड़ा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ग्राप्रैल 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नोंलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रतन सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी महाली गेट पंज मन्वरी फगवाड़ा

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी हरभजन सिंह मुन्दर कौर पत्नी लैम्बर सिंह, केवल सिंह पुन्न बच्छीश सिंह , गांव जगपालपुर फगवाड़ा (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (यह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में बहतवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2124 दिनांक 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीवकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

दिनांक: 15 विसम्बर 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2369—यतः मुझे, श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। है तथा जो फगवाड़ा सरकी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक श्रील, 1980

को पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंग्यत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) रतन सिंह पुत्र करतार सिंह वासी माहली गेट, पुन्ज मांडरी, फगबाड़ा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी हरभजन सिंह , सुरिन्द्र कौर पत्नी लैम्बर सिंह, केवल सिंह पुत्र बखशीश सिंह वासी जगपालकौर तहसील फगवाडा । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
  '(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में तिया गया है।

#### वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 219, अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> श्रार० गिरघर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **जालन्ध**र

विनांक: 15 विसम्बर 1980

प्ररूप आध्र .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 दिसम्बर 1980

निवेश नं ० ए० पी० नं ० 2370— यतः मुझे, ग्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैंसाकि धनुसूची में लिखा है गढ़शकर रोड़ नवांशहर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिषकारी के कार्यालय नवां शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाधत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) प्रकाश कौर पुत्री मुनशा सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह वासी नवांशहर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री सिंगारा राम पुत्र दलीपा राम पुत्र ईंगर राम वासी गांव खटकर कलां तहसील नवांशहर (श्रन्तरिसी)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया हैं।

## नन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 61 श्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी नवांशहर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जासम्बर

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप आर्ड. टी.एन्.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, विनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2371— यतः मुझे म्रार० गिरधर आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस ी सं० जैसा कि श्रमुसूची में लिखा है तथा जो लिदराँ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अर्पेल 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अथित्:--

(1) श्री मेला सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांव लिंदरां सहसील जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मायावन्ती पत्नी ग्रमर नाथ गांव सराये खास जालन्धर।

(भ्रन्सरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 286 दिनांक ग्रप्रैल 1980 के रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिध कारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिर**धर** सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जा**लन्ध**र

दिनांक 16 दिसम्बर 1980 मोहर:

# प्ररूप आई० टी॰ एत॰ एस॰----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 दिसम्बर् 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2372-यतः मुझे, ग्रार० गिरधर धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'परवात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-भपए श्रौर जिस की सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो लिदरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भ्रीर मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल के पन्द्रहु प्रतिभत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम नाया गरा प्रतिकत निम्निखित उदेशा से उत्त प्रस्तरण तिरवा में वास्तविक रूप से हिमल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीध-तिथम, के श्रीत कर देने के अन्तरा के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्त्रियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन हर अधिनियम, या धन हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में नुविधा के लिए;

मतः धन, उनतं मिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उनतं मिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री मेला सिंह पुत्र जनाहर सिंह गांव लिदरा तहमील जालन्छर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णबन्ती पत्नी श्रीम प्रकाण गांव सराय खास तहसील जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रष्टिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गह सूचता बारी ऋरक पूर्वनित सम्पति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर तम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्ती करण: -- इतमें प्रपुत्रन शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रिध-नियम के ग्रष्ट्याय 20 क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### मनसर्वा

सम्पत्ति तथा त्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 301 दिनांक ग्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी जालन्त्रर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

# प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० 2373—यतः मुक्षे, श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लिदरां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिशत में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों अधीत्ः--

(1) श्री मेला सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांव निवरां तहसील जानन्धर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन लता पत्नी राज कुमार गांव सराये खास जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में किंच रखता हो। (यह व्यक्ति, जिसके बारे में झबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 343 दिनांक ग्रप्रेल 1980 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर मक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

# मर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० 2374—यतः मुझे झार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो लिदरां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची में भ्रीर पूर्ण का में बाँगा है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक श्रील 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिम्नित यें बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों वर्धात्ः-22--436GI/80

(1) श्री मेला सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांव लिंदरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रक्षा रानी पत्नी हेम राज गांव सराय खास तहसील जालन्धर।

(अन्तरिता)

(3) जैसाकि ऊपरनं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 362 दिनांक प्रौग 1930 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चजेंन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16 दिसम्बर 1980

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ~-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-वः (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अप्रयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

**धर्जेन** रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 विसम्बर 1980

निवेश नं ० ए० पी० नं ० 2375— यतः मृझे भ्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो ग्रकालियन जलालका में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्राप्त 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करु दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1.957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनिलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्री करतार सिंह पुत्र चनन सिंह निवासी श्रकालियन जलालका तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरक)

(2) श्री करनल सिंह जरनेल सिंह सपुत्र करतार सिंह निवासी ग्रकालियन जलालका तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि कपर कं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग; सम्पत्तिह)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में कि एखता हो। (वह व्यक्ति जिनके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मिति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्कारा;
- (स) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्रदीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुन अर्थ होमा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूसृची

नमाति तथा व्यक्ति जैसा कि क्लिख नं० 260 दिनांक भौत 1930 को रजिस्ट्रीकर्त्ती ऋधिकारी रामपुर फूल में लिखा है।

> ग्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक अव्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 16 दिशम्बर 1980ः मोहर 🗈 प्रकृप आहु . टी . एन . एस . ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं ० ए० पी० 2376—यतः मुझे स्नार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस की सं० जैसा कि श्रमुसूची में लिखा है तथ। रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय रामपुर फूल में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन विनांक श्रप्रैल 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विद्वास करने का कारण हैं कि बंधापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियमों में स्विधा के लिए;

(1) श्री दान सिंह पुत्र नरायण सिंह निवासी ग्रकालिया जलाल का तहसील राम पुरा फूल।

(अन्तरक)

- (2) श्री करनैल सिंह जरनैल सिंह सपुत्र करतार सिंह निवासी श्रकालिया जलाल का रामपुरा फूल तहसील (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वा विस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 274 दिलांक प्रप्रल 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी राम पुरा फूल में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजेंग रेंज, जालन्धर

दिनांक 16 दिसम्बर 1980 मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- प्ररूप आह<sup>र</sup>.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2377-- यतः मुझे स्नार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रत. से अधिक हैं

भ्रौर जिस की सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है। तथा जो भ्रकालियन जलाल का में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या नय राम पूरा फूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती जय कौर विधवा पूरन सिंह निवासी प्रकालियन जलाल का राम पुरा फूल
- (2) श्री हरकेवल सिंह नैव सिंह सपुत्र करतार सिंह निवासी प्रकालियन जलाल का राम पुरा फूल
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह\*ै ≀

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विसेख नं० 265 दिनांक अपैल 1980 को रजिस्ट्रीयता अधिकारी राम पुरा फूल में लिखा है ।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 16 दिसम्बर 1980

(अन्तरिती)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निवेश नं० ए० पा० 2378—यतः मुझे ग्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसुको में लिखा है तथा जो श्रकालियन जलाल का में स्थित ह (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूकों भीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राम पुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रील 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि शितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्रामता जसवन्त कौर पत्ना ज्याला सिंह निवासो ग्रकालियन जलाल का राम पुरा फूल । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो हरकेवल सिंह लैंब सिंह सपुत्र करतार सिंह निवासः श्रकालियन जलाल का तहसील राम पुरा फूल।

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति तम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)।

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हाँ।

# **ग्रनुसूच**े

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 275 दिनांक अप्रैल 1980 को रजिस्ट्राकर्त्ती अधिकारी राम पुरा फूल में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम श्रक्षिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेज, जालन्धर

दिनाक: 16 दिसम्बर 1980

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

भाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 16 दिसम्बर 198 0

निदेश नं ० ए० पा० 2379—सतः मुझे श्रार् शारधर अस्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिस की सं ० जैंमा कि अनुभूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (शीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के आयिलिय भटिंडा में रिजस्ट्रेंट कंद्रण अधिनिद्धम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक अग्रम, 1980

करे पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिक्तिक के बिलए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीम एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्नतिवित्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्कामक रूप से काभित नहीं किया गया है:--

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

(1) श्वामती चन्नैसी देवी निवासी भटिंडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा राजेन्द्र प्रशाद श्रामतो दर्शना देवा मोर मण्डो भटिंडा

(श्रन्तरितीः)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (यह क्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्मास्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरः जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते में।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्र<u>न</u>ुसृच*ः*

सम्यक्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 11 दिनांक श्रप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> भार० गिरधर सक्षम श्राधेकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 16 दिमम्बर 1980

मोर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अनयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जासम्बर, दिमांक 16 दिसम्बर 1 0

निर्देश सं० ए० पो० 2380—यतः मुझे न्नार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा, 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000, रा. से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मेग महल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रा करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक अभै ल 1980:

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपमत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भातकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि लिमनी लिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या में किंगत नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्जारा प्रकट नहीं किया। ध्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्राहरवंस नाल हरकृष्ण नाल ग्रीर हरभजन नाल सपुत श्री राम रखा निवासा मोगा महल।

(भन्तरक)

(2) श्री वजिवन्दर सिंह पुत्र मुर्परच सिंह निवासी मोगा महल

(घन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि स्वतः हो। (यह व्यध्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा वस सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन. की वारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक जालक्षर

विनांभा: 16 दिसम्बर 1980

प्ररूप आईं .टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश नं० ए० पो० 2381— यतः मुझे, आर० गिरघर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा महल में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण का में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रीन 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल सो, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरवर्धे) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रोबखतोर सिंह पुत्र राम दत्ता सोडावाला मोगा महल

(प्रत्तरक)

(2) श्री यल सिंह पुत्र निधान सिंह, हाकम सिंह, धनरजात सिंह, सपुत्र मल सिंह, तहसील मोगा

(ग्रन्सरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके भिधभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

# अन<u>ु</u>स्**यी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 119 दिनांक प्रश्रैल 1980 को रजिस्ट्री कर्त्ता प्रधिकारों मोगा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 16 दिसम्बर 1980 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर विनांक 16 विसम्बर 1980

सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/828—यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी०-14 सी तथा जो जयपुर में स्थित हैं (भीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनाक 14 अप्रल 1980।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि गथानवॉक्त संपरित का अचित हाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--23---436GI/80  श्री नन्दलाल सुदरानिया पुत्र श्री नागरमल सुदरानिया
 श्री लक्ष्मी निवास बिडला ग्रधिकृत ट्रस्टीज श्री सीताराम भंडार नई दिल्ली।

(भ्रतिरक)

 श्री ग्रोंकारमल ग्रग्नवाल चिरंजीलाल ग्रग्नवाल व विनोदकुमार ग्रग्नवाल निवासी शिवसाभ्रर ग्रासाम (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं क्सी०-14 न्यू कालोनी निकट एम० आई०रोड़ जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 892 दिनांक 14-4-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज जयपुर

दिनांक: 16-12-80

प्रका वार्ड दी एन् एक् न्यस्यस्यस्य प्रस्तान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज जयपुर

जयपुर विनांक 16 विसम्बर 1980

सं राज । (सहा । म्रा० मर्जन / 827 — यतः मुझे एम । एल । जोहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 121 122 व 124 है तथा जो जौधपुर म स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौअपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीम दिनांक 11 अर्जन 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी अक्तने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकियभ, वा धनकर अधिकियभ, वा धनकर अधिकियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीकलाश रूपराय पुत्र कवाररुपराय निवासी सरवार-पुरा जौधपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री हसन मौहम्मद मोहम्मद जफर मौहम्मद युनस पुत्राम जहर मोहश्मद लोहार सरकारपुरा जोधपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी हसे 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खन्धि, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजफण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिली अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळ किस्ता: --इसमें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क सें परिभाविक हैं, यहाँ, अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया है।

# वन्स्ची

न्ताट नं 121 122 व 124 का भाग ए सरदारपुरा बी रोड़ जौधपुर जो उप कंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 733 विनांक 11-4-80 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरिणत है।

> एम० एख० चोहान सक्कम्रप्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

अतः अदः, उथतः अधिनियमं की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उकतं अधिनियमं की धारा 269-के की स्पंधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

विमान : 16-12-1980

प्ररूप आहें .टी . एनं . एस . ------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजींन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० घा० घर्जन/8 33——घतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी०-14 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उउपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 23 ग्रप्रैल 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थान् ध---  भीमंती भंबर देवी पन्नि श्री प्रेम चन्द निवासी भूषिया भवन करलों का मोह्स्ला जीकड़ी पाछगेट जयपुर।

(मन्तरक)

 श्री राम वन्त्र पुरोहित पुत्र श्री-विरंजीलाल निवासी 6 विवेकानन्द मार्ग जयपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्स सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की त्रामिस से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशमानि तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

# प्रनुसूची

प्लाट नं वी०-14 शांति नगर ई० एस० आई० की <sup>र</sup>चार नम्बर डिस्पेंसरी के पीछे हससपुरा जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 673 विमांक 23-4-80 पर पंजीयद निक्रय पन्न में श्रीर विस्तृत रूप से बियणित है।

> एम**ः एसः वीहा**म विकास प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम रेजिं जयपुर

दिनांक: 24-12-1980

> भारत सरकार कार्यालय सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज जयपुर जयपुर दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/829---श्रत मुझे एम० एल० चौहान

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी संब्बी०-10-एफ० है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7 श्रप्रैल 1980।

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पन्या गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिकल कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय. की बाबत उक्त भीधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था अभाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-म के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

 श्री चन्द्र कुमार सरावगी पुत्र श्री धर्मचन्द सरावगी जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गांति देवी पत्नि श्री ज्ञान चन्द मेहन्दी दत्त बी-10 गोविन्द मार्ग श्रादर्श नगर जयपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्<mark>यवाहियां करता</mark> हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'वक्त मधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० बी०-10 एफ ग्रादर्श नगर गीविन्द मार्ग जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 735 विनांक 7-4-80 पर पंजीबद्ध विऋय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज अयपुर

दिनांक: 24-12-1980

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०-

धायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रजेंन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० मा० मजेंन/830——श्रतः मुझे एम० एल० चौहान

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिष्ठिक है

भौर जिसकी सं० ए०-27-बी है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजरर्ट्रे, वर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 अप्रैल 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उनत श्रिष्टानियम के श्रिष्टीन कर देने के अन्तरक के दाशिस्य में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी बन या भन्य भास्तियों को जिन्ह भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रीवधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269ना के धनुसरण में, में, उनत अधिनियन की धारा 269ना की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री स्वराज पाटनी क्यार्टरनं० 2 महारानी कालेज स्टाफ क्यार्टसं जयपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० कुमार प्लाटनं० 413-ए ग्रादर्णनगर जयपुर (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इन पूत्रना है राजनज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हाउटोकरगः ---इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# धनुसूची

प्लाट र्न० ए०-27-बी तिलक नगर जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 806 दिनांक 10-4-80 पर पंजीबद्ध विऋय पक्ष में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जयपुर

दिनांक: 24-12-80

प्रकाभ आई० टी० एन० एस०--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर; 1980

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ग्रतः मुझे, एम० एल० चौहान, भायकर ग्रक्षिणियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 मा के बादीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कोरण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-इ∙ से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1. घप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के चिकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकास का पन्छह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिबित छहेश्य से उन्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कवि-मियम के मधीन धर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे **बचने** में सुविधा के लिए; बौर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्तियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या, छिपाने में सिवा के शिए।
- ं अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री सुरमा सिंह पुत्र मल्ला सिंह 2 मंबर सिंह एवं नाथू सिंह पुत्र नेन सिंह, श्रीमती जेती देवी पत्नि श्री नेन सिंह रायत निवासी गंणेशपुरा (ब्यावर) (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती भजन कौर पत्नि श्री कर्म सिंह पंजाबी मकान नं० 48 किशनगंज, ब्यावर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनक में प्रकाशन की तारीब से 4.5 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अ्यंक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**ए: ब्होकरण: --इसमें** प्रयुक्त शबंदों बीर पर्वो का जो **ध**ण्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है

# अनुसूची

गणेशपुरा को जाने वाली मुख्य सड़क पर स्थित कृषि भूमि जो उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा कम संख्या 1882 दिनांक 1-4-80 पर पंजीबदा विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवेजित है।

> एम० एस० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर ।

दिनांक: 24-12-1980

प्रकप भाई० टीव एनव एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 24 विसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/832—श्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

प्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- य० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० डी०-186 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 7 ग्रप्रैंन, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त धिक्षियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन वा प्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः शव, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) ीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रिधांतः—— 1. श्री सीताराम भंडार ट्रस्ट, द्वारा नन्दलाल सुदरानिया जयपुर मुख्तार श्राम श्राफ श्री लक्ष्मी निवास बिङला पुत्र श्री घनण्यामदास बिङला ट्रस्टी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जगवीश राय, मनोहरलाल पुत्र श्री राम किशन, प्रेमटैन्ट हाउस, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री</u> करके पूर्वीक्त सम्पृष्टि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो
  भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पद्धि में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पतों का, जो उक्त प्रिक्षितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिकाणित है, वही भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

प्लाट नं० डी०-186, भृगू मार्ग, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 731 दिनांक 7-4-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एम० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 24-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

थायकर प्रश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/831—श्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं प्लाट नं डी - 186 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रिनांक 5 भ्रमल, 1980।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण के हुई किसी माय की बाबत आयकर ग्रिजिनियम 1961 (1981 का 43) के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, 1961 या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के को अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--  श्री सीताराम भंडार ट्रस्ट द्वारा श्री नन्दलाल मुदरानियाँ जयपुर मुख्तारस्राम श्राफ श्री लक्ष्मीनियास बिङला पुत्र श्री धनश्याभदास बिङला ट्रस्टी।

(भ्रन्तरक)

2. बुजमोहन, मनोहर लाल पुत्र श्री पन्ना लाल, ओहरी बाजार, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **क्षर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का मे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारंग, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिष्टि-नियम ने श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० डी०-186, भृगू मार्ग, बनीपार्क, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 729 दिनांक 5-4-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रेगयकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 24-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के ग्रधीन सूत्रता

### भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, विनांक 24 विसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/832--ग्रतः मुझे, एम० एल० चौान,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 1 भ्रप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है घीर मुझे प्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकत का पत्त्रहत्रतियन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे बस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आराय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त श्रिष्टिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, छक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात :---24-436/GI/80

- 1. श्री सूरमा सिंह पुत्र मल्ला सिंह 2. भंवर सिंह एवं नाथू सिंह पुत्रान नेन सिंह, श्रीमती जेती देवी पत्नि श्री नेन सिंह रावस निवासी गणेश पुरा (ब्यावर) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री परमेन्द्र पाल सिंह पूत्र हरवाल सिंह पंजाबी निवासी मकान नं० 48, किशनगंज, ध्यावर

(भ्रन्तरिती)

को यह युवता जारो करके पुत्रौंका सम्पत्तिके प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उर्देन सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इ.स. युवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम, के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम गणेशपुरा को जाने वाली मुख्य सडक पर स्थित है घौर उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा कम संख्या 881 दिनांक 1-4-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 24-12-1980

मोहरः

प्रकप आर्थ० टी० खन्० एस०----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचन।

मारत धरकार

कार्यालय, सङ्घायक श्लासकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/834--यतः मुझे, एम० एल० मौहान,

आयकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चिनयम' कहा गया है), को घारा 269-ख के प्रश्चीन समय प्रश्चिमारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य 25,000/- र∙ से प्रश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० गोप नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1980।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है भीर भन्तरिक (अन्तरिक) भीर भन्तरिती (अंतरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, जिम्निलिखत छहेश्य से उक्त पन्तरण कि लिखत में वास्तिबन रूप से कवित नहीं किया क्या है:—

- (क) मन्तरण स हुई किसी माय की बाबत, उक्त घषितियम के धधीन कर देने के मन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के फ़िए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घत या स्रन्य घतिस्तामों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त घिनियम, या घत-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः प्रव, उनन घिंतियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, मैं नकन पिंचिनियम की भारा 269-म की जपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिबिन व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री गोबिन्व प्रसाद पटनागर पुत्र लाडली प्रसाद, डी०-80, चौम हाउस, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बनवारी लाल पुत्र भोंरी लाल, नाहरगड़ रोड़, जयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 बिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितजड़ किशी शन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरों के पास विकित में किए जा सन्तों।

म्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त गर्दों भीर पदों का, जो जनत प्रधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रश्याय में विया गया है ।

# अनुसूची

दुकान नं० 9, निर्वाण मार्ग, चान्वपोल दरवाजे के बाहर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 753 दिनांक 9-4-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में धौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

एम० एल० **चौहा**न, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 29-12-1980

प्ररूप भाईं टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर ब्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भाधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, विनोक 29 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा० ग्रा० प्रर्जन/835——यतः मुझे, एम० एल० चौहान.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्याद नं ए-133 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रेंकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजिस्ट्रेंकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, 26 श्रील, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकृत प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के वीम ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रवितियम या धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रेस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन, विम्नानियस व्यक्तियों, अर्थात् ा---  श्रा रान लाल पुत्र वयाल दास, राजा पार्क, सिर्धः कालोनः, जयपुर ।

(मन्तरक)

 श्रीमती विद्यारानी पहिन लक्ष्मनदास अरोड़ा, 174, गला नं० 2, राजा पाँक, जंगपुर ।

(भन्तरिती)

कों यह सूचना जोरी करेके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं :

उनत समात्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होतीं हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति झारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किसे जा संकोंगे।

स्वष्टी करण:---इतमं प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त प्रधि-तिरन ह अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

### अनु सूची

क्लाट नं 133 ए, ग्रांबर्ग नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 952 दिनांक 26-4-80 पर पंजाबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **ग्राथकर ग्राधुक्त** (निरीक्षण) ग्र**जन रे**ज, जयपुर

दिनांक: 29-12-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० राज०/सहा०गा० मर्जन/8 36--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उष्टित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं ० प्लाट नं ० ए०-30 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28 श्रप्रेल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्रुबने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निमनित्वित अधिकत्यों अर्थात :--

 श्री भोजराज पुत श्री लाल चन्द सिधी प्लाट नं ० 131 सिधी कालोनी, बनापार्क, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सरोज मंगल पित कृष्ण मुरारी मंगल, सी-72, शास्त्रीनगर, जयपुर।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ग्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्बीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

म्लाट नं० ए०-30, सुभाष नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सख्या 989 दिनोक 28-4-80 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, जयपुर

दिनांक: 29-12-1980

## प्रकृप बाई । टी । एन । धन ।----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-जु (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक धायकर धायुक्त (निरीकक) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० राजः । /सहा। মা। মর্জন /—-यतः मुझे, एम। एल। चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संप्रतित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हातोद (जयपुर) में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 श्रपेल, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्दह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त बीध-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नितिक व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्री रमेश राय पुत श्रो अनूर नारायण राय, निवासी प्लाट नं ० 32, शास्त्री नगर, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. मैं सर्स कोठारी इस्पात प्राईवेट लिमिटेट, तिलक नगर, जयपुर।

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकर्णः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसुची

8034.04 वर्गमीटर श्रोपन लेण्ड जो ग्राम हातोद, जिला जयपुर में स्थित है श्रीर उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 934 दिनांक 25-4-80 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 29-12-1980

प्रकल्प आइ ० टी॰ ऐन्॰ ऐसें ० निकल्प आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, विनांक 29 विसम्बरं 1980

निर्देश सं० राज्ञ०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/836---यतः मुझे, एम० एक्न० चीहानः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० सी०-43 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26 श्रश्रैल, 1980

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रितिमल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्चिंधा के लिए;

1. विंगे केमीण्डेर मीहिन्द्र नाथें, सा०-43 ए०, महाबीर मार्गः जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती मोती कंबर, सो-43 ए, महाबोर माग, जयपूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधियां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकते स्थायर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन। गया है।

## **अनु**सूची

पार्ट भ्राफ प्लाट नं० सी०-43 ए०, महावीर मार्ग सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 958 विनांक 28-4-80 पर पंजीबद विकय पत्र में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एमं० एकं० घौहान, सक्षम प्राधिकारी, सङ्गयक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राप्तेन वैंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

दिमोक: 29-12-198 0

प्रकृप शाई । टो० एम० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के पश्चीन मूचना

मारत मरकार

कार्यात्रय, सहायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 29 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० रा०/सहा० ग्रा० धर्णन—स्वतः मुझे, एम० एल० जोहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अभीन सक्षम आधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छ जित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

श्रीर जिसकी सें० कृषि भूमि है तथा जो हातोद जयपुर में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 श्रशैन, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है!——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध को बाबत, उक्त अधि-निवम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-**ण की खपधारा (1)** के अधीन. भिम्नलिखित व्यक्तियों, ग्र**र्थात**:—  अशः रमेशराय पुत्रः श्रो मनूर नारायण राय निवासी प्लाट न० 32, शास्त्रीः नगर, अयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रं कल्याण सिंह कोठारे पुत्र बेनोसाल सिंह, निवासः तिलक नगर, जयपुर एवं श्री कुलभूषण सिंह पुत्र बेनीसाल सिंह निवासी बी-244 ग्रेटर कलाश, नई दिल्लो ।

(अन्सरिसी)

को य**ह सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्मति के **अर्जन** के लिए का**र्ववाहियां कर**ता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप ।~~

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर मूचना
  की तामीन से 30 दिन की धविधि, जो भी धविध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर नुवांका व्यक्तियों
  में से किसो व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेमे

स्पवकीकरण : --- इसमें जयुक्त भन्दों भीर पदों का, जो उक्त स्वित्तियम के अध्याय १०० में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा की उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुभूकी

7656.02 वर्गमोटर खुलो भूमि जो हातोद जिला, जयपुर में स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 937 विनांक 25-4-80 पर पंजीबद्ध खिक्रय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विविणित है।

एम० एस० **चौहान,** सक्षम प्राधिकारो, महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन **रेंज**, जयपुर

बिमांक: 29-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन नूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

निर्देश स० रा०/सहा० म्रा० मर्जन---यतः मुझे, एस० एल**० जौ**हान,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसको सं० शो रूम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिज्दिंकत्ती श्रधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, वनांक 11 श्रीस, 1980

को पूर्वोक्त संपित्स के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के ग्रजीन कर देने के शन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/था
- (ब) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

भतः सब, उस्त भिवित्यमं की बारा 268-ग के भ्रगुसरण में, मैं, उक्त पश्चितियम की बारा 268-म की उपवारा (1) के मधीन भिन्नतिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री मोलानाय मिश्रा पुत्र श्री शंकरनाथ मिश्रा, एम० ग्राई० रोड़ जयपुर वर्तमान निवासी 107, पार्क कालोनी; गिवानी।

(अन्तरक)

 मैंसर्स दीवान एजन्सीज, द्वारा भागीदार योगराज दोवान, पुत्र मायालाल, 337 म्रादर्श नगर, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

एक भी रूम, एम० ग्राई० रोड़, जयपुर स्थित (मैसर्स दोबान एजेन्सोज का) जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम पंड्या 839 दिनोक 11-4-80 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एस० चौहान मक्षम प्राधिकारीः, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रजन रेज, जयपुर

दिनांक: 29-12-80

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

भागकर भविनियम, 1961 (1981 का 43) की

धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

प्रजिन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निर्देश सं० बी०-92/म्राजैन—म्प्रतः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर मिंहिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्दिन, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मिंहिक है

प्रोर जिनका राव डाव-10/46 का है भाग मोव साक्षी विनायक, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधान, दिनांक 29 ग्राप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में सभी करने का उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने से मुविधा के लिए;

अतः अक्, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं -- 25—436GI/80

1. श्रां बेना प्रसाद

(झन्तरक)

 श्रा भोलानाथ व 2. नरेश कुमार 3. श्रीमतो राम कुमारी देवो ।

(भ्रन्सरिती)

3. उपरोक्त प्र तरिता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्र<mark>जैन के लिसे</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ते सम्पत्ति के ग्रर्जन के संस्थरध में कीई भी बांधीप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतें दें किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पीसें लिखित में किए जा सकेंगे।

हराष्ट्री करण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्दों का, जो उक्त धाध-नियम, के भ्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भ्रष्टगाय में दिया गया है।

## **घनुसूची**

माकत नं डो०-10/46, मय इमारत व भूमि का भाग स्थित मोहल्या साक्षो विनायक (गलो विश्वनाथ), वाराणसी क्षेत्रफल 4640 वर्ग फोट व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडोड ग्रीर फार्म 37 जो संख्या 3599 में वर्णित है जिनका पंज.-करण ग्रव रजिस्प्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 29 4-1980 को किया जा चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल**खनऊ**

दिनांक: 20-11-1980

मोहर: हा

प्राक्ष भाई। टी। एन। एस।---

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के प्रधीन मूचना भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्देश तं० एस०/198/अर्जन—अतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात् 'जबत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर प्रमित्ति, जिसका खिचा बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसको तं० 602 श्रराजी भूमि है तथा जो मौजा मगूं पुरा, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपानब श्रनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रध न, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1980।

को पूर्वोश्वत सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा विकल निम्ति जित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तिक कप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए। भ्रोद/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अत: मब, उबत पश्चितियम की छारा 269-त के धनुसरण में, में, उबत पश्चितियम की छारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्निक्खित व्यक्तियों, अर्थात !---- 1. श्री बल्लू पुत्र महवा।

(ग्रस्तरक)

- 2. मेससे स्टालबर्ट एक्स्पेट प्राइवट लिमिटेड, नई दिस्सी (श्रन्तरिती)
- केसा उपरोक्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजनज में प्रकाशन को तारी का से 45 दिन की धविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रक्य क्यक्ति दारा, पश्चोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रगुस्त गड्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, बड़ी धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्राराजः काग्रत भूमिधारी खासरा न० 602 रकबई दो एकड़ पंचास डिसमिल लगाने। सालाना 41 रुपए 50 पैसे खाता खतौनों नं० 295 श्रमितस्य श्राराजः दोमट दोयम सिकल नं० 2 वाकम मौजा मंगू पुरा, परगना, तहस.ल व जिला मुरादाबाद तथा वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडंड श्रीर फार्म 37-फां० संख्या 1658/80 में विणित है जिनका पंजाकरण रिजस्देकसी श्रिकारों मुराबाद के कार्यालय ; दिनांक 16-4-1980 को किया जा चुका है।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

विनांक: 17-12-1980

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणक्लम

कोचीन, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निर्देश सं० एल० सी० 430/80-81—यतः मुझे वी० मोहन लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं अनुसूची के अनुपार 4 है, जो शानगुपा में स्थित है (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालवुषा में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 अभैन, 1980।

को पूर्वों कर संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. श्रोमती मार० गायती

(ग्रन्तरक)

2. श्री वेंकटराम पोट्टी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनु सुपा

44 cents of land with building in Sy Nos. 821/16A/1, 821/15B, 821/14D/3 and 821/14C/1 of Alleppey Village.

वो० मोहनलास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 20-11-1980

प्ररूप आई ० टीं० एन० एस० 🕶

आरम्भर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचनी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एल० सी० 437/80-81—यतः मुझे वी० मोहनलाल,

वार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूचि के ग्रनसार 4 है जो पेरुम्बावूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय पेरुम्बाबूर में भारतीय रंजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8 ग्रग्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसकी रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. बीमंती एमध्या मेरी और सरसम्भा

(भ्रन्तरक)

2. कुर्घन और जोन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

41 cents of land with building in Sy. No. 302/12A4 of Peruambayoor village, Doc. No. 1733/80 dt. 8-4-1980.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनाक: 1.2-12-1980

## प्रकृप धाई • दी • एन • एस • ------

# आंपकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) को अधीन सूचना भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंअ, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 15 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एल० सी० 438/80-81—यतः मुझे वी० मोहन लास,

आयकर मिलिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिलिमम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से मिलक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार 4 है, जो शाखामंडलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय णाखामंडलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, 8 श्रील, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐने दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तपे बचने में सुविधा के लिए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ≟~~

1. श्रीमती इंदिरा बाई ग्रम्मा

(झन्तरक)

- श्रीमती डाक्टर के० सी० माध्यू० श्रौर डाक्टर मेरीदान्य (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री पी० डी० कुर्थन (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में संपत्ति है)

को यह सूचमा जारो करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं /

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंग के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेग :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 वित्र की शविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की शविधि, जो जी शविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की कारी का से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीतस्तालरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टोकरण: -- इसर्में प्रयुक्त गन्धों घोर रहा का, को उक्त अधिक्षिण के अन्वाय 20-क में परिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में विधा गया है।

# **प्रतृ**षूची

6 cents 300 sq. links with a building in Sy. No. 217/28 of Attepra village. Doc. No. 1087/80 dt. 8-4-1980.

बी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरोक्षण), ध्रजन रेंज, एरणाकुलम

विनांक: 15-12-1980

प्रस्प बाहा .टी .एन . एस . -----

भी रेजी कुर्यंत, सी० कुर्यंत भीर केमस कुर्यंत

(भन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकूलम, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एल० सी० 439/80-81---यतः मुझे, वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो कुन्नन्नुकला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कीर्यालय कुन्नन्नुकाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैस, 1980

को पूर्वोंकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तित्यों अर्थात् :-- 2 श्री सिरियक चेल्लमणि, मात्युमाधिला ग्रीर ल्योर्ल-कुट्टि मात्यू

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

47.50 Acres of land in Sy. Nos. 212/1 & 2, 215, 216 of Kotanallur village, Doc. No. 2210/80.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, एरणाकुलम।

तारीख: 15-12-1980

प्रकप भाई० टी० एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० एल० सी० 440/80-81--यतः मुझे, बी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० धनुसूची के धनुसार है, तथा जो कुन्नन्नुकाल में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, कुन्नन्नुकाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अल्प्ट्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व गें कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए को अनुसरण में. मी, अवन अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. भी सी० कूर्यन, रेजी कुर्यन भीर तोक्स कुर्यन

(ग्रन्सरक)

2. श्री जेइसकुट्टि कत्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसूची**

Doc. No. 2211/80 Sy. No. 216/3, 217/1, 219/3-17 ucres of land and 3 cents in Kothanallur village of Kalkulas Taluka and Sy. No. 215/1A 4 cents of Kuthanulal village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 15-12-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के आधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, एरणाकुलम एरणाकुलम, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश स० एन० सी० 441/80-81—यतः मझे, बी० मोहनलाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/-र के संअधिक है

भीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, स्यां जो कुश्रश्चकाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुश्नश्चकाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अम्तरित की बः है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सम्बक्त है भौर अम्तरक (सन्दर्कों) और अम्तरिती (सम्तरितयों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उनसे वजने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

भितः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. अभिमती सुम्रम

(धन्तरक)

2. श्री पोल मात्य

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपत्त में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में
  दितवड किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रीहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों जौर पदों का जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो सस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

14.4 acres of land in Kothanallur village in Sy. Nos. 216/3 and 219/3 and 4 cents in Kuthothulcal village in Sy. No. 215/1A vide Doc. No. 2212/80.

वी० मोहनलाल संक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख: 15-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन√ एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम एरणाकुलम, विनांक 17 विसम्बर 1980

ं निवेश स० एल० सी० 442/80-81---यतः मुझे, वी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कुल्ल मुं स्थित है (ग्रौर इससे उपायक प्रमुची में ग्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कुल्ल कुल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय कुल्ल कुल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-4-1980 को पूर्वोक्त संप्रति के उपित बाजार मूख्य से कम के पृथ्यमान श्रीतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है भौर मन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल का से काथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमली रेविना बाई

(अन्तरक)

2. श्री डी० डी० सुन्दररावज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त ग्रीधनियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वही भर्षे होगा जो उस भ्रष्टपाय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

6 acres 67 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 1487/80.

बी० मोहनलाल सक्षम श्रद्धिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>4</sup>. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नि<u>तिष्तु अमुन्दियों हु अर्थाद्यः</u>=

26-436G1/80

तारीख: 17-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री असफोनस

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

2. भी डी॰ डी॰ राजपाल

(बन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 दिसम्बर, 1980

निदेश मं० एल० सी० 443/80-81--यतः मुझे, बी० मोहनलाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्रमुस्ची के प्रमुसार है, तथा जो विव्यरपु में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कुन्नश्रुकाल में भारतीय रिजस्ट्रीकर्रा ग्रिधकारी के कार्यालय, कुन्नश्रुकाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख, 16-4-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक

स्प में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् (--- को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त साती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

### ननुसूची

प्लाट सं० 2 एम० ६० 119, डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-III, एरणाकुलम

तारीख: 17-12-1980

मो**इ**र:

प्रकप भाई • टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 17 विसम्बर, 1980 निदेश सं० एस० सी० 444/80-81--मतः मुझे, बी॰ मोहनलाल, **भायकर भ्रधि**नियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घष्टिनियम' कहा गया है), की भारा 269-बा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० भनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो कुलियल विल्लेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कुन्नज्ञुकाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के भ्रधीन 16-4-1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, **बुग्यमान प्रतिफल** का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उम्त अन्तरम लिखित में बाम्मविक रूप से कवित ⊾ड्डो फिना गना है:---

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दाबिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (आ) एसी किसी आम मा किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रामकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या वा किया जाना चाहिए वा कियाने में मुनिधा के लिए;

भ्रतः, भ्रयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृ-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के धरीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री नटराज पाणिक्कर श्रीर दासय्यन

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० भास्कर नायर

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**इक्त** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा में 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क मे परिभाषित है बही श्रर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

5ए मिरजा गालिख स्ट्रीट में श्रवस्थित 2 कहा 5 छ्टाक जमीन पर श्रांसिक देतल्ला और श्रांसिक तिन तल्ला मकान का सन्मुख भाग जो 9-4-80 तारीख में डीड नं०: 2222 श्रनुसार रजिस्टर श्राफ एस्टेटस के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

विसांक: 17-12-1980

नोहर:

परुप आई० टी० एन० एस०---

जायकर प्रविभियम, 1961 (1961 का 43) की घार 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 17 विसम्बर 1980

निवेश सं० एल० सी० 445/80-81--यतः मुझे, बी० मोहनलाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिलको सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो निघरषु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुन्नमुकाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्सो) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित्रत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बावत उक्त धिक-नियम के घष्टीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या प्रससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उन्त भ्रष्ठिनियम, की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उन्त श्रष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रष्टीत :--- 1. श्री दासय्यन

(भन्तरक)

2. श्री डी॰ डी॰ राजतपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्मति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस शूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकामन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त गग्दों भीर पत्रों का, को उक्त प्रक्रिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिकाषित है, वही प्रये होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

प्लाट नं० 703 धक्कन टायरस बशीरबाग **हैव**राबाद 7वीं मंजिल विस्तीर्न 1020 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3615/ 80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

> वी० मोहमलाल सक्षम श्रिष्ठिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 29-11-1980

प्रक्ष धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश स० एल० सी० 446/80-81----यतः मुझे, शी० मोह्नलाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो निघरघु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुश्रश्नुकाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-4-1980

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किखत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रनीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त भिधिनियम, की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपद्यारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत्:--- 1. श्री दासम्यन

(ग्रन्तरक)

2. श्री डी० डी० सुन्दराज

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

धनत सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

## अ**नुसूची**

ष्लाट सं० 2 एम० डब्ल्यू० 119, डा० मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता।

> वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 17-12-1980

प्रकप आहें. टी. एन्. एस.-----

1. श्रीमती रेविमा बाई

(मन्तरक)

की धारा 2. श्री डी० डी० प्रिन्स

कार्यवाहियां करता हूं।

(भन्तरिती)

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्रांलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 17, विसम्बर, 1980

निदेश स० एल० सी० 447/80-81--यतः मुझे, वी० मोहनलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व वे अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कुन्न भुकाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुन्न भुकाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1980 को गूर्वोक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औल्ट/या
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलृचित व्यक्तियों, अधीन है---

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

को यह सुब्धा बारी करने पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविभि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी वचिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किस ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकायन की तारींच है 45 विन के भीतर जबत स्थावर संपत्तिः में हिए-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरणः ---इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभी नियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिसा गया हैं।

### बग्रुकी

6 acres of land as per schedule attached to Doc. No. 1486/80.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, एरणाकुलक

तारीख: 17-12-1980

मोइर:

## प्रकर धाई• टी• एन• एस०----

आयकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिमांक 17 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एल० सी० 448/80-81--यतः मुझे, बी० मोहनलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय

25000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, तथा जो निचरध् में स्थित है (भौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कुन्नज्ञुकाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रश्चिमियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिवित बाजार मृत्य छसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छहेश्य से छक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करणे वा उससे वचने हें स्विधा के लिए; धौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या घण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त व्यविनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचीत् :---

- 1. श्री मलफोनस (भन्तरक)
- 2. भी डी॰ डी॰ प्रिन्स (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीका सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाद्वियां करता हूं ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की घवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतरखक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवढ भिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोइस्तावारी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घड़पाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

5.35 acres of land as per schedule attached to Doc. No.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 17-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

# आयुकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

# काय निय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं॰ III 429/म्रर्जन/80-81--यतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह बिश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नौजी नं० 143 वार्ड नं० 2, सिकल नं० 6, एम० एस० प्लाट नं० 84, 85 होस्डिंग नं० 134, 136, 175वी है, तथा जो बांकीपुर, फेजर रोड़, पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-54-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिचित में भास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, इक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उन्त प्रविनियम की घारा 269-च के अनुसरज में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- शिव प्रसाद सिंह बल्द स्व० खोमारी सिंह ग्राम श्रसनी पाना बो० पत्नालय उदवन्त नगर, जिला भोजपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मिथलेश कुमार सिंह वल्द स्व० राम रतन सिंह वहैिसयत मैनेजिंग डायरेक्टर होटल चाणक्य प्रा० लि० रजिस्टर्ड धाफिस बुद्ध विल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उनक्ष सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्किने।

स्वष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# नगुलुची

जमीन का रकवा 1 कट्टा 5 घूर जो बांकीपुर फेंअररोड़ में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 2055 दिनांक 2-4-80 में वर्णित है जिसका निबन्धक जिला वधर निबन्धन पदाधिकारी पटना द्वारा हुआ है।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिसेंद्र, बिहार, पटना

ता**रीख**: 8-8-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 8 म्रगस्त, 1980

निवेश सं० <sup>III</sup> 431/म्रर्जन/80-81—म्रतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ ,

आयकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

स्मीर जिसकी सं० तौजी नं० 143,वार्ड नं० 2, सर्किल नं० 6, एम० एस० प्लाट नं० 84, 85 होल्डिंग नं० 144, 146, 175 वी है, तथा जो बांकीपुर, फ्रेजर रोड़, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10-4-1980

(1908 का 16) के प्रधान, तारीख 10-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजा मूय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रिचित्रम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिन्ना के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्त ग्रधिनियम की द्वारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की द्यारा 269-म की उपद्वारा (1) के म्राचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 27—436GI/80

- 1. श्री राजकेश्वर सिंह वस्द स्व० गितल सिंह निवासी सिंगही खुर्व पत्नालय श्रारा जिला, भोजपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मिथिलेश कुमार सिंह वल्द स्व० राम रतन सिंह वहैसियत मैनेजिंग डायरेक्टर होटल चाणक्य प्रा० लि० रजिस्टर्ड ग्राफिस बुद्ध बिल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्त सम्पत्ति के प्रज**न <mark>के लिए</mark> कार्यवाहियां करता **हुं**।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सर्कों।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उभत श्रिवियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# **प्रनृ**सूची

जमीन का रकवा 15 घूर जो बांकीपुर फेजर रोड़, पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 2391 दिनांक 10-4-80 में वर्णित है तथा जिसका निवेधन जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

> ज्योतीम्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 8-8-1980

प्रका बाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भेधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, पटना, बिहार

पटना, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० III 458/म्रर्जन/80-81-म्ब्रतः मुझे, हृदय नारामण,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दं० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 टाइप बी० पटना इम्प्रूथमेंट द्रस्ट के द्वारा विकसित कालोनी वार्ड नं० 37 थाना नं० 7 है, तथा जो महल्ला श्रीकृष्णपुरी, पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भिन्न नियम के ग्राचीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या घन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

प्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री मौयद भजीम मुस्तफा वल्द स्व० सैयद मोहम्मद निवास निवासी ग्राम काजी वलीचक, पत्नालय भागलपुर सिटी थाना कोतवाली जिला भागलपुर। (भ्रन्तरक)
- (1) श्री विजय कुमार सिन्हा ग्रीर (2) श्री विष्लव कुमार सिन्हा सभी वल्द श्री शंभू नाथ निवासी ग्राम ताजपुर थाना मनेर पद्गालय कमला गोरखपुर जिला पटना।

(भ्रन्तरिती)

3. उपरोक्त प्रदर्शित अन्तरिती) (वह व्यक्ति जिसके धिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात्त के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतार उक्त स्थावर संग्रित में हित- बढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षिवियम के ध्रष्टभाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ध्रर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जिला पटना के थाना नं० 7 में श्री कृष्णापुरी मोहस्से में स्थित 692 .44 वर्ग गज जमीन जो 4 कट्टा 11 घूर 11.25 चुरकी के बराबर होता है, का आधा हिस्सा तथा उस पर निर्मित उस इमारत का ग्राघा हिस्सा जो ग्रंगतः निर्मित है तथा भ्रंशतः निर्माणाधीन है। यह भूमि पटना विकास प्रश्लिकरण द्वारा विकसित कालोनी में टाइप प्लाट नं 6 के रूप में प्रवस्थित है। भूमि पटना नगर निगम के ग्रन्तर्गत वार्ड नं० 34 में ग्राही है तथा यह पटना जिला निबन्धक एवं प्रवर निबन्धक के अधिकार क्षेत्र में ॄपड़ती है। संबद्ध भूमि उत्तर एवं धक्षिण में 72 फिट लम्बी है और पूर्व में 89 फीट तथा पश्चिम में 85.6 फीट लम्बी है। इस भूमि के आधे हिस्से से संबंधित लीज के बचे हुए समय से सम्बद्ध समस्त कान्नी ग्रधिकार हस्तांतरित हुए हैं। सम्पत्ति का पूर्ण विवरण पटना जिला निबन्धक पदा-धिकारी द्वारा निखंख 28-4-80 की विशिका नं० 2974 में उपलब्ध है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 18-12-1980

मोहरः

प्ररूप आरं श्री । एन । एत ----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीत स्थान

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्कत (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 22 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ITI-459/80-81/मर्जन--धतः मुझे, हुदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के ग्राधीन सकाम जाविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उलित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० तौजी नं० 5588/5588 खाता नं० 308 श्रौर 247 खसरा नं० 173 श्रौर 167 है, तथा जो खाजेपुरा, पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मान प्रतिपत्त के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवत से पश्चिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाब्सविक इप से चित्रक नहीं किया गया है।——

- (अ) धन्तरण से हुई किंसी घाय की बाबत उक्त धर्मिण्यन, के धन्नीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की खारा 26% म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. (1) श्री महावीर प्रसाद गाँदव, पिता राम एकबाल प्रसाद यादव, (2) सुरेन्द्र प्रसाद यादव पिता महावीर प्रसाद यादव, खुद को वली सुभाष प्रसाद यादव नावालिंग सा० खाजपुरा थाना गर्दनीवांग जिला, पटना।

(ब्रन्तरक)

2. श्री गोलेश कुमार गर्मा वल्द श्री सुरमा सिंह ग्रौर सुमित्रा देवी पति श्री सुरमा सिंह वर्तमान पता अल्पना बाजार के पूरव पोस्ट-पाटलिप्क्ष, जिला पटना

(ग्रन्तरिती)

को यह 'सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आसीप:--

- (क) इस सूबना के राज्यक में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की भविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की लेगील से 30 दिन की अविष्ठ; वो भी भी भविष्ठ बाद में समांप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ता- करी के पास निक्षित में किये जा सकेंगे।

स्पर्केटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो डक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## **अन्यूची**

जमीन का रकबा 10 कट्टा 5 धूर जो मौजा खाजपुरा, थाना गर्दनीबाग, जिला, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बसीका नं० 3036 दिसांक 29-4-80 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 22-12-1980

मोहरः

प्ररूप आइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

काम्निय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास-600006, दिनांक 2 श्रम्पूबर 1980

निदेश सं० 6/एफ० एल०/80---यतः मुझे, स्रो० स्रानन्द्रमः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० 74 गोछतुन स्ट्रीट है, जो मद्रास 1 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०—I मद्रास नार्थ (डाक्ट्र० सं० 1500/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख अप्रैल, 1980

को प्यांक्त संपरित के उपित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उपित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्रीमती सुन्दरम्माल श्रौर साथियों (ग्रन्तरक)
2. श्री एच० एम० टैक्सटाइल्स (पार्टनर: 1)

भ्रब्दुल माजिद भ्रहमद, (2) मूसा भ्रहमद, (3) भ्रब्दुल रज्जाक) (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

डाक्र्मेंट नं० 1500/80 जे० एस० म्रार०-1, मद्रास नार्थ, मद्रास

भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 74, गोउतुन स्ट्रीट, मद्रास-1

श्रो० आनंद्राम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-10-1980

कार्यवाहियां करता हां।

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० 13/एप्रैल/80—थतः मुझे, टी० ई० एम० ग्रार० लक्क्षमी नरसिंहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 101 (पुराना नं० 31/2) पेंतिमन रोड़, है, जो एगमोर, मद्रास-8 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकू० नं० 1670/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक एप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अलारक के शायित्व में किमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्थिना के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) न≠नलिखित व्यक्तियों, अर्थींस :--

- मैसर्स असन मेमोरियल असोमियेणन रूप बे० मेक्रेटरी ए० के० गोपालन (अन्तरक)
  - (1) कीलित्स विसत
     (2) इमलडा कीलिटस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पौरत को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताराः
- (ख) इस मूचिन: को राजपाय मा प्रकाशन की कारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

डाक्स्मेंट नं 1670/80 जे एस० श्रार मद्रास नार्थ भूमि श्रौर निर्माण डोर नं 101 (पुराना नं 31/2) पेंतिमन रोड़, एगमोर, मद्रास-8।

> टि० ई० एस० श्रार० लकक्षमी नरसिंहन सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 24-10-1980

प्ररूप आ६<sup>2</sup>. टी. एन. एस.———

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-], मद्रास मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 34/एप्रैल/80—यतः मुझे, टी० इ० एस० भार० लक्क्मी नरसिंहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 28, 8, 29 नयानगर पुटुर 4 भौर 9 है, जो स्ट्रीट डिंडुगल में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नगलनायकपट्टी, डिंडुगल (डाक्टु॰ सं० 761/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख एप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें, वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ब) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आये कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विकाल के लिए;

अतः वश, उक्त अधिनियम, की भारा 269-में के अनुसरिष में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपभारि (भि) के मुभीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सिसम्माल (2) एम० एल० एस० सोकियर
   (3) एस० श्रीदर (4) एम० मुदागर (ग्रन्तरक)
  - 2. मेजर रमेश बाबू, बैं० गार्जियन एम० एन० मुतैसर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हित- विद्यु किसी अन्य व्यक्ति चुनारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्तुची

डाकुमेंट नं० 761/80 एस० ग्रार० श्रो० नगलनामकपट्टी डिडगल।

भूमि स्रौर निर्माण डोर नं० 28, 8, 29 नगर पृदुर, 4 स्ट्रीट, डिक्रुगल।

> टी० ई० एस० म्रार० लक्क्ष्मी नरसिंहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-12-1980

## प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस●----

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 209 व (1) के मधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, महास-600006

मद्रास दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 115/एप्रैल/80——यतः मुझे, दी० ई० एस० भार० लक्ष्मी नर्रीसहन,

बायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रीर जिसती सं० 26, 27, 27ए/348 सम्नारतेक, चेवापटा है, जो सेलम दि० एस० नं० 1177 सदावेबपुरम एक्सटेंशन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इरोड (डाकु० नं० 1401/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अंग्रैल, 1980

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफत के लिए अन्ति एत की गई है और मुके यह विदवास करने का कारण है कि यदापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त धिवियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्री ग्रार० एम० दनलक्ष्मी ग्रम्माल (2) ग्रार० एम० कंदसामि (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री ग्रार० एम० शुमुगवडिवेल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रोप ।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भविष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए। जा सकेंसे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अबं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

डाकुमेंट सं० 1401/80 एस० श्रार० श्रो० इरोड़ भूमि और निर्माण डोर नं० 26, 27, 27ए/348, सन्नारतेरु चेकपट, सेलम।

भूमि श्रौर निर्माण टि॰ एस॰ नं॰ 1177, सहादेव-पूरम, एक्सटेंशन, चेरी रोड़, सेलमः।

> टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन सक्षम् प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 9-12-1980

मोह्नर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 3/एफएल/80—-यतः मुझे, टी० ई० एस० श्रार० लक्क्मी नरसिद्धान,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० 345.01 एकर्स नरिसंगपुरम है, जो कंडमनायकनुर जमीन में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुक्षी में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (एफ० नं० 1258/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख एप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, मुर्थार्∷-

- 1. (1) एस० सजीवीं (2) के० श्रारुमुगम (23) के० पद्मनाभन (अन्तरक)
  - 2. श्री ग्रार० पी० चेल्लैया (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए हा सकरी।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## मन्सूची

डाकुमेंट नं० 1258/80 टि० श्रार० श्राफिस, मद्रास नार्थं भूमि 345.01 एकर्स, कंडमनायकनूर जमीन नरसिंगपुरम

> टी० ई० एस० म्रार० लक्ष्मी नरसिंह्यान सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-12-1980

प्रकृष प्रार्थक शिक्षण एवक---

आयकर बंबिनियम: 1961 (1961 का 43) की धारा 268-प (1) के घषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 15/एप्रैल/80---यतः मुझे, टी० ई० एस० ग्रार० लक्क्ष्मी नरसिद्धान,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्रीर जिसग़ी सं० सर्वे नं० 214/2 पुजडैभार मेलमुगम है जो गांव, तिरुचेंगोज तालुक में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय, वेलुर (डाकेट० नं० 483/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई। है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके द्रयमान प्रतिकल से, ऐसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सव, उक्त अभिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिसिकत व्यक्तियाँ मर्थात:---

1. (1) श्रो टी॰ निगारम (2) मैनर एस॰ रवीस्वरत (भ्रन्तरक)

2. (1) एन० इन्द्रजीत

(2) के० पी० मेरलातन (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह ै।

## मनुसूची

डाकुमेंट नं० 483/80 एस० ग्रार० ग्री० बेलूर भूमि सर्वे नं० 214/2, पडमुडिपालम पुजडमार मेल-मुगम गांव, तिरुचेंगो तालुक।

> टी० ई० एस० भ्रार० लक्क्मी नरसिक्सन सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायक्त श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-12-1980

मोहर:

82-436GI/80

# प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ---

# वायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रथीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 4.7/एप्रैल, 80——यतः मुझे, टी० ई० एस० ार० लक्क्मी नरसिह्यन,

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान 'उन्न प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीस संज ग्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्नका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 481/11 भ्रावि भ्रतिपुर नांव है, जो शेखराय इलस येरकाड तालुक में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-1 सेलम (ाकु० नठ० 1978/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख एप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिशत से पश्चिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर धम्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक हुप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरम पे वृहिकिया पान को बाबन जनन प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जनसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठितियम, या धन-कर प्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, सन्। प्रधिनियम को धारा 269-ग के मनुसरण बें, में, सन्। प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) नित्तचमद्र गनपतलाल डेवी
- (2) श्रविनाण कुमार, नवीन चन्द्र डेवी (ग्रन्तरक)
  2. ए० श्रार० एम० ए० ग्रार० एस० सामिनातन
  चेट्टियार (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीख से 4 5 दिन के भीतर उनत स्वावर सम्मत्ति में हितबंद किसी मन्य व्यक्ति हारा, अधीहस्ताकरी के पास जिख्त में किए जा सकेंगे।

पष्णीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उक्त भिवित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

## **ग्रन्**पूची

डाकुमेंट सं० 1978/80 जे० एस० भ्रार० 1, सेलम एस्टेट भूमि भौर निर्माण भ्रार० एस० नं० 48/11 3.78 एकर्स।

म्रतिपुर गांव भ्रार० एस० नं० 48/12 0.19 एकसें। मोखराय इलस भ्रार० एस० नं० 48/10 0.42 एकसें। येरकाड तालुक ग्रार० स० नं० 48/18 0.21 एकसें। म्रार० एस० नं० 48/19 0.04 एकसें, म्रार० स० नं० 50/4 1.04 एकसें, म्रार० एस० नं० 50/5 0.04 एकसें, म्रार० एस० नं० 50/6 0.07 एकसें।

> टी० ई० एस० ग्रार० लक्क्मी नरसिमन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-12-1980

प्रदेष आई० टी० एन० एस०----

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 62/एप्रैल,/80---यतः मुझे, टी० एस० म्नार० लक्क्मी नरसिक्षान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 15, 8, 16 मेटु श्रग्रहारम तर, है, जो सेलम टवन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सेलम (डाक्ट्रु० नं० 2585/80) में भारतीय प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख एप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भाषिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठितियम, या धन-कर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों भ्रयात् :---

- 1. श्री बी० शिमाम वासुदेव पतिजा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तोता के० रम्ततामी चेट्टिमार (ग्रन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिर्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गब्बों भीर पद्दों का, जो उन्त ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

## अनुसूची

डाकुमेंट सं० 2585/80 एस० ग्रार० ग्रो० सेलम भूमि शौर निर्माण डोर नं० 15 8 16 मेटु अग्रहारम तेरू, सेलम।

> टीं० ई० एस० ग्रार० लक्क्ष्मी नरसिद्धान सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

ता**रीख:** 12-12-1980

# प्रकृष धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीसण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 15302—यतः, मुझे, राधा बालकृष्म बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17 है, जो चौथी मेयन रोड, मद्रास-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मयलापुर (डाकुमेंट सं० 813/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्दरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितिशों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नचिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, छक्त अखिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के वायित्व में कमी करते या छससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अण्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिष्;

वतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुधारच कें, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रवीव:--

(1) श्री कनदस्यामी

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सेथ्लैमा पिल्ले

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थम के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई** भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की भविध या त्रसम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजश्व में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मान में हितव्य
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  जिल्लित में किए वा सकेंगे।

स्पन्दीहरण--इसमें प्रयुक्त गड़दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वड़ी प्रयंहीगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-17, चौथी मेन रोड, मद्रास-28। (डाकुमेंट सं० 863/80)।

> राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास।

तारीख: 16-12-1980

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.,----

(1) श्रीमती रोटा राजनसीस

(अन्तरक)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना (2) लेदरेक्स टेनिंग कम्पर्ना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

भ्रजन रेंज भद्रास मद्रास, विनांक 17 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 15326—यतः मुझे, राधा बालकृष्न भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 141 हैं, जो मद्रास महाबलिपुरम रोड, कोट्टोबाटनम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्धी ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रोकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, सदापेट (डाकुमूट सं० 1218/80) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रजैल, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सभ्यत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकारे।

स्यव्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि श्रौर निर्माण 141, मद्रास महाबलिपुरम रोड, कोट्टोबाखम (डाकुमेंट सं० 1268/80)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

जतः जबः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-गं के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की भारा 269-घं की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

तारीख: 17-12-1980

प्रभाग आएं टी. एन. **एस**.-----

(1) श्रोमतो लक्ष्मी पनिकर

(ग्रस्तरक)

बाय्कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थना (2) एम० एम० रफो

(ग्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० 15304—यतः, मुझे राधा बालकृष्त बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000. रि. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 40, है, जो श्रप्पु मुदलो स्ट्रोट, मद्राम 4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्चा में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलापुर (डाकुमेंट सं० 868/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रेल, 1980 को पूर्वांक्त गपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान श्रितंकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>‡</sup>. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः-- को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों क्ये, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### ननुस्वी

भूमि ग्रौर निर्माण 40, अप्पु मुदली स्ट्रीट, मद्रास-4। डाक्मेंट सं० 868/80

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैंज-11, मद्रास

तारीख: 17-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-11, मद्राम

मद्रास, विनांक 18 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 15339—यत:, मुझे राधा बालकृष्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया ह'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० 15, नोलकुन्ड मती स्ट्रेंट है, जो मद्रास-17 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेंकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 544/80) में भारतीय रजिस्ट्रेंकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्रप्रैल, 1980

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्रो पा० बसराम शास्त्री

(अन्तरक)

(2) श्री बीर रामें य्या

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### **अनुसूची**

भूमि घौर निर्माण-15, नीलकण्ठ मेता स्ट्रीट, मब्रास-17 (डाकुमेंट सं० 544/80)।

राधा वालकृष्न क्षसक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरक्षिण) स्नर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 18-12-1980

प्ररूप आई • टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 दिसम्गर, 1980

निदेश सं० 15423---यतः मुझे राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य श्रीर जिसकी सं० 34, है, जो चौथी मन रोड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित 🕏), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मलापुर (डाकुमेंट सं० 1070/80) में भारतोय रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख में 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के करयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम का भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

(1) पराग केमिकल एजेर्सिज

(भ्रन्तरक)

(2) एस० कृष्यमूरती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्सूची

भूमि श्रौर निर्माण 34, चौथी मेन रोड, मद्रास-28। (डाकुमेंट सं॰ 1070/80)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 16-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्राम

मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 898—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 4 ई है, जो सेयविठानचेरी में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मायूरम (डाकुमट गं० 326/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैंल, 1980 को को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, एसे श्रयमान श्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं िकसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मुलुमदी श्रम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल बादा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्ची

भूमि और निर्माण 4 ई, सेयविडानचेरी सरिकारी। (डाकुमेंट सं० 326/७०)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारः सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-12-1980

प्रक्रप पाई• टी• एन• एस•~~~~~

भायकर **प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की** घारा 269-च (1) के प्रधीन सुचना

#### षारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजींन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 15352—यतः मृष्टा राधा बालकृष्न अगण्यार पित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अकत पित्रियम' कहा बया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावण सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपए से पिछक है

स्रौर जिसकी र्सं० टी० एस० सं० 8142 है जो टी० नगर में स्थित है (स्रौर इससे उपावक अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 572/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्प्राल 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के निये प्रत्यदिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डांचत बाजार मूल्य तसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर प्रती रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कुप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई कि री प्राय को बाबत उपत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आश्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 की 27) के अयोजमार्च अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जानां चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) डाक्टर वीं० सुन्दररांजन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बाशयम भ्रौर सोन्वरराजन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रजैन के लिए</mark> कार्यवाहिमां <del>करता</del> हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्बना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की भवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर मम्पत्ति में हितवक किसी अस्य श्पन्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए मा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधनियम, के अध्याय- 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्ष होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है

### **ग्रनुसू**ची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 8142 टी॰ नगर (डाकुमट सं॰ 572/80) 2।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-12-1980

भायकर माम्रानयम, 1961 ((1961 का 43) का वार 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 15355—यतः मृहा राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपमे से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14/13 ई जो मौतीं मीतिमाण रोड मद्रास-17 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 649/80) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख ग्रप्रैल 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृत्यमान प्रांतफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्रचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धर्षि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिस्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, का धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रम था या किया जाना शिहिए था, छिपाने में सुविक्षा के सिए;

अतः, जब, चन्त अधिनियम, की खारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती फातिमा बीबी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हबीब नाचिया

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्षन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य अपनित द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी तरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, वो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

## श्रनु**स्ची**

भूमि श्रौर निर्माण 14/13 सीत इसमाण रोड, मद्रास 17 (हाफ शेर) (डाक्मेंट्स सं० 649/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-12-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जेन रेंज-II मदास

मद्रास दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 15280—यतः मुझ राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 34 है जो पुलियूर को उमापाखम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय सेदापेट (डाकुमेट सं० 700/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख श्रप्रल 1980 को

को पूर्वोक्त संम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आउ/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बिट्टाबाय श्रम्मालं

(प्रतिरक)

(2) श्री एस० मनोहर ग्रीर ग्रदर्स

(भ्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# वनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण टी० एस० सं० 34 पुलियूर कोठम-पाखम (डाकुमेंट सं० 700/80)।

> राधा बालक्रुष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 18-12-1980

## प्ररूप आई• हो• एन• एस•----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की छारा 269ल्ब (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-11 मद्रास मद्राम दिनांक 19 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 15306—-यतः मुझे राधा बालकृष्म आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त प्रधिनियम' हहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन मक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर गर्मात्त, जिसका उचित बाजार गृत्य 25, केन् कर्ष से प्रशिक्ष है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1553/1 पारट है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्टीकर्ता अधिवारी के कार्यात्य मलापुर (डाकुमेंट सं० 879/80) में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैंल

को पूर्वोक्त नश्नित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे अह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत है, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंग्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तिकृत कप से किवत नहीं किया गया है।—

- (क) अभ्तरण में हुई किसी आय को बत्थत स्वक्त स्विध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर एशिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या जिंवा जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात:--- (1) श्री के० वारप्रसाद राव

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रा० हेमावती

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) १४ पूत्रत के रामात्र में प्रकाशन को तारी ज से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंदी स्विकार:
- (ख) इस प्रानः ह राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 45 विन ह भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में दिए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त गढ़ां और पदों का, जो अवत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि भ्रार० एस० सं० 1553/1 पारट मद्रास । (डाकुमेंट सं० 870/80) ।

> राधा धालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

नारीख: 19-12-1980

# प्रक्रम ःमाई• डी• ध्न• एस०----

# भामकर भविनियन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजेंन रेंज-II मद्रास
मद्रास दिनांक 18 विसम्बर 1980

निदेश र्स० 15280--यतः मुझे राधा बालकृष्न बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); को घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी विश्वास करने का सगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृह्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 34 जो पुलियूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोठम-पाखम (डाक्नमेंट सं० 1521/80) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1080 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्दरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभाग प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिये तय पाया गवा प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तर्ग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खक्त अधिनियम के मधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय प्रक्रकर अफ्रिक्यिम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अफ्रिक्यिम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अध्यस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया काला चाहिए था, कियाने वें सुविधा के लिए ।

अतः अव, उन्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत ब्राविनियम, की घारा 269-घ की खपक्षारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ह्य--

(1) श्री बिट्टाकाय

(प्रतिरक)

(2) श्री मनोहर भौर भवर्स

(अंतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आ**ने**प अल-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से कि क्षिक्त क्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में महाना को स्टीख में 4,5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिल्बस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सम्रोहस्तकारी के न्यास लिखित में किए जा सकेंगे।

परदी तरग :-- इसमें प्रपृत्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनृसूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी० एस० सं० 34 पुलियूर कोठम-पालम (अकुमेंट सं० 1521/80)।

> राधा वालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-12-1980

प्ररूप आ**र्ड**िटी.एन.एस.------जाय**कर अधिनियम, 1**961 (1961 का **43**) की धारा 269-घ (1) के अथीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-JI मद्रास मद्रास दिनांक 19 विसम्बर 1980

निदेण सं० 15299— यतः मुझे राधा बालकृष्त बायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से जिधक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 1553/1 मारट है जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूणें रूप से वणित है) रिजस्टीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मलापुर (डाकुमेंट सं० 849/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल 1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री पी० रामर्चेदर राध

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० हेमावती

(भ्रन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>®</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>®</sup>।

#### अनस्ची

भ्मि भ्रार० एस० सं० 1553/1 पारट मद्रास। (डाकुमेंट सं० 849/80)।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-]! मद्रास

नारीख: 19-12-1980

प्ररूप आहें शिवस्था स्था •----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269म (1) के गीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्याल्य नागपुर नागपुर दिनांक 29 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० स० आ० आ०/धर्जन/151/80-81—यतः मुझो ए० एम० खरे

ायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम, कहा गया है), की श्रारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम श्रीप्रकारी को, यह विश्वाम करने ा गारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका पश्चित बाजार मूल्य 25,000/- कुएए में श्रीष्ठक हैं

श्रीर जिनकी सं० मकान नं० 9/3/31 प्लाट नं० 76/1 तथा 77/1 बी है तथा जो तारखेड़ा अमरावती में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप गे विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावर्त में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-4-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐये दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण जिल्विन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्ट में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रस्य श्रास्तियों
  को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिप्रिनियम, 1923
  (1922 का 11) या उकत अधिनियम, था
  धनकर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
  सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री शंकरलास खाते नागपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रणछोड़दास मूलचंद श्री अगुण रणछोड़दास श्री राजेश रणछोड़दास श्रीमती शामादेवी रणछोड़दास दिवारी

(अन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन की प्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रविध बाद में अपाप्त होंगी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में अ किसी व्यक्ति यांक्त द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो प्रत्य स्पनित द्वारा, प्रधोतस्ताक्षरी 5 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त गड़दों श्रीर नदीं का, जो उक्त ग्राधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

मकान नं० 9/3/31 दुकान जो प्लाट नं० 76/1 तथा 77/1 बी पर स्थित हैं शीट नं० 68 नौजा नारखेडा जबाहर रोड अमरावती।

ए० एस० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नागपुर।

नारीख: 29-10-1980

## प्रकप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजेंन रेंज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० स० नि० स० ग्रा० ग्रा०/ग्रर्जन/142/80-81— यतः मुझे, ए० एम० खरे

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 मीट नं० 37 है तथा जो एम ग्रमरा-वती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता घश्विकारी के कार्यालय ग्रमरावती में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-4-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वयं में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उनत भक्ति-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए,

भतः भन, उक्त भिक्षितियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रीक्षितियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थात्:— 30—436 GI/80 (1) ए० दुर्गल एस० एस० जोग 20 कालीवास रोड देहरादून (उ० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बसंत नारायण चौधरी, ठेकेदार बड़नेरा रोड, ग्रमरावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की भवित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड्यों और पत्तों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्राड्याय 20-क में परिभाषित है, बही घर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 16 नाजुल प्लाट नं० 12/1 नाजुल मीट नं० 37 मौजा बडाली कैम्प अमरावती।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर।

तारीख: 29-10-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय नागपुर

नागपुर दिनांक 29 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० स० भ्रा० भ्राजन/153/80-81—यतः। मझे ए० एम० खरे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 76 (1) ए तथा 77/1 ए मकान नं० 8 (3) है तथा जो जवाहर रोड ग्रमरावती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रमरावती में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1 4-1980 को

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री सदाशिय शंकररावखाते नया रामवासपैठ नागपूर।

(अन्तरक)

 श्रीमती शकुंतल श्रनंत टार्क श्रनंत पिक्चर्स सरोज स्कैयर श्रभरावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्दीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमत्त्रची

प्लाट नं० 76 (1) ए तथा 77/1 ए **प्रका**न नं० 8 (3) वार्डे नं० 31 शीट नं० 68-टी जवाहर रोड ग्रमरावती।

> ए० **एम० ख**रे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज नागपुर।

तारीख: 29-10-1980

मोहरः

# प्रकप चाई • डी • एन • एस • --

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-्ष (1) के समीन सूचना

### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 29 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० स० आ० आ०/अर्जन/154/80-81---यतः मुझे, ए० एम० खेर

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पपचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छन्ति बाजार मूह्य 25,000/-द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 528 सर्वे नं० 24 6.00 एकड़ जमीन है तथा जो मौजा सुभगासा तहसील बरोडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरोडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके बृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरन से हुई किसी भाव की बाबत उपत सिन् नियम, के भ्रधीन कर देने के शस्तरक के वाशित में कमी करने या उपसे बचने में बुविशा के लिए। भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अवः उक्त विभिन्यमं की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्।—— (1) श्री केशव शिवाजी रामटेके जाटपुरा वार्ड नं० 5 चन्द्रपुर श्री विनायक राजोराम रंगारी श्रंचलेश्वर चन्द्रपुर।

(धन्तरक)

(2) डा॰ भीमरान रामाजी भ्रम्बेडकर गृह निर्माण संस्थान संबधाना तहसील बरोडा जिला चन्द्रपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोचत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास
  किथित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण।—-इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उनत अधिनियम के घड़याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

6.00 एकड़ कृषि योग्य जमीन मौजा संबंधाना सर्वे नं 14 ब्लाक नं 528 मौजा संबंधाना तहसील वरोडा जिला चन्द्रपुर।

> ए० एम० खेर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, नागपुर

तारीख: 29-10-1980

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस.————— आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 सितम्बर 1980

निर्देश सं० स० भ्रा० श्रा०/ग्रर्जन/147/80-81---यतः मझे एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 233/2 253/2 234/1 तथा 235/2 है तथा जो मौजा लेन्डा रामदासपेठ नागपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन तारीख 29-4-1980 को

को पृवोंकत सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिंड उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा का सिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भी या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-स के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिविद्य व्यक्तियों, अर्थात् हन-

1. डा॰ विद्याधर नारायण खरे गंतीली वर्धा रोड नागपुर।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स वैभव गृह निर्माण सहकारी संस्था शिवाजी नगर नागपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूप किसी जन्म व्यक्ति व्यारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

खसरा नं० 233/2 234/1 तथा 235/3 का भाग मौजा लेन्डा बार्ड नं० 74 साउथ भ्रम्बासरी रोड नागपुर (एरिया 1500 स्क्वेयर मीटर)।

> एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, नागपुर।

तारीख: 23-9-1980

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

# भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 अस्तूबर, 1980

फा० सं० निर्देश स० ग्रा० ग्रा० ग्राजन/148 ए/80-81—यतः मुझे ए० एम० खेर ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट नं० 216 मकान नं० 54, भंडारा है तथा जो भंडारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय भंडारा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रियांत :--- (1) श्री चन्द्रकान्त बाबूराव फार्म श्री विश्वास बाबूराव फार्म श्री प्रभाकर बाबूराव फार्म श्री नारायण बाबूराव फार्म नं० 1 तथा 4 रहनेवाले नागपुर नं० 3 भंडारा, नं० 2 बुलढाणा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश मखानजी ठकरार, श्री राजेण मखानजी ठकरार, c/o श्री मखानजी जीवनलाल किराना शाप, मेन रोड, भंडारा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त सधि-नियम, के श्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बड़ी श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसू**ची

प्लाट नं० 216, मकान नं० 54, ब्लाक नं० 130, छोटा बाजार, लाइन मेन रोड, तिलक वार्ड, भंडारा।

> ए० एम० खेर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 22-10-1980

प्ररूप आर्ड.टी.एन्.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 श्रक्तुबर, 1980

निर्देश सं० स० ग्रा० ग्रा०/ग्रर्जन/149/80-81---यतः, मुझे ए० एम० खरे

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उण्जित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० मकान मं० 992, का भाग सर्कल न० 9/14 है तथा जो भंडारा रोड, इतवारी, नागपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित

हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-4-1980 को

को पूर्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत मुद्दीं किया ग्या हैं...-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कभी करने था उससे बुबने में सुविधा के लिए; आर्/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अभीत् ६——

(1) श्री नटवरलाल मनसुखलाल शाह्न, सर्कल नं० 9/14, वार्ड नं० 21, इतवारी, नागपुर।

(मन्सरक)

2. मैंसर्स मुकुन्द एन्ड कम्पनी, तकी पार्टनर श्री क्रांति-भाई मोती भाई पटेल, सकैल नं० 10/15, वार्ड न० 30, इतवारी, नागपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 992 का भाग, सर्कल नं० 9/14, वार्ड नं० 21/36, भंडारा रोड, इतवारी, नागपूर।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज1, नागपुर

सारी**ख**: 22-10-1980

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 भ्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० नि० स० ग्रा० ग्रा०/ग्रर्जन/150--यत/ मुझे ए० एम० खेर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/3 भाग, प्लाट नं० 106 तथा 105 मकान नं० 113 है तथा जो नया रामदासपेठ, नागपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के सिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरफ के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्त में कमो करने या उनमे जनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनु-सरज में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री निरंजनलाल रामबल्लम खेमका,
श्री सुशील कुमार निरंजनलाल खेमका
श्री कमलकुमार निरंजनलाल खेमका
श्रीमती रुकमिनीदेवी निरंजनलाल खेमका
मौन्ट रोड, सदर, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री णिवप्रसाद बेनीप्रसाद कनीरीया, घाट रोड, नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रव होगा, जो उस अख्याय में विया गया है।

### अनुसूची

र्मु भाग प्लाट नं० 106 तथा 105 मकान मं० 113, रामदासपेठ, नागपुर।

> ए० एम० खेर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 22-10-1980

प्रकप भाईं • टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० चंडीगढ़/11/80-81---अतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर प्रश्निषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुप्ये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं । रिहायणी प्लाट नं । 1521 है तथा जो सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुने यह विश्वाण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृख्य उसके वृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत ग्राधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कार्य से कार्य ही किया गया है:--

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी माय की बाबत उनत प्रधि-नियम के प्रशीन कर देने के प्रश्नरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बनने में सुरक्षा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अस्य प्राक्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना बाहिए या, छिताने थें पृथिधा के लिए;

अतः अब, उन्त भिक्षिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त भिक्षिनियमं की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गेजर राम मूरजानी सुपुत्र श्री एस० जी० मुरजानी 3-बो, दीवास गीट, ईस्ट श्रैस्ट रोड, जाहु स्कीम, त्रम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह मुपुत श्री दर्शन सिंह मार्फत मुख्त्यारे-प्राम श्री रघुबीर सिंह, 3275, सेक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के मर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति हैं हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षारी के पाम जिखित में किए जा सकेंगे :

स्पच्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिजाचित हैं, बही भर्य होगा जो छस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 1521, सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ (जायदाट जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 36, अप्रैल. 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लृधियाना।

तारीख: 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० लुधियाना/7/80-81—अत:, मुझे, सुखदेश चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जायदाद नं वि बीठ-IV-632 में हिस्सा है तथा जो पेट गन्ज, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रील, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिकल से, ऐसे इस्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

 श्री सन्त सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी बी-II-632, वेस्ट गन्ज, लुधियाना।

(भ्रडतरक)

 श्री साखीर धन्द्र वल्देव राज सुपृक्ष श्री गोपाल दास, मोहल्ला हरबन्सपुरा, लुधियाना श्रौर श्री फकीर धन्द, शिव कुमार, कालू राम रिहायशी मोहल्ला महमूद पुरा, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में <u>दि</u>शा गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी०-IV-632 वेट गन्ज में हिस्सा (जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं 95, अप्रैल, 1980 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-12-1980

मोहरः

31-436GI|80.

प्रकृत आह<sup>र</sup>्टी. एतं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेण सं० एल० डी० एस०/23/80-81—श्रतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० एस०-18, क्षेत्र 204-16 वर्ग गज है तथा जो विकास नगर पखोवाल रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1980

को पूर्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री प्रेम कुमार पुल भगत राम सुद निवासी एस०-18, विकास नगर, लुधियाना मारफत मैंसर्ज भागर राम एण्ड सन्स, प्रोपर्टी, डीलर, माडल टाऊन, लुधियाना (ग्रन्तरिती)
- (2) श्री ईश्वर सिंह मजाल पुत्न हरचन्द सिंह मजाल निवासी विजलीपुर बिजलीपुर तहसील संगरूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० एस०-18, क्षेत्रफल 204-16 वर्ग गज, विकास नगर, पखोवाल रोड, लुधियाना।

(ज्यायवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 454, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस•─

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/5/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्राप्त आधिकारी की, बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से बधिक है

श्रीर सिजकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग नं० बी० XXIII-119, Bar प्लाट नं० 42, क्षेत्रफल 718 वर्गगज इन्डस्ट्रीयल एरिया 'ए०' लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्री-कर्ली श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत स्रिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च मन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसे: किसी भाग पा किसी धन या घन्य आस्तियों को किन्द्रे भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिंतियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ घन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उक्त अिर्नाम भी घारा 269-ग के धनुसरम में, में, इमत अधिनियम की धारा 269-म की छपणारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. वाबा बलबीर सिंह पुत्र बाबा गुरमुख सिंह प्रो० वे ग्रीनवेज हौजरी मिल्स, माघोपुरी, लुधियाना (भ्रन्तरक)
- (1) श्री जीवन कुमार (2) श्री भारत भूषण पुत्र श्री कपूर चन्द (3) श्रीमती ऊषा रानी पत्नी श्री कपूर चन्द सारे निवासी 465 नया मृहल्ला, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर वदों का, जो उक्त ग्रिष्ठितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वड़ी को होगा जो उस श्रष्ट्याय में विद्या गया है।

## श्रनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग नं० B XXIII-119, बार प्लाट नं० 42, क्षेत्रफल 718 वर्ग गज, इन्डस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 68, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुश्चियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्रकर माई० टी• एत• एत•---

# श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निवेश सं० पी० टी॰ए०/12/80-81---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

स्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम त्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बत्ति, विसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्षप् से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० सकान नं ० 10-ए० में हिस्सा है तथा जो माडल टाउन, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रिशक, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिता बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पद्मापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीय ऐसे अन्तरल (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीय ऐसे अन्तरल के लिए तम सम्पत्ति के स्थाप श्रीकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरम लिखन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरम से वृड किनां याय की बावत, उक्त वाधि-भियम, क प्रश्लीत कर देते के प्रश्लारक के दायित्थ म कमी करते या उससे वचने में सुविधा के-लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या ग्रन्थ आस्तिथों को, जिन्हें भारतीय धार्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उनत वानिनन की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की घारा 269-व की संप्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- (1) श्री बाबू सिंह सुपुत श्री शेर सिंह रिहायशी माडल टाउन, पटियाला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरिन्दर सिंह, प्रिमन्द्र सिंह सुपुन्न श्री ज्ञान सिंह रिहायशी फैक्टरी पटियाला। मालबा ग्राईस फैक्टरी, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

(3) चीफ इंजीनियर हाईडल एसटबलिशमेन्ट मर्कल, पंजाब स्टेट, इलैंक्ट्रिसिटी बोर्ड, 10 ए, माडल टाउन, पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 विन की भविष्ठ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविष्ठ, जो भी भविष्ठ कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख.) इस मूचना के राज्यत में प्रकानन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण :---इसर्में प्रयुक्त शस्त्रों भीर पदों का, जो जनत भिक्षितियम के अध्याय 20क में परिकालित है, वही भयं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 10 ए माडल टाउन, पटियाला में हिस्सा (जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के विलेख नं० 473, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लुधियाना

विनांक: 15 विसम्बर, 1980

प्ररूप आहाँ । टी । एन । एस । 🗢

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लिंधर र

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं०पी०टी०ए०/10/80-81--- श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

25,000/- रह. से आधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 10ए में हिस्सा है तथा
जो माडल टाउन पटियाला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूचीत में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी का कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अप्रैल, 80
को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्हें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विध्य
से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिविक रूप से किथत नहीं किया
गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अविति !--

(1) श्री बाबू सिंह सुपुत्र श्री शेर सिंह 10-ए०, माडल टाउन पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरवन्स कौर सुपुत्री श्री साधुसिंह रिहा-यशी फैक्ट्री एरिया पटियाला, 4, मालावा श्राईस फैक्टरी।

(ग्रन्तरिती)

दी चीफ इंजीनियर हाईटल इसटबलिशमेंट सर्कल रिहायणी फक्टरी एरिया पटियाला । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोगमें सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्त्र्या

मकात नं० 10-ए० माडल टाउन पटियाला में हिस्सा (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के विलेख संख्या नं० 412 ग्रुप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> मु**खदेन च**न्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिंद्ययाना

दिनांक: 15-12-1980

प्रका पाई० डी० १२० ११----

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लेथियाना, 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० पी० टी० ए०/9/80-81——श्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उ**पि**त 25,000/- रुगए से प्रधिक है बाज।र न्त्य भ्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 10 ए० का हिस्सा है तथा जो माडल टाउन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक भ्रप्रैल, 1980

को पूर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वायन उक्त आध-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, अवित :--- (1) श्री बाब् सिंह सुपुत्र श्री भोर सिंह रिहायशी 10-ए०, माङल टाउन, पटियाला

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ ज्ञान सिंह सुपुत्र श्री गुरदियाल सिंह सिविल सर्जन, संगरूर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) चीफ इंजीनियर , हाईडल एस्टाबलिंशमेंट सर्कल पंजाब स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के प्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस पुनना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण : →- इतमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

मकान नं० 10-ए, माङल टाउन पटियाला के मकान का हिस्सा।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाला के विलेख संख्या 399 भ्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुखियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर श्रिविनयम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आर्जन रेंज, आयकर भवन, सुधियाना लिधयाना, दिनांक 15 विसम्बर 1980

निदेश सं० पीटीए/4/80-81--श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/**⊸ ह**पये से बाजार मूल्य श्रौर जिसकी सं० जायदाद 28 कनाल 12 मरले है सथा जो त्रिपड़ी सैदा, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक प्रप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छवित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुरपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रिष्ठिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्व से उनत अन्तरम जिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उन्त ग्रिप्त-नियम, के ग्रिप्तीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रिमिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिभित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत्:— (1) श्री जोगिन्दर सिंह सुपुन्न श्री वरियाग सिंह रिहाय शी विपड़ी मैदां, पटियाला।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती वरियाम कौर पितन श्री हरिदयाल सिंह रिहायशी गांव येलेवाल तहसील, मलेर कोटला,। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना कराजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्ही हरण: ----इतमें प्रयुक्त लब्बों और पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अमु सूची

जायदाद 28 कनाल 12 मरले त्रिपड़ी सैदां, पटियाला (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, पटियाला के विलेख नं० 65, भ्रप्रैल, 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियाना

विनांक: 15 दिसम्बर, 1980

किया गया है:-

प्रकप श्राई० टी० एन० एम०⊶

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना , दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० पी० टी० ए०/2/80-81—धतः मुझे, सुखदेव चन्द

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को याँ विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

से याधिक हैं
श्रीर जिसकी सं॰ जायदाद रकबा 24 कनाल 13 मरले हैं
तथा जो पिड़ी सैदा पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 80 को पूर्वांकत सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मति का उचित बाजार मूल्य धसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और प्रन्तर (अन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गरा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तिविह रूप से कथित नहीं

- (क) प्रस्तरण ते हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या **ए**ससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित क्यक्तियों, भ्रथीत:~~ (1) श्री ग्रजीत सिंह सुपुत्र श्री जोगिन्दर सिंह मार्फत मुख्तयारे श्राम श्री जोगिन्दर सिंह सुपुत्र श्री विरयाम सिंह रिहायशी विषड़ी सैदां।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती यरियाम कौर पत्नी श्री हरदियाल सिंह रिहायशी गांव टोलेबाल, तहसील मालेरकोटला, जिला संगहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त ामास्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तानीत से 30 दिन की प्रविध जो भी धवधि बाद में तमाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष हो ।।, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जायदाद 24 कनाल 13 मरले क्षिपड़ी सैदां पटियाला। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाला के विलेख संख्या नं० 63 भ्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 विसम्बर, 1980

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, श्रुंधियाना

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/-दे से प्रधिक है

भौर जिसकी सं जायबाद 64 कनाल 17 मर्ले है तथा जो तिपड़ी सैंबा, पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक अप्रैंग, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का क्ष्मा प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का क्ष्मा प्रतिकल से अधिक हैं और भन्तरक (अन्तरकर्म) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त धिक्षितियम के घंधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या विषया जाना चाहिए था, कियाने में खिक्या के लिए।

अतः अब, उक्त प्रिष्ठितियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रिष्ठित्यम, की घारा 269-म की छक्षारा (1) के अधीम. निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :--32--436GI/80

- (1) की जोगिन्कर तिह सुदुध श्री वरियाम सिंह खुद श्रीर मुख्त्यारे-श्राम श्री श्रजीत सिंह, बीबी सतीनब कौर बीबी सुणीन्द्र कौर पुन्न श्रीर मुक्तियां श्री जोगिन्दर सिंह रिहायणी निपड़ी सैंदां, पटियाला (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वरियाम कौर परनी श्री हरवियाल सिंह रिहायशी गांव टोलेवाल, तहसील मालेरकोटला, जिला संगरूर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तररीका के 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षणी के काल लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पेक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'स्वस्त प्रश्चित्तियम', के घट्याय 20-क में यदापरिचांक्टित हैं, वही धर्च होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

### अमुमुची

(जायदाद 64 कानल 17 मरले त्रिपड़ी पटियाला। (जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाला के विलेख संख्या नं० 64 श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव **चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

विसम्बर, 1980

प्ररूप आईं. टी. एनं. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जायदाद 1.185 विभे है तथा जो गांव कुक्कड़ माजरा सह तहसील, श्रमलोह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्याखय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:--- (1) श्री गृलजार सिंह सुपुत्र श्री किश्ना रिहायशी कुक्कड़ माजरा सह तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पहिन श्री जगदीश जन्द रिहायशी वार्ड नं० 4 मोहल्ला श्रशोक पुरी, श्रहमदगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

जगह 1.18.5 बिग्घे गांव कुक्कड़ माजरा सह तह-सील, भ्रमलोह।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के विलेख सं • नं • 143, मर्प्रैल, 1980 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रा**युक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, सुधियाना

विनांक: 15 विसम्बर, 1980

प्ररूप बाह्रं. टी. एव. एस.----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एस० प्रार० डी०/9/80-81—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका जांचत बाजार मूच्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग क्षत्रफल 2 कनाल 5 मरले है तथा जो बरमहन माजरा तहसील सरिहंद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, सरिहंद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक भर्मेल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल क लिए अन्तारत का गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में वास्तिवक रूप से किल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिकत व्यक्तियों मधीत:-- (1) श्री रचुबीर चम्द सुपुत्र श्री खरैती लाल रिहायशी सर्राहिष मण्डी, मैनेजिंग पार्टनर द्वारा मुख्यार-ए-श्राम बलबीर चत्रंब सुपुत्र खरैती लाल रिहायशी सर्राहेद मण्डी।

(भन्तरक)

(2) सर्वेश्री केवल कृष्ण, यम पाल, रनबीर कृष्ण सुपूत्र श्री किमोरी लाल द्वारा वर्मा व्लाट प्रोटैक्टर, ग्रेन मार्किट, सर्राहद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधे बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सब्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

## वन्त्वी

फैक्टरी बिल्डिंग 2 कनाल 5 मरले ब्राह्मण माजरा तहसील सरहिंव।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी 'सर्राहेद के विलेख संख्या 300, ग्रप्रैल, 1980 में दर्ज है।)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

विषांक]: 15 दिसम्बर, 1980

मोहरः

चन्द

प्रक्ष साहित टीक एनक एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञस, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, भासकर भवन, लुधियाना लुधियाना , विनोक 16 विसम्बर, 1980 मिरोक सं० डी० वी० एस०/1/80-81—प्रतः मुझै, सुखदेव

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 12-16 बीघा है तथा जो गांव गाजीपुर, सब तहसील बस्सी जिला पटियाला में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्व रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रिजस्ट्री-क्षरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बिनांक श्रग्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बाह्तक्रिक रूप से कवित नहीं किया गया है: ---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, जक्त भ्रिधिनियम के भ्रम्बीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रश्य आस्तियों कों, किन्हें भारतीय आयम्कर श्रव्धितिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रव्धितियम, या धन-कर श्रवितिसम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किसा गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुद्धरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (4) के ब्र्धीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों व्यक्तियों

(1) श्री बाबा सिंह पुत श्री हीरा सिंह व विलवाग सिंह पुत्र तारा सिंह, निवासी गांव गाजीपुर, सब तहसील डेरावस्सी, जिला पटियाला।

(श्रन्सरक)

(2) श्री सूरत सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी 1694, संक्टर 33, डी०, चण्डीगढ़

(श्रन्सरिती)

को यह सुस्ततः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के भजात के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की. तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख). इ.स. सूचना के राजपक में प्रकाशक की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकेंगे।

स्प्रक्रदीक्करण:--इसमें प्रयुक्त गर्वों घौर पत्नों का, जो 'उनत. ग्रिधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाणित है, नहीं भ्रष्यं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12-16 बीघा गांव गाजी पुर सब तहसील डेरावस्सी, जिला पटियाला।

(जायदादः जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेरावस्सी के कार्यालयः, के विलेखः संख्याः नं० 21, ग्रप्नैल, 1980 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्ब सक्षम<sup>्</sup> प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

दित्रांकः: 1:5 विसम्बन्द, 1980

#### प्रकार माईक टीक एमक एस०----

भावकर प्रक्रिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्रत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निर्देश संब्हीव्ही व्यक्त (1/2/80-81—अत: मुझे सुखदेक जन्द भायकर मिलिन्मन, 1986) (1/26) कि का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिलिन्मन' कहा गया है) की घारा 269-ख कें मुझीन सम्रम प्राधिकारीं कीं यह विश्वास करने का नारण देशक स्थायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-स्नार से प्रमिक है

भौर जिसकी सं क्ष्मिम क्षेत्रफल 12-16 बीघा, है तथा जो गांव गाजीपुर, सब तहसील में बेरावस्सी, जिला पटियाला में स्थित है: (अनैर इससे उपाबद- भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीकर्ता भविकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रिजस्ट्री-करण भविनियम, 1908 (1908 का 16), के भवीन, दिनांक भगेल, 1980

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रक्रिक्त के जिष्ट प्रकरित की गई है फ्रीक्ट मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निजिबत उद्देश्य से उचत प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/कः
- (ख्र), ऐसी\_क्रिसी माय या किसी धन या मन्त्र ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनियम, या धन-कर भ्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुक्रिया के ब्रिया

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रचौतः—

- (1) श्री- बाका सिंह पुत श्री हिल्ला सिंह व श्री दिल्लाम सिंह पुत श्री तारा सिंह, निवासी गांव विमानपुरा, सब तहसील डेराबस्सी, जिला पटियाला। (धन्सरक)
- (2) श्री सूरत सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह निवासी मकान नं० 1694, सेंक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (श्रम्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के वर्षा के किए कार्सकाहियां करता हूं।

खनतः संपत्तिः के अर्जन के सम्बन्धः में कोई भी आर्थेषः ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका है.
  45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील सें 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका सें 45 दिन? के भीतक उकत स्वाक्त सव्यक्ति में हितकह किसी: प्रकार व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताकरीं के वासः जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--- इस्तोः प्रयुक्तः सन्दोः भीगः प्रसे क्या, जो खानाः सनिक-नियम, के प्रध्याय 200नाः में परिकाशितः हैं क्हीः प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अवस्ति

भूमि क्षत्रफल 12.16 बीघा गांव गाजीपुर तहसील डेरावस्सी, जिला पटियाला।

(जायदाव जैसा कि: रजिस्क्रीकर्ताः ग्रामिकारीः डेरावस्सी के कार्यालय के लिए विलेख संख्या नंज 46, श्रप्रेल, 1980 में दर्ज है)।

> सु**अदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, सुधियाना

विनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुश्चियाना लुश्चियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निवेश डी० वी० एस०/3/80-81-म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 12—16 बीघा है तथा जो गांव गाजीपुर सब-तहसील डेरायस्सी जिला पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, डेरायस्सी में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक स्रप्रैल, 80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निंक्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बाबा सिंह, पुत्र हीरा सिंह व श्री दिलबाग सिंह पुत्र श्री तारा सिंह गांव विद्यालपुरा, सब तहसील डेरावस्सी, जिला पटियाला । (द्यान्तरक)
- (2) श्री भगत सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, निवासी, 1694, सेक्टर 33-डी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पर्वकोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12-16 बीघा गांव गाजी पुर सबत-सील डेरावस्सी जिला पटियाला।

(जायदाद जैंसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेरावस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 60, ग्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, सुधियाना

दिनांक: 15 विसम्बर, 1980

प्रक्ष आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० डी० बी एस०/4/80-81---श्रत: मुझे, सुखदेव

अन्द

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं जायदाद 1 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव लोहगढ़ तहसील छेरावस्सी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, बेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण धिकारमम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक भ्रभील, 1980

को पूर्वा किस संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) भीमती श्याम कौर विश्ववा श्री नत्था सिंह ग्रीर श्री ग्रमतार सिंह सुपुत्र श्री नत्था सिंह रिहायशी गांव लोहगढ़ सब तहसील डेरावस्मी।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ जसमेर सिंह सैनी श्रीर श्री गुरमुख सिंह सोनी सुपुत्र श्री तेजा सिंह रिहायशी मकान नं॰ 3376, सैक्टर 32-डी॰, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

जायबाद 1 कनाल 10 मरले गांव लोहगढ़ सब तहसील डेराबस्सी।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्तकारी डेरा बस्सी के विलेख संख्या नं० 85, ग्राप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनोक: विसम्बर, 15 1980

प्रकार धारी टीक एन इस ---

धायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सङ्घामक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, धायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० ए० एम० एल०/3/80-81---श्रतः मुझे, सुख-वेम भन्द

सायकर ब्राधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ण के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आराण है कि स्थाकर सम्मत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य '25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद '9.21 कमाल 16 मरले है तथा जो गांव गलवाड़ी, जिला पटिसाला में 'स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, किनोक अप्रिल, 1980

को पूर्वोक्त धर्म्यांस के अधित धाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकास के सिए अध्वरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि नथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित आधार मृत्य, उक्के कृष्यमान प्रतिकास से, ऐसे कृष्यमान प्रतिकास से, ऐसे कृष्यमान प्रतिकास के, ऐसे कृष्यमान प्रतिकास के भीर प्रमारक प्रतिकास का पत्थाह प्रतिकात से अधिक है भीर प्रमारक (धान्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देश्य से सकत धन्तरण निकास में बाक्तविक कप से कवित नहीं किया नथा है:—

- (क) मन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत जक्त अधिनियम के मंत्रीन कर देने के मन्तरक के धार्यित्व में कभी कन्त्रते या उससे वचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या बन्ध काकितवाँ को, किम्हूँ काक्सीय मायकर श्रविविद्यम, 1922 ((1922 का 11) या उन्त बाधिनियम, बाधन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोकामार्थ ग्रन्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा काहिए था, किपाने में सुविक्षा के किए;

प्रतः अब, स्थत प्रशितियम की बारा 269-म के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रशितियम की बारा 269-थ की सम्बद्धारा (त्र.) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) भी फोरा सिंह भुषुत्र भी निरंजन सिंह रिहावणी गाँव गलवाड़ी बोठ ग्रो० मण्डी, गौविन्दगड़ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेशनकौर पत्नि श्री चम्रन सिंह रिाह्यशी सैन्टर 11-ए० कोठी नं० 130 चण्डीगड़ (अन्तरिती)

को यह सूचमा अंगरी करके पूर्वीमत सम्बंधित के वर्णन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की धक्कि, या खरतस्वन्धी क्षेत्रियों जर सूचना की धर्मील से 30 दिन की धक्कि जी भी धर्मी बाद में सनाप्त होती ही, के जीतर पूर्वीक्त क्षेत्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशक की तारीख के 45 विंग के मीतर जनता क्यावर सम्मति में बिहत-वर्ष किसी मान्य म्यमित कररा धानिक्सतीकारी के वर्ष विक्ति मान्य म्यमित कररा धानिक्सतीकारी के

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जी उन्हें धीमनियम, के अन्याय 20-क में पॅरिकाणित है, सही कर्ष होगा को उस सम्माय में विका क्या है।

#### मनुजुषी

जायदाद 21 कनाल 16 मरले गांव गलवाड़ी जिला पटियाला?

(जामदाच जैसा कि चिजस्द्रीकर्ता व्यधिकाणी भ्रमलोह के किलेख सं० भं० 41, अप्रैल, 1फ80 में दर्ज है) १

> सु**बदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जनरोंज, लुधियाना

विनोक: 15 विसम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयंकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 दिसम्बर, 1980

निद्धाः सं.बी. आर. एन./1/80-81~—अतः मृभ्हे, सक्यदेव चन्द

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जायवाद 86 कनाल 11 मलरे हैं तथा जो गांव जीमा तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय, बरनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्यास कंप्से का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्युक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री श्रमर सिंह , तरैण सिंह, श्रीर कर्नेल सिंह सुपुत श्री रौनक सिंह, गांव चीमा तहसील बरनाला ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह, जरनैल सिंह, ग्रौर लछमन सिंह मुपुत्र श्री ठाकुर सिंह रिहायशी बरनाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किंसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रवं होता जो उस श्रव्याय में विया गया है।

#### प्रनुसूची

जायदाद 86 करनाल 11 मरले गांव चीमा तहसील बरनाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बरनाला के विलेख सं० नं० 243, श्रप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

विनोक: 15 विसम्बर, 1980

प्रास्प आई० टी० एत० एस०----

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 क⊺ 4.3) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन मुचना

भारत वरकार

कार्यालयः, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आयकर आयुक्त लुधियाना लुधियाना दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निद्देश सं. एस.आर.डी./6/80-81---अत: मुभ्हे, स्सदिव चन्द

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मक्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- हथये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 8 बीघा, है तथा जो अजनाली तहसील सरिहंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बलार मूल्य, उसके दुश्यमात प्रतिफला से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच वैसे मन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण में हुई किमी आय की बावत उकत प्रधि-िं। ने के अधीन कर देने के अल्लारक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी धन या असन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ब्रायक्तर श्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या **ध**नकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या छिपाने में मुलिधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के श्रन-सरण में, में, उमा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा के प्रधीन, निम्तिश्वित भ्यक्तियों. प्रयाद्ध:---

(1) श्री सेवा सिंह पुत्र श्री लाल सिंह सुरजन सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह, निवासी क्लुकड़ भाजरा, सब तह-सील, अमलोह ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्ज सग्गर स्टील मिल्ज , जी. टी. रोड, मन्डी गोवन्दगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हुं:----

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बर्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्स अधि नियम के ब्रष्टपाय 20-क में परिभाषितहैं, बही मर्ब होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गण है।

#### **भनुसूची**

भूमि क्षेत्रफल 8 बीघा, अजनाली, तहसील सरहिंद। जायदाद जैस कि राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिंद के कार्यालय के विलेख संख्या नं 150, अप्रैल, 1980 मे दर्ज <del>ह</del>ੋ) ।

> स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, ल्धियाना

दिनंक : 15 दिसम्बर, 1980

प्रारूप **धार्र• टी• एन• एस•----**-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

सुधियना, 15 विसम्बर 1980

निदेश सं० एस० म्रार० डी०/1/80-81---म्रातः मुझे, सुखदेव चन्द

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-क के अवीन सक्षम प्राविकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से प्रविक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 बीघा, है तथा जो गांव भ्रजनाली, तहसील, सर्राहंद में स्थित है (भ्रौर जिसकी इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम , 1908 (1908 '16' के भ्रधीन, दिनांक भ्रभैल, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तथ गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्दरत्र से हुई किसा धाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बन्नी कर देने के धन्दरक क वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के शिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या अध्य झाक्तयों को, जिन्हें भारतीय सायकर झिशियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिशियम, या झन-कर झिशियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

भ्रतः, अब, उन्त धिवित्यम की घारा 269-न के सनुसरण में, में, उन्त प्रिवित्यम की वारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र— (1) श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह व श्री सेवा सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, निवासी कुक्कड़ माजरा, सब तहसील ग्रमलोह ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सागर स्टील मिल्स, जी० टी० रोड, मण्डी गोबिस्दगढ़, जिला पटियाला।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

खरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्चेप :-

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तश्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोइस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

ह्वकीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा भो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 बीघा, गांव अजनाली तहसील सरहिंद। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सर्राहिद के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2, अप्रैल, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुखयाना

विनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्रकर माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

सायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अधीन सूत्रमा

भारत सडकार

कार्योत्तय, सहायक आयक्तर आपून्त (सिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भायकर भवन, सुधायना सुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ए एम एल/2/80-81/प्रतः मुझे सुखदेव चन्द

आधकर अधिनियम, 1961 (1991 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकाची को, यह बिह्नवास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका अवित बाजार नरुय 25,000/- रुपयं से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 3 बीगा 10 बीसवा है तथा जो कुकड़ माजरा सब तहसील श्रमलोह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 80

को पूर्वांश्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोश्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उनत अन्तरक लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्राधानसम् के भ्रष्ठीन कर देन के भ्रष्टित के वामित्व में कमी अपने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) के ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों की, किन्हें भारतीय आस्कर प्रक्रिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनयम, या बन्न कर प्रधिनयम, या बन्न प्रधिनयम, या बन्न कर प्रधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उनत अधिनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-न की सपद्यान्य (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह गांव कुकड़ माजरा सव तहसील ग्रमलोह (ग्रंतरक)
- (2) मैंसर्स क्रुष्णा भ्रायरन व स्टील रोलिंग मिल्ज भ्रमलोह रोड, मण्डी गोविन्वगढ़ जिला पटियाला। (ग्रंगरिती)

को यह सूचना जारी शारक पूर्वोक्त अम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी धाओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि स तस्सम्बन्धी स्मिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिन- वद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित हो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इत्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी सकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाणित हैं, बड़ी प्रयं होगा जी उस अध्याय में विया ग्रया है।

#### मनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बीगा 10 बीसवा, कुकड़ माजरा, सब तहसील ग्रमलोह ।

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख सं० नं० 22 ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)।

> सुखादेय चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 15-11-1980

मोहःर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक, 15 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० एम के एल/2/80-81/मतः मुझे सुखदेव चन्द आग्रक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 1 कनाल है तथा जो चाह संरीह बाला मालेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-लमय, मालेरकोटला में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16 के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल 80

को पूर्वाक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; आर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अवहिए था छिपाने में सुन्निमा के तिलए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः --

(1) श्री खुणी पुत श्री इक्षाहीन निवासी चाह सरीहवाला नजदीक स्टेडियम मैदान, मालेर कोटला।

(ग्रंतरक)

(2) मैससं श्ररिहन्त स्पीनिंग मिल्ज मालेरकोटला प्रो० मैससं माहाबीर स्पीनिंग मिल्ज लिमिटेड, रिज० आफिस, चण्डीगढ़ रोड, खुिध्रयाना । (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बाउदीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितब्रुक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 कनाल, चाह सरीह वाला, मालेरकोटला (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख सं० नं० 825, ग्रप्रैल 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-11-198.0

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

है। राबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1980

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 319/8 0-8 1---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी करं, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 3-4-228 है, जो लिंगमपहली का चिगुडा है इराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद स्नुसूची में श्रोर पूर्ण-का में गिंगा है), रजिस्ट्रीकर्जा प्रधिकारी के कार्यालय है दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सर्जल 1980

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; अप्रैर/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृति ⊥--

- (1) (1) श्री प्रताप चन्द सुपुक्त लेट रामेश्वरचन्द
  - (2) जगदीशचन्द सुपुन्न लेट रामेश्वरचन्द
  - (3) भरतचन्द सुपुत्र रामेश्वरचन्द
  - (4) भुवनेणचन्द सुपुत्र रामेश्यरचन्द (5)कमलेणवरी पत्नी कृष्णकुमार
  - (6) श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्रशोककुमार (7) श्रीमती सुमन पत्नी विनोद कुमार जरिए भरत चन्द 3-4-228 काचिगुडा हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) (1) डा० ए० एस० मूर्ती सुपुत्त स्व० ए० वेंकटरमय्या (2) डा० (श्रीमती) ए० शशीकला पस्नी डा०ए० एस० मूर्ति 1-बी० चित्रकूट काचिगुडा हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-पद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ग्रनसूची

घर नं० 3-4-228 लिंगमण्ली काचिगुडा हैवराबाद में विभाग विस्तीर्ण 434 वर्ग गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2912/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोनिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद A

तारीख: 26-11-80

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th December 1980

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairmon Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on an ad-hoc basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-12-80 to 28-2-81, or until further orders, whichever is earlier.

#### The 3rd January 1981

No. A.12019/1/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Brahmanand, a substantive Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to the ex cadre post of Junior Research Officer (Hindi) on deputation basis for a period of 3 years with effect from 26-12-1980 (AN), or until further orders, whichever is earlier.

During the period of his appointment to the post of Junior Research Officer (Hindi), the pay of Shri Brahmanand will be regulated in terms of the provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P. S. RANA, Section Officer, for Secy. Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS, DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th January 1981

No. A-19021/11/80/AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Tilak Kak, IPS (UP-1971) as Superintendent of Police, SPE/Central Bureau of Investigation, Dehradun Branch with effect from 22-12-1980 (FN) on deputation basis, until further orders.

HERO A. SHAHANEY, Administrative Officer, Central Bureau of Investigation

#### New Delhi, the 13th January 1981

No. S-9/70-AD.V. (Vol. III).—Shri S. K. Datta, IPS (UP-1959) relinquished charge of the Office of Dy. Inspector General of Police, CBI, Calcutta on the afternoon of 31st December, 1980. His services were placed back at the disposal of State Government.

Q. L. GROVER, Administrative Officer(E) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 3rd January 1981

No. O.II-1429/78-Estt.—Consequent on his appointment as Communication officer on deputation with the Directorate of Preventive operations, New Delhi (Ministry of Finance), the Services of Shri S.P. Srivastava, Dy-SP, I Signal Bn, CRPF are placed at the disposal of the above-mentioned Directorate w.e.f. 16-12-80 (AN).

#### The 6th January 1981

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftekharunissa Begum, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 27-12-1980 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis which ever is earlier.

A. K. SURI.

Asstt. Director (Estt.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 2nd January 1981

No. ES.I/A4/80 81/1019.—The following officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts officers in the same Office with effect fro mthe dates noted against their names:—

Sl. Name of the officer No.	Date from which confirmed
S/Shri	
1. V. Kannan	1-2-80
2. K. Narayanan (1)	1-2-80
3. D. Thiruvenkataswamy	1-5-80
4. P. S. Sankara Subbaraman	1-7-80
<ol><li>K. Srinivesan</li></ol>	2-10-80
<ol><li>R. Gopalakrishnamachar</li></ol>	1-11-80
7. H. S. Ramaswamy	1-11-80
8. S. Ramachandran	1-1-81

R. K. CHADRASEKHARAN, Accountant General

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA,

Trivandrum-695 001, the 3rd January 1981

No. Estt.A/VII/9-86/Vol.II/196.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Section Officers—(Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the date shown against each until further orders:—

- 1. Shri P. P. CHUMMAR (PROFORMA), 1-1-1981 F.N.
- 2. Shri A. J. JOSEPH (PROFORMA)-1-1-1981 F.N.

D. SIVARAMAKRISHNAN, Senior Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR SRINAGAR

Srinagar, the 7th January 1981

No. Admn.-1/60(Gen.)/80-81/4510.—The Accountant General, Jammu & Kashmir has promoted Shri Badri Nath Bhat permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th January, 1981 till further orders".

H. P. DAS, Sr. Dy. Accountant General (A&E)

#### NOTICE

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) KAPURTHALA

Kapurthala, the 20th December 1980

O.O. No. Admn./A.-VI/Discip/Gehna Ram/447.—Shri Gehna Ram S/o Shri Diwan Chand previously Jr. Accountant of this office had been on unauthorised absence since 22-6-80 and failed to acknowledge receipt of any of the memoranda issued to him at his known address. After following the necessary disciplinary proceedings under the Departmental Rules, it was decided to remove him from service with effect from 1-12-80 (F/N) and the order of his removal from service was sent to him at his available address in the office. As the Registered Cover containing the order of removal of the said official from service sent to him at his available address has been received back undelievered, it is hereby

notified that Shri Gehna Ram Junior Accountant S/o Shri Diwan Chand stands removed from service with effect from 1-12-80 (F,N.).

> S. R. HIREMATH, Director of Accounts (Postal), Kapurthala

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL RAILWAY BB VT.

Bombay, the 8th January 1981

No. Au/Admn./Misc./Con/205.-Shri A. R. Nikte, Permanent Audit Officer of this Office retired from Government Service on Superannuation with effect from 31-12-80 (A.N.). S. Y. GOVINDARAJAN Director of Audit

## MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 6th January 1981

No. 1/81/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Mohit Kumar Sengupta, Subst. & Permt. Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-12-80 (A.N.).

> D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factories

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 31st December 1980

Shri No. 80/G/.—On expiry of the notice of 3 months, J. B. Saxena offg. GM(SG) Level—I [Substt. & Permt. (SG) level-III voluntarily retired from service w.e.f. -On expiry of the notice of 3 months, GM 18th Sept. 1980 (AN).

No. 81/G/80.—On attaining of age of superannuation the understoted officers retired from services with effect from the dates shown against each :-

Sl. No.	Name Designation	Date of retirement
1.	Shri R. C. Gupta Offg. Sr. DODG (Substt. & Permt. DADG)	31st July 1980(AN)
2	Shri D. R. Kalota Offg. Asstt. Manager (Substt. & Permt. Foreman)	31st Aug., 1980 (AN)

V. K. MEHTA, Asstt. Director General, Ordnance Factories.

#### Calcutta-700069, the 26th December 1980

7/80/A/M-On attaining the age of Superannuation No. 7/80/A/M—On attaining the age of Superannuation (i.e. 58 years), the following permanent Asstt. Surgeon Gr. I (redesignated as Asstt. Medical Officers) retired with effect from the date shown against each :-

St. Name & Designation Factory No.	Date
1. Dr. P. C. Sen, Clothing Factory, Asstt. Medical Officer Shahajahanpur	30-6-80 (AN)
<ol> <li>Dr. M. M. Roy, Ordnance Factory, Offg. Senior, Ambajhar Medical Officer.</li> </ol>	31-10-80 (AN)

O. P. BAHAL, Member Personnel

#### MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 8th January 1981

No. 12/273/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri S. C. Abrol, Deputy Director (Metallurgy), Small Industries Service Institute, New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 30th September, 1980.

> M. P. GUPTA. Deputy Director (Admn.)

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (AMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th January 1981

No. A-1/42(32).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Singhal substantively to the permanent post of Additional Director General (Supplies & Disposals) (Super-time scale post in the Indian Supply Service, Class I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from 1-4-1977.

> P. D. SETH, Deputy Director (Administration)

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 9th January 1981

No. 104B./A-19012(3-VNSEK)/80-19B.—Shri V. N. S. P. Kavitha is appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-10-1980, until further orders.

> V. S. KRISHNASWAMY. Director General

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th January 1981

No. A-19012(102)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. S. Bhalla, Mineral Officer (Stat.) on ad-hoc basis is poindied to officiate as Mineral Officer (Stat.) on regular basis with effect from 16th December, 1980 (Afternoon) until further orders.

> S. V. ALI, Head of Office Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 6th January 1981

No. E1-5680/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri M. P. Jain, Establishment & Accounts Officer, Permanent Group B of Map Record & Issue Office (Map Publication Directorate) Survey of India, Dehra Dun from the Government service on superannuation with effect from 31st October, 1980 (A/N).

IQBAL SIDDIQUI Major Engrs. Assistant Surveyor General

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 8th January 1981

No. 4(37)/80-SI.—The Director General, All India Radio. hereby appoints Suri H. N. Navrang as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 27-11-1980 and until further orders.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

### DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

#### New Delhi, the 8th January 1981

No. A.12025/4/80-Est.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shrl U. N. Gupta, Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) of this Directorate retired from Government service on the afternoon of 31st December, 1980.

I. RAMAMOHAN RAO,

for Director of Advertising and Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

#### New Delhi, the 2nd January 1981

No. A.19011/3/80-SI.—The President is pleased to appoint Dr. C. Gopalakrishnan to the post of Assistant Director (Pharmacology), Biological Laboratory and Animal House, Government Medical Store Depot Madras, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 23rd October, 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL, Deputy Director Administration (Stores)

#### New Delhi, the 3rd January 1981

No. A.19020/3/79-Adm.I.—Consequently on the acceptance of her resignation Dr. (Smt.) Kiran Taneja relinquished charge of the post of Dental Surgeon at CGHS, Lucknow, on the afternoon of the 19th September, 1980.

S. L. KUTHIALA, Deputy Director Administration (O&M)

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 9th January 1981

No. AMD-1/31/78-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. Prasada Rao as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 27, 1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer

#### TARAPUR ATOMIC STATION

#### Maharashtra, the 30th December 1980

No. TAPS/1/18(2)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri S. Thriambaknath, an officiating Assistant Personnel Officer as Administrative Officer-II on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from August 27, 1980 (FN) to October 25, 1980 (AN) vice Shri S. Krishnan, Administrative Officer-II promoted as Administrative Officer-III on ad-hoc basis.

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. Ganapathy, a permanent Personal Assistant as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from August 27, 1980 (FN) to October 25, 1980 (AN) vice Shri S. Thriambaknath, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II on ad-hoc basis.

D. V. MARKALE Administrative Officer-III

## DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 31st December, 1980

No. 10/2(2)/79-CED(H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned persons as Engineer SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in a temporary capacity with effect from the date indicated against each and until further orders.

Sl. Name No.					Date of appoint- ment as Engineer SB
1. Shri MH Balakrishnalah					20-8-79 (FN)
2. Shri MV Rajagopal .				•	20-8-79 (FN)
3. Shri R. Shanmughavel	•	•	•		24-8-79 (FN)
4. Shrì Ganosh Adiga .		•	•	•	26-6-80 (FN)
5. Shri Md. Tafsecruddin		٠	٠	•	4-7-80 (FN)
6. Kum. MM Gangaputra	•		•	•	22-9-80 (FN)
7. Shri CL Anjana Murthy	•	•	•	٠	24-12-80 (FN)

M. P. R. PANICKER, Administrative Officer-II for Chief Engineer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 9th January 1980

No. A. 32013/8/79-EC (Pt)—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officers in the grade of Technical Officer for a further period upto 31-12-80 beyond the date and station mentioned against each:—

SI. Name No.	Station of posting	Date of ad-hoc appoint- ment
S/Shri		
1. S.D. Bansal .	RC&DU, New Delhi	30-9-80
2. K.S. Narayan- swamy	Aero. Comm. Station, Calcutta	30-9-80
3. H.S. C. Rao .	Aero. Comm. Station Bombay	30-9-80
4. S.P. Sahani .	RC&DU, New Delhi	30-9-80
5. H.S. Gahley .	Aero. Comm. Station, Lucknow	30-9-80
6. D.S. Gill	RC.&DU, New Delhi	30-9-80
7. S.K. Das	Acro. Comm. Station, Calcutta	30-9-80
8. P.V. Subramaniam	RC&DU, New Delhi	2-8-80
9. R.S. Sandhu .	Do.	30-6-80
10. S. Rajaraman .	Acro. Comm. Station, Bombay.	30-6-80

11. C.D. Gupta	RCSDU, Now Defii	30-6-80
12. M.V. Darbhe	Acro. Comm. Station, Bombay	30-6-80
13. N.S. Sidhu	C.R.S.D., New Delhi	30- <b>6-</b> 80
14. S.R. Padmanabhan	C.A.T.C., Allahabad.	30-6-80
15. G.B. Brahme	Aero. Comm. Station, Bombay	30-6-80
16. S. Ramaswamy .	Aero: Comm. Station, Port Biair	30 <b>-9</b> 180
17. P.A. Shastri .	Aero. Comm. Station, Calcutta	30-9-80
18. K.B. Nanda .	Aero. Comm. Station, Srinagar.	30-9-80
19: L.R. Goyal .	RC&DU, New Delhi	30-9-80
20. H.S. Bajwa	A.C.S., Jaipur	30-9-80
21. H.S. Grewal .	RC&DU, New Delhi	30-9-80

9386

#### Assistant Director of Administration VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM

#### MAHAVIDYALAYA Dehra Dun, the 1st January 1981

No. 16/265/77-Ests.I.—The President, PRI & Colleges. Proc. 10/201//-Esist.—Ine President, PRI & Coneges, Behra Dun has replaced the services of Shri M. Padmanabha Reddy, Research Officer (ad-hoc), Danida/India Project on Tree Improvement, Hyderabad, at the disposal of State Government of Andhra Pradesh w.e.f. the forenoon of 1-12-1980.

No. 16/365/80-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following State Forest Service officers belonging to Tamilnadu Forest Department as Assistant Instructors at the Southern Forest Rangers College, Combatore on deputation basis with effect from the dates mentioned against each until further orders:

- 1. Shri Edwin Jayaraj w.e.f. 21-10-80 (FN).
- Shri S. Viswanathan w.e.f. 22-10-80 (FN).

R. N. MOHANTY, Jt. Secy.

R. N. DAS.

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

#### Kanpur, the 8th January 1981

No. 2/81—The following officers in the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:-

Sl. No.	Name of officer and po the time of retiren			Date of retirement
1	2			3
;	s/Shri			-, <del></del> -
1. \$	I.D. Saxena,			30-6-80
5	Supat. Group 'B'			(AN
(	Central Excise, Sitapur Division			
2. A	4.A. Quidwai,			30-6-80
5	Wodt. Group 'B'			(AN
(	Central Excise, Sitapur Division			
3. (	Chaudhary Hardyal Bax,			31-7-80
:	Supdt. Group 'B'			(AN
	Central Excise, Sitapur Division			
4. 3	Sunder Lal,			31-8-80
1	Supdt. Group 'B' Hdgrs. office			(AN
	Kanpur			
	U.S. Agarwal,			31-8-80
	Sundt. Group 'B' (Central Excise	,		(AN
	Baroilly Division			,
	MiB. Nag, Supdt		,	31-8-8
	Group 'B' Central Excise,			(AN
	Kanpur-II, Division			

1	2			3 .	<u> </u>
7.	S.A.A. Rizvi,			··	-8-80
	Supdt. Group Kanpur-H, Di				(AN)
	K.C. Sharma,	,			31-10-80
	Supat. Group	'B' Contral Excis	e,		(AN)
	Barcilly Division				
B'	The following expired on the Shri. N.K. K	Superintendents a dates mentione hanna, Supdt. Gr	d again	st each.	cise, Group 20-2-80
B'	The following expired on the	Superintendents to dates mentione hanna, Supdt. Gr. , Kanpur. vastava, p 'B'	d again	st each.	

J. RAMAKRISHNAN, Collector

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Supdt. Group 'B'

Central Excise, Fatchgarh, Division.

Bombay-400001, the 8th January 1981

No. 11-TR(2)/79.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Ramesh Agnihotri, Engineer Officer, in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 9th April 1980 (afternoon).

K. S. SIDHU, Dy. Director General of Shipping

#### northern railway HEADQUARTERS OFFICE BARODA HOUSE

New Delhi, the 2nd January 1981

No. 5.—Shri J. L. Khosla Senior Personal Officer, W. Northern Railway has finally refired from services w.e.f. 30-11-1980.

> R. K. NATESAN, General Manager

#### MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION DEPARTMENT OF REHABILITATION

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Raipur (MP), the 9th January 1981

No. PF/G/47-800.—Consequent upon his selection for the post of Engineer (Exception) in E-2 grade under Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad, Shri P. C. Jiloha, relinquished the charge of the post of Assistant Engineer, FMU-14, RRO at Mugma, District Dhanbad (Bihar) on the afternoon of 1-1-1981.

B. P. SAXENA, Advantairtistrative Officer for Chief Mechanical Engineer

## MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bhardt Wealth Circulating Company Private Limited

Jaipur, the 5th January 1981

No. STAT/867.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Bharat Wealth Circulating Company Private Limited has this day been struct of the Register and the said company is dissolved.

G. C. GUPTA Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

Bombay-2, the 5th January 1981
In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Paramount Business Service Private Limited

No. 14470/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Paramount Business Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN Addi. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Asoka Transport Company Limited

Madras-600006, the 7th January 1981

No. 147/560(5)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Asoka Transport Company Limited has this May been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE, Addl. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC No. 320/80-81,---Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Begumpeta situated at Hyderabad 6-3-1200 part of building.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Leelabai Koratkar S/o Sri Vithal Rao Koratkar 5-4-446. Nampally Station Road, Hyderabad-500001.
- (Transferor)
  (2) Mr. T. L. Prasad S/o Sri Rajgopal Rao and Mrs.
  T. Nirmala W/o T. L. Prasad Block No. 16
  Avanthinagar, Basheerbagh, Hyderabad also
  (6-3-1200 Begumpet, Hyderabad-500016).
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 682 sq. yds. (570.23 sq. mts.) with part of building 6-3-1200 Begumpet, Hyderabad registered vide Document No. 3167/80 with Sub-registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range Hyderabad

Date: 28-11-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE

Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC No. 321/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6-3-1200 situated at Begumpet, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Leelabai Koratkar W/o Sri Vithal Rao Koratkar 5-4-446 Nampally Station Road, Hyderabad-500001.

(Transferor)

(2) Mr. D. J. Ramesh S/o Sitaramaiah 56B Sanjeevareddy Nagar, Hyderabad-500038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 658 sq. yards (550.17 sq. mts.) with part of building 6-3-1200 Begumpet Hyderabad registered vide Document No. 3168/80 with Sub-registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range Hyderabad

Date: 28-11-1980

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC 322/80-81.--Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1908) in the office of the Registering Officer at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), thus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Myderabad on May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assuts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Tollowing persons, namely;—

- (1) Mr. Natasiriha Rao Gamji S/o Sri Ranga Rao 4-5-443 Gamji Building Sultan Bazar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri T. L. Prasad S/o Sri Rajgopal Rao and Mrs. T. Nirmala W/o T. L. Prasad Block No. 16 Awanthinagar, Bashirbagh, Hyderabad-29, (Present address 6-3-1200 Begumpet, Hyderabad-500016).

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 6-3-1191/1 admeasuring 580 sq. yards 484.949 ak. mts at Waman Neik Lane, Begumpet, Hyderabad registered wide Document No. 3933/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range Hyderabad

Date: 28-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC No. 323/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6-3-1191/2 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforescid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sri Bhimaca Gamji S/o Narasimha Rao Gamj 4-5-443 Gamji Bulldings Sultanbazar, Hyderabad. Rao Gamii (Transferor)
- (2) Sri D. J. Ramesh S/o Sitaramaiah 56B Sanjeevareddy Nagar, Hyderabad-500038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House 6-3-1191/2 admeasuring 890 sq. yards (744.15 sq. mas.) situated at Vaman Naik Lane, Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 4237/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Hyderabad

Dáto: 28-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC No. 324/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 15-3-86 situated at Gowliguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Doodh Bowli on April 1980. for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Muralidhar Loya S/o Phool Chand 15-8-317 Feelkhana, Hyderabad.
- (2) Smt. Kamala Agarwal W/o Sri Kishan Agarwal 15-3-87 Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Ground floor 1st and 2nd floor No. 15-3-86 admensuring 168 sq. yards (140 sq. mts.) situated at Gowliguda, Hyderabad registered vide Document No. 384/80 with Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad

Dato: 28-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC No. 325/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 15-3-87 situated at Gowliguda, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli in May 1980,

for an apparent consideration winch is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
35—436 GI/80

 Sri Muralidhar Loya S/o Phoolchand 15-8-317 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Agarwal W/o Srikishan Agarwal 15-3-87 Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House 1st and IInd floor i.e. open terrace with one Room building in Separate Unit with M.C.H. No. 15-3-87 admeasuring 128 sq. yards or 107 sq. mis. situated at Gowliguda, Hyderabad registered vide Document No. 583/80 with Subregistrar Doodbowil.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 28-11-1980

#### FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAU Hyderabad, the 28th November 1980

Ref. No. RAC No. 326/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'seid Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-2-655 situated at Chintalbastl, Khairatabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concetainent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following refrons namely:—

(1) (1) Smit. Bilduis Jehan Begum W/o Major Syed Mohiuddin Ahmed 10-1-123/A Sabzazar, Masabtank Hyderabad (2) Smt. Najimunnisa Begum 1-8-321 Begumpet, Secunderabad (3) Smt. Shabriyar Jehan Begum W/o Sri Habeeb Ali Al Aidrool Masabtank Hyderabad G.P.A. Sri Ghousuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nafees Fatima Ali W/o Khaja Asad Ali 22-3-78/2 Mataki Khidki, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any officer person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the problecation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suiting as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of land and bittlding marked as portion No 2 in H. No. 6-2-655 situated at Chinial Basti Rhalfatabad Hyderabad admeasuring 581 sq. yards (485.71 sq. mts) registered vide Document No. 3165/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-11-80.

#### FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s Hyderabad Builders 59 Bashirbagh, Hyderabad-500001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mansoor Fathima W/o Mohd. Abdul Barl 3-2-367 Kaahiguda, Myderabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAK, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 327/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 806 Deceantowers situated at Bashirbagn, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 806 Minar Apartments Bashirbagh, Hyderabad 8th floor area 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 3565.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Hyderabad

Daje : 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE.

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 328/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 102 Minor apartments situated at Bashirbagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed kereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) M/s Hyderabad Builders 59 Bashirbagh, Hyderabad-500001. (Transferor)
- (2) Smt. Aliya Sultana 102 Minor Apartment Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102 Minar apartments Bashirbagh Hyderabad 1st floor area 1284 sq. ft. registered vide Document No. 3566/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) M/s Hyderabad Builders 59, Bashirbagh, Hyderabagh. (Transferor)

(2) Sri Mohd. Abdul Mushtaq 101 Minor Apartments Deccan Towers Bashirbagh, Hyderabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 27th November 1980

Ref. No. RAC No. 329/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 101 Minor apartments situated at Bashirbagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101 Minor Apartments Bashirbagh, Hyderabad 1st floor area 1284 sq. ft. registered vide Document No. 3567/80 with Sub-registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980.

#### FORM FINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX AQQUISITION: RANGE

Hyderabad, the 27th November 1980

Ref. No. RAC No. 330/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Flat No. 307 situated at Minor Apartments Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tay under the said Act,
  in, respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Hyderabad Builders 59 Basheerbagh, Hyderabad-500001.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Fatima Waliallah 23-1-291 Kotla Alija Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Flat No. 307; Minor Apartments: Bashingabh, Hyderabad 3rd floor area 4020, sq. ft., registered with Sub-Registrar Hyderabad side Document No. 3568/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 27th November 1980

Ref. No. RAC No. 331/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immibiliable property, flaving a filtr market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. Flat No. 396 Minor apartments situated at Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, harmely:—

(1) M/s, Hyderabad Builders 59 Basheerbagh Hyderabad,

(Transferor)

(2) Miss Nazima Waliullah D/o Sri Mohd, Waliullah 23-1-291 Kotla Alija Hyderabad;

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 306 Minor apartments Bashirbagh Hyderabad 1st floor area 1020 sq. ft. registered with Sub-registrar Hyderabad vide Document No. 3569/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-11-1980

Stal:

#### FORM ITNS----

M/s. Hyderabad Builders
 Bashirbagh
 Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Faiza Waliullah D/o Mohd. Waliullah 23-1-291 Kotla Alija Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 27th November 1980

Ref. No. RAC No. 332/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 305 Minor Apartments situated at Bashribagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Thet terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 305 Minor apartments Bashirbagh, Hyderabad 1st floor area 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 3570/80

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Hyderabad Builders 59 Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Noorullah Kotla Alija (23-1-291) Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE.

Hyderabad, the 27th November 1980

Ref. No. RAC No. 333/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No .406 Minor apartments situated at Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

36—436 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 406 Minor Apartments Bashirbagh, Hyderabad 4th floor area 1020 sq. ft. registered vide Document No. 3571/80 with Sub-registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-11-1980

FORM NO. ITNS-

(1) M/s. Hyderabad Builders 59, Bashirbgah, Hyderabad 500001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Shri Mohd. Azizullah
 23-1-291 Kotla Alija
 Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 27th November 1980

Ref. No. RAC No. 334/80-81.--Whereas I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 407 Minor apartments situated at Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 407 Minor Apartments Bashirbagh, Hyderabad 4th floor area 1020 sq. ft. registered vide Document No. 3572/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-11-1980

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Hyderabad Builders
 Bashirbagh
 Hyderabad-500001.

(Transferor)

(2) Dr. Mir Siadat Ali 208/A C.I.B. Quarters Malakpet, Hyderabad.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 335/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 804 Minor appartments situated at Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than

at Hyderabad on Apirl 1980

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 804 Minor aparmtents Bashirbagh, Hyderabad 8th floor area 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 3573/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 336/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 801 Mogul apartments, situated at Bashirbagh Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to its disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Hyderabad Builders
 Bashirbagh, Hyderabad 500001.

(Transferor)

(2) Shri Dr. Mazaher Ali Khan 2-6-106 Subedan Hanamkonda District Warangal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 801 Mogul Apartments Basheergabh, Hyderabad 8th floor area 1410 sq. ft. registered vide Document No. 3574/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-11-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref No. RAC No. 337/80-81.---Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 503 Mugal apartments situated at Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hyderabad Builders 59 Bashirbagh, Hyderabad 500001.

(Transferor)

(2) Dr. R. Venkata Raju 503 Mogul Apartments Deccan Towres Basheerbagh Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fiat No. 503 Mogul Apartments Bashearbagh Hyderabad 5th floor area 1340 sq. ft. registered vide Document No. 3375/80 with Sub-Registrar Hyderabda.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Hyderabad Builders, 59, Basheer Bagh, Hyderabad-500 001.

(Transferor)

Smt. Bader Banu,
 Mogul Apartments,
 Deccan Towers Basheerbagh,
 Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immov-

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

able property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 338/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 702.

situated at Mogul Apartments Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April. 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object af:—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702 Mogul Apartments Basheerbagh, Hyderabad, 7th Floor, Area 1980 Sq. Ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 3607.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-11-1980

Scal:

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1980

Ref. No. 339/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plat No. 402.

situated at Mogul Apartments Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Hyderabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Hyderabad Builders,
 Basheer Bagh,
 Hyderabad-500 001.

(Transferor)

(2) Sri P. Venkateswara Rao, 6-3-595/13 Padmavathi Nagar, Khairatabad, Hyderabad.

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702 Mogul Apartments Basheerbagh, Hyderabad, 4th Floor, Area 1980 sq. ft. registered vide Document No. 3608/80 with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 26-11-1980

#### FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERARAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC. No. 340/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - Flat No. 204,

situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hyderabad Builders, 59, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Turab Banu, Moghal Apartments, Flat No. 204, Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204, Moghal Apartments, Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad, Second Floor, Area: 1410 Sq. ft. registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 3609/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 29-11-1980

### .......

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC. No. 341/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 201,

situated at Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
37—436 GI/80

M/s. Hyderabad Builders,
 Basheerbagh,
 Hyderabad-500001.

(Transferor)

1. Smt. Suryanarayanamma, w/o
 V. Sundararamaraju,
 2. VVSNB. Bangararaju,
 5/o V. Sundararamaraju,
 3. VVSKDN. Somaraju,
 8/o V. Sundararamaraju,
 H. No. 302/Type-3, BHEL Town Ship,
 Ramachandrapuram, Hyderabad-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, Moghal Apartments, Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad, Area 1410 sq. ft. registered with SRO, Hyderabad vide document No. 3610/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACCUSSITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

342/80-81.—Whereas I. S. Ref No. RAC. No. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 203.

situated at Deccan Towers. Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) l'acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Hyderabad Builders, 59. Basheerbagh, Hyderabad-500 001.

(Transferor)

(2) Smt. Shams Ali, No. 5, First Main Road, Gandhinagar, Madras-600 020,

(Transferee)

Objections, if may, to the utiquisition of the taid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motive in the Official Gazette or a ported of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Unicial Gazette.

EXPLANATION: -The terms with empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the infil Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203, Moshal Apartments, Decem Towers, Basheerbagh, Hyderabad, Second Floor, Area 1340 sq. ft. registered with SRO, Hyderabad vide document No. 3611/

S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-11-1980 Seal:

# FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC 343/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 702 situated at Deccan Towers

Bashcerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aformaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferen to pay tax under the said Act, in respect, of any income, asseing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/a. Hyderahad Builders. Basheerbagh, Hyderahad-500 001.
- (2) Ghousia Farooqui, 22-1-919, Sultanpura, Hydarabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid: persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (h) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall, have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 702, Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad 7th Floor area 1284 sq. ft. registered with SRO, Hyderabad vide document No. 3612/80.

S. GOVINDARAIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980

59, Basheerbagh, Hyderabad-500 001.

1. M/s. Hyderabad Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961) (2) (1) Sri B. M. Rupani,
 (2) Smt. Mohini B. Rupani
 3-6-361/18 Himayathnagar, Hyderabad.
 (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 344/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1103 situated at Deccan Towers

Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE CHEDULE

Flat No. 1103 Miner Apartments Deccan Towers Basheer Bagha, Hyderabad 11th Floor area 1020 sq. ft. registered vide Document No. 3613/80 S.R.O. Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980

M/s. Hyderabad Builders,
 Basheerbagh, Hyderabad-500 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Alapati Ramchandra Rao 1005 Minor Apartments Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 345/80-81.—Whereas, I, S, GOVINDA-RAIAN.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1005 situated at Deccan Towers Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1005 Minor apartments Decean Towers Basheerbagh Hyderabad 10th Floor area 1020 sq. ft. registered with S.R.O. Hyderabad vide Document No. 3614.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 22-1-919, Sultanpura, Hyderabad.

# (Transferor)

(2) Sri Nooruddin Ahmed Farooqui

s, Hyderabad Builders, Basheerbagh, Hyderabad-500 001.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

## **HYDERABAD**

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 346/80-81.--Whereas, I, S. GOVINDA-

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 703 situated at Deccan Towers

Basheerbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

# THE SCHEDULE

Flat No. 703 Deccan Towers Basheerbagh, Hyderabad 7th Floor area 1020 sq ft. registered vide Document No. 3615/ 80 with sub-registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980

PART HIT - SEC. 41

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE. **HYDER ABAD**

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 347/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat 1102 Minor Apartments Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought so be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1. M/s. Hydersbad Builders, 59, Basheerbagh, Hyderabad-500 001.

(Transferor)

(2) Smt. Sundari G. Rupani

(2) Sri Mangammal Lekhraj Rupani
(3) Sri Nal Mangammal Rupani
3-6-361/18 Himayatnagar, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by many of the efformental persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the saft Act, shall frave the same mounting as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1102 Minor Apartments Deccan Towers Basheerbagh Hyderabad 11th floor area 1020 sq. ft. registered with Sub-Registered Hyderabad vide Document No. 3616/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980

FORM ITNS----

1. M/s. Hyderabad Builders, 59, Bashcerbagh, Hyderabad-500 001.

(2) Mohd Badruddin Ahmed 16-2-708/4 Akberbagh Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 348/80-81.--Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 203 situated at Deccan Towers Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203 Deccan Towers Bashirbagh, Hyderabad with 2nd floor area 1020 sq. ft. registered vide Document No. 3617/80 with S.R.O. Hyderabad.

> 5. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (Transferor)

(2) Dr. M. Seshagiri Rao Flat No. 507, Minor Apartments Bashirbagh, Hyderabad-500001.

59, Basheerbagh, Hyderabad-500 001.

1. M/s. Hyderabad Builders,

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC. No. 349/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 507 situated at Minor Apartment

Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE CHEDULE

Flat No. 507 Minor apartments Deccan Towers Bashirbagh, Hyderabad 5th Floor Area 1020 sq. ft. registered vide Document No. 3618/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-38-436GI/80

Date: 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Kum, Gaddam Chaya Devi D/o Sri Gaddam Ramulu 1-5-518 Bakaram Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Manji Patel S/o Harji Patel 1-4-938/6 Bakaram Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE;
HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 350/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-4-938/6 situated at Bakaram Hyderabad (and more fully described in the Scheduls annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 11903) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Hyderabad on April 1980

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHEDULE

Land and Building admeasuring 1000 sq. yards bearing No. 1-4-938/6 at Bakaram, Hyderabad, registered with S.R.O. Hyderabad vide Document No. 3046/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29:11-1980

(1) M/s. Swastik Builders, 1 2-524/3 Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Sureshchandra Malik 1-2-8/3 Domalgada Hyderahad-5000029. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF PROOME-TAX,

(a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 29th November 1980

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 351/80-81.—Whereas, 1, S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the knoweble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-524/3 Shop No. 3, Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assats which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3 in Sagar View 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad 29 area 378 sq. ft. registered vide Document No. 3625/80 with Sub-Registrar, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 352/80-81.—Whereas, I, S. GOVIND-ARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1-1-79 situated at Musheerabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on April 1980 for an apparent considers

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mrs. Karoemunnisa Begum W/o Lato Shri Mumtaz Baig Khan.
  - (2) Mr. Iftikar Baig Khan S/o Late Mumtaz Baig Khan.
  - (3) Anjum Jehan D/o Late Mumtaz Baig Khan. G.P.A. Syed Shah Noor Ali S/o Late Syed Shah Ali, 1-1-79, Musheerabad Hyderabad. (Transferor)
- (2) M/s. Bhagyanagar Studios Pvt. Ltd., Road No. 14 Banjara Hills Hyderabad.
  (Transfer

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 1-1-79 situated at Husheerabad (Charminar X Roads) Hyderabad admeasuring 3.544 sq. mts. registered vide Document No. 3883/80 with sub-registered Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1980

# PART III-SEC. 1]

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 29th November 1980

Ref. No. RAC No. 353/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-2-13/7 situated at Lakdikapool Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Mrs. Arshia Quadri W/o Syed Mohiuddin Ahmed 10-1 128/2 Masab Tank Hyderabad-5000028. (Transferor)
- (2) Mrs. Durdana Shahid W/o Dr. Shahid Alikhan 6-2-13 Khairatabad, Lakdikapool, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 432.66 sq. yards (371.70 sq. mts.) M. No. 6-2-13/1 at Lakdikapool Hyderabad registered vide Document No. 315/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date ; 29-11-1980

# PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE: IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1980

Ref. AC-57/Acq. R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Compentent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 137/135, situated at Asansol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Asunsol on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Niranjan Kanango Masterpara, M. N. Saha Road, Asansoi.

(Transferor)

(2) Sri Roshan Lal Sothi Masterpara, M. N. Saha Road, Asansol. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Piece and Parcel of land measuring 4.05 Cothahs with building situated at Masterpara M. N. Saha Road, No. 137/135, Asansol more particular described as per deed No. 1760 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range: IV. Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16.

Dete :11-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Smt. Sukhdei Debi W/o., Shri Madanlal Maxaria, N. S. Road, Asansol.

(Transferor)

(2) Sri Kanhaiya Prosad Pandey.

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE: IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1980

Ref. Ac-58/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, J. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26, situated at N. S. Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 11-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-kh. & 5½-Chs. along with building situated at 26, N. S. Road, Asansol, more particularly as per Deed No. 1952 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road; Calcutta-16,

Date: 15-11-80.

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shrimati Sukhdei Debi, W/o. Sri Madantal Maxaria N. S. Road, Asansol.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE: IV. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1980

Ref. No. Ac-59/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26, situated at N. S. Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 12-4-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; avd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Smt. Tara Debi, Kausalya Devi & Kamala Debi, all of 26, N. S. Road, Asansol. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-kh. & 5½-Chs. along with building situated at 26, N. S. Road, Asansol, more particularly as per Deed No. 1938 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range: IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road; Calcutta-16.

Date: 15-11-80.

### FORM LT.N.S.-

(1) Shri Esmail Mandal, Atghara, Rajarhat, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) Shri Pradip Mehta,
 1-A, Ballygunj Circular Road,
 Calcutta-19.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE: IV, CALCUTTA

Calculta, the 4th December 1980

Ref. No. Ac-75/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Dag No. 310, situated at Dasadrone, Rajarhat, 24-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—436 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 17½-decs, situated at Dasadrone, Rajarhat, Dag No. 310, Touji No. 2998, R. S. No. 150, Dt. 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 3058 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range; IV Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwal Road; Calcutta-16.

Date: 4-12-1980.

1426

# FORM ITNS-

(1) Smt. Shanti Devi Kajoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Umesh Kumar Jaipuria,

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1980

Ref. No. 809/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 51 situated at Vivekananda Road, Calcutta-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/32ud portion of premises No. 51, Vivekananda Road, Calcutta-7.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16.

Date: 4-12-1980

(1) Smt. Shanti Devi Kajoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Devi Jaipuria.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1980

Ref. No. 810/ $\Lambda$ cq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 51 situated at Vivekananda Road, Calcutta-7 (und more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/32nd portion of the premises No. 51, Vivekananda Road, Calcutta-7.

I. V. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road; Calcutta-16.

Date: 4-12-1980.

(1) Smt. Shanti Devi Kajoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Santosh Devi Jaipuria.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1980

Ref. No. 811/Acq. R-HI/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 51 situated at Vivekananda Road, Calcutta-7 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Setcion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/32nd portion of the premises No. 51, Vivekananda Road, Calcutta-7.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwal Road; Calcutta-16.

Date: 4-12-1980.

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arati Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 812/Acq. R-III/80-81.—Wheras, I, I. V. S. IUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 6 ME situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 ME being premises No. 119, Dr. Moghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road; Calcutta-16.

Date: 8-12-1980.

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Phani Guha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 813/Acq. R-III/80-81.--Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 14 NW situated at 119, Dr. Meghnad Saha

Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Calcutta on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 14 NF situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road; Calcutta-16.

Date: 8-12-1980,

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aditi Khan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 814/Acq. R-III/80-81,--Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 13 NW sinated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-4-1980

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13 NW situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road; Calcutta-16.

Date: 4-12-1980.

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 815/Acq.R-III/80-81.—Whereas, J, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 14 MW situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Alo Banerjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14 MW situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No .816/Acq.R-III/80-81,—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3 M E situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40-436GI/80

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Reve Auotoive Beteittle

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 M E situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I, V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-700016.

Date : 18-12-1980 Seal :

(1) Green View Co-operative Housing Society I.td. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

(2) Ramendra Narayan Chowdhury

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 817/Acq.R-III/80-81,—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 M W situated at 119, Meghnad Saha Serani, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 M W situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-12-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 818/Acq.R-ПІ/80-81.---Wnereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No 1 N W situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta

on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Indira Sen

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 N W situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sewak Ram Chowla

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No 819/Acq.RIII/8081.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 10 S W situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Calcutta on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10 S W situated at premises No. 119 Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date:8-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ranjit Benerjee

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 920/Acq.R-111/80-81,—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Flat No. 1 S W situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 S W situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date :8-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sangita Chakraborty

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 821/Acq-R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/-, and bearing

Flat No. 2 M E situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 M E situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha, Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980

## FORM ITNS-

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Asoke Kr. Dasgupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 822/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2 MW situated at 119, Dr. Maahnad Saha Saranl, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 MW situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-12-1980

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
((Transferor)

ОМЕ-

(2) Shri Nirmal Ch. Chatterjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THEINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 823/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No.

Flat No. 2 M W situated at 119, Dr. Maghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 SW situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Calcutta,

Date: 8-12-1980

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri Phanindra N. Nandi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 824/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2 M & situated at 119, Dr. Maghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-436GI/80

- (a) by tany of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13 N.E. situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 8-12-1980

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Shri J. R. K. Murthy.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

# Calcutte, the 6th December 1980

Ref. No. 825/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the improvable property, having a Tair market value exceeding

Rs. 25/000/- and bearing No.

Flat No. 11 S.E. situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which 'have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the Schlöwing

percons, namely :--

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any cuter person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14 S.E. situated at promises No. 119, Dr. Meghnad Salm Barani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 8-12-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 826/Acq.R-III/80-81,---Whereas, I, I V. S. JUNEIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5 S.E. situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)
- (2) Shri Nripendra Mohan Roy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 5 S.E. situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 8-12-1980

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 827/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. NE situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) Pradip Kr. Basu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 8 NE situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980.

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Jyotish Ch. Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 828/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to at the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11 SW situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11 SW situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

L. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 829/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IUNEIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 12 N E situated at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
  (Transferor)
- (2) R. Neelambal Ammal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires hater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12 N E situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta,

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980.

(1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyotsnamoy Dutta & ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 830/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IUNETA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 12 S W situated at 119, Dr. Meghand Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby thitiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used benefin as are defined in Chapter XXA of the cold.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12 S W situated at premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-43-1960.

(1) Lake Apartment Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Amit Kumar Bose.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 831/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 102 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10 NE being premises No. 102, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980.

(1) Lake Apartment Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Animesh Chandra Das Gupta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 832/Acq.R-III/80-81,---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 102 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—436GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 8 S.W. being premises at 102, Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980.

(1) Lake Apartment Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Surajit Kumar Chakraborty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1980

Ref. No. 833/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

102 situated at Dr. Meghanad Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7 M.E., being premises at 102, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1980.

(1) Sri Janmejoy Basak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mst. Hamida Khatoon.

(Transfree)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1980

Ref. No. SL No. 561/TR-244/C-170/Cal-1/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 5A (Front portion) situated at Mirza Galib Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Front portion of partly one and partly two-storyed building being premises No. 5A Mirza Galib Street, Calcutta together with land measuring 2 cottahs 5 sft. registered before the Registrar of Assurances vide deed No. 2222 dt. 9-4-80.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 12-12-80.

# FORM NO. I.T.N.S .--

(1) Haridas Basak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Golam Rasul.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 24th December 1980

Ref. No. TR-243/Cal-1/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 5A situated at Mirza Galib St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazétte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Back portion of two storied building being premises No. 5A, Mirza Galib St., Calcutta together with land measuring 2k-10ch-10sft registered before the Registrar of Assurances vide deed No. 2247 dt. 9-4-80.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 24-12-80.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sm. Kalpana Pal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mohammed Hussain & Khairunnessa.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Calcutta, the 9th December 1980

Ref. No. 560/TR-245/C-1 71/80-81,---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 9/1/4 situated at Talbagan Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 cottahs more or less being premises No. 9/1/4 (formerly 9/1 & 9/2) Talbagan Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2223 dt. 9-4-80.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-80.

FORM I.T.N.S.—

(1) M. L. Dutta & ors.

(Transferor)

(2) Niranjan Dutta.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th December 1980

Ref. No. 838/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/1/2 situated at Gariahat Road (South), Calcutta (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 30-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property at being premises No. 1/1/2, Gariahat Road (south), Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 24-12-1980.

(1) Sri Tamal Krishna Ghosh, Bolepur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saswata Mukhapadhya, Durgapur.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1980

Ref. No. AC-77/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 1707 situated at Thana Bolpur, Dt. Birbhum (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bolepur on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .05-acre along with building situated at Bolepur, Dt. Birbhum, Dag No. 1707 more particularly described as per Deed No. 8166 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1980

Ref. No. Ac-78/R-IV/Cal/80-81,—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Mouza Khandra, Ukhra

P.S. Andal, Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raniganj on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Sabita Gouri Ojha Chittaranjan Road, Burdwan.

(Transferor)

(2) Sitaram Singh Bahula Andal, Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.63 acres along with building situated at Mouza Khandra, Ukhra, Andal, Burdwan, more particularly, described as per Deed No. 1902 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 27-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 27th December 1980

Ref. No. Ac-79/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 265, situated at Tiljala, Dt. 24-Parganas (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Alipore on 84-1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—436GI/80

(1) Sri Subimal & Others, 252, Picnic Garden Road, Calcutta-39.

(Transferor)

(?) Sri Subimal Roy 252 J. Pienic Garden Road, Calcutta-39,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8-cottahs of land situated at Dag No. 265, Kh. No. 87, P.S. Tiljala, Dist. 24-Parganas, more particularly described as per Deed No. 2597 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 27-12-1980

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ayesha Bibi, 62, Theatre Road, Calcutta-17

(Transferor)

(2) Smt. Debola Rani Ghosh W/o Sri Paresh Chandra Ghosh, 7, Chaulpatty Road, Calcutta-10.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1980

Ref. No. Ac-58/R-II/Cal 80-81.—Wherens, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Premises No. 9, situated at Chaulpatty Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Sealdah on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 3 cottahs, 10 chittaks and 38 sq. ft. at premises No. 9, Chaulpatty Road, Calcutta-10, P. S. Beliaghata, more particularly described as per Deed No. 367 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 29-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Chandrajyoti Debi,
 W/o Kamala Prasad Singh,
 113, Circular Garden Reach Road,
 Calcutta-23.

(Transferor)

(2) Sri Nand Kumar Gupta, son of Sri Hari Narayan Gupta Shaw and othres. 13/C, Munsiganj Road, P. S. Watganj, Calcutta-23.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-59/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 113, Circular Garden Reach Road, P. S. Watganj, Calcutta-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Distt. Registrar, 24-Parganas, on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latr;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 5-chittaks of land with room—Touzi No. 1349, Holding No. 32-33, Premises No. 113, Circular Garden Reach Road, P.S. Watganj, Calcutta-23, more particularly as per Deed No. 2748 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-12-1980

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II,
54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA 16

Calutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-60 R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 28, C.I.T. Sch. No. 10, P.S. Beliaghata, 24-Parganas, Calcutta-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at S.R. Scaldah on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Sm. Suprabha Roy Choudhury, 2/1, Dr. Panchanan Mitra Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sm. Rani Agarwal, P-37, C.J.T. Road, Sheme No. 52 Calcutta-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 6-chittacks and 32-sq. ft. at P-28, C.I.T. Scheme No. 10, P.S. Beliaghata, Calcutta-10, more particularly as per Deed No. 363 of 1980.

A. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-IV,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-80/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at P.S. Lilluah Dt. Howrah

Malerkotla in April, 1980

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Priya Nath Sukla Golabari, Bhattnagar, Liliuah, Dt. Howrah.

(Transferor)

(2) Sn Rabindra Narayan Sarkai Surjyanagar, Bhattnagar,P.S. Lilluah, Dt. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 k. 9 chs. & 21-sft. situated at Mouza Chakpara, P.S. Lilluah, Dt. Howrah, more particularly described as per Deed No. 685 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-12-1980

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-IV.

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-81 'R-IV/Cal/80-81.-Whereas, I, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, situated at Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrab on 11-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kamala Casting Engineering Works, 70, Natabar Pal Road, Dt. Howrah.

(Transferor

(2) (1) S/S() Tapas Mallick & Nihai Multick both of Q. Road, Lilluah, Dt. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 ks., 11 q. ft. situated at 41, Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah, more particularly described as per Deed No. 581 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-IV.

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-81/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, situated at Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 11-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kamala Casting Engineering Works, 70, Natabar Pal Road, Dt. Howrah.

(Transferor

(2) (1) S/Sri Tapas Mallick & Nihar Mallick, both of Q. Road, Lilluah, Dt. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 ks., 11 sq. ft. situated at 41, Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah, more particularly described as per Deed No. 581 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-12-1980

eat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAH AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-84/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41, situated at Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
44—436GI/80

(1) M/s. Kamala Castings & Engineering Works, 70, Natabar Pal Road, Lilluah, Dt. Howrah.

(Transferor)

Sri Hiranmoy Mallick,
 Bantra East Lane,
 Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imposvable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 ks and 11 sq. ft. situated at 41, Q. Road, P.S. Lillanh, Dt. Howrah, more particultaly described as ner Deed No. \$84 of 1980.

K. SINHA

Compentent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 30-12-1980

#### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961) (1) M/s. Kamala Castings & Engineering Works, 70, Natabar Pal Road, Dt. Howrab.

(Transferor)

(2) Sri Barun Kumar Mallick, 2, Bantra East Lane, Dt. Howrah.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 30th December 1980

Ref. No. Ac-85/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 41, situated at Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fluir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 ks. & 16 sq. ft. situated at 41, Q. Road, P.S. Lilluah, Dt. Howrah, more particularly described as per Deed No. 585 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. 7R-249/C-177/80-81/ACQ-i/S.L. No. 559.—Whereas, J. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 81 situated at Surendra Banerjee Road, Calcutta,

# (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Prabhabati Patra of 81, S. N. Banerjee Road, Calcutta & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Arun Kumar Patra, 81 S. N. Banerjee Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th divided share of 81 Surendra Nath Banerice Road, Calcutta-13 P. S. Taltala of an area of 189.48 sq. mtr. being the western portion having an area of about 47 sq. mtr. registered in the office of Registrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. I-2642 on 30-4-1980.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54 Aafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 24-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1980

Ref. No. AC-61/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5/46/2 situated at Dum Dum Road, P.S. Cussipore, 24 parganas (West Bengal),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the offiffice of the Registering Officer at

S.R. Cussipore, Dum Duni

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the feetowing persons, namely:—

- (1) Srsj. Astrija Bose 5/46/2, Dum Dum Road, Calcutta-30.
- (2) Srl Rabindra Nath Saha, 26-G, Seven Tanks Lane, Calcutta-30. (Transferee)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 1 cottah 13 chattaks. Premises No. 5/46/2, Dum Dum Road, Calcutta-30, P.S.—Cussipore, More particularly described in deed No. 2622 dated 9-4-80 of S. R. Cussipore, Dum Dum.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 31-12-1980

(1) Sri Srithakar Mitra 15, Shishir Bagan Road, Calcutta-34.

(2) Mr. Siman Manual Boelar 84, Taltala Lane, Cal-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,

Calcutta, the 31st December 1980

CALCUITA

Ref. No. AC-62/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouza-Joka situated at P.S.—Behala, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J. S. R. Alipore at Behala on 30-4-1980,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of shy income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

cutta P.S .-- Taltaka.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring: 7 k. (one storey Building) Mouza-Joka. P.S.—Behala. Dag No. 2569. More particularly described in deed No. 1032 dated 30-4-1980 of J.S.R. Alipore at Behala.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 31-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1980

Rci. No. AC-63/R-11/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7N/1B situated at Mahesh Chandra Datta Lane, New, Alipore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.R. Alipore on 21-4-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Suresh Chandra Addya 61/11, Peary Mohan Ray Road, Calcutta-27. (Transferor)
- (2) Sri Gobinda Lal Dey and others 67B, Alipore Road, Calcutta-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring: 1 K. 8 Ch. 12 sq. ft. with two storied Building. Premises No. 7N/1B, Mahesh Chandra Datta Lane. P.S.—New Alipore, Calcutta—27. More particularly described in deed No. 2915 dated 21-4-80 of D.R. Alipore, 24 Parganas.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTION RANVE-IV, CALCUTTA

Calcutta-16, the 5th January 1981

Ref. No. AC-88/Acq R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 221/4, situated at G.T. Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 24-4-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ashok Kumar Goeal of 17, Balmukund Maeear Road, Calcutta-7.

  (Transferor)
- (2) Sri Laxmi Trading of 192, Jamuna Lal Bazaz Street Calcutta-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1B, 3 cottals situated at 221/4, G.T. Road, (North) of Howrah. More Particularly described as per deed No. 1309 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 5-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISTION RANVE-IV, CALCUTTA

Calcutta-16, the 2nd January 1981

Ref. No. Ac-86/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

107, aituated at Joya Bibi Lane, Ghusuri, P.S. Bally, Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hewrah on 10-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s New Central Jute Mill Co Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-17.

  (Transferor)
- (2) Smt. Sukhdevi Sharma, W/o Manik Chand Sharma, 297, G.T. Road, Salkia, Howrah.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offifficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mearing as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6-cottahs situated at 107, Joya Bibi Lane, Ghusuri, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly described in Deed No. 876 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutts-16

Date: 2-1-1981

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(2) Sri Ramanand Giri, 229, G. T. Road (North Ghusuri, Howrah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANVE-IV,
CALCUITA

Calcutta, the 2nd January 1981

Ref. No. Ac-87,/K-IV/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,600/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Road, Ghusuri, Dt. Howrah, (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 10-4-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—
45—436GI/80

Objections, if any, to the actualition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons with a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6-cottahs, 7-chittaks situated at 40, Joya Bibi Road, Ghusuri, Dt. Howrah, more particularly described in Deed No. 1037 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 2-1-1981

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANVE-IV, CALCUTTA

Calcutta-16, the 7th January 1981

Ref. No. Ac-90/Acq. R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. Domjur situated at Dt. Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 28-4-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Mahavir Prosad Agarwala 23-A,N,S. Calcutta.
  (Transferor)
- (2) Sri Prallahad Rai Gondriwalla 15/B, Bally Ganj Park Road, Calcutta-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2.37 acres situated at Mauja-Pukuria P.S. Domjur, Dt. Howrah, more particularly as per Deed No. 1153 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-1-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANVE-IV, CALCUTTA

Calcutta-16, the 7th January 1981

Ref. No. Ac-89/Acq R-IV/Cal/80-81,—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. situated at 5/2, Ganga Bhadur Shah, Bally, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 18-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more, than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or ther assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Nilratan Sarkar, Smt. Uma Sarkar, Smt. Ira Sarkar and Sri Subrata Sarkar.
  - (Transferors)
- (2) Smt. Kiran Bala Chakraborty 29, Kartick Chander Ghosh Lane, Bally, Howrah.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 K 15 ch. 22 sft. situated at 5/2, Ganga Bahadur Shah Bally, Howrah more particularly as per Deed No. 629 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1980

Ref. No. Indri/3/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 71 kanals 19 marlas situated at Vill. Samora Teh. Karnal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indri in May 1980,

for at apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Nath Adopted son or Smt. Kishni Devi, R/o Mai Road, Karnal.

  (Transferor)
- (2) Shri Partap Singh etc. sons of Shri Santokh Singh, Vill. Gorgarh, Teh. Karnal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 71 kanal 19 marla situated at Vill. Samora Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 164 dated 15-5-80 with the Sub Registrar, India.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-10-1980

# PORM TINE

(1) Smt. Kanta Gupta W/o Shri Rajiv Gupta, R/o 2, Park Avenue, Maharani Bagh, New Delhl.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# (2) Smt. Jiwani Devi W/o Shri Ramdhan Gupta, R/o 3-D-99, New Township, Faridabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1980

Ref. No. BGR/31/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 3-E-4, Township, Faridabad, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being plot No. 3-E-4, Township, Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1358 dated 12-5-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-10-1980

Scul:

# FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1980

Ref. No. JDR/10/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 Bigha 1 Bishwas situated at Gudi Mundo, Jagadhari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in June 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gainda S/o Shri Asha Caste Kamboj Village Gobindpura, Teh. Jagadhari.
  - (Transferor)
- (2) S/Shri Ishwar Dayal, Chaman Lal, Brij Lal Madan Lal Sons of Shri Sewa Ram, Devi Bhawan Bazar, Jagadhari.

 Banarsi Dass S/o Shri Kewal Ram, R/o Devi Bhawan Bazar, Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 1 bishwa situated at Village Gudi Mundo (Jagadhari) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1911 dated 21-6-1980 with the sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-10-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1980

Ref. No. SPT/5/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 17 kanals 7 marlas situated at Vill. Kundli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sonepat in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Om Parkash S/o Sh. Ghashi Ram, R/o House No. H. 1/3 Model Town, Delhi. (Transferor)

(2) M/S Haryana Plywood Industries, 33 K. Mile Stone, G.T. Road, P.O. Kundli (Sonepat). (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanal 7 marla situated at Village Kundly and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 550 dated 15-5-80 with the Sub-Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-10-1980

(1) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Braham Dutt R/o 16/ 34, Garden Cottage, Civil Lines, Kanpur.

(2) M/s. Sigma Rubber Private Ltd. A-63/3, G.T.

Karnal Road, Industrial Area, Delhi.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1980

Ref. No. SPT/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 16 kanals 13 marlas, situated at Vill. Kundli Teh. Sonepat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals 13 marlas situated at Village Kundli Teh. Sonepat and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 96 dated 10-4-80 with the Sub-Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-10-1980

 Smt. Parkash Devl W/o Shrl Amrit Pal R/o Mandi Modh, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parmeshwari Devi W/o Shri Ram Dhan Dass C/o M/s. Ramdhan Dass Chander Shekhar, Dabwali. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1980

Ref. No. DBW/2/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 591/2, situated at Mandi Dabwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwalı in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
46—436GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop No. 591/2 situated at Mandi Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 70 dated 9-4-1980 with Sub-Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 3-10-1980

# THE GAZETTE OF INDIA, JANUARY 31, 1981 (MAGHA 11, 1902) [PART III.—SEC. 1

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st December 1980

Ref. No. AMB/9/80-81.--Whereas, L. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 71, Kanshi Nagar, Ambala City.

situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

Ambala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) 5th. Faqir Chand Agnihotri S/o Sh. Ram Chand R/o Kachha Bazar, Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) Smt. Anju Mathur W/o Dr. Brijesh Kumar Mathur R/o 89, Kallash Nagar, Hall-71, Kanshi Nagar, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the difficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being House No. 71, Kanshi Nagar, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 543 dated 30-4-1980 with the Sub-Registrar, Ambala.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Dated: 1-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th November 1980

Ref. No. BGR/4/80-81.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 372, Sector 7-A, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

- (1) Shi Des Bandhu S/o Sh. Rochi Ram, R/o Jagdish Colony, Ballabgarh.

  (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Sudesh Vadhwa, R/o House No. 373, Sector 7-A, Farklabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 372, Sector 7-A situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1256 dated 7-5-80 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 28-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th November 1980

Ref. No. SPT/10/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building and land, plot No. B-2, B-3, G.T. Karnal Road, situated at Kundli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri 1. R. F. Kewal Ramani S/o F. D. Kewal-ramani R/o 4-B/31, Old Rajinder Nagar, New Delhi. 2. L. P. Adwani S/o P. D. Adwani, R/o 41/60, Ramjas Road Karol Bagh, New Delhi. 3. V. P. Sajnani S/o P. D. Sajnani, R/o 7-A, New Devroop Linking Road Extension, Shanta Cruz Bombay.

(2) 1. S/Shri Yogbir Jaggi S/o Bir Chand Jaggi, R/o 10/6, Punjabi Bagh East, N. Delhi. 2. Sh. S. L. Mehra S/o Late Dr. T. R. Mehra, R/o 21, Housing Colony, Sonepat (Haryana).

(Transferces)

[PART III-SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being factory building and land on plot No. B-2, B-3, G.T. Karnal Road, Kundli and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 964 dated 6-6-1980 with the Sub-Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 28-11-1980

#### FORM I.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th December 1980

Ref. No. RKT/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 747/Ward-14 (New No. 703 Ward No. 20) situated at DLF Colony, Rohtak.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at DLF Colony Rohtak in April, 1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dewan Singh S/O Sh. Sardar Singh, House No. 249/1 Ward No. 14, DLF Colony, Rohtak.
  (Transferor)
- (2) Sh. Parbhati Parkash S/o Sh. Ram Nath, Medical Suprintendent, Government Ayurvedic Medical College, Patiala.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being House No. 747 Ward No. 14 (New No. 703 Ward No. 20) situated in DLF Coolny, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 45 dated 2-4-1980 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 20-12-1980

# MONTHE UNDER. SECTION 260D(4) OF TME (INCOMETAX ACT), 1961 (43 OF 1964)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th December 1980

Ref. No. RTK/8/80-81.—Whereas, 1, G. Sr. GOPALA,

being time Competant Authority under Section 269B of the Incompetant Acts. 1964 (43 of. 1964), (hereinaften referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

708 to 710, Ward No. 18, situated at Railway Road, Rohtak

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), thus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay, tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Raj Kumar Goel, Krishan Kumar & Shiv Kumar sons of Shri Kanhaya Lal, R/O B-14/8893, Sidhippraji Kumok Bagh; New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Angoori Devi W/o Sh. Ram Bhaj, 2. S/ Shri Shiv Charan Dass, Ram Avtar, Krishan Avtar, Satish Kumar Sons of Sh. Ram Bhaj, R/O Railway Road, Rohtak.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter. XXA: of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property being House No. 708-710/18, Railway Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1883 dated 9-7-1980 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 20-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/S D.L.F. Universal Electric Limited, 21-22, Narindra Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Kundli Cold Storage & Ice (Factory, Kundli Distt. Sonepat. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Rohtak, the 20th December 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Consette.

Ref. No. DLI/9/80-81/.--Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Cemmussioner of

> EXPLANATION :- The terms and expressions used therein was are defined in Chapter 2004 of the wild

Income-tax, Acquisition Range, Rohtak. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000 /- and bearing No.

> Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Factory building, situated at 16/6 Mile-stone, Karnal, GT Road, Kundli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act.

in respect of any income arising from the transfer

and/or

transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(v) racilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being a factory building with land situated at 16/6 Mile Stone, G.T. Road, Kundly and as more mentioned in the sale deed registered at No. 346 dated 11-1-1980 with the Sub Registrar, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hte acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under andsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Dated: 20-12-1980

#### FORM I.T.N.S.—

(1) M/S Qualitex Machinery (P) Ltd, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Auto Glide (P) Ltd., 64, Sector-6, Faridabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immov-

publication of this notice in the Official Gazette.

able property, within 45 days from the date of the

from the service of notice on the respective persons,

Rohtak, the 20th December 1980

Ref. No. BGR/8/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Factory building on plot No. 64, Sector-6, Faridabd (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being Factory building situated on Plot No. 64, Sector-6, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2288 dated 21-5-1980 with the Sub Registered at No. 2288 dated 21-5-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 20-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. GRG/1/80-81.--Whereas, 1, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 57.3 marla at Village Sewana (Harsaru) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Registration been transferred under the 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquilition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—436GI/80

(1) Shri Surender Narender Singh sons of Shri Devi Dass S/O Paras Ram, R/O 19 Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kamaljit Singh Kalsi S/O Shri Man Singh Kalsi R/O 82-D, Malya Nagar, Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 57 kanal 3 marla situated at village Sewana (Harsaru) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 179 dated 10-4-80 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 2-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. GRG/2/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg 25.000/- and bearing No.

Land measuring 140 kanal 16 maria situated at Sewana (Harsaru)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Surender & Narender Singh sons of Shri Devi Dass S/o Sh. Paras Ram R/O 19 Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jaspal Singh Kalsi S/O Shri Man Singh Kalsi R/O 82-D, Malya Nagar, Diplomatice Enclave, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property being land measuring 140 kanals 16 marla situated at village Sewana (Harsaru) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 180 dated 16-4-1980 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 2-1-1981

 Sh. Amir Chand S/O Sh. Megh Raj, R/O 37-L, New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Neb Raj S/o Sh. Kanwal Ram Ahuja, R/o 25-26/11, Subhash Nagar, Gurgaon. (Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. GRG/6/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak. being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 37-L, New Colony, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 37-L, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 236 dated 15-4-1980 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 2-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. AMB/4/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Property House No. 124-125 Block Hospital Road, situated at Ambala City.

(and more fully described in the Scheduled annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Harkrishan Lal S/O Sh. Nursingh Dass R/O M-28, Baryat Housing Colony, Ranchi (Bihar) General Power of attorney Lt. Col. Jagdish Chander S/O Dr. Harkishan Lal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Siri Kant Jain, 2. Sh. Surya Kant Jain S/O Sh. S. K. Jain, Chowk Darjian, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being House No. A.M.C. No. 124-125, Block No. 4 situated at Hospital Road. Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 203 dated 15-4-80 with Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 2-1-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. AMB/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 124-125, Block 4, Hospital Road, situated at Ambala City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Harkrishan Lal, s/o Sh. Nursingh Dass, r/o M-28, Baryat Housing Colony, Ranchi (Bihar), General Power of attorney Lt. Col. Jagdish Chander, s/o Dr. Harikishan Lal.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Kumari Jain, w/o Shri A. K. Jain, Mohalla, Swamian (Swamian), Ambala City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. A.M.C. 124-125, Block No. 4, Hospital Road, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 90 dated 9-4-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-1-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kanshi Ram, s/o Mansa Ram, r/o Thancsar.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal, s/o Sh. Chhaju Ram, r/o Bangthala, Teh, Thanesar.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. TSR/1/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearning No. House No. 109 B&C Ward No. 7.

situated at Subhash Mandi, Thanesar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thanesar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 109 B&C, situated in Subash Mandi Ward No. 7, Thanesar and as more mentioned in the sale deed Registered at No. 23 dated 2-4-1980 with the Sub Registrar, Thanesar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-1-1981

#### FORM NO. ITNS-

Sm. Kamlesh Dhawan, d/o
 Sh. Arjan Dass Anand,
 17/19, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nelson Tara Chand, S/o Shri Nanial Messey, 5M/109, NIT, Faridabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. BGR/12/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 218, Sector 16-Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ballabgarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 218 Sector 16, area 160 sq. yds at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 566 date 15-4-1980 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-1-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. FTB/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 96 kanal, situated at Bhuma (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Farefulbad in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Tirath Singh s/o Bhag Singh, House No. 21, Block-5, Patel Nagar, Hissar.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri Ramesh, Suresh, Devi Lal, Subhash,
  - ss/o Shri Mange Ram,

    Ram Niwash, Dilbagh Se/o Sh. Jagdish,
    r/o Village & P.O. Jaochi Khurad,
    Teh. Fatehabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torses and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 96 kanl, situated at Village Bhi is and as more mentioned in the sale deed registered at No. 127 dated 15-4-1980 with the Sub-Registrar, Fatchabad.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-1-1981

Seal ;

# FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

#### ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. BGR/13/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 9E, Block-1, DLF Industrial Estate No. 1, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ballabgarh in April, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the adquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—48—436GI/80

(1) Sait. Katshlya Wanti, W/o Shri P. N. Jairath, r/o A-330, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Gupta Construction Co., G-3/92, Depali, Nohru Palace, New Delhi, Through Shri Surender Kumar Gupta, partner of the firm.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being plot No. 9-E, Industrial Block 'l', are 1259 sq. vds, situated at DLF Industrial Estate No. 1. Faridabad and as more montioned in the sale deed registered at No. 625 dated 11-4-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robitak

Date: 2-1-1981

# FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 2nd January 1981

Ref. No. BGR /14/80-81.—Whereas J. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 51 Block C-, Sector-11, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabbgarh in April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property reason to believe that the fair market and I have value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Hari Parkash, s/o Shri Kirpa Ram Jogi, r/o 3, M. P. Kampi (Technical) Regiment NCC Mudhou Engg. College, Gwalior (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Harinder Kaur Sahni, Sh. S. Ragbir Singh Sahni, r/o E-10, Green Park, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property being Plot No. 51, Block-C, Sector-II, Farldabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 607 dated 16-4-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 239.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Near Pukhraj Theatre, Bhatinda (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachhman Dass, s/o Sh. Ralla Ram, Vill. Rampure Phul.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand, s/o Sh. Hukam Chand, s/o Sh. Paras Ram, r/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.

person interested in the property,
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 659 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, IULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2392.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule, situated at Near Pukhraj Theatre, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shr; Ved Parkash s/o Charanji Lal, s/o Raila Ram, r/o Rampura Phul.

(2) Shri Chet Singh, s/o Bakhtour Singh, r/o Bhatinda.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 661 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullandur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2393.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule,

situated at Near Pukhraj Theatre, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sari Hari Ram, s/o
Shri Banarsi Dass,
r/o Mandi Phul G.A. Smt. Gargi Devi,
d/o Banarsi Dass.

(Transferor)

(2) Shri Maninder Singh, \$/0 Hazura Singh, \$/0 Sh. Bakhtour Singh, r/o Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 662 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2394.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule,

situated at Near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Har; Ram s/o Shri Banarsi Dass, r/o Mandi Phul, G.A. of Smt. Parmatma Devi, d/o Shri Banarsi Dass.

(Transferor)

 Shri Satish Kumar, s/o Kasturi Lal s/o Sh. Tilak Ram, r/o Bhatinda.
 Jank Raj s/o Hans Raj, r/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows

to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 663 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2395.—Whereas I, R. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hari Ram s/o Shri Banarsi Dass, r/o Mandi Phul, G.A. of Smt. Parsani Devi alias Dwarki Devi.

(Transferor)

(2) Shri Shekhar Garg, s/o Sh. Romesh Garg, s/o Hukam Chand, r/o Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 664 of April, 1980 of the Registering Authority. Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-12-1980

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2396.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,

situated at Near Pukhraj Theatre, Bhatinda (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the pair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hari Ram s/o Shri Banarsi Dass, r/o Mandi Phul, G.A. of Smt. Maya Devi, d/o Shri Banarsi Dass.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Satish Kumar S/o Shri Kasturi Lal r/o Bhatinda.
  2. Janak Raj s/o Hans Raj, s/o Bhola Mal, r/o Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows, to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 669 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliandur

Date: 24-12-1980

ASSESSMENT TO A SECOND

#### FORM ITNS -

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2397.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-49-436GI/80

(1) Shri Hari Ram S/o Shri Banarsi Dass R/o Mandi Phul G.A. of Smt. Kailash Devi D/o Shri Banarsi Dass

(Transferor)

(2) 1. Shri Satish Kumar S/o Shri Kasturi Lal R/o Bhatinda

2. Shri Janak Raj S/o Shri Hans Raj S/o Shri Bhola Mal R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 666 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

> R. GIRDHAR. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-12-1980

Form I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2398.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh S/o Shri Narain Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

 (2) 1. Smt. Vinod Kumari D/o Shri Mansa Ram S/o Shri Sarbu Dayal R/o Bhatinda.
 2. Shri Prem Kumar

2. Shri Prem Kumar S/o Shri Charan Dass R/o Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Obejetion, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale dead No. 667 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-12-1980

# Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2399.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narsi Ram S/o Shri Mal Singh G.A. of Smt. Shanti Devi D/o Shri Mal Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagdish Rai S/o Shri Maghi Ram S/o Shri Prabhu Dayal R/o Bhatinda.

 Smt. Nirmal Devi W/o Shri Krishan Chand S/o Shri Chanan Ram R/o Bhatinda.

3. Smt. Vinod Kumari D/o Shri Mansa Ram S/o Shri Sarbu Dayal R/o Bhatinda.

4. Shri Prem Kumar S/o Shri Charan Dass R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration Sale deed No. 668 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2400.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs., 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narsi Ram S/o Shri Mal Singh G.A. of Smt. Shanti Devi D/o Shri Mal Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) I Shri Satish Kumar S/o Shri Kasturi Lal SIo Shri Tilak Ram R/o Bhatinda.

2. Shri Jank Raj S/o Shri Hans Raj S/o Shri Bhota Mal R/o Bhatinda.

R/o Bhatinda.
3. Smt. Vinod Kumari
D/o Shri Mansa Ram
S/o Shri Sarbu Dayal
R/o Bhatinda.

R/o Bhatinda.
4. Shri Prem Kumar
S/o Shri Charan Dass
R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]

 (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 669 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2401.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent conesideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) Shri Narsi Ram S/o Shri Mal Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

Jagdish Rai
 S/o Shri Maghi Ram
 Shri Phabru Dayal
 R/o Bhatinda.
 Smt. Nirmla Devi
 W/o Shri Krishan Chand
 S/o Shri Chanan Ram

(Transferce)

R/o Bhatinda.
(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 670 of April, 1980 of the Registering Authority,

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-12-1980

Snal:

# FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2402.—Whereas, 1, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narsi Ram G.A. of Smt. Nirmla Devi D/o Shri Mal Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

 Smt. Vinod Kumari D/o Shri Mansa Ram R/o Bhatinda
 Shri Prem Kumar S/o Shri Charan Dass R/o Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 671 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 24-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2403.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule

situated at near Pukhraj Theatre, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh S/o Shri Narain Singh S/o Shri Sultan Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj S/o Shri Ram Lal R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

{Person in occupation of the property} (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 673 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 24-12-1980

# FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2337.-Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Manguwal Teh. Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tban fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harminder Singh S/o Shri Jishar Singh R/o Vill. Manguwal Teh. Nawanshahar. (Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh adopted son of Sh. Bhagwan Singh S/o Shri Nihala R/o Vill. Manguwal, Teh. Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 58 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

> R. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

# FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2338.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Gurapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—436GI/80

Shri Mehar Singh
 S/o Shri Sunder Singh
 R/o Vill. Gurapur, Teh. Nawanshahar.
 (Transferor)

(2) Smt. Gian Kaur
D/o Shri Santa Singh
R/o Vill. Nangal Partal Teh. Jullundur.

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 85 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullund w.

Date: 15-12-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

WFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2339.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to a3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at

Vill. Karlyam, Teh. Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawanshahar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amerit Kaur W/o Shri Pritam Shah Singh R/o College Colony, Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Kanwarjit Kaur W/o Shri Iqbal Singh Cheema, S/o Shri Barkat Singh R/o College Colony, Rahon Road, Nawanshahar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 256 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2340.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Begampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dhanna Singh
 S/o Shri Kirpa Singh
 R/o Moh. Hira Jatta, Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Shri Baljit Kumer S/o Shri Om Parkash R/o Railway Road, Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 279 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar,

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2341.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawanshahar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khushi Ram S/o Shri Harbans Rai S/o Shri Kewal Krishan, Amolek Rattan S/o Shri Gharanji Lal Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar S/o Shri Jai Dev, Smt. Anita Rani W/o Shri Gurbax Rai, Smt. Sushma W/o Shri Brij Bhushan, Smt. Parimal Kanta W/o Shri Jash Pal, R/o Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 65 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2342.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vilil. Begampur (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhanna Singh S/o Shri Kirpa Singh R/o Moh. Hira Jatta, Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Shri Ved BhushanS/o Shri Om ParkashR/o Railway Road, Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 202 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

### FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2343.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill, Talwarao

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Partap Singh S/o Shri Gian Singh R/o Vill. Talwara, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Beant Singh, Pritam Singh, Ranjit Singh, Harbhajan Singh Ss/o Shri Sardool Singh R/o Vill. Talwara, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalf have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 46 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

> R. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPIOE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SHONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2344.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Talwara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Partap Singh S/o Shri Gian Singh R/o Vill. Talwara.

(Transferor)

(2) S/Shri Jassa Singh, Balbir Singh, Mohinder Singh, Makhan Singh, Harjinder Singh Ss/o Shri Sadhu Singh R/o Vill. Talwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 206 of April, 1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2345.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sodal Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Ram Nath Khanna
 Sho Shri Narsingh Dass,
 Rho Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o Shri Gurdial Singh R/o Vill. Dolike Sunder Pur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 627 of April, 1980 of the Registering Authority, Influendur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2346.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Village Gill Teh. Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51—436GI/80

(1) Shvi Chanan Singh S/o Shri Milkha Singh, Village Gill, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Sohan Singh, Gurbachan Singh 5k/o Shri Kabal Singh, S/Shri Gurmeet Singh, Ajit Singh Ss/o Shri Maranjan Singh, Village Chamiara, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 265 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2347.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Sedal Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath Khanna S/o Shri Narsingh Dass, Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Jaspal Singh Bhogal S/o Shri Gurmit Singh Bhogal, Village Dolike Sundar pur, Teh. Jullundur (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the understand knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 654 of April, 1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR
Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2348.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Khutran Road, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

Maj. Pakhar Singh
 G.A. to Smt. Bant Kaur W/o Hukam Singh,
 Model Gram Ludhiana,

(Transferor)

(2) Shri Virinder Sindwani, Gawshawala Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 137 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jud-undur

Date: 15-12-1980

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. 2349.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Loha Mandi, Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesair exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbans Kaur Wd/o Shri Amar Nath R/o Kapurthala near Jalano Khana.
  - (Transferor)
- (2) Shri Satish Kumur S.o Maharaj Chadda. R/o Loha Mandi, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforestaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 229 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX TAX, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2350.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULF situated at Phagwara near Thapar Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Aran Kumar S/o Harbans Lal, Thapar Colony, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Kulwinder Singh S/o Ajaib Singh R/o Nakdi Pur Teh. Garhshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 75 of April 1980 of the registering authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE,

# **JULLUNDUR**

Jullandur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. 2351.—Whereas, I, R. GIRDHAR, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Phagwara near Thapar Conoly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal S/o Hans Raj, Thapar Colony, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh S/o Ajaib Singh, R/o Nakdi Pur Teh Garhshankar, Distt. Hoshiarpur.

(3) As per Sr. No. 2 above. (Transferee)

(Person in occupation of the Property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 76 of April, 1980 of the Registering Authority Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2352.—Whereas, I, R. GIRDHAR, bring the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Phagwara near Thapar Colony.

(and more fully, described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Phagwara in April 1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ouight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lekh Raj S/o Lehna Ram Thapar Colony, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh S/o Partap Singh, R/o Nakdi Pur Teh. Garhshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 77 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Rc(. No. A.P. No. 2353.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Phagwara near Thapar Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tariok Chand S/o Shri Kundan Lal, Thapar Colony, Phagwara.

(Transfero:

(2) Smt. Avtar Kaur W/o Ajaib Singh, R/o Nakdi Pur Teh. Garhshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

"(3) As per Sr. No. 2 above.
[person in occupation of the property]

\*(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 78 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2354.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Khutran Road, Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—436GI/80

Maj. Pokhar Singh Gill
 Smt. Bant Kaur W/o Hukam Singh,
 R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Lal, Hans Raj, Mohan Lal, Surinder Kumar Se/o Shri Malook Chand, R/o Chak Guru Teh. Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 246 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 235.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Khutran Road, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maj. Pokhar Singh G.A. Shri Rajinder Singh S/o Hukam Singh, Phagwara.

(Transferor )

(2) Shri Gurnam Chand S/o Bakshi Ram, S/Shri Om Parkash, Ashok Kumar, Sushil Kumar: Ss/o Gurnam Chand, Chak Guru Teh. Nawanshahr.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 245 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2356.-Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at

Village Dhudianwala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Surrinder Singh S/o Shri Jagir Singh R/o Village Dhudianwala P.O. Bhullana, Distt. Kapurthala.

(Transfero

(2) Shri Sahib Singh S/o Kartar Singh R/o Village Dhudianwala P.O. Bhullana, Distt. Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 905 of June, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2357.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at

Kartarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Gurdial Singh S/o Shrl Ajaib Singh Mukhtiar-i-am Shri Darshan Singh son and Smt. Amar Kaur W/o Shri Atma Singh, Kartarpur.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh, S/o Narain Singh, Kartarpur Distt. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 98 of April, 1980 of the Registering Authority, Kartarpur.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

# FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2358.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Village Malsian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in April 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Narain Singh Village Malsian Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) S/Shri Nachhattar Singh, Chandel Singh, Bikkar Singh S/o Shri Mohinder Singh S/o Battan Singh Shri Mohinder Singh S/o Battan Singh, Village Malsian, Teh. Nakodar.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferec)

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The etrms and expressions used herein as: are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration state deed No. 166 of April, 1980 of the Registering Authority, Shankot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliandur

Date: 15-12-1980

# FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2359.—Wheeas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Village Khojpur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhogpur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Tej Kaur Wd/o Shri Pir Mal, Village Khojpur Teh, Jullundur.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Dalip Singh, Lakhbinder Singh, Gurmit Singh, Bachhittar Singh, Darshan Singh, Manjit Singh sons and Miss Paramji D/o Shri Bahadur Singh, Smt. Attar Kaur W/o Bahadur Singh, All Legal heirs of Shri Bahadur Singh, Village Khojpur (Bhogpur) Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhogpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 15th December 1980

Ref No. A.P. No. 2360.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Village Behram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshahr in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranvir Singh and S/Shri Balbir Singh, Jasbir Singh, Mohan Singh Smt. Jaswant Kaur, Surjit Kaur Through Shri Ranvir Singh S/o Shri Ujagar Singh Village Behram (Banga).

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdip Kaur Wd/o Shri Gurbax Singh, Village Behram (Banga).

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 191 of April 1980 of the Registering Authority, Nawanshahr.

R. GIRDHAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2361.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Railway Road, Nurmahal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Nurmahal in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bikar Singh S/o Rakha Singh R/o Cheema Khurd Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Amrik Singh S/o Basant Singh Village Adekali Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 85 of April, 1980 of the Registering Authority, Nurmahal.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Juliundur

Date: 15-12-1980

(Transferor)

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A. P. No. 2362.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Railway Road, Nurmahal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), that been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nurmahal in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outfits to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
53—436GI/80

(1) Shri Bikar Singh S/o Rakha Singh Vill. Cheema Khurd Teh, Phillaur.

(2) Shrimati Harbans Kaur W/o Sh. Amrik Singh Vill. Adekali Teh. Phillaur Distt. Jullundur. (Transferee)

(3) Sr, No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 119 of April, 1980 of the Registering Authority, Nurmahal.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A. P. No. 2363.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Kumar S/o Mangat Rai R/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/o Sh. Shadi Ram R/o Muktsar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the hald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 123 of April, 1980 of the Registering Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A. P. No. 2364.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Parbati Wd/o Sh. Mangat Rai R/o Bank Road, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Shashi Bala W/o Sh. Raj Kumar R/o Muktsar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.
( Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom hie undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 124 of April, 1980 of the Registering Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A. P. No. 2365.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- Shri Rattan Singh S/o Kartar Singh R/o Mahli Gate, Punj Mandri, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Sh. Harbhajan Singh. Smt. Surinder Kaur W/o Sh. Lamber Singh, Kewal Singh S/o Sh. Bakshish Singh R/o Jagpal Pur Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)

  (4) Any other person interested in the property.

  (Person whmo the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale, deed No. 81 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

> R. GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

Sen1:

# FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2366.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per Schedule situated at Phagwara Sarki (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Kartar Singh R/o Mahli Gate, Punj Mandri, Phagwara (Transferor)
- (2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Sh. Harbhajan Singh, Smt. Surinder Kaur W/o Lehmber Singh, Kewal Singh S/o Sh. Bakshish Singh R/o Jagpal Pur, Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as menitoned in the Registration of the deed No. 89 of April, 1980 of the Registering Authori .ty, Phagwara.

R. GIRDH AR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1 fax,
Acquisition Range, Julium lur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2367.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. As per Schedule situated at Phagwara Sarki, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Kartar Singh R/o Mahli Gate, Punj Mandri, Phagwara.

  (Transferor)
- (2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Harbhajan Sinfh Smt. Surinder Kaur W/o Lehmber Singh, Kewal Singh S/o Sh. Bakshish Singh R/o Jagpal Pur, Teh. Phagwara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 103 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2368.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara Sarki,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phagwara on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Kartar Singh R/o Mahli Gate, Punj Mandri, Phagwara.

  (Transferor)
- (2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Harbhajan Singh Surinder Kaur W/o Sh. Lember Singh, Kewal Singh S/o Sh. Bakshish Singh R/o Jagpal Pur, Teh. Phagwara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 124 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2369.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara Sarki (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following p'ersons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Kartar Singh R/o Mahli Gate, Punj Mandri, Phagwara.

  (Transferor)
- (2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Sh, Harbhajan Singh, Smt. Surinder Kaur W/o Lember Singh, Sh. Kewal Singh S/o Bakshish Singh R/o Jagpal Pur, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said involveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 219 of April, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2370.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Garhshankar Road,

Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—436G1/80

(1) Shrimati Parkash Kaur D/o Munsha Singh S/o Sh. Gurdial Singh R/o Nawan;hahar.

(Transferor)

- (2) Shri Shingara Ram S/o Dalipa Ram S/o Ishar Ram R/o Vill. Khatkar Kalan, Teh. Nawanshahar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 61 of April, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2371.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedulc sittated at Vill. Lidhran on G. T. Road, Julfundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandar in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) Shri Mela Singh S/o Jawahar Singh Vill, Lidhran Teh, Jullundur

(Transferor)

(2) Shrimati Maya Wanti W/o Amar Nath Vill. Sarai Khas Teh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45' days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 286 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullandur.

Date: 16-12-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A. P. No. 2372.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Lidhran on G. T. Road, Influedur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mela Singh S/o Jawahar Singh Vill, Lidhran Teh. Jullundur,

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Wanti W/o Sh. Om Parkash Vill, Sarai Khas, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sate deed No. 307 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliandur.

Date: 16-12-1980

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2373.—Whereas, I, R. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Lidhran on G. T. Road, Jullundur

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mela Singh S/o Jawahar Singh R/o Vill. Lidhran Teb. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Suman Lata W/o Raj Kumar Vill. Sarai Khas Teh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 343 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur,

> R. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Dato: 16-12-1980

(1) Shri Mela Singh S/o Jawahar Singh Vill. Lidhran Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Raksha Rani W/o Hem Raj Vill. Sarai Khas Teh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 362 of April, 1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullandur.

Date: 16-12-1980.

Scal:

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref No. A.P. No. 2374.—Whereas, J. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 25,000/-and bearing No.

As per Schedulc situated at Vill. Lidhran, on G.T. Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2375.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Aklian Jallal Ka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ram Pura Phool in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 279C of thesaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely):—

- (1) Shri 'Kartar Singh S/o Chanan Singh R/o Aklian Jallal Ka, Teh. Ram Pura Phool. (Transferor)
- (2) Shri Karnail Singh, Jarnail Singh SS/o Kartar Singh R/o Aklian Jallal Ka, Teh. Ram Pura Phool.

  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 260 of April, 1980 of the Registering Authority, Ram Fura Phool.

R. GIRDHAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1970.

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2376.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Aklia Jallal Ka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ram Pura Phool on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—436GI/80

- (1) Shri Dan Singh S/o Narain Singh R/o Aklia Jallal Ka, Teh. Ram Pura Phool. (Transferor)
- (2) Shri Kanail Singh, Jarnail Singh SS/o Sh. Kartar Singh R/o Aklia Jallal Ka.

(Transferee)

- \*(3) As per Sr. No. 2 above. Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 274 of April, 1980 of the Registerng Authority, Ram Pura Phool.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1980.

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2377.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Aklian Jallal Ka Teh. Ram Pura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ram Pura Phool on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Jai Kaur Wd/o Puran Singh R/o Aklian Jallai Ka Teh. Ram Pura Phool. (Transferor)
- (2) Shri Harkewal Singh, Naib Singh Ss/o Kartar Singh R/o Aklian Jallal Ka, Teh. Ram Pura Phool. (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above. Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 265 of April, 1980 of the Registering Authority, Ram Pura Phool.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1980.

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2378.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Aklian Jallal Ka (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ram Pura Phool on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55-436GI/80

- (1) Shrimati Jaswant Kaur W/o Jawala Singh R/o Aklian Jallal Ka, Teh. Rampura Phool. (Transferor)
- (2) Shri Harkewal Singh, Naib Singh \$S/o Kartar Singh R/o Aklian Ka Teh. Rampura Phool. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 275 of April, 1980 of the Registering Authority, Ram Pura Phool.

R. GIRDHAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1980.

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2379.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chembli Devi R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Prasad, Smt. Darshana Devi R/o Maur Mandi, Bhatinda.

(Transferee)

- \*(3) As per Sr. No. 2 above. Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 11 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1980.

### FORM ITNS----

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2380.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Moga Mehal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbans Lal, Harkishan Lal and Harbhajan Lal SS/o Sh. Ram Rakha, R/o Moga Mehal.

(Transferor)

(2) Shri Balwinder Singh S/o Sh. Gurcharan Singh R/o Moga Mehal.

(Transferee)

- "(3) As per Sr. No. 2 above. Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 86 of April, 1980 of the Registering Authority, Moga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1980.

Scal:

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

### ACQUISITION RANGE.

Jullundur, the 16th December 1980

Ref. No. A.P. No. 2381.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Moga Mehal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on April 1980

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Shri Bakhtour Singh S/o Ram Dita, Godha Wala (Moga Mehal)
  (Transferor)
- (2) Shri Mal Singh S/o Nidhan Singh, Sh. Hakam Singh, Amarjit Singh SS/o Mal Singh Teh. Moga. (Transferee)
- \*(3) As per S<sub>I</sub>. No. 2 above. Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 119 of April, 1980 of the Registering Authority, Moga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-12-1980.

### FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th December 1980

Ref. No. Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-14 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iaiour on 14-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Nandlal Sudrania, S/o Sh. Nagarmal Sudrania, General Power of Attorney Sh. Laxmi Niwas Birla, Authorised Trustees, Sh. Sitaram Bhandar, New Delhi.
- (2) Sh. Onkarmal Agarwal, Chiranji Lal Agarwal and Vinod Kumar Agarwal, R/O Shiv Sagar Assam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. C-14, New Colony, Near M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide No. 892 dated 14-4-1980.

M. L. CHAUHAN,
Cmpetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-12-80

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th December 1980

Ref. No. Where, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Plot No. 121, 122 & 124 situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 11-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Kailash Roop Rai S/o Kedar Roop Rai, Niwasi Sardarpura, Jodhpur.

  (Transferor)
- (2) Sh. Hasan Mohamed, Mohamed Jaffar, Mohamed Unoos S/o Zahoor Mohamed Lohar, Sardarpura, Jodhpur.

  (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 121, 122 & Part A of Plot No. 124 at Sardarpura, B-Road, Jodhpur registered by S.R. Jodhpur vide his registration No. 733 dated 11-4-80 & morefully described in the sale deed.

M. L. CHAUHAN,
Cmpetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. 388.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-14 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1), Sh. Bhanwar Devi, W/o Sh. Prem Chand, R/o Dhpia Bhawan Mohalla, Kalon-ka-ch. Ghat Gate, Iaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Chandra Purohit, S/o Sh. Chiranjilal, R/o 6-Vivckanand Marg, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. B-14, Shanti Nagar, Jaipur and more fully decribed in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 673 dated 23-4-80.

M. L. CHAUHAN,
Cmpetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

(1) Sh. Chandra Kumar Saraogi, S/o Sh. Dharamchand Saraogi, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Gyanchand Mehandi Dutt, B-10, Govind Marg, Adrash Nagar, Jaipur. (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. 820.—Whereas, f, M. L. CHAUHAN, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-10-F situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 7-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the haid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. B-10, F-Jaipur, Adrash Nagar, Govind Marg, Jaipur and morefully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 735 dated 7-4-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

(1) Sh. Swaraj Patni, Quarter No. 2, Maharani College, Staff Quarter, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. P. Kumar, P. No. 413-A, Adrash Nagar, Jaipur. (Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. 830.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-27-B situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
56—436GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. A-27-B, Tilak Nagar, Jaipur and more fully decribed in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 806 dated 10-4-80.

M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 1-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 Clare Road, Ryculla, Bombay-8, 19. Mrs. Ivy M. Herbert M. C. Noronha, No. 16, Piccadilly Flats,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surma Singh, S/o Malo Singh, 2. Bhanwarsingh & Nathusingh S/o, Nen Singh, Smt. Jetidevi W/o, Shri Nensingh Rawat, Niwasi Vill. Ganeshpura, (Beawar)

(Transferor)

(2) Shrimati Bhajan Kaur, W/o Karam Singh Punjabi, House No. 48, Kishanganj, Beawar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land situated on the main road leading to village Ganeshpura and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 882 dated 1-4-80.

M. L. CHΛUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D-186 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 7-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Sita Ram Bhandar Trust, Authorised Trustee Shri Ghanshyam Das Birla Through G.P.A. holder Nand Lal Sudrania, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Rai, Manoharlal, S/o Shri Kishan, Prem Tent House, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. D-186, Bragu Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 731 dated 7-4-80.

M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brij Mohan, Manohar Lal, S/o Shri Panna Lal Johri Bazar, Jaipur.

(1) Shri Sita Ram Bhandar Trust Authorised Trustce

Nand Lal Sudrania, Jaipur.

Shri Ghanshyam Das Birla Through G.P.A. holder

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-186 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. D-186, Bragu Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 729 dated 5-4-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR OF INCOME-TAX

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Rcf. No.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl, land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 1-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surma Singh, S/o Malo Singh, 2. Bhanwar Singh & Natha Singh S/o Nen Singh, Smt. Jetl Devi W/o Shri Nen Singh Rawat Niwasi Genespura, Beawar.

(Transferor)

(2) Shri Paramendra Pal Singh, S/o Harpal Singh Punjabi, R/o House No. 48, Kishangani, Beawar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land situated on the main road leading to village Ganeshpura and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 881 dated 1-4-80.

M. L. CHAUHAN,
Cmpetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-12-80

- (1) Shri Govind Prashad Bhatnagar, S/o Ladli Prashad, D-80, Chomu House, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Banwarilal, S/o Bhorilal Nahargarh Road,

(Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable

cation of this notice in the Official Gazette.

property, within 45 days from the date of the publi-

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1980

Ref. No. 834.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 9-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the four market value of the proptrty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: -- Thet terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

### THE SCHEDULE

Shop No. 9, Nirman Marg, Outside Chandpole Gate, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 753 dated 9-4-80.

M. L. CHAUHAN, Cmpetent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 29-12-1980

### FORM TINS-----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th December 1980

Ref. No./835.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. A-133 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 26-4-1980

for an apparent consideration winch is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Shri Ran Lal, S/o Dayal Dass Raja Park, Sindhi Colony, Jaipur.
- (Transferor) (2) Shrimati Vidhya Rani, W/o Laxmandas Arora, 174, Gali No. 2, Raja Park, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 133 A, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 952 dated 26-4-80.

> M. L. CHAUHAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th December 1980

Ref. No. 836.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-30 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 28-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhojraj S/o Lalchand Sindhi, Plot No. 131, Sindhi Colony, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Mangal W/o Krishna Murari Mangal, C-72, Shastri Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. A-30, Subhash Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 989 dated 28-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisintion Range, Jaipur

Date: 29-12-80.

### PART III—Sec. 1]

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th December 1980

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land situated at Hatod (Jaipur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ramsh Rai S/o Shri Banoor Narain Rai Niwasi Plot No. 32, Shastri Nagar, Jaipur

(Transferor)

(2) M/s. Kothari Ispat Pvt. Ltd., Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

8034-04 sq. mtrs open land situated at Hotad Distt. Jaipur and more tully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 936 dated 254-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisintion Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57-436 GI/80

Date: 29-12-80

Scal:

(1) Wing Commander Mohinder Nath, C43A, Mahavir Marg, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Moti Kanwar, C-43A, Mahavir Marg, Jaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 29th December 1980

Ref. No. .—Whereas, I, M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Part of Plot No.

C. 43A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Plot No. C-43A Mahavir Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 958 dated 26-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-Tax
Acquisintion Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th December 1980

Ref. No. .—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Hatod (Jaipur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factuating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ramesh Rai S/o Shri Banoor Narain Rai Niwasi Plot No. 32, Shastri Nagar, lainur.

(Transferor)

(2) Shri Kalyan Singh Kothari S/o Benisal Singh, Tilak Nagar, Jaipur and Kulbhushan Singh S/o Benisal Singh, B-244, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

7956.92 sq. mtr. open land situated at Hatod Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 937 dated 25-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th December 1980

Ref. No. .—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Show Room situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 11-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bholanath Mishra S/o Shri Shankarnath Mishra M.I. Road, Japur, At present at 107, Park Colony, Bhiwani.

(Transferor)

(2) M/s. Dewan Agencies, Through its partner Yograj Dewan S/o Maya Lal, 337, Adarsh Nagar, Jaipur.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One show-room at M.I. Road, Jaipur of M/s. Dewan Agencies and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 839 dated 11-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dato: 29-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th November 1980

G.I.R. No. B-92/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of house No. D-10/46 including land situate at Moh. Sakshi Vinayak (Vishwanath Gali), Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. pamely:—

(1) Shri Beni Prasad.

(Transferor)

(2) (1) Bholanath

(2) Naresh Kumar (3) Smt. Ram Kumari Devi.

(Transferces)

(3) Smt. Ram Kumari Devi.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House No. D-10/46 including land, area 4640 sq. ft. situate at Mohalla-Sakshi Vinayak (Vishwa Nath Gali) Distt. Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3599 which have douly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 29-4-1980.

A. S. BISI:N
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1980

G.I.R. No. S-198/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land Khasra No. 602 situate at Mauza-Mangoopura, Pargana, Tehsil, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 16-4-1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balloo S/o Shri Mauwa Mauza-Village: Mangoopura, P.O. Pak Bara Pargana, Tehsil and Distt. Moradabad. (Transfero

(2) M/s. Stalwart Exports Private Limited,
 12-E Vandhana,
 11 Tolstoy Marg,
 New Delhi-110001,

(Transferor)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Above transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land—Khasra No. 602, measuring two acres and fifty decimals of Rupees forty-one and fifty paise annual land revenue—Khata Khatauni No. 295 land Doyant Doomat Circle No. 2 situate at Mauza-Mangoo Pura, Pargana, Tehsil and Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 1658/80 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 16-4-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. R. Gayathri, Priya Nivas, Vadakhumbhagathucherry, Quilon.

(Transferor)

(2) Venkitaraman Potti, Krishna Sadanam, Aryad South, Alleppey.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 20th November 1980

Ref. L.C. 430/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alleppey (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Alleppey on 5-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

44 cents of land with building in Sy. No. 821/16A/1, 821/15B, 821/14D/3 and 821/14C/1 of Alleppey Village, Doc. No. 1097 dated 5-4-1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (1) Smt. Alamma, (2) Smt. Mary,

(3) Smt. Sarasamma, Pathical, Perumbayoor.

(Transferor)

(2) (1) Shri Kurian, (2) Shri George, Kallarackal House, Perumbayoor.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th December 1980

Ref. L.C. No. 437/80-81,—Whereas, I, V. MOHANLAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Sy. No. as per schedule situated at Perumbayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perumbayoor on 8-4-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparenet consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object af :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

41 cents of land with building in Sy. No. 302/12-A.4 of Perumbayoor Village, Doc. No. 1733/80 dated 8-4-1980.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subrection (1) of section 269D of the said Act to the following oersons, namely:-

V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 15th December 1980

Ref. L.C. 438/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Sasthamancalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sasthamangalam on 8-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

85-436 GI/80

Smt. Indira Bai Amma,
 D/o Thankamma,
 Kottarakunnil Manikantavilas Vecdu,
 Vayakulathu Muri, Trivandrum.

(Transferor)

(1) Dr. K. C. Mathew,
 (2) Dr. Mrs. Mary Mathew,
 Kunchankajayil Veedu,
 Kumbanadu, Tiruvalla.

(Transferee)

(3) Shri P. D. Kurlen, Cherupikulathi, Kulasekharan P.O., Kanyakumari Dist. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

6 Cents 300 q. links lands with a building as per schedule attached to Doc. No. 1047/80 dated 84-1980.

V. MOHANLAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR,
COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 15th December 1980

Ref. L. C. 439/80-81.—Wheres, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kunnahhukal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnathukal on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Reji Kurien, Uppottil, Vijayapuram Kara, Kottayam.
   Shri Reji Kurien, Advocate, Velimala Estate, Perumchilampu Desoam, Kalkulam Tlk.
   Thomas Kudien, S/o. C. Kurien, (Transferors)
- (2) (1) Sri Cyriac S/o Mathai, Businessman, Nelluvelil, Kattukara (2) Shri Chellamani, Mathai, Nelluvelil Puthenveedu, Vezhapra Muri, Kuttanadu. (3) Shri Mathew Mappila, Nelluvelil Muthur Muri, Tiruvalla. (4) Georgekutty Mathew, Nelluvelil Gardens, Vallipra Myri, Tiruvalla Village. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Sy. No. 212/1&2, 215, 216—47 acres and 50 cents in Kothananallur village, Kanyakumari Distt, and Sy. No. Kanyakumari Dist, and Sy. No. 215/1A—4 cents in Nunnathukal village of Nayyattinkara Taluk. Doc. No. 2210/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACCUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 15th December 1980

Ref. No. L.C. 440/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kunnathukai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kunnathukal on April, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Sri C. Kurlen, Velimala Estate. Perumshilampu
- Desom, Velimala Village, Kalkulam.

  (2) Sri Reji Kurien, Advocate, Velimala-estate, Pemelilompu Desom, Velimala Village, Kalkulam.
- (3) Sri Thomas Kurien, Planter, Velimala-Estate, Peru-mehilampu Deson, Velimala Village, Kalkulam. (Transferors)
- (2) Shri Jameskutty Mathew, S/o. Mathai, Nelluvelil Puthen Veedy, Vezhapra Muri, Ramankari Village, Kuttanadu. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Doc. No. 2211/80. Sy. No. 216/3, 217/1, 219/3-17-3 acres Kothanallur Village of Kalkulam Taluk and Sy. No. 215/1A-4 cents of Kunnathukal village.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-12-1980

### FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR

Cochin-682 016, the 15th December 1980

Ref. No. L.C. 441/80-81.—Wheeras, I. V. MOHAN LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kunnathukal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kunnathukal in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Smt. Susan, W/o.Sri C. Kurien, Velimala Estate. Perumchilampu Desom, Velimala Village, Kalkulam Taluk, Kanyakumari District.
  - (Transferor)
- (2) Shri Paul Mathew, S/o. Mathai, Nelluvelil Puthenveedu, Vezhapra Muri, Ramankari Village. Kuttanadu.

(Transferorce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Doc. No. 2212/80—
Sy. No. 216/3 and 21a/3—14 acres & 42 cents in Kathanallur Village of Kalkulam Taluk Sy. No. 215/1A—4 cents of Kunnathukal village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 17th December 1980

Ref. No. L.C. 442/80-81.-Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bering No.-situated at Kunnathukal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

- (1) Smt. Retna Bai. D/o. Anandan, Rajesh Cottage, Tripparppu Desom, Kanyakumi.
  - (Transferor)
- (2) Sri D. D. Prince. S/o. Devadas, Kalpavala Puthenveedu, Nalloor Desom, Kanyakumari Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

6 acres and 67 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 1487/80.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 17-12-1980

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 17th December 1980

Ref. No. L.C. 443/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Thripparappu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ap4/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Alphonse, S/o. Daniel Nadar, Vayudanathu Veedu, Kadayal Desom, Kanyakumari Dist.

(Transferor)

(2) Sri D.D Rajapal. S/o. Devadas, Kalpavila Puthenvecdu. Nalloor Desom & Village, Kanyakumari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

5 acres 98 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 1489/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second secon

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE, COMMISSIONER OF INCOME-TAX "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR COCHIN-682 016

Cochin-682-016, the 17th December 1980

Ref. No. L.C. 444/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kaliyal Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Sri Nataraja Panicker, S/o. Sadananda Panicker, Pathukaniyii, Cherumanoorkara Desom, Kalavil. Kanyakumari. (2) Sri Dasayyan, S/o. Ponnumuthu Nadar, Mundappalli Veedu, Tirunanthikkara, Tripparappu Village. (Transferor)

(2) Sri K. Bhaskaran Nair Alias K.B. Nair, S/o. Kuttan Nair, Sreevilasom, Hill Ward, Vilavancode Desom, Marthandom, Kanyakumari Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4.2 acres of land as per schedule attached to Doc. No. 1456/80.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Frnakulam.

Date: 17-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri Dasayyan,
 S/o. Ponnumuthu Nadar, Mundappalli Vecdu,
 Triparappu Desom, Kanyakumari.
 (Transferor)

(2) Sri D.D. Rajapal, S/o. Devadas Kalpavila Puthenveedu, Nalloor Desom, Kanyakumari District.

(Transferce)

[PART III—SEC. 1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 17th December 1980

Ref. No. L.C. 445/80-81,—Whereas, J. V. MOHANLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Tripparappu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

5 acres and 28½ cents of land as per schedule attached to Doc. No. 1485/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 17-12-1980

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACCUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BI.DGS", ANAND BAZAR

Cochin-682 016, the 17th December 1980

Ref. No. L.C. 446/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule, situated at Thripparappu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

59--436GI/80

Sri Dasayyan,
 S/o. Ponnumuthu Nadar,
 Mundappalli Veedu,
 Thripparappu Desom, Kanyakumari.

(Transferors)

(2) Sri D.D. Sundararaj, S/o. Devadas, Kalpavila Puthenveedu, Nalloor Desom, Kanyakumari Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

5 acres  $78\frac{1}{2}$  cents of land as per schedule attached to Doc. No. 1484/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR

Cochin-682-016, the 15th December 1980

Ref. No. L.C. 448/80-81,—Whereas, I, V. MOHANLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule, situated at Tripparappu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as axreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Alphonsa,
 S/o Daniel Nadar,
 Vayudenathuveedu,
 Kadayal, Kanyakumari.

(Transferor)

(2) Shri D.D. Prince, S/o. Devadas Kalpavilas Puthenveedu, Nelloor desom, Kanyakumari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

6.35 acres of land as per schedule attached to document No. 1488/80.

V. MOHANLAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR

Cochin-682-016, the 17th December 1980

Ref. No. L.C. 448/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per Schedule, situated at Tripparappu

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnathukal on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Alphonse, S/o. Daniel Nadar, Vayudanathuveedu, Kadayal, Kanyakumari.

(Transferor)

 Sri D. D. Prince, S/o. Devadas, Kalpavila Puthenveedu, Nalloor Desom, Kanyakumari,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

5.35 acres of land as per schelule attached to Doc. No. 1488/80.

V. MOHANLA1.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th August 1980

Ref. No. III-429/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touzi No. 143, Ward No. 2. Circle No. 6, M.S. Plot No. 84, 85 Holding No. 134, 136, 175B etc. situated at Bankipur Fraser Road, Patna

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patua on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Shiv Prasad Singh, S/o Late Khomari Singh, Village Asani, P.S. & P.O. Udwant Nagar, Dt. Bhojpur.

(Transferor)

(2) Sh. Mithilesh Kumar Singh, S/o Late Ram Ratan Singh, in the capacity of Managing Director, Hotel Chanakiya P. Ltd. Registered Office Budh Building, Budh Marg, Patna-1.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1 Katha 5 Dhur land at Bankipur Fraser Road, Patna more fully described in deed No. 2055 dated 2-4-1980 registered with the District Sub-Registrar Patna.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date: 8-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800 001, the 8th August 1980

Ref. No. III-431/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, M.S. Plot No. 84, 85, Holding No. 144, 146, 175B etc. situated at Bankipur Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Patna on 10-4-80

- (1) Sh. Rajkeshwar Singh, S/o Late Sectal Singh, Resident of Singhi Khurd, P.O. Arrah, Dt. Bhojpur.

  (Transferor)
- (2) Sh. Mithilesh Kumar Singh, S/o Ram Ratan Singh (Late) In the capacity of Managing Director, Hotel Chanakiya P. Ltd. Registered Office Budh Building, Budh Marg, Patna-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

15 Dhurs land situated at Bankipur Fraser Road, Patna more fully described in deed No. 2391 dated 10-4-1980 registered with the District Sub-Registrar Patna.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date: 8-8-1980

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th December 1980

Ref. No. III-458/Acq/80-81.—Whereas, I. J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6 Type B of the Colony developed by the Patna improvement Trust Ward No. 37 Thana No. 7 situated at Mohalla Srikrishnapuri, Patna.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Syed Aziz Mustafa S/o Late Syed Md. Newas resident of Village Kazi Walichak P.O. Bhagalpur City P.S. Kotwali Dist. Bhagalpur.

(Transferor

- (2) Sh. Bijoy Kumar Sinha and (ii) Sri Biplav Kumar Sinha both sons of Shri Shambhoo Nath, resident of village Tajpur, P.S. Maner P.O. Kamla Gopalpur Dist. Patna. (Transferees)
- (3) Transferees as mentioned above.
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half of the building partly constructed and partly under construction on a piece of land measuring 692.44 sq. yards (Six hundred ninety two and point forty four square yards) equal to 4 Kathas, 11 dhurs 11.25 dhurkies with vacant land situated at Mohalla Srikrishnapuri, Thana No. 7 Revenue Police Staion Phulwari, now Kotwali, District Patna being Plot No. 6 Type 'B' of the colony developed by the then, Patna Improvement Trust, Ward No. 34, within the limits of Patna Municipal Corporation, and within the jurisdiction of sub-Registrar and District Registrar of Patna, measuring 72 ft. (Seventy two feet) on the North and South, and 89 ft. (Eighty nine feet) on the East and 85ft. 6 inch. (Eighty five and six inches) on the west together with all interest, right and title for the unexpired period of lease in half the portion of the land just described. Property in question has been more fully described in deed No. 2974 dated 28-4-80 registored with D.S.R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna,

Date: 18-12-1980

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 22nd December 1980

Ref. No. III-459/Acq/80-81.—Whereas, I, H. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Tauzi No. 5588, 5588 Khata No. 308 and 247, Khesra No. 173 and 167 situated at Khajpura, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—436 GI/80

(1) 1. Sh. Mahabir Prasad Yadav S/o Ram Ekbal Pd. Yadav 2. Surendra Prasad Yadav S/o Mahabir Prasad Yadav self and on behalf of Subash Prasad Yadav (Minor) Khajpura, P. S. Gardanibagh, Dist. Patna.

(Transferors)

(2) Sh. Shailesh Kumar Sharma S/o Sh. Surma Singh and Sumitra Devi w/o Sh. Surma Singh presently residing at East Alpana Market, P.O. Pateliputra, Dist. Patna.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kathas 5 dhurs situated at Bhajpura; P.S. Gardanibagh, Dist. Patna more fully described in deed No. 3036 dated 29-4-80 registered with Dist. Sub-Registrar, Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 22-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I, MADRAS-600 006

Madras-600 0006, the 7th October 1980

Ref. No. 6/APRIL/80.—Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-74 situated at Godown Street, Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO I Madras North (Doc. No. 1500/80) on Apri 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sundarammal & Others. No. 591, T.H. Road, Madras-600 021.

(Transferer)

 M/s (H. M. Textiles, (Partners: Mr. Abdul Majid Ahamed, Mr. Moosa Ahamed, Mr. Abdul Razack)
 No. 33, Godown Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Deument No. 1500/80 JSRO 1, Madras North. Land & Buildings at Door No. 74, Godown Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 7-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th October 1980

Ref. No. 13/APRIL/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARSIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

101—(Old No. 13/2) situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO Madras North (Doc. No. 1670/80) on April 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—436GI/80

 Asan Memorial Association Rep. by Secretary Mr. A. K. Gopalan, Cochin House, Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sh. Cleetus Vincent & Imelda Cleetus Janpriya, Palace Road, Thevelly, Quilon, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 1670/80 JSRO, Madras North. Land & Buildings at Door No. 101 (Old No. 31/2), Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-10-1980

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## (1) 1. Smt. Seshammal, 2. Sh. M. L. S. Sokier, 3. Sh. M. L. S. Sridhar 4. Sh. M. L. S. Sudhakar 23, Lingier Lane, Dindigul. (Transferer)

(2) Minor Ramesh Babu, S/o Shri S. N. Muthier (By Guardian) No. 62, Kulandaivelan Lane, Dindigul. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 34/APR/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /and bearing No.

Door No. 28 & 29 situated at Nagalnagar Pudur 4th Street, Dindigul.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Negalnaickenpatti, Dindigul (Doc. No. 761/80) on April 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 761/80 S.R.O. Nagalnaickenpatti, Dindigul. Land & Buildings at Door No. 28 & 29, Nagainagar Pudur 4th Street, Dindigul.

> T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th December 1980

Ref. No. 113/APRIL/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26, 27, 27A/348 situated at Sannarathu, Chevapet, Salem, & T.S. No. 1177, Sahadevapuram Extn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Erode (Doc. No. 1401/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Smt. R. M. Dhanalakshmi Ammal. 2. Sh. R. M. Kandasamy. No. 3. Sivashanmugam Pillai Street, Erode.

(Transferer)

(2) Sh. R. M. Shanmugavadivel, No. 3, Sivashanmugam Pillai Street, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1401/80 S.R.O. Erode. Land & Buildings at Door No. 26, 27, 27A/348, Sannaratheru, Chevapet, Salem. Land & Buildings at T.S. No. 1177, Sahadevapuram Extension, Cherry Road, Salem.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 9-12-1980

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1980

Ref. No. 3/APRIL/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 345.01 acres situated at Narasingapuram, Kandamanaikanur Jameen.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. No. 1258/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Sanjeevi, S. S. Puram, Tirupur Town. 2.
 K. Arumugam, Pollachi Town. 3. Sh. K. Padmanabhan, Nagercoil.

(Transferer)

(2) Sh. R. P. Chelliah, Vathalkundu Town, Nilakottai

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Document No. 1258/80 D.R. Office, Madras North. Dry lands 345.01 acres at Kandamanaikanur Jameen, Narasingapuram.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 12-12-1980

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1980

Ref. No. 15/APRIL/80.—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 214/2 situated at Punjadaiyar Melmugam Village, Trichengode Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Velur (Doc. No. 483/80) on April 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sh. T. Singaram. 2. Minor S. Raveeswaran. Malligapuram Pilikalpalayam Unit, Namakkal Taluk, Salem Dt.

(Transferer)

(2) 1. Sh. N. Indrajith. 2. Sh. K. P. Seralathan. C/o Cheran Metal Industries, Padamudipalayam, Punjadaiyar Melmugam Village, Trichengode Taluk. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 483/80 S.R.O. Velur. Lands in S. No. 214/2, Padamudipalayam, Punjaiyar Melmugam Village, Trichengode Taluk.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, Madras-600 006.

Date: 12-12-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th December 1980

Ref. No. 47/APRIL/80.—Whereas, I T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 48/11 etc. situated at Athiyur Village, Shevaroy Hills, Yercaud Taluk, Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO J, Salem (Doc. No. 1978/80) for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 25 agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Navindhandra Ganpatlal Davv. Shri Avinash Kumar Navin Chandra Davy. Fairlands, Salem-4

(Transferor)

(2) Shri AR. M. AR. S. Saminathan Chettiar, Shanmuganathapuram Ramnad District.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 1978/80 JSRO I. Salem. Document No. 1270/05 Estate Lands & Buildings in :— Second 48/11 —3.78 acres.

R. S. No. 48/12 —0.19 acres. R. S. No. 48/13 —0.42 acres.

R. S. No. 48/18 R. S. No. 48/19 R. S. No. 50/4 R.S. No. 50/5 — ---0.21 acres. -1.04 acres.

—1.04 acres.

0.04 acres.

-0.07 acres. No. 50/6

at Athiyur Village, Shevaroy Hills, Yercaud Taluk, Salem Dt.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 12-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th December 1980

Ref. No. 62/APRIL/80.—Whereas, I T.E.S.R. J.AKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 15 & 16, situated at Mettu Agraharam, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Salem (Doc. No. 2585/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Shiam Vasudev Pathija, Mettu Agraharam, Theru, Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri Thotta K. Ramasamy Chettiar, S/o Thotta Kothandarama Chettiar, 2E/617, Kurumbar Theru, Salem Town.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 2585/80 S.R.O. Salem. Land & Buildings at Door No. 15 & 16, Mettu Agraharam Therm. Salem

T. F. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 12-12-1980

(1) N. Kandaswamy Gajalakshmi Flats, 34/4, Gajapathy Naidu St., Madras-30.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Selliah Pillai Singampuneri, Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 16th December 1980

Ref. No. 15302.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

No. 17, VI Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 863/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17, VI Main Road, Medras-28. (Doc. 863/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-12-1980

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Rita Agencies,
 First Crescent Park Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferor)

1601

(2) M/s, Letherex Tanning Co. 6, Kattur Sadayappan St., Periamet, Madras-3.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 17th December 1980

Ref. No. 15326.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 141, Madras Mahabalipuram, situated at Road Kottivak-kam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Saidpet (Doc. 1268/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—436GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latr;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 141, Madras Mahabalipuram Road, Kottivakkam.
(Doc. 1268/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 17-12-1980

Seal ;

(1) Lakshmi Panikkar, For B. Ganesan, 40, Appu Mudali, St., Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) M. M. Rafi S/o K. M. Sheriff, 35, Madha Church Road, Madras-28.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 17th December 1980

Ref. No. 15304.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, Appu Mudali St., situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylopare (Doc. 868/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at 40, Appu Mudali St., Madras-4. (Doc. 868/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 18th December 1980

Ref. No. 15339.—Whereas, 1 RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Neelakanta Mehta St., situated at Madras-17 (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer T. Nagar (Doc. 544/80) on April, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) P. Balarama Shastri, Exports Manager, Lakshmi Mills, Coimbatore.

(Transferor)

 V. Ramiah, V. Venkatarangan, V. Vasudevan Mrs. Leelavathi Ammal, 28, Neelakanta Mehta St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 15, Neelakanta Mehta St., Madras-17. (Doc. 544/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 18-12-1980

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 16th December 1980

Ref. No. 15423.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 34, VI Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore (Doc. 1070/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Paraag Chemical Agencies (P.) Ltd. 119, Royapettah High Road, Madras-14.

(Transferor)

 S. Krishnamurthy Mrs. Sita Subramanian,
 Usha Villa, Plot No. 138, Garodia Nagar, Bombay-400 077.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 34, VI Main Road, Madras-600 028. (Doc. 17070/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 16-12-1980

(1) Mulumadhi Ammal W/o Imayavamban Panamangalam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M. Abdul Wada S/o Sembur Ibrahim Needur Main Road, Mayuram Tk.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 18th December 1980

Rcf. No. 8981.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4E, Saividancheri, situated at Sirkali Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. 326/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4F, Saividancheri Sirkali Tk. (Doc. 326/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 18-12-1980

Dr. V. Sundararajan,
 Siglap Hill, Singapore-15.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S. Bashyam, B. Soundararajan, 45, Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of

the publication of this notice in the Official Gazette.

persons, whichever period expires later;

days from the service of notice on the respective

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th December 1980

Ref. No. 15352.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS No. 8142, T. Nagar, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Y. Nagar (Doc. 572/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 'TS 8142, T. Nagar. (Doc. 572/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1980

(1) T. A. Fathima Beevi, 67, West St., Koothanallur, Tanjore Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) A. A. Habib Nachia, 87, Kamalia St., Koothanallur, Tanjore Dt.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 16th December 1980

Ref. No. 15355.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/13, South Usman, situated at Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 649/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 14/13, South Usman Road, Madras-17. (1/2 share). (Doc. 649/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 16-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 18th December 1980

Ref. No. 15280.—Whereas, I, Radha Balakrishnan being the Compentent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and

bearing No. TS No. 34, situated at Puliyur, Kodambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 1521/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vittabai Ammal, 489, Poonamallee High Road, Madras-29.

(Transferor)

(2) S. Manohar, C. S. Dinakar, C. S. Prabhakar, C. S. Baskar, C. S. Karunakaran, C. S. Murali, C. S. Jayakar, K. Nirmala Kartheykeyan, 11, Venkatachala Iyer St., Madras-33.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 34, Puliyur, Kodambakkam, Madras-24, (Doc. 1521/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 18-12-80.

## FORM I'NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 18th December 1980

Ref. No. 15280.--Whereas, I, Radha Balakrishnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. TS No. 34, situated at Puliyur, Kodambakkam (and more fully described in the Schedule agnessed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering: Officer.

at Saidapet (Doc. 700/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets Which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27. of -1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

62-436GI //80

(1) SmilVanion Ammal, 489, Poonamallee High Road, Madras-29.

(Transferor)

(2) S. Manohar, C. S. Dinakar, C. S. Prabhakar, C. S. Baskar, C. S. Karundharan, C. S. Murali, C. S. Jayakar, K. Nirmala, Kartheykeyan, No. 11, Venkatachala Iyer St., Madras-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said limitorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ERPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 34, Puliyur Kodambakkam, Madras-24 (Doc. 700/80).

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 18-12-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th December 1980

Ref. No. 15306.-Where, I, Radha Balakrishnan being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. No. 1553/1 Part, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 870/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid execuls the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Varaprasada Rao, Mirazapuram House, Madras-600018. (Transferor)

(2) A Hynavathi, Road No. 3, Banzala Hills, Hyderabad.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at RS 1553/1 Part, Madras (Doc. 870/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 19-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 19th December 1980

Ref. No. 15299.—Whereas, I, Radha Balakrishnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. No. 1553/1 Part, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 849/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P| Ramachander Rao (Mirzapuram House, Madras-600018.

(Transferor)

(2) Smt. A. Hymavathi W/o Vasanthakumar Reddy Road No. 3, Banzara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Rs 1553/1 Part, Madras (Doc 849/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 19-12-1980.

#### FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 29th October 1980

No. IAC/ACQ/151/80-81.—Whereas, I. A. M. Kher, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/-, and bearing

H. No. 9/3/31, known Tiwari Radio's Shop On Plot No. 76/1 and 77/1 Sheet No. 68-D, situated at Amravati,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amravati on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shot Ranchadas Mulchand,

Shri Anup Ranchoddas,

Shri Rajesh Ranchoddas, Smt. Shamadevi Ranchoddas Tiwari,

(Transferor)

(2) Shri Shankarlal Khot, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. House No. 9/3/31, Shop known Tewari Radio's Shop on Plot No. 76/1 and 77/1, Shoet No. 58-D, Mouza Tarkheda, Amravati, Jawahar Road, Amravati.

A. M. KHER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Dated: 29-10-1980.

FORM NO. LT.N.S.---

(1) Lt. Col. S. S. Jog, 20, Kalidas Road, Dehradun (U.P.).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Negpur, the 29th October 1980

No. IAC/ACQ/152/80-81.—Whereas, I, A. M. Kher, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Plot No. 16, of Nazul Plot No. 12/1, Sheet No. 37, situated at Wadali, Camp Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amravati on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unafter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Vasant Narayan Chaudhary, Contractor, Badnera Road. Amravati. (Traustrace)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this patice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imanovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guestia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Private Plot No. 16, of Nazul Plot No. 12/1, Nazul Sheet No. 37, Mouza Wadali, Camp Amravati.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 29-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Negpur, the 29th October 1980

No. IAS/ACQ/153/80-81.—Whereas, I, A. M. Kher, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

New Anata Medical Plot No. 76(1) A & 77/1(a), Gouse No. 8(3) Ward No. 31, Sheet No. 68-B, situated at Amravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Calcutta at Amravati on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sadashiv Shankarrao Khot, New Ramdaspeth, Nagpur. (Transferor)
- (2) Smt. Shankuntala Anant Tale, Anant Pictures, near Saroj Square, Amravati.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 76(1) A & 77/1(a), Mpl. House No. 8(3) Ward No. 31, Sheet No. 68-D, New Anant Medical, Jawahar Road, Amrayati.

A. M. KHER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Dated: 29-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Negpur, the 29th October 1980

No. IAC/ACQ/154/80-81.—Whereas, I, A. M. Kher, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sumbthana Survey No. 24, Block No. 528, 600 Acres (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Waroda on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshao Bhiwaji Ramteke, Jatpura Ward No. 5, Chandrapur.

(Transferor)

(2) Dr. Bhimrao Ramaji Ambedkar Gruh Nirman Saustha, Sumbathana, Tah. Waroda, Distt. Chandrapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land Survey No. 24, Block No. 528, Area 6.00 Acres, Mouja Sumbthana, Tah. Waroda, District Chandrapur.

A. M. KHER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Dated: 29-10-1980,

 Dr. Vidyadhar Narayan Khare, Dhantoli, Wardha Road, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

 M/s. Vaibhav Gruh Nirman Sahakari Sautha, Shivaji Nagar, Nagpur.
 (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW, GIRTPETH, NAGPUR,

Nagpur, the 23rd September 1980

No. IAC/AQQ/147/80-81.—Whereas, I, M. C. Joshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 233/2, 253/2, 134/1 and 235/2, Mouja Lendhra, W. No. 74 situated at Lendhra, Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Kh. No. 233/2, 253/2, 234/1 and 235/2 of Mouza Lendhra Ward No. 74, South Ambazari Road, Nagpur. (Area 1500 Sq. mtr.).

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Dated: 23-9-1980.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur the 22nd October 1980

No. IAC/ACQ/148-A/80-81.—Whereas, I, A. M. Kher, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 216, P.H. No. 54, Thak No. 130 situated at Bhandara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhandara on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

63-436GL/80

1. Shri Chandrakant Baburao Faye, Shri Vishwas Baburao Faye, Shri Prabhakar Baburao Faye, Shri Narayan Baburao Faye, No. 1 & 4, Nagpur No. 3, Bhandara & No. 2, Buldhana,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh & Rajesh Sons of Makhanki Thakrar, C/o Makhanji Jiwanlal Kirana Shop, Main Road, Bhandara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 216 P.H. No. 54, Khak No. 130, Chhota bazar Line, Main Road, Tilak Ward, Bhandara.

> A. M. KHER Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur

Date: 2-10-1980.

 Shri Natwerlal Mansukhlal Shah, Circle No. 9/14, Ward No. 21, Itwari, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Mukund & Company, Through Shri Kritbhai Motibhai Patel, Circle No. 10/15, Ward No. 30, Itwari, Nagpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 22nd October 1980

No. IAC/ACQ/149/80-81.—Whereas, I, A. M. Kher, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 992, Circle No. 9/14, Itwari, Nagpur

Part of House No. 992, Circle No. 9/14, Itwari, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A portion of House No. 992, Circle No. 9/14, Ward No. 21/36, Bhandara Road, Itwari, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 22-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 22nd October 1980

No. 1AS/ACQ/150/80-81.—Whereas, I, A. M. Kher, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/3 undivided share in Plot No. 106 and 105, N. H. No. 113, New Ramdaspeth, situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Nagpur on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Niranjanlal Ramballabh Khemka, Shri Sushilkumar Niranjanlal Khemka, Shri Kamalkumar Niranjanlal Khemka, Smt. Rukminidevi Niranjanlal Khemka, All R/o Mount Road, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Shivprasad Beniprasad Kanoria, R/o Ghat Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3 undivided share in Plot No. 106 and 105 of N. H. No. 113, New Ramdaspeth, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 22-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref No. CHD/11/80-81.—Whereas I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1521 situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Ram Moorjani S/o Shri S. G. Moorjani, 3B, Divasmeet East West Road, Jahu Scheme Bombay.
  - (IIIIIIIII)
  - (2) Shri Avtar Singh S/o S. Darshan Singh through his attorney Raghbir Singh, 3275, Sec. 15D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1521, Sector 33D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 36 of April 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CÈNTRAL REVENUÉ BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. LDH/7/80-81.-Whereas, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Share of House Property No. B-IV-632 situated at Wait Ganj, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

Ludhiana in Apri, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeof 1908) in the office of the Registering Officer

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for suchtransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- R/o B-IV-(1) Shri Sant Singh S/o Shri Hari Singh, 632, Wait Ganj, Ludhiana.
  - (Transferor)
- (2) Shri Sakhir Chand Baldev Raj SS/o Shri Gopal Dass, Mohalla Harfbanspura, Ludhiana and Shri Faqir Chand, Shiy Kumar, Kalu Ram R/o Mohalla Mehmoodpura, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Part of House No. B-IV-632, Wait Ganj, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 95 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. LDH/23/80-81.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. S-18, measuring 204.16 Sq. yds. situated at Vikas Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) Shri Prem Kumar s/o Bhagat Ram Sood r/o S-18, Vikas Nagar Ludhiana c/o M/s, Bhagar Ram & Sons Property Dealers Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ishar Singh Majal s/o Shri Harchand Singh Majail r/o Bijil Pur Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. S-18, measuring 204.16 sq. yds. in Vikas Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 454 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. LDH/5/80-81.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building No. BXXIII-119, Bar Plot No. 42, measuring 718 Sq. yds. situated at Industrial Area 'A' Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bawa Balbir Singh s/o Bawa Gurmukh Singh, Prop., Greenway Hosy. Mills, Madhopuri, Ludhiana (Transferor)
- (2) Shri Jeewan Kumar, (2) Shri Bharat Bhushan ss/o Shri Kapur Chand (3) Smt. Usha Rani w/o Shri Kapur Chand al lr/o 465 Niaya Mohalla, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The etrms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory Building No. BXXIII-119 Bar Plot No. 42, measuring 718 sq. yds. situated in Industrial Area 'A' Ludhiana. (The property as mentioned in the registered Deed No. 68 of April, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref No. PTA/12/80-81.—Whereas, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House Property No. 10A, situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiaa in Apri, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Babu Singh S/o Shri Sher Singh R/o Model Town. Patiala.
  - (Transferor)
- (2) S/Shri Harinder Singh, Parminder Singh Ss/o Shri Gian Singh, R/o Malwa Ice Factory, Factory Area, Patiala.

(Transferee)

- (3) The Chief Engineer, Hydel Establishment Circle, Punjab State Electricity Board, 10A, Model Town, Patiala.
  - (Person in occupation of the Property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House Property No. 10A, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 473 of April, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980,

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref No. PTA/10/8081.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House Property No. 10A, situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64436GL/80

 Shri Baboo Singh S/o Sher Singh, 10A, Model Town, Patiala.

(Transferor

(2) Smt. Harbans D/o Shri Sadhu Singh R/o Malwa Factory, Factory Area, Patiala.

(Transferce)

(3) The Chief Engineer, Hydel Establishment Circle, Punjab State Electricity Board, 10A, Model Town, Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House Property No. 10A, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 412 of April, 1980 of the Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. PTA/9/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'smid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House Property No. 10A situated at Model Town, Patiala, situated at Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Patiala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Baboo Singh S/o Shri Sher Singh, R/o 10A, Model Town, Patiala. (Transferor)

- (2) Dr. Gian Singh S/o Chri Gurdial Singh, Civil Surgeon, Sangrur.

  (Transferee)
- (3) The Chief Engineer, Hydel Establishment Circle, Punjab State Electricity Board, Patiala. 10A, Model Town Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House Property No. 10A, Model Town, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 399 of April, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15-12-1980

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

#### CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. PTA/4/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 28 kanals 12 Marlas.

situated at Tripari Saidan, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri Joginder Singh S/o Shri Waryam Singh, R/o Tripari Saidan, Patiala.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Waryam Kaur W/o Shri Hardial Singh, R/o Village Tolewal, Teh., Malerkotla. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interessed in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 28 Kanals 12 Marlas at Tripari Saidan,

The property as mentioned in the sale deed No. 65 of April, 1980 of the Registering Authority, Patiola).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. PTA/2/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Land measuring 24 Kanals 13 Marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ajit Singh S/o Shu Joginder Singh through his Ceneral Power of Attorney Shri Joginder Singh S/o Sh. Waryam Singh, R/o Trip 11 Sailin, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Waryam Kaur W/o Hardial Singh R/o V. Tolewal, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 24 Kanals 13 Marlas at J-ipari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 63 of April, 1986 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. PTA/3/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 64 Kanals 17 Marias situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in April, 1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh S/o Sh. Waryam Singh (self) and General Power Attorney holder of Shri Ajit Singh, Bibi Satvinder Kaur & Bibi Khushvinder Kaur, son and daughters of Sh. Joginder Singh, Rs/o Tripari Saidan, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Waryam Kaur W/o Shri Hardial Singh, R/o V. Tolewal, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 64 Kanals 17 Marlas at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 64 of April 1980 of the Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15-12-1980

(1) Shri Gulzar Singh S/o Shri Kishna R/o Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Rani W/o Jagdish Chand R/o Ward No. 4, Mohalla Ashok Puri, Ahmedgarh. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. AML/9/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 1-18-5 bighas

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Village Kukar Majra, S. Teh. Amloh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1.18.5 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh.

The property as mentioned in the sale deed No. 143 of April, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980

#### FORM ITNL ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. SRD/9/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Factory Bldg. measuring 2 Kanal 5 Marlas at Brahman Majra situated at Teh. Sirhind

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Raghbir Chand s/o Sh. Kharaiti Lal r/o Sirhind Mandi Managing Partner through G. P. Attorney Sh. Balbir Chand s/o Sh. Kharaiti Lal r/o Sirhind Mandi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Kewal Kirshan, Yash Pal, Ranbir Kirshan ss/o Sh. Kishore Lal c/o Verma Plant Protector, Grain Market, Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Bldg. measuring 2K 5 Marlas at Brahaman Majra Teh, Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 300 of April, 1980 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Dec. 1980.

#### FORM ITNL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. DBS/1/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12.16 bighas situated at V. Gajipur, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dera Bassi in April, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bawa Singh S/o Shri Hira Singh & Shri Dilbagh Singh S/o Sh. Tara Singh Rs/o V. Gajipur, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Surat Singh S/o Shri Gian Singh R/o 1694, Sec. 33D. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12.16 bighas at V. Gajipur, S. Teh. Dera Bassi (Patiala).

(The property as mentioned in the sale deed No. 21 of April, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Dec. 1980.

### FORM TINS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. DBS/2/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 12.16 bighas situated at V. Gajipur, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dera Bassi in April, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65-436GI/80

 Shri Bawa Singh \$/o Shri Hira Singh & Shri Dilbagh Singh \$/o Sh. Tara Singh, Rs/o V. Bishanpura, S. Tch. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Surat Singh S/o Shri Gian Singh, R/o House No. 1694, Sec. 33D, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12.16 bighas situated at V. Gajipur, S. Teh. Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 46 of April, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Dec. 1980.

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. DBS/3/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12.16 bighas situated at Village Gajipur, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in April, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bawa Singh S/o Shri Hira Singh & Shri Dilbag Singh S/o Shri Tara Singh,
  Village Bishanpura, S. Teh. Dera Basi, Distt. Patiala.
  (Transferor)
- (2) Shri Bhagat Singh S/o Shri Gian Singh R/o 1694, Sector 33D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12.16 bighas at V. Gajipur, S. Teh. Dera Bassi (Patiala),

(The property as mentioned in the sale deed No. 60 of April, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.

SUKHDEV CHAND.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Dec. 1980.

#### FORM ITNL-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. DBS/4/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 9 kanals 10 marles situated at Village Longarh, S. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in April, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shyam Kaur Widow of Sh. Natha Singh & Shri Avtar Singh S/o Sh. Natha Singh, Rs/o Village Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi.

  (Transferor)
- (2) Dr. Jasmer Singh Soni & Sh. Gurmukh Singh Soni sons of Shri Teja Singh, Resident of House No. 3376, Sec. 32D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanals 10 Marlas at V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 85 of April, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, mmissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Dec. 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. BRN/1/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 86 Kanals 11 Marlas situated et Village Cheema, Tehsil Barnaia, Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bainala in April, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:

 S/Shri Anvar Singh, Narain Singh & Karnail Singh Ss/o Shri Ronak Singh, Village Cheema, Teh. Barnala.

(Transferor)

(2) S/Shri Karnail Singh, Jarnail Singh & Leehhman Singh Ss/o Sh. Thakar Singh, Resident of Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 86 kanals 11 Marlas at V. Cheema, Teh. Barnala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 243 of April. 80 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. AMI./3/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 21 Kanals 16 Marlas situated at V. Galwadi (Distt. Patiala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of santer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Jora Singh S/o Sh. Naranjan Singh R/o V. Galwadi, P.O. Mandi Gobindgarh. (Transferor)

(2) Shrimuti Resham Kaur W/o Shri Thaman Singh, R/o Kothi No. 130, Sec. 11A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 21 kanals 16 marles at V. Galwadi (Distt. Patiala).

(The property as mentioned in the sale deed No. 41 of April, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1980

#### FORM TINS ---

(1) Sh. Sewa Singh s/o Sh. Lal Singh & Sh. Surjan Singh s/o Sh. Heera Singh r/o Kukker Majra S. Teh. Amloh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Saggar Steels, G.T. Road, Mundi Gobindgarh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. SRD/6/80-81.—Whereas J, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 Bighas 0 Biswas situated at Ajnali Teh Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sirhind in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Antice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas 0 Biswas in Ajnali Teh, Sirhind. (The property as mentioned in the registered deed No. 150 of April, 1980 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 15-12-1980

## FORM NO. ITNS-

(1) Sh. Surjisi S ngh s/o Sh. Heera Singh and Sh. Sewa Singh s/o Lal Singh r/o Kukhar Wajra S. Teh. Amloh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M.s. Saggar Steel Mills, G.T. Road, Mandi Gobindgarh, Distt, Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING I udhiana, the 15th December 1980

Ref. No. SRD/1/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 8 Bighas 0 Biswas situated at V. Ajnali Teh. Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Sirhind in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas—0 Biswas situated in Ajnali Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2 of April, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana
this notice under sub-

Date: 15-12-1980

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surjit Singh s/o Sh. Heera Singh r/o Vill, Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Krishana Iron and Steel Rolling Mills Amloh Road Mendi Gobindgarh, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM/S-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. AML/2/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Land measuring 3 Bighas 10 Biswas situated at Kukkar Majra S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 10 Biswas in Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 22 of April, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1980

 Shri Khushi S/o Ibrahim R/o Chah Sarih Wala, hear Stadium Ground, Malerkotla.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. MKL/2/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring one kanal situated at Chah Sarih Wala, Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Arihant Spinning Mills Məlerkotla Prop. M/s. Mahavir Spinning Mills Limited, Regd. Office Chandlgarh Road, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring one kanal at Chah Sarih Wala. Malerkotla. (The property as mentioned in the sale deed No. 825 of April, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 26th November 1980

Ref. No. RAC No. 319/80-81 - Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to gs the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-228 situated at Lingampily Kachiguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Pratapchand S/o Late Rameshwarchand. 2. Jagadishchand S/o Late Rameshwarchand.
  - 3. Bharatchand.
  - 4. Bhuvneshchand S/o Late Rameshwarchand
  - 3-4-228 Kachiguda, Lingampally, Hyderabad, Smt. Karaleskwari W/o Krishnakumar, Smt. Snehlata W/o Ashok Kumar Shaliba
  - Hyderabad.
  - Smt. Suman W/o Vinod Kumar Aurangabad G.P.A. Mi. Bharat Chand 3-4-228 Kachiguda, Hyderabad (For 5, 6, & 7),

(Transferor)

(2) Dr. A. S. Murthy S/o Late A. Venketramaiah and Dr. Mrs. A. Sashikala W/o Dr. A. S. Murthy 1-B Chitraknot Kachiguda, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any., to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within: 45 days from the date of the publication of this notion in the Official Canette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 3-4-228 at Lingampally Kachiguda' Hyderabad afea 434 sq. yards (363 sq. mts.) registered \ Document'' No 2912 '80 with sub-registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad

Date ' 26-11-1980